https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

राष्ट्रीय संस्करण
वर्ष 7 अंक 88
मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, गुरुवार, 7 सितंबर, 2023
दैनिक जागरण
www.jagran.com
पृष्ठ 14

जागरण विशेष

गलत दिशा में ड्राइविंग और ओवरलोडिंग रोकेगी सड़क

प्रतीकात्मक

वाराणसी: गलत दिशा में ड्राइविंग और ओवरलोडिंग सड़क दुर्घटनाओं में मौत के बड़े कारण हैं। इन पर रोक लगाने के लिए आइआइटी-बीएचयू सेंसरयुक्त सड़क की तकनीक विकसित कर रहा है। (पेज-7)

संपादकीय

बेहतर दुनिया की ओर बढ़ते कदम : हमारी भावना एक ऐसी दुनिया के निर्माण की है, जहां एकता हर मतभेद से ऊपर हो और जहां साझा लक्ष्य अलगाव का सोच खत्म कर दे। **नरेन्द्र मोदी** का आलेख।

कश्मीर का हितैषी नहीं पाकिस्तान : जो पाकिस्तान कश्मीर में जनमत संग्रह का मुद्दा उठाता है, वह स्वयं इसे तीन बार ठुकरा चुका है। **दिनकर पी. श्रीवास्तव** का दृष्टिकोण। ● पेज 8

विमर्श

देश की सांस्कृतिक चेतना में है भारत : राष्ट्रपति द्वारा जी-20 के संदर्भ में प्रकाशित एक आमंत्रण पत्र में प्रेसिडेंट आफ भारत लिखा जाना हमारी सांस्कृतिक चेतना को ही दर्शाता है, जिसे रेखांकित कर रहे हैं, **विजय कपूर**।

छात्रों के लिए फ्रांस में अवसर : फ्रांस में भारतीय छात्रों के लिए उच्च शिक्षा की राह आसान बन रही है, जिसे विश्लेषित कर रहे हैं, **इमैनुएल लेनैन**। ● पेज-9

दैनिक जागरण सप्तरंग

तकनीक की दुनिया का

वेब 3 नए दौर का इंटरनेट

सबसे बड़े टेक शो में दिखे अनोखे गैजेट्स ● पेज 13

भारी कूटनीतिक व्यस्तताओं वाले हैं पीएम के अगले कुछ दिन पेज>>3

घूस लेने में विदेश व्यापार के संयुक्त महानिदेशक समेत दो अन्य गिरफ्तार पेज>>6

सनातन पर आक्रामक और भारत पर तथ्य आधारित जवाब दें मंत्री : मोदी

▸ प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को बताया, जी-20 सम्मेलन के दौरान क्या करें, क्या न करें

▸ उदयनिधि स्टालिन की टिप्पणी को लेकर राष्ट्रीय मुद्दा बनाना चाहती है भाजपा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

एक देश-एक चुनाव, भारत बनाम इंडिया, सनातन धर्म के अपमान जैसे कई मुद्दों पर छिड़े विवाद के बीच मंत्रियों और भाजपा नेताओं को शीर्ष नेतृत्व से संदेश मिला है कि जोश में नहीं, बल्कि तार्किकता के साथ अपनी बात रखें। बताया जाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को मंत्रियों से कहा कि भारत और इंडिया की बहस संवेदनशीलता के साथ होनी चाहिए। हर किसी को बयान देने की जरूरत नहीं है।

भाजपा नेताओं को भी इसी आशय का संदेश दिया गया है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य को समझते हुए ही ऐसी बहस आगे बढ़नी चाहिए। वैसे भी जी-20 शिखर सम्मेलन के बीच सरकार नही चाहेगी कि ऐसे संवेदनशील मुद्दों पर अप्रिय बयानबाजी हो। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन के पुत्र उदयनिधि की ओर से सनातन धर्म की आलोचना पर भाजपा नेता जरूर आक्रामक रहेंगे। इस मुद्दे पर आइएनडीआइए (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) नेताओं की चुप्पी पर सवाल खड़े किए जाते रहेंगे। लेकिन उन्हें भी यह आगाह किया गया है कि सनातन धर्म को समझते हुए सवाल पूछें। राजनीतिक बहस में उसे कोई दूसरा मोड़ नहीं दिया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। फाइल

भव्य नटराज प्रतिमा भारत की सदियों पुरानी परंपराओं का प्रमाण

पीएम ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत मंडपम में भव्य नटराज प्रतिमा हमारे समृद्ध इतिहास व संस्कृति के पहलुओं को जीवंत करती है। जैसे ही दुनिया जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए एकत्रित होगी, यह भारत की सदियों पुरानी कलात्मकता और परंपराओं के प्रमाण के रूप में खड़ी होगी। उल्लेखनीय है कि अष्टधातु से बनी यह प्रतिमा 27 फीट ऊंची और 20 टन वजनी है।

रामपुर के बाद कर्नाटक में उदयनिधि के विरुद्ध एफआइआर

नई दिल्ली : सनातन धर्म के खिलाफ विवादित बयान को लेकर मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में एफआइआर दर्ज हुई है। दोनों मंत्री अपने बयान से पीछे हटने को तैयार नहीं है। इस मुद्दे को लेकर तमिलनाडु में भाजपा और द्रमुक के बीच पोस्टर वार शुरू हो गया है। (पेज-4)

इस रुख से लगता है कि भाजपा इसे राष्ट्रीय मुद्दा बनाना चाहती है।

जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को यह भी बताया कि वे क्या करें और क्या न करें ताकि विदेशी अतिथियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों को अपने सरकारी वाहनों को छोड़ने और भारत मंडपम व अन्य आयोजन स्थलों पर पहुंचने के लिए शटल सेवाओं का उपयोग करने का परामर्श दिया। बैठक में विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने मंत्रियों को सम्मेलन पर एक प्रस्तुतिकरण दिया जिसमें उन्होंने प्रोटोकाल और अन्य संबंधित बातों की जानकारी दी। मंत्रियों को यह भी बताया गया कि जी-20 सम्मेलन भारत और उसकी वैश्विक छवि के लिए कितना महत्वपूर्ण है।

झारखंड में आसान नहीं सीटों का बंटवारा

रांची : विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के लिए प्रमुख राज्यों में शुमार झारखंड में लोकसभा चुनाव से पूर्व सीटों का बंटवारा आसान नहीं होगा। अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक बैठक नहीं हुई है। मगर आइएनडीआइए के महत्वपूर्ण घटक झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के तेवर आक्रामक हैं। (पेज-4)

आतंकियों को काली सूची में डालने से रोकना दोहरापन

संयुक्त राष्ट्र: भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि साक्ष्यों के बावजूद वैश्विक आतंकियों को काली सूची में डालने के प्रस्तावों में अड़ंगा लगाना गलत है। भारतीय प्रतिनिधि ने चीन-पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि बिना औचित्य बताए प्रस्ताव रोकने से दोहरेपन की बू आती है। (पेज-11)

'भारत' के विरोधी पढ़ें संविधान : जयशंकर

दो टूक ▸ विदेश मंत्री ने कहा- यह संविधान में लिखा है, 'इंडिया जो भारत है'

नई दिल्ली, एएनआइ : जी-20 शिखर सम्मेलन के अतिथियों को राष्ट्रपति की ओर से भेजे रात्रिभोज के निमंत्रण पत्र पर 'प्रेसिडेंट आफ भारत' लिखने के बाद विपक्षी दलों की टिप्पणियों के लिए उन पर निशाना साधते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि 'इंडिया जो भारत है' संविधान में लिखा है और वह चाहते हैं कि हर व्यक्ति इसे पढ़े।

विदेश मंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा कि भारत शब्द का अभिप्राय संविधान में प्रतिबिंबित भी होता है। उनसे इस संदर्भ में विपक्षी दलों की प्रतिक्रिया के बारे में सवाल किया गया था और यह भी पूछा गया था कि क्या सरकार जी-20 शिखर सम्मेलन के जरिये 'भारत' को 'इंडिया' की जगह प्रतिस्थापित करने जा रही है। देश के विभिन्न हिस्सों में जी-20 कार्यक्रमों के आयोजन पर जयशंकर ने कहा, यह जरूरी है कि आज का भारत बेहतर वैश्विक जागरूकता विकसित करे। ऐसा इसलिए किया गया ताकि विभिन्न शहर, विभिन्न राज्य, विभिन्न पेशेवर और पीढ़ियां एक तरह की हिस्सेदारी महसूस करें। यह जी-20 तक ही सीमित नहीं है।

इस संबंध में विपक्ष के सवाल उठाने पर विदेश मंत्री ने कहा कि अगर किसी को लगता है कि लुटियंस की दिल्ली उनके लिए सबसे आरामदायक है या विज्ञान भवन उनके लिए पूरी तरह आरामदायक है तो यह सोचना उनका विशेषाधिकार है और यही उनकी दुनिया है। जयशंकर ने कहा, 'यह एक अलग दुनिया है, एक अलग भारत है। यह एक अलग प्रधानमंत्री हैं। यह एक अलग सरकार है। और इसीलिए आप वह सब देख रहे हैं जो आपने अतीत में नहीं देखा।' जी-20 शिखर सम्मेलन पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के छा जाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने आश्वस्त किया कि सब कुछ सुचारू रूप से होगा। उन्होंने कहा, 'हम भारत हैं। हम जानते हैं कि दुनिया को कैसे संभालना है। भरोसा करें, पिछले 10 वर्षों में हमने दिखाया है कि हम दुनिया को कैसे संभाल सकते हैं।'

विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया बदल रही है और जी-20 अपने आप में इसका सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। एक समय था जब हमने सब कुछ जी-7 पर छोड़ दिया था, आज जी-20 को प्रमुख वैश्विक मंच के तौर पर देखा जाता है। पिछले वर्ष के बारे में सोचिए। जी-20 की तुलना नाटो, एससीओ, ब्रिक्स, क्वाड और संयुक्त राष्ट्र की बैठकों से कीजिए, किसी पर भी जी-20 जैसा ध्यान नहीं दिया गया क्योंकि दुनिया आज इस बैठक को असाधारण महत्व देती है।

भारत का झुकाव अमेरिका की ओर बढ़ने के दावों को खारिज करते हुए जयशंकर ने कहा, 'मुझे लगता है कि बहुत सारे देश भारत को विकासशील देश के रूप में पहचानते हैं। बहुत से देश भारत को लोकतंत्र के तौर पर पहचानते हैं। कई सारे देश भारत को बहुलतावादी देश मानते हैं। हमारी कई संस्थागत सांस्कृतिक समानताएं हैं इसलिए दुनिया के विभिन्न लोग हमसे जुड़ाव महसूस करते हैं। जी-20 सत्ता की राजनीति का अखाड़ा नहीं है।' विदेश मंत्री ने कहा कि कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंध बेहद प्रतिस्पर्धी कवायद है। लेकिन कूटनीति में भी ऐसे अवसर आते हैं जब प्रतिस्पर्धी होना होता है। कई अवसरों पर आपको सहयोगात्मक होना होता है। जी-20 बेहद सहयोगी मंच है। जी-20 में कई मुद्दों पर गहरे मतभेद रखने वाले देश ऐसी चीज तलाशते हैं जो उन्हें साथ ला सके।

जी-20 में भारत के ग्लोबल साउथ की आवाज बनने के बारे में जयशंकर ने कहा कि किसी और की अध्यक्षता में ऐसे विकासशील देशों को एकसाथ लाने का प्रयास नहीं किया गया जो वार्ता की मेज पर नहीं हैं और उनसे कहे कि आइए हमारे साथ बैठकर अपनी चिंताओं के बारे में बताइए। भारत उनकी चिंताओं को जी-20 के समक्ष रखेगा। उम्मीद है कि जी-20 देश भी अन्य देशों के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझेंगे। दिशा तय करने के लिए दुनिया के अन्य 180 देश उनकी ओर देख रहे हैं और वे उन्हें निराश नहीं कर सकते। (पेज-3 भी देखें)

▸ साक्षात्कार में कहा- यह एक अलग दुनिया, अलग भारत, अलग प्रधानमंत्री और अलग सरकार

▸ जी-20 में सब सुचारू रूप से होगा, हम भारत हैं हम जानते हैं कि दुनिया को कैसे संभालना है

नई दिल्ली में साक्षात्कार के दौरान बोलते विदेश मंत्री एस जयशंकर। एएनआइ

खालिस्तानी गतिविधियों पर बोले सुनक, नहीं चलेगा कट्टरपंथ

नई दिल्ली: ब्रिटेन में खालिस्तानी गतिविधियों के कारण भारत की चिंताएं बढ़ने पर ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा कि कट्टरपंथ किसी भी रूप में स्वीकार नहीं है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन भारत सरकार में अपने साझीदारों के साथ खालिस्तान समर्थक कट्टरवाद के खतरे से निपटने के लिए पूरा सहयोग कर रहा है। (पेज-3)

पुतिन व चिनफिंग की अनुपस्थिति का सम्मेलन पर नहीं पड़ेगा कोई असर

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि जी-20 शिखर सम्मेलन पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की अनुपस्थिति का कोई असर नहीं पड़ेगा। जी-20 में अलग-अलग समय पर कुछ ऐसे राष्ट्रपति या प्रधानमंत्री रहे हैं जिन्होंने किसी कारण से स्वयं नहीं आने का फैसला किया था। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में किसी भी देश का रुख उसका प्रतिनिधित्व करने वाले से प्रदर्शित होता है। विदेश मंत्री ने कहा कि सभी देशों के शेरपा एक दूसरे के संपर्क में हैं और अंतिम दस्तावेज तैयार करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्हें लगता है कि हर कोई बेहद गंभीरता के साथ आ रहा है।

यूक्रेन विवाद को घोषणा पत्र में शामिल करना बना सबसे दुरूह

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

जी-20 शिखर सम्मेलन में साझा घोषणा पत्र को लेकर किसी तरह से रजामंदी बन जाए, इस बात के लिए भारत ने उच्चस्तर पर कोशिश शुरू कर दी है। 06 सितंबर, 2023 को ईस्ट एशिया समिट में जकार्ता पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर की रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री मेंतेरी नेगेरी के साथ मुलाकात हुई और इसमें जी-20 से जुड़े मुद्दों पर ही प्रमुख तौर पर चर्चा हुई है। दैनिक जागरण ने विभिन्न देशों के कूटनीतिक अधिकारियों से बात की और जो बात सामने आ रही है उससे साफ है कि घोषणा पत्र में यूक्रेन के मुद्दे को किस तरह से शामिल किया जाए, यह बड़ी बाधा है। यह भी संकेत है कि यूक्रेन मुद्दे पर न तो अमेरिका व पश्चिमी देश झुकने को तैयार हैं और न ही रूस व चीन के रुख में कोई बदलाव दिख रहा है।

पूरी संभावना है कि शिखर सम्मेलन के दौरान एक तरफ अमेरिका के साथ यूरोपीय देश और दूसरी तरफ रूस और चीन के गठजोड़ के बीच यूक्रेन के मुद्दे पर तल्ख बयानबाजी हो। इस बात के संकेत ना सिर्फ यूरोपीय संघ के वरिष्ठ अधिकारियों ने दिए हैं बल्कि बुधवार को यूक्रेन पहुंच कर अमेरिका के विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन ने भी दिए हैं। ब्लिंकन की यात्रा के दौरान ही रूस ने यूक्रेन के एक शहर पर बड़ा हमला करके यह दिखाने की कोशिश की है कि वह अपने रुख पर अडिग है। दूसरी तरफ रूस-चीन ने अपने-अपने राष्ट्रपतियों को इस सम्मेलन में नहीं भेज कर साफ कर दिया है कि बैठक में क्या फैसला होता है, इसको लेकर वे उत्साहित नहीं हैं। यूरोपीय संघ के सूत्रों ने कहा कि अगर साझा घोषणा पत्र पर सहमति बनानी है तो बाली घोषणा पत्र में जिस तरह से यूक्रेन का जिक्र किया गया है, उसको उसी तर्ज पर शामिल करना होगा। यह समझ से परे है कि अगर बाली शिखर सम्मेलन में रूस और चीन यूक्रेन विवाद का जिक्र साझा घोषणा पत्र में शामिल करने को तैयार थे तो इस साल क्यों नहीं हो सकते। पिछले साल इंडोनेशिया ने सभी पक्षों को यूक्रेन का जिक्र घोषणा पत्र में करने पर समझा लिया था। भारत ऐसा कर पाता है या नहीं यह सम्मेलन के दौरान ही पता चलेगा।

▸ साझा घोषणा पत्र पर अब शीर्ष नेताओं की बैठक में होगा फैसला

▸ रूस व इंडोनेशिया के विदेश मंत्रियों के साथ जयशंकर की मुलाकात

जहां तक भारत और चीन के बीच तनाव से जी-20 शिखर सम्मेलन को प्रभावित करने का सवाल है, यह वास्तव में चीन पर निर्भर है। चीन विघ्नकर्ता की भूमिका निभाना चाहता है तो निश्चित रूप से यह विकल्प उनके लिए उपलब्ध है। - जेक सुलीवान, अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये जा रहे पेज>>3

आइआइटी मंडी में रैगिंग पर 10 छात्र निलंबित

जागरण संवाददाता, मंडी

▸ वरिष्ठ छात्रों ने पहले बैच के छात्रों की रैगिंग की थी, 72 पर लगाया जुर्माना

▸ आरोपित छात्रों से खाली करवाया गया छात्रावास, तीन के छीने पद

▸ आरोपित छात्रों के अभिभावक तलब, शिक्षा मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) मंडी में जूनियरों से रैगिंग की गई। एंटी रैगिंग कमेटी की सिफारिश पर प्रबंधन ने 10 सीनियरों को एक सेमेस्टर के लिए दिसंबर तक निलंबित कर छात्रावास से निकाल दिया है। तीन आरोपित छात्रसंघ के पदाधिकारी भी थे, उन्हें पद से हटा दिया गया। रैगिंग में 72 छात्र संलिप्त थे। सभी पर संस्थान ने जुर्माना लगाया है।

14 अगस्त को दोपहर बाद सीनियर ने जूनियरों को कक्षा में बुलाया। इनमें लड़के-लड़कियां दोनों शामिल थे। परिचय के बाद सभी को दीवार की ओर मुंह कर कई घंटे तक खड़ा रखा। उठक-बैठक करवाई गई। अश्लील हरकतें व इशारे किए गए। विरोध करने वाले जूनियरों को मुर्गा बनाकर धमकाया गया। पीड़ितों ने अभिभावकों को इस बारे में बताया। अभिभावकों ने ईमेल कर संस्थान प्रबंधन से रैगिंग की शिकायत की। एंटी रैगिंग कमेटी ने सीसीटीवी फुटेज से आरोपित सीनियरों की पहचान की। जूनियरों के बयान भी दर्ज किए गए। आरोप सही पाए जाने पर एंटी रैगिंग कमेटी ने कार्रवाई की। संस्थान के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहरा ने रैगिंग में संलिप्त छात्रों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की पुष्टि की है। जिन आरोपितों पर 15,000 रुपये जुर्माना लगाया गया है, उन्हें 20 घंटे समाजसेवा करनी होगी। 20,000 जुर्माने वाले को 40 घंटे व 25,000 रुपये जुर्माना राशि वालों के लिए 60 घंटे समाजसेवा तय की गई है। सभी आरोपितों के अभिभावकों को संस्थान ने तलब किया है। शिक्षा मंत्रालय ने पूरे मामले की रिपोर्ट मांगी है। आरोपितों के विरुद्ध प्राथमिकी भी दर्ज हो सकती है।

(इसरो ने जेयू में रैगिंग रोकने के लिए एआइ इस्तेमाल का दिया सुझाव: पेज-7)

आइआइटी मंडी। फाइल

नासा के सेटेलाइट ने विक्रम के लैंडिंग स्थल की ली तस्वीर

बेंगलुरु : अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने विक्रम के लैंडिंग स्थल की तस्वीर जारी की है। यह लूनर रिकोनिसेंस आर्बिटर कैमरे से ली गई है। नासा ने लैंडर की तस्वीर जारी करते हुए कहा है कि यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव से 600 किलोमीटर दूर स्थित है। वर्तमान में विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर स्लीप मोड में हैं। (पेज-6)

मणिपुर में प्रदर्शनकारियों ने सेना के बैरिकेड्स तोड़े, 30 घायल

इंफाल : मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में बुधवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने टोरबंग में अपने वीरान घरों में पहुंचने की कोशिश में सेना के बैरिकेड्स तोड़ने का प्रयास किया। हालात पर काबू पाने के लिए सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान महिलाओं समेत 30 से अधिक लोग घायल हो गए। (पेज-7)

एक देश-एक चुनाव पर समिति ने शुरू की चर्चा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

देश में एक साथ चुनाव कराने से जुड़ी संभावनाओं को तलाशने के लिए केंद्र सरकार की ओर से पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता में गठित उच्चस्तरीय समिति ने चर्चा शुरू कर दी है। इस समिति की बुधवार को पहली औपचारिक बैठक हुई, लेकिन अभी सरकार ने इस पर कुछ नहीं कहा है। एक घंटे चली बैठक में गृह मंत्री अमित शाह और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल शामिल हुए।

एक साथ चुनाव कराने को लेकर गठित उच्चस्तरीय कमेटी में अमित शाह को बतौर सदस्य और मेघवाल को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इससे पहले केंद्र सरकार की ओर से इस कमेटी के गठन के बाद कानून मंत्रालय से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों ने भी कोविन्द से मुलाकात की थी। साथ ही इसे लेकर समय-समय पर गठित की गई कमेटियों की रिपोर्ट की जानकारी दी थी। एक साथ चुनाव कराने को लेकर गठित कमेटी में इन दोनों नेताओं के साथ वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे, लोकसभा के पूर्व महासचिव सुभाष कश्यप, पंद्रहवें वित्त आयोग के अध्यक्ष एनके सिंह, पूर्व चीफ विजिलेंस कमिश्नर संजय कोठारी, राज्यसभा के पूर्व सदस्य गुलाम नबी आजाद शामिल हैं। समिति में लोकसभा में सबसे बड़े विरोधी दल कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को भी शामिल किया गया था, लेकिन उन्होंने इस कमेटी में शामिल होने से मना कर दिया था।

▸ सरकार की ओर से गठित समिति ने पहली औपचारिक बैठक की

नई दिल्ली में बुधवार को पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के आवास पर 'एक देश, एक चुनाव' समिति की पहली बैठक में भाग लेने के बाद प्रस्थान करते गृह मंत्री अमित शाह तथा कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल। एएनआइ

प्रल्हाद बोले

सोनिया गांधी की ओर से पीएम को लिखे गए पत्र का संसदीय कार्य मंत्री जोशी ने दिया जवाब, संसदीय कामकाज के राजनीतिकरण, अनावश्यक विवाद पैदा करने के प्रयास का लगाया आरोप

सत्र बुलाने से पहले कभी नहीं होती दलों से चर्चा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने पर कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर जिन मुद्दों को उठाया, उस पर संसदीय कार्यमंत्री प्रल्हाद जोशी ने जवाबी खत लिख डाला। उन्होंने सोनिया को न सिर्फ संसदीय परंपराओं की याद दिलाई, बल्कि संसद के कामकाज के राजनीतिकरण और अनावश्यक विवाद पैदा करने के प्रयास करने का भी आरोप लगाया। कहा- संसद सत्र बुलाए जाने से पहले कभी राजनीतिक दलों से चर्चा नहीं होती।

जोशी ने लिखा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आप लोकतंत्र के मंदिर के कामकाज का भी राजनीतिकरण करने पर तुली हैं। उन्होंने अनुच्छेद 85 के तहत राष्ट्रपति द्वारा संसद सत्र बुलाए जाने के नियम का उल्लेख करते हुए कहा कि पूर्ण रूप से स्थापित प्रक्रिया का पालन करते हुए ही संसदीय कार्य संबंधी मंत्रिमंडल समिति के अनुमोदन के बाद राष्ट्रपति ने 18 सितंबर से आरंभ होने वाला सत्र बुलाया है। संसदीय कार्यमंत्री ने बुधवार को लिखा- 'शायद आपका परंपराओं की ओर ध्यान नहीं है। संसद सत्र बुलाने से पहले न कभी राजनीतिक दलों से चर्चा की जाती है और न कभी मुद्दों पर चर्चा होती है। राष्ट्रपति द्वारा सत्र बुलाए जाने के बाद सत्र आरंभ होने से पहले सभी दलों के नेताओं की बैठक होती है, जिसमें संसद में उठने वाले मुद्दों और कामकाज पर चर्चा होती है।'

संसदीय कार्यमंत्री प्रल्हाद जोशी। फाइल

उन्होंने कहा- 'हमारी सरकार किसी भी मुद्दे पर हमेशा चर्चा करने के लिए तैयार रहती है। वैसे भी आपने जिन मुद्दों का उल्लेख किया है, वह सभी मुद्दे अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कुछ ही समय पहले मानसून सत्र के दौरान उठाए गए थे और सरकार द्वारा उन पर जवाब भी दिया गया था।' जोशी ने पत्र में स्पष्ट किया कि सत्र की कार्यसूची हमेशा की तरह स्थापित आचरण के अनुसार उचित समय पर दी जाएगी। बता दें कि विशेष सत्र को लेकर गर्माई सियासत के बीच कांग्रेस के संसदीय रणनीतिक समूह और विपक्षी दलों के गठबंधन आइएनडीआइए के नेताओं संग राज्यसभा में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ मंगलवार को हुई बैठक में विपक्ष की बनी साझा रणनीति के तहत सोनिया ने पीएम को ये पत्र लिखा था। जयराम रमेश ने सोनिया का पत्र साझा करते हुए कहा कि पीएम मोदी आइएनडीआइए से घबराए हुए हैं और विशेष सत्र बुलाने का उनका एकतरफा निर्णय इस घबराहट का प्रमाण है।

सोनिया ने ये लिखा था पत्र में

विशेष सत्र विपक्षी दलों से चर्चा किए बिना बुलाया गया है। हमें सिर्फ ये बताया गया है कि सभी पांच दिन सरकारी कामकाज के लिए आवंटित किए गए हैं। विपक्ष को यह मालूम ही नहीं है कि सत्र का एजेंडा क्या है, हमें एजेंडा बताया जाए। हम विशेष सत्र में हिस्सा लेंगे। हम चाहते हैं कि सदन में महंगाई, केंद्र-राज्य संबंध, मणिपुर में जातीय हिंसा, चीनी अतिक्रमण, अदाणी विवाद, जाति गणना समेत नौ मुद्दों पर चर्चा कराई जाए। एमएसपी सहित किसानों की अन्य मांगों के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा किसान संगठनों से किए गए वादे पर चर्चा हो। मणिपुर के लोगों की पीड़ा और राज्य में संवैधानिक मशीनरी के साथ सामाजिक सद्भाव बिगड़ने पर बातचीत हो। हरियाणा समेत कई अन्य राज्यों में सांप्रदायिक तनाव में बढ़ोतरी पर भी चर्चा हो। चीन भारतीय क्षेत्र पर लगातार कब्जे के साथ लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में देश की सीमाओं पर हमारी संप्रभुता को चुनौती दे रहा है, इस पर चर्चा कराई जाए। कुछ राज्यों में बाढ़ व कुछ में सूखे जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा हो।

जब तक समाज में भेदभाव है, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए : भागवत

नागपुर, प्रेट्र : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि जब तक समाज में भेदभाव है, तब तक आरक्षण जारी रहना चाहिए। भेदभाव अदृश्य होते हुए भी समाज में मौजूद है। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं के बूढ़े होने से पहले अखंड भारत वास्तविकता बन जाएगा।

नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में संघ प्रमुख ने कहा कि सामाजिक व्यवस्था में हमने अपने बंधुओं को पीछे रखा। हमने उनकी परवाह नहीं की। यह सिलसिला दो हजार साल तक चलता रहा। जब तक हम उन्हें समानता प्रदान नहीं कर देते, तब तक कुछ विशेष उपाय करने होंगे। उन्होंने कहा कि जब तक ऐसा भेदभाव बना हुआ है, संविधान में प्रदत्त आरक्षण का हम पूरा समर्थन करते हैं। भागवत ने कहा कि यह केवल वित्तीय या राजनीतिक समानता सुनिश्चित करने के लिए नहीं, बल्कि सम्मान देने के लिए भी है। एक छात्र के सवाल पर संघ प्रमुख ने कहा कि यदि आप इसी तरह से काम करते रहेंगे तो आपके बूढ़े होने से पहले अखंड भारत वास्तविकता बन जाएगा। अब स्थिति ऐसी बन रही है कि जो लोग भारत से अलग हुए उन्हें लगने लगा है कि उन्होंने गलती कर दी। उनको लगता है कि उन्हें फिर से भारत में होना चाहिए। उन्हें लगता है कि ऐसा करने के लिए उन्हें नक्शे पर मौजूद रेखाओं को मिटाना होगा। भारत में होने का अर्थ यहां की प्रकृति (स्वभाव) को स्वीकार करना है।

संघ प्रमुख ने कहा, आज के युवाओं के बूढ़े होने से पहले वास्तविकता बन जाएगा अखंड भारत

https://instadownload.app/ https://saveig.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

आज का मौसम

आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
7 सितंबर	38.0	26.0
8 सितंबर	37.0	26.0
नोएडा		
7 सितंबर	35.0	26.0
8 सितंबर	35.0	26.0
गुरुग्राम		
7 सितंबर	35.0	27.0
8 सितंबर	35.0	27.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

एसपीजी के निदेशक अरुण कुमार सिन्हा का निधन

गुरुग्राम : स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) के निदेशक अरुण कुमार सिन्हा का बुधवार सुबह निधन हो गया। उन्होंने मेदांता मेडिसिटी में अंतिम सांस ली। वह पिछले कुछ महीनों से बीमार चल रहे थे। लिवर में परेशानी की वजह से उन्हें चार सितंबर को मेदांता में भर्ती कराया गया था। अरुण कुमार सिन्हा 1988 बैच के केरल कैडर के आइपीएस थे। 2016 से वह एसपीजी प्रमुख की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। (जासं)

अरुण कुमार सिन्हा। फाइल फोटो

सचदेवा ने दिल्ली के मंत्री के दावे पर उठाए सवाल

नई दिल्ली : दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि दिल्ली सरकार के मंत्रियों को लगता है कि विकास कार्य को लेकर बार-बार झूठ बोलकर वह जनता को गुमराह कर सकते हैं। उन्हें मालूम होना चाहिए कि दिल्ली में जी 20 से संबंधित 95 प्रतिशत आधारभूत ढांचे का काम केंद्र सरकार के फंड से हुआ है। केंद्र सरकार ने प्रगति मैदान में भारत मंडपम के साथ अन्य निर्माण कार्य कराया है। मथुरा रोड के साथ सुरंग सड़क के लिए दिल्ली सरकार द्वारा अपने हिस्से का फंड नहीं देने के बाद भी केंद्र सरकार ने इसका निर्माण पूरा किया है। (राब्यू)

प्रो. पांडेय बने डीयू हिमालय अध्ययन केंद्र के निदेशक

नई दिल्ली: दिल्ली विश्वविद्यालय में भूगोल विभाग में प्रोफेसर विंध्यवासिनी पांडेय को केंद्रीय हिमालय अध्ययन केंद्र का निदेशक बनाया गया है। यह केंद्र हिमालय क्षेत्र के अध्ययन और अनुसंधान के लिए काम करता है। प्रो. पांडेय ने कहा कि कोशिश होगी कि हिमालय क्षेत्र पर काम करने वाले लोग इस केंद्र से ज्यादा से ज्यादा लाभ ले सकें। (जासं)

कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच अब 17 होटलों में ही ठहरेंगे मेहमान

पिछले दो हफ्ते से अधिक समय से विदेशी एजेंसियों व दिल्ली पुलिस का अभ्यास पूरा

G20 सम्मेलन की तैयारी

आपात स्थिति से निपटने का भी किया गया व्यापक अभ्यास

राकेश कुमार सिंह, नई दिल्ली

जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सभी केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां, एयरफोर्स, पैरा मिलिट्री, एनडीआरएफ व दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। सुरक्षा प्रबंधों के बीच सभी विदेशी मेहमान अब दिल्ली के 16 व गुरुग्राम के एक होटल यानी कुल 17 होटलों में ठहरेंगे। उक्त सभी होटलों को पुलिस समेत सभी केंद्रीय व विदेशी सुरक्षा एजेंसियों ने कब्जे में लिया है।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, पहले 29 देशों से आने वाले राष्ट्राध्यक्षों, उक्त देशों के मंत्रियों, सुरक्षा एजेंसियों व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारियों के ठहरने के लिए दिल्ली के 23 व गुरुग्राम के दो होटलों में ठहरने के बंदोबस्त किए गए थे, लेकिन विदेश से आने वाले मेहमानों की संख्या कम हो जाने से उन्हें ठहराने के लिए अब 17 होटलों में बंदोबस्त किए गए हैं। ऐसा इसलिए किया गया ताकि उक्त होटलों में बेहतर सुरक्षा प्रबंध किया जा सके। पिछले कई माह से सुरक्षा की व्यापक रूपरेखा तैयार करने के बाद दिल्ली पुलिस सभी केंद्रीय व अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर दो हफ्ते से अधिक समय से लगातार सुरक्षा अभ्यास में जुटी थीं, जहां भी उन्हें कमियां नजर आईं, उसे तुरंत दुरुस्त किया गया। सुरक्षा अभ्यास के जरिये सभी तरह के इंतजाम पुख्ता कर लिए गए हैं। बुधवार को भी सभी भारतीय और विदेशी सुरक्षा एजेंसियां, दिल्ली पुलिस व अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर कारकेड से सुरक्षा अभ्यास किया। तड़के 5.30 बजे से दोपहर तक अभ्यास किया गया। यह अंतिम अभ्यास था। साथ ही किसी अनहोनी की स्थिति में क्या किया जाए, उसको लेकर भी अभ्यास किया गया। किसी भी तरह की घटना होने पर विदेशी मेहमानों को किस सेफ हाउस तक कैसे ले जाया जा सके, वहां से किन रूटों से किन अस्पताल में उन्हें ले जाया जा सके। किन अस्पतालों तक जाने में कितना समय लगेगा। इन सबका आकलन किया गया।

प्रगति मैदान व सभी होटलों के अंदर ड्यूटी करने वाले सभी अधिकारी व कर्मी सफारी सूट में नजर आएंगे। वहीं, बाहर कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारी व कर्मी वर्दी में रहेंगे। प्रगति मैदान के अंदर वेन्यू कमांडर के तौर पर विशेष आयुक्त आरएस कृष्णैया, संयुक्त आयुक्त भोला शंकर जायसवाल के अलावा विशेष आयुक्त सुरक्षा मधुप तिवारी, विशेष आयुक्त स्पेशल सेल एचजीएस धालीवाल, विशेष आयुक्त क्राइम ब्रांच रवींद्र सिंह यादव के अलावा रोमिल बानिया, औपी मिश्रा, के जगदीशन आदि की तैनाती रहेगी।

जी-20 शिखर सम्मेलन की सुरक्षा के मद्देनजर रायसीना रोड से ली मेरिडियन होटल की तरफ आने वाले रास्ते को बंद कर दिया गया है। यहां कड़ी निगरानी करते बीएसएफ के जवान। ध्रुव कुमार

नई दिल्ली व मध्य जिले में बनाए गए कई कंट्रोल रूम

सम्मेलन के दौरान विदेशी मेहमानों के आवागमन वाले रूटों व सभी वेन्यू को मानीटर करने के लिए पुलिस मुख्यालय में स्थित केंद्रीय कंट्रोल रूम सी-4 आइ से तो पल-पल की निगरानी की जाएगी। इसके अलावा नई दिल्ली जिले व मध्य जिले में भी कई कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। नई दिल्ली जिले के सात-आठ थाने में कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। 10 सितंबर की सुबह 8.15 बजे सभी राष्ट्राध्यक्ष व अंतरराष्ट्रीय संगठनों के पदाधिकारी नई दिल्ली से मध्य जिले में प्रवेश कर राजघाट आएंगे। इसके लिए पूरे जिले में 600 कैमरे लगाए गए हैं।

आठ से 10 सितंबर तक सुबह चार बजे से चलेगी मेट्रो

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर आठ से 10 सितंबर तक मेट्रो का परिचालन सुबह चार बजे से शुरू हो जाएगा। सम्मेलन के लिए सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, यातायात और अन्य जरूरी व्यवस्था बनाए रखने के लिए तैनात पुलिसकर्मियों, अर्धसैनिक बलों और अन्य लोगों को उनके कार्य स्थल तक पहुंचाने और आम जनता की सुविधा के लिए इन तीन दिनों तक सभी कारिडोरों पर मेट्रो ट्रेन सेवा समय से दो घंटे पहले शुरू करने का फैसला लिया गया है। सुबह चार से छह बजे तक सभी लाइनों पर मेट्रो ट्रेन 30 मिनट के अंतराल पर मिलेगी। छह बजे के बाद सभी लाइनों पर मेट्रो पूरे दिन सामान्य समयसारिणी के अनुसार चलेंगी।

तीनों दिन सभी मेट्रो स्टेशन आम जनता के लिए खुले रहेंगे। सुरक्षा कारणों की वजह से सिर्फ सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन पर नौ और 10 सितंबर को यात्रियों को चढ़ने और उतरने की अनुमति नहीं होगी। सुरक्षा एजेंसियों के निर्देश पर नई दिल्ली जिले के कुछ मेट्रो स्टेशनों पर प्रवेश व निकास को सीमित अवधि के लिए रोका जा सकता है। इसकी पूर्व सूचना यात्रियों को दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट, पटेल चौक और राम कृष्ण आश्रम मार्ग मेट्रो स्टेशन की पार्किंग आठ सितंबर को सुबह चार बजे से 11 सितंबर दोपहर 12 बजे तक बंद रहेगी। अन्य सभी मेट्रो स्टेशनों पर पार्किंग सामान्य रूप से उपलब्ध रहेगी।

डीएमआरसी के प्रधान कार्यकारी निदेशक (कारपोरेट कम्युनिकेशन) अनुज दयाल ने कहा कि मेट्रो के परिचालन से जुड़ी जरूरी जानकारी दिल्ली मेट्रो रेल एप और वेबसाइट के साथ ही एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर दी जाएगी। यात्री आधिकारिक सूचना के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनानी चाहिए।

नौ और 10 सितंबर को बंद रहेगा सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन

सुबह जल्द शुरू होगी मेट्रो सेवा। फाइल

एलजी ने बदरपुर खादर में ग्रामसभा की 220 एकड़ भूमि आवंटन को दी मंजूरी

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- शिक्षा विभाग, जल बोर्ड और पर्यावरण एवं वन विभाग को आवंटित होगी जमीन
- बनेगा स्कूल और आरओ प्लांट, अन्य हिस्से पर लगाए जाएंगे पौधे

उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली में स्कूल और पानी के बुनियादी ढांचे के साथ-साथ वनीकरण आवश्यकताओं को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया है। उन्होंने शिक्षा विभाग, जल बोर्ड और पर्यावरण एवं वन विभाग को बदरपुर खादर में ग्रामसभा की 220 एकड़ भूमि के आवंटन और उपयोग को मंजूरी दे दी है। भूमि का उपयोग स्कूल के निर्माण, आरओ प्लांट लगाने, पौधारोपण एवं प्रतिपूरक वनीकरण के लिए किया जाएगा।

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने इस वर्ष मार्च में एलजी को पत्र लिखकर क्षेत्र में स्कूलों की कमी का हवाला दिया था। साथ ही उनसे स्कूल और स्टेडियम के निर्माण हेतु भूमि आवंटित करने का अनुरोध किया था। इस पर संज्ञान लेते हुए एलजी ने राजस्व विभाग को 99 वर्षों की लीज के आधार पर उक्त विभागों को मुफ्त में जमीन आवंटित करने का निर्देश दिया है।

इस प्रस्ताव के अनुसार गांव में सरकारी स्कूल के निर्माण के लिए शिक्षा विभाग को 12.39 एकड़ भूमि आवंटित की जाएगी। उसी खसरे में शेष 32 एकड़ भूमि गांव में भविष्य में होने वाली विकास की जरूरतों के लिए रखी जाएगी। वहीं, एलजी ने जल बोर्ड को आरओ प्लांट लगाने के लिए दो अलग-अलग खसरों में से प्रत्येक में 0.12 एकड़ भूमि के आवंटन को भी मंजूरी दे दी है। एलजी ने निर्देश दिया कि विभिन्न खसरों में 175.5 एकड़ की शेष भूमि जो 'बंजर' है, उसको पर्यावरण और वन विभाग को आवंटित किया जाए, जिसका उपयोग प्रतिपूरक वनीकरण के लिए किया जाएगा।

वीके सक्सेना। फाइल

आवंटन नीति का मसौदा तैयार न होने पर एलजी नाराज

इस प्रस्ताव की फाइल को मंजूरी देते हुए एलजी ने कहा कि उन्होंने 10 नवंबर 2022 को राजस्व विभाग को अधीनस्थ विभागों, स्वायत निकायों व बोर्डों आदि को भूमि के आवंटन सहित भूमि के अंतर-विभागीय आवंटन के लिए छह माह में एक समान नीति का मसौदा तैयार करने का निर्देश दिया था, लेकिन वह अब तक नहीं हुआ। एलजी ने इस पर सख्त नाराजगी जताते हुए नीति का मसौदा तैयार करने में तेजी लाने का निर्देश दिया है।

शिखर सम्मेलन के दौरान छाए रहेंगे बादल, हो सकती है हल्की वर्षा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- मौसम विभाग ने जारी किया शिखर सम्मेलन के लिए विशेष बुलेटिन
- आठ, नौ और 10 सितंबर को मिलाजुला रहेगा राजधानी का मौसम

जी-20 सम्मलेन के दौरान यानी आठ, नौ और 10 सितंबर को राजधानी का मौसम मिलाजुला रहेगा। तीनों दिन आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की वर्षा या बूंदाबांदी होने की भी संभावना है। इस दौरान अधिकतम तापमान 36 से 37 डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान 26 से 27 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान है।

सम्मेलन के लिए मौसम विभाग ने बुधवार को विशेष बुलेटिन जारी किया। इसके अनुसार जी-20 के आठ से 10 सितंबर के बीच दिल्ली में तापमान में भी आंशिक गिरावट आ सकती है। हवा में नमी का स्तर अधिकतम 70 से 95 प्रतिशत, जबकि न्यूनतम 43 से 65 प्रतिशत रह सकता है। वहीं, हवा की गति तीन से पांच किमी प्रति घंटा रह सकती है। उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और मध्य बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र सक्रिय है। आने वाले दिनों में यह दिल्ली और आसपास के इलाकों की ओर बढ़ेगा, जिससे तापमान में बदलाव आएगा। मौसम विभाग के महानिदेशक डा. मृत्युंजय महापात्रा ने कहा कि दिल्ली में इस समय चल रहा उच्च तापमान लंबे समय से वर्षा की अनुपस्थिति और शुष्क हवाओं के प्रसार के कारण है।

बुधवार को भी गर्मी का सितम जारी रहा। दिन भर खिली रही तेज धूप के बीच अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 37.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। न्यूनतम तापमान सामान्य स्तर पर 25.9 डिग्री दर्ज हुआ। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि गुरुवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

9-10 को नई दिल्ली क्षेत्र में नहीं होगा बसों का परिचालन

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : शिखर सम्मेलन के आयोजन के चलते दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) ने परिचालन में बड़े बदलाव किए हैं। डीटीसी के अनुसार नौ और 10 सितंबर को प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम के आसपास तथा नई दिल्ली जिला के क्षेत्र में यातायात गतिविधियों को प्रतिबंधित किया गया है। इस दौरान डीटीसी की सिटी बसें रिंग रोड पर संचालित होंगी और रिंग रोड से आगे दिल्ली के बार्डर की ओर चलेंगी।

इस दौरान अंतरराज्यीय बसों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति तो होगी लेकिन वे रिंग रोड से आगे दिल्ली में अंदर नहीं आ सकेंगी। केवल रिंग रोड पर समाप्त हो जाएंगी। दिल्ली पुलिस की ट्रैफिक एडवायजरी का उल्लेख करते हुए डीटीसी ने बताया है कि मालवाहक वाहनों और बसों को छोड़कर सामान्य वाहनों को रजोकरी बार्डर से दिल्ली में प्रवेश की अनुमति होगी। आठ सितंबर की सुबह से प्रगति मैदान सुरंग यातायात के लिए बंद कर दी जाएगी। इसमें किसी भी वाहन को प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

जेएनयू में छात्र को छात्रावास से निकालने पर हंगामा, मारपीट का लगाया आरोप

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- छात्रों ने कहा, अदालत से स्टे के बाद भी की गई कार्रवाई
- कावेरी छात्रावास के वार्डन के घर के बाहर छात्रों ने प्रदर्शन किया

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हेट स्पीच के आरोपों का सामना कर रहे छात्र को छात्रावास से निकालने पर हंगामा हो गया। विश्वविद्यालय के प्राक्टर की ओर से संस्थान से छात्र को बाहर करने का आदेश दिया गया था। छात्र एनएसयूआइ का कार्यकर्ता है। एनएसयूआइ ने बयान जारी कर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद और वार्डन पर मारपीट के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कार्रवाई को नियम विरुद्ध बताया है।

रूसी भाषा में पीएचडी कर रहे दिव्यांग छात्र फारुख पर काफी पहले हेट स्पीच का आरोप लगा था। बाद में जेएनयू प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए उसे संस्थान से बाहर जाने के आदेश दिए थे। एनएसयूआइ की जेएनयू इकाई के अध्यक्ष सुधांशु ने कहा, कार्रवाई के खिलाफ कोर्ट से स्टे ले लिया गया था। फारुख कानूनी तौर पर ही कावेरी छात्रावास में रह रहे थे। कुछ दिन पहले ही कोर्ट का आदेश उनके पक्ष में आया था। इसकी कापी अभी नहीं मिल सकी है। वार्डन आए और जबरन छात्रावास के कमरे से सामान फेंक दिया। कोर्ट के आदेश की कापी हमने बाद में देने की बात की थी, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं सुना। उनके साथ अभाविप के कार्यकर्ता भी थे। उन्होंने मुझे, फारुख, अखिलेश और नवीन को बुरी तरह पीटा। फारुख की हालत खराब हो गई तो एंबुलेंस बुलाकर अस्पताल में ले जाया गया। वह दिव्यांग है, यह जानते हुए भी वार्डन गोपाल ने उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया।

मामले में अभाविप ने कहा है कि परिषद के किसी कार्यकर्ता ने मारपीट नहीं की है। जेएनयू प्रशासन और उनका निजी मामला है। सभी आरोप बेबुनियाद हैं। मामले में कावेरी छात्रावास के वार्डन गोपाल ने कहा, फारुख के पास कोर्ट का कोई आदेश नहीं था। प्राक्टर के आदेश के बाद शांतिपूर्वक तरीके से उससे छात्रावास खाली कराया गया है। किसी तरह की मारपीट नहीं की गई है।

जेएनयू में मारपीट के दौरान घायल दिव्यांग छात्र फारुख को अस्पताल ले जाते हुए। सौजन्य: एनएसयूआइ

11 सितंबर से फिर शुरू होगी डीडीए की जनसुनवाई

नई दिल्ली, राज्य : अपनी समस्याओं व शिकायतों के समाधान के लिए लोग अब बिना समय लिए भी दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के दफ्तरों में जाकर अधिकारियों से मुलाकात कर सकते हैं। डीडीए ने 11 सितंबर से वाक इन जनसुनवाई की शुरुआत करने की घोषणा की है। अलबत्ता, इस दौरान लोगों से शारीरिक दूरी के मानदंडों का पालन करने का अनुरोध किया गया है। इससे पहले कोविड-19 के प्रकोप को देखते हुए प्राधिकरण द्वारा अपनी शंकाओं के समाधान के लिए डीडीए दफ्तरों में अधिकारियों से मिलने के पूर्व समय लेने लेने की व्यवस्था की गई थी।

डीडीए मुख्यालय में सोमवार और गुरुवार का दिन जनसुनवाई के लिए तय है। इन दिनों में आम लोग उपनिदेशक और उससे ऊपर के अधिकारियों से मिल सकते हैं। उपनिदेशक और निदेशक या उनके समकक्ष अधिकारियों से दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक और कमिश्नर व शीर्ष प्रबंधन से दोपहर 2:30 बजे से 3:30 बजे तक मिल सकते हैं।

सफदरजंग अस्पताल में अब आंखों की जटिल सर्जरी की भी होगी सुविधा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

सफदरजंग अस्पताल में नेत्र रोगियों की जटिल सर्जरी करने के लिए अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी आपरेशन थिएटर की शुरुआत की गई है। बुधवार को चिकित्सा अधीक्षक डा. वंदना तलवार ने इसका उद्घाटन किया।

डा. तलवार ने कहा, नेत्र रोग विभाग में शुरू किए गए विशेष आपरेशन थिएटर में विट्रो रेटीना, ग्लूकोमा की एडवांस सर्जरी, बच्चों की आंख की सर्जरी और इंडो लेजर आदि किए जाएंगे। ये जटिल नेत्र सर्जरी एक विशेष अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित आपरेशन थिएटर में ही मुमकिन है जो अधिकांश सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार की सर्जरी में खर्च भी काफी आता है, जिसकी वजह से बहुत से मरीज इलाज के अभाव में चिकित्सा योग्य अंधता में जिंदगी बसर कर रहे हैं। उन्होंने कहा, सफदरजंग अस्पताल में इस प्रकार की जटिल नेत्र चिकित्सा सेवा का विस्तार होना आम जनमानस के लिए अच्छी खबर है। खासकर उन मरीजों के लिए जो इस तरह के महंगे इलाज के खर्च को वहन करने में असमर्थ हैं। उन्नत सर्जरी की शुरुआत यहां के प्रशिक्षु चिकित्सकों के लिए नए अवसर प्रदान करेगी और विशेषज्ञता पर आधारित प्रशिक्षित सर्जन की कमी को काफी हद तक दूर किया जा सकेगा। नेत्र विभाग के विभागाध्यक्ष डा. अनुज मेहता ने कहा, सफदरजंग अस्पताल में चल रहे नेत्र पखवाड़े के तहत इसकी शुरुआत की गई है।

सफदरजंग अस्पताल में अत्याधुनिक सुपर स्पेशियलिटी आपरेशन थियेटर का शुभारंभ करतीं चिकित्सा अधीक्षक डा. वंदना तलवार व अन्य। सौजन्य: सफदरजंग अस्पताल

अहम टिप्पणी

महिला आरोपितों को बरी करने के निचली अदालत के आदेश के विरुद्ध दिल्ली पुलिस ने दायर की थी पुनरीक्षण याचिका, अदालत ने कहा, आपराधिक कृत्य में प्रत्येक व्यक्ति की संलिप्तता का स्वतंत्र रूप से किया जाना चाहिए मूल्यांकन

महिला अपराध नहीं कर सकती, यह सोच गलत : हाई कोर्ट

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

अपहरण के मामले में महिला आरोपितों को बरी करने के निचली अदालत के निर्णय की आलोचना करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि महिला अपराध नहीं कर सकती, यह सोच गलत है। बिना किसी ठोस या वैध आधार के महिला आरोपित के पक्ष में बनाई गई धारणाएं हमारी न्याय प्रणाली के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध हैं। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि कानूनी प्रणाली समान सिद्धांत पर आधारित है और प्रत्येक व्यक्ति को कानून के अनुसार उत्तरदायी ठहराया जाता है।

हाई कोर्ट ने यह टिप्पणी अपहरण के एक मामले में चार महिला आरोपितों को बरी करने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली दिल्ली पुलिस की पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए की। अदालत ने कहा कि आपराधिक कृत्य में प्रत्येक व्यक्ति की संलिप्तता का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन किया जाना चाहिए। अदालत ने रजिस्ट्रार जनरल को इस आदेश की प्रति को दिल्ली के सभी जिला और सत्र न्यायाधीशों को भेजने का निर्देश दिया, ताकि इसका प्रसार सुनिश्चित किया जा सके।

निचली अदालत ने पांच पुरुषों के खिलाफ आरोप तय करते हुए महिला आरोपितों को इस आधार पर बरी कर दिया था कि इस बात का कोई सुबूत नहीं है कि उन्होंने आरोपित पुरुषों को उकसाया था। पीठ ने कहा कि निचली अदालत ने महिला आरोपितों को उन धारणाओं के आधार पर बरी करके गंभीर गलती की है जो आरोप तय करने के चरण में स्वीकार्य नहीं थीं। निचली अदालत ने मान लिया कि जब पुरुष सदस्य पहले से ही शिकायतकर्ता को पीट रहे थे तो महिला सदस्यों के लिए उन्हें उकसाने और उन्हें पीटने में शामिल होने का कोई अवसर नहीं था।

तेजाब हमले का मामला नौ साल तक चलने पर हाई कोर्ट ने जताई नाराजगी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

तेजाब हमले के मामले की कार्यवाही नौ साल तक चलने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि ऐसे हमले के मामले अत्यधिक क्रूरता और विनाशकारी परिणामों के कारण सबसे गंभीर अपराधों में से हैं। ऐसी वारदात समाज को झकझोर कर रख देती। ऐसे मामलों में आरोपित को जमानत देने या अस्वीकार करने में अदालत की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। 30 वर्षीय वरिष्ठ रेजिडेंट डाक्टर पर तेजाब फेंकने के आरोपित को जमानत देने से इन्कार करते हुए न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ ने कहा कि जिन गवाहों से पूछताछ की जानी बाकी है उनसे रोजाना आधार पर पूछताछ की जाती तो मुकदमा चार महीने के भीतर समाप्त हो जाता।

हाई कोर्ट ने निचली अदालत को निर्देश दिया कि मामले को उच्च प्राथमिकता पर लेकर शेष गवाहों की गवाही रोजाना आधार पर रिकार्ड की जाए। किसी भी पक्षकार को कोई स्थगन नहीं दिया जाएगा। अगर चार महीने के अंदर जिरह की प्रक्रिया पूरी नहीं होती है तो बचाव पक्ष दोबारा इस अदालत के समक्ष नई याचिका दायर कर सकता है।

अदालत ने कहा कि एसिड हमले में पीड़िता को शारीरिक ही नहीं भावनात्मक घाव भी मिलते हैं, जो कभी नहीं भरते। आरोपित ने अपने साथी डाक्टर के साथ साजिश रचकर पीड़िता पर तेजाब से हमला किया था। आरोपित पीड़िता के साथ कंपाउंडर के रूप में काम कर रहा था। अभियोजन पक्ष के अनुसार सह-आरोपित डाक्टर पीड़िता से एकतरफा प्रेम करता था।

स्वच्छ हवा में सांस लेने के अधिकार की मांग पर सब साथ-साथ

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

- स्वच्छ वायु के लिए एकजुट पहल करते हुए देशभर के लोग बना रहे हैं वर्चुअल ह्यूमन चेन और साझा कर रहे सेल्फी

स्वच्छ हवा में सांस लेने के अधिकार की मांग करने और इसके प्रति एकजुटता दिखाने को देशभर के सौ से अधिक संगठन वर्चुअल ह्यूमन चेन बना रहे हैं। इस अभियान का समापन गुरुवार को नीले आसमान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के मौके पर होगा। अभियान में नागरिकों के साथ मशहूर हस्तियों और सांसदों ने हाथ-से-हाथ मिलाया है।

इस वर्चुअल ह्यूमन चेन में हवा की गुणवत्ता के प्रति चिंतित नागरिक एक खास वेबसाइट या इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर सेल्फी अपलोड कर रहे हैं। ऐसा अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस के मौके पर एकजुटता प्रदर्शित करने के लिए किया जा रहा है। अभियान #TogetherForCleanAir, जो कि नीले आसमान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्वच्छ वायु दिवस पर आधारित है, का नेतृत्व क्लीन एयर कलेक्टिव द्वारा किया जा रहा है। यह कलेक्टिव पूरे भारत के लगभग 150 व्यक्तियों और संगठनों का विविधतापूर्ण समूह, जो वायु प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए सामूहिक कार्रवाई करने हेतु प्रतिबद्ध है।

क्लीन एयर कलेक्टिव के संयोजक बृकेश सिंह ने कहा कि वर्चुअल ह्यूमन चेन बनाने का मकसद यह संदेश देना है कि चाहे दिल्ली हो या धनबाद या भारत का कोई भी कोना, वायु प्रदूषण हरेक को प्रभावित करता है।

https://instadownload.app/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

ब्रिटिश पीएम बोले ▶ विविधताओं और सफलताओं के मद्देनजर जी-20 की अध्यक्षता के लिए भारत 'सही देश'

कट्टरपंथी गतिविधियां किसी रूप में स्वीकार नहीं

ब्रिटेन में खालिस्तान समर्थकों की करतूतों को लेकर सुनक की दो टूक

नई दिल्ली, प्रेट्र : ब्रिटेन में खालिस्तानी गतिविधियों के कारण भारत की चिंताएं बढ़ने पर ब्रिटिश पीएम सुनक ने कहा कि कट्टरपंथ किसी भी रूप में स्वीकार नहीं है। मेरी सरकार का यह दायित्व है कि विभाजनकारी विचारधाराओं के खिलाफ पूरी गंभीरता से कड़ी कार्रवाई करे। ब्रिटेन भारत सरकार में अपने साझीदारों के साथ खालिस्तान समर्थक कट्टरवाद के खतरे से निपटने के लिए पूरा सहयोग कर रहा है। ब्रिटेन में कट्टरवाद को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया गया है। ब्रिटिश पुलिस ऐसे किसी भी अलगाववाद से निपटने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि कानून के दायरे में किए जाने वाले प्रदर्शनों को हिंसक या डराने वाला नहीं होना चाहिए।

ब्रिटेन में भारतीय मूल के पहले प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने बुधवार को कहा कि भारत की विविधता और उसकी असाधारण सफलताओं का अर्थ है कि जी-20 की अध्यक्षता के लिए वह 'सही समय' पर 'सही देश' है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पिछले साल के नेतृत्व की सराहना की और कहा कि भारत को जी-20 की अध्यक्षता ऐसे समय मिली जब विश्व कई गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है।

ऋषि सुनक ने भारत दौरे पर आने से पहले कहा, 'मैं पिछले वर्ष के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करता हूं और भारत जिस प्रकार वैश्विक नेतृत्व कर रहा है, उसे देखना अद्भुत है।' सुनक ने कहा, 'वैश्विक अर्थव्यवस्था को स्थिर करने से लेकर जलवायु परिवर्तन से निपटने तक विश्व की मौजूदा प्रमुख चुनौतियों का सामना करने के लिए हम जी20 की अध्यक्षता के जरिये भारत के साथ मिलकर काम करेंगे।'

उन्होंने 9-10 सितंबर को दिल्ली में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन से पहले, एक साक्षात्कार में कहा कि ब्रिटेन और भारत के संबंध दोनों देशों के भविष्य को परिभाषित करेंगे। कंजरवेटिव पार्टी के 43 वर्षीय नेता सुनक ने कहा कि 2023 वैश्विक भूराजनीतिक गतिविधियों का साल है। जी-20 के बाद भारत अगले महीने क्रिकेट विश्व कप की मेजबानी करेगा। सुनक ने यह भी कहा कि उन्हें अपनी जड़ें भारत में होने का बहुत गर्व है।

यूक्रेन को अपना भविष्य तय करने का अधिकार : ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने यूक्रेन पर रूसी हमले का भी जिक्र किया और कहा कि यदि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को किसी संप्रभु पड़ोसी देश पर हमला करने की अनुमति दी गई, तो पूरी दुनिया के लिए इसके 'भीषण परिणाम' होंगे।

सुनक ने कहा, 'विश्व के दो प्रमुख लोकतंत्रों के तौर पर, हमारे लोग हमें परिभाषित करते हैं और हमें दिशा दिखाते हैं। यही वजह है कि ब्रिटेन अवैध और अकारण रूसी आक्रमण का मुकाबला करने के लिए यूक्रेन का समर्थन करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। एक स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देश के तौर पर यूक्रेन को अपना भविष्य खुद तय करने का अधिकार है। सुनक ने कहा, 'यूक्रेन के लोगों से ज्यादा कोई भी शांति नहीं चाहता है, लेकिन पुतिन के पास अपने सैनिकों को वापस बुलाकर इस युद्ध को कल समाप्त करने की शक्ति है।'

ऋषि सुनक। फाइल

सुनक के रिश्तेदार दे सकते हैं भोज

ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की यात्रा के दौरान उनके रिश्तेदार नई दिल्ली में रात्रिभोज का आयोजन कर सकते हैं। ब्रिटिश अखबार 'द डेली टेलीग्राफ' ने खबर दी है कि सुनक के रिश्तेदार फूलों के गुलदस्ते और पंजाबी संगीत पर धमाल मचाते हुए दावत का आयोजन करेंगे। पंजाबी विरासत के सुनक के मामा 65 वर्षीय डा. गौतम देव सूद ने कहा कि सभी रिश्तेदारों को सुनक का स्वागत करने के लिए राष्ट्रीय राजधानी में आने के लिए कहा गया है। सूद ने अखबार को बताया कि यह हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है कि वे अपनी पैतृक भूमि की यात्रा कर रहे हैं।

'भारत के साथ एफटीए तभी जब ब्रिटेन के हित में होगा'

लंदन, प्रेट्र: ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपने मंत्रियों से कहा है कि भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता प्रगति पर है और देश केवल उसी समझौते पर सहमत होगा जो ब्रिटेन के हित में होंगे। इस सप्ताहांत नई दिल्ली में जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के रूप में अपनी पहली भारत यात्रा पर आने से पहले सुनक ने यह बयान दिया। सुनक ने मंत्रिमंडल की बैठक में अपने सहयोगियों को यह जानकारी दी। अभी तक इस संबंध में 12 दौर की बातचीत पूरी हो चुकी है। सुनक ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों में भारत को ब्रिटेन का 'अपरिहार्य भागीदार' बताया। उन्होंने कहा कि वह संबंधों को और मजबूत करने के इच्छुक हैं। 'डाउनिंग स्ट्रीट' (प्रधानमंत्री आवास) की ओर से मंत्रिमंडल की बैठक पर जारी एक बयान के अनुसार, 'उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत आगे बढ़ रही है और वह केवल उसी दृष्टिकोण पर सहमत होंगे जो पूरे ब्रिटेन के हित में होगा।' बयान के अनुसार, 'प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आर्थिक रूप से और सभी लोकतंत्रों के समक्ष पेश होने वाली वैश्विक चुनौतियों से निपटने में ब्रिटेन का एक अपरिहार्य भागीदार है। उन्होंने कहा कि हमें अब ब्रिटेन-भारत संबंधों को मजबूत करना चाहिए।'

खाद्य चुनौतियों का सामना करने के लिए जी-20 प्रतिबद्ध : तोमर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा है कि दुनिया को खाद्य सुरक्षा के लक्ष्य प्राप्त करने की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। 2030 तक शून्य भूखमरी के लक्ष्य को प्राप्त करना है लेकिन जलवायु परिवर्तन और कोविड-19 के चलते 2015 से स्थिति यथावत है। भारत जी-20 कृषि कार्य समूह के तहत इस संकट के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। सभी सदस्य देशों के कृषि मंत्रियों ने खाद्य सुरक्षा के लक्ष्य को प्राप्त करने पर सहमति व्यक्त की है।

तोमर ने कहा कि भारत अपनी अध्यक्षता में तय किए गए प्रत्येक बिंदु पर काम करने में सबसे आगे रहा है। खाद्य संकट और आपात स्थिति का सामना कर रहे देशों को मानवीय खाद्य सहायता दी है। कोविड-19 के दौरान भी भारत ने पड़ोसी देश समेत कई अन्य देशों को हजारों टन अनाज की आपूर्ति की है। देश में भी 'एक राष्ट्र-एक राशन कार्ड' के तहत सब्सिडी पर खाद्यान्न दिए जा रहे हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि जलवायु स्मार्ट कृषि पद्धतियों को अपनाया गया है। जैविक खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। इनपुट, लागत व कटौती से मुक्ति के लिए खेती की वैकल्पिक प्रणाली पर काम हो रहा है। जलवायु के अनुकूल फसलों की 1,752 किस्में विकसित हुई हैं। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को उनके प्रीमियम का चार गुना से अधिक मिला है। सुपर फूड के रूप में श्रीअन्न को प्रोत्साहित करने के लिए जी-20 की अध्यक्षता के तहत भारत ने श्रीअन्न एवं अन्य प्राचीन अनाज अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान पहल (महर्षि) की शुरुआत की है। यह निरंतरता और नवाचार को बढ़ावा देते हुए पोषण एवं अन्य चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार है। दुनियाभर के कृषि विज्ञानी इसमें रूचि ले रहे हैं जोकि भारत के बढ़ते प्रभाव और कृषि व पोषण संबंधी मुद्दों के समाधान को प्रतिबद्धता का उदाहरण है।

भारत अपनी अध्यक्षता में तय किए हर बिंदु पर काम करने में सबसे आगे

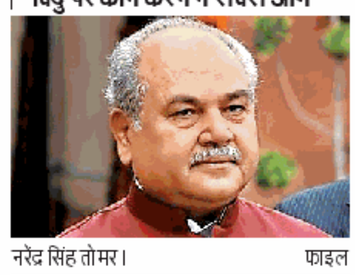
नरेंद्र सिंह तोमर। फाइल

उन्होंने कहा कि विकसित देशों के पास तकनीकी संरचना है जबकि भारत की शक्ति विशेषज्ञता में है। जी-20 के कृषि मंत्रियों ने डिजिटल क्षेत्र में भागीदारी के लिए भारत की सराहना की है। हमें छोटी जोत वाले किसानों को सशक्त बनाना है।

वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए जा रहे

प्रथम पृष्ठ से आगे

भारत की भूमिका की सराहना यूरोपीय संघ ने की है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाये जा रहे हैं और इनमें से कुछ मुद्दों को सम्मेलन के अंत में जारी होने वाले प्रपत्र में शामिल किये जाने की संभावना है।

कूटनीतिक सूत्रों ने बताया कि साझा घोषणा पत्र को लेकर कुछ विकल्पों का प्रस्ताव भारत की तरफ से पेश किया गया है। इस पर नूंह (हरियाणा) में जी-20 देशों के शेरपाओं की बैठक में चर्चा हो रही है। जी-20 के यूरोपीय देश हालांकि इन प्रस्तावों को लेकर बहुत उत्साहित नहीं है। जी-20 के सदस्य यूरोपीय देशों के सूत्रों ने बताया कि भारत के प्रस्ताव में इस बात का जिक्र नहीं है कि यूक्रेन पर किसी बाहरी देश ने हमला किया है और उसकी भौगोलिक अखंडता व संप्रभुता का उल्लंघन किया है। इस बात को स्वीकार नहीं किया जा सकता। यूक्रेन पर रूस ने हमला किया है और इसको लेकर संयुक्त राष्ट्र तक में प्रस्ताव पारित किया गया है। यह स्वीकार करना पड़ेगा कि रूस आक्रमण करने वाला देश है और चीन उसका समर्थन कर रहा है।

'शिखर सम्मेलन में चीन विघ्नकर्ता बनना चाहता है तो वह भी स्वीकार'

वाशिंगटन, प्रेट्र : यह चीन को तय करना है कि उसे नई दिल्ली में हो रही जी 20 समिट में कौन सी भूमिका अदा करनी है। अगर वह आयोजन में विघ्नकर्ता की भूमिका निभाना चाहता है तो उसे भी स्वीकार किया जाएगा। चीन के लिए सभी तरह के विकल्प उपलब्ध हैं। सख्त लहजे वाला यह बयान अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवान ने दिया है।

सुलीवान ने यह बात व्हाइट हाउस में प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान भारत-चीन सीमा पर बने तनाव के संबंध में पूछे जाने पर कही। कहा, जहां तक भारत और चीन के संबंधों में तनाव और जी 20 समिट पर उसके प्रभाव का सवाल है तो उसे कम करने की जिम्मेदारी चीन पर है। अगर चीन जी 20 समिट में विघ्नकर्ता की भूमिका अदा करना चाहता है तो वह विकल्प भी उसके लिए उपलब्ध है। समिट की अध्यक्षता कर रहे भारत का हौसला बढ़ाने और आयोजन को सफल बनाने के लिए अमेरिका और बाकी के सदस्य देश पूरी शिद्दत के साथ नई दिल्ली में उपस्थित होंगे। वहां पर मौसम में हो रहे बदलाव, चतुर्मुखी विकास, बैंकिंग में सुधार, कर्ज में राहत, तकनीक और अन्य भूराजनीतिक विषयों पर चर्चा की जाएगी। इन मसलों पर विकासशील देशों के साथ मिलकर कार्य करने की रूपरेखा बनेगी। सुलीवान ने कहा, जी 20 समिट में दिखाई देगा कि बड़ी अर्थव्यवस्थाओं वाले देश किस तरह से साथ मिलकर कार्य कर सकते हैं।

चीनी राष्ट्रपति के नई दिल्ली न आने पर अमेरिका का सख्त बयान

अमेरिकी एनएसए ने कहा, हम और बाकी सदस्य पूरी शिद्दत से वहां होंगे

वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस में प्रेस कान्फ्रेंस के दौरान अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवान। रायटर

जी-20 इंडिया मोबाइल एप लांच

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : आगामी नौ व दस सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में होने वाली जी-20 समूह की बैठक व अन्य संबंधित जानकारी के लिए बुधवार को जी-20 इंडिया मोबाइल एप लांच किया गया। इलेक्ट्रानिक्स व आइटी मंत्रालय के मुताबिक देश व दुनिया में अब तक 15,000 से अधिक लोगों ने इस एप को डाउनलोड कर लिया है। यह एप गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है। एप में विदेशी भाषाओं की भी सुविधा है, ताकि बैठक में हिस्सा लेने आए प्रतिनिधियों को कोई दिक्कत नहीं हो। इस एप पर जी-20 बैठक, वर्चुअल टूर, फोटो, वीडियो जैसी कई अन्य सुविधाएं भी दी गई हैं। 10 सितंबर तक यह एप काम करेगा। एप की मदद से बैठक के लिए पंजीयन भी कराया जा सकेगा। सरकार के सभी अधिकारियों को इस एप को डाउनलोड करने की सलाह दी गई है।

अतिथियों के विमानों को लैंडिंग में प्राथमिकता

गौतम कुमार मिश्रा, नई दिल्ली

जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने अधिकांश राष्ट्राध्यक्ष अपने विशेष विमानों से नई दिल्ली पहुंचेंगे, लेकिन कई राष्ट्राध्यक्ष यहां चार्टर विमान से भी पहुंच रहे हैं। विशेष व चार्टर विमानों की कुल संख्या करीब 50 हो रही है। इन विमानों को लैंडिंग के लिए सामान्य विमानों के मुकाबले प्राथमिकता मिलेगी। अतिथियों के आगमन का सिलसिला शुरू हो चुका है। इसे देखते हुए 12 बजे रात से 12 बजे दिन तक इनके विमानों को लैंडिंग में प्राथमिकता मिलती रहेगी। इसी तरह 10 सितंबर को जब अतिथियों के प्रस्थान का सिलसिला शुरू होगा, तब छह बजे शाम से 12 बजे रात तक उन्हें उड़ान में प्राथमिकता दी जाएगी। जिस अवधि में ये विमान नई दिल्ली के एटीसी एरिया में होंगे, उस समय अन्य विमानों की आवाजाही पर असर पड़ने की संभावना है।

डायल ने कहा, अतिथियों के स्वागत की पूरी है तैयारी : मेहमान विभिन्न देशों से आ रहे हैं, उनके लिए आइजीआइ एयरपोर्ट एक तरह से भारत के प्रवेश द्वार की तरह की भूमिका में होगा। इतनी महत्वपूर्ण भूमिका को लेकर एयरपोर्ट संचालन एजेंसी डायल बेहद उत्साहित है। मेहमानों के विमान पहुंचने से लेकर टर्मिनल से बाहर उनके निकलने तक के दौरान कहीं कोई गड़बड़ी न हो, इसके लिए एयरपोर्ट पर तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। राष्ट्राध्यक्ष जहां टेक्निकल एरिया के रास्ते से टी-1 के नजदीक से निकलेंगे, वहीं प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को टर्मिनल-3 के रास्ते से गुजारा जाएगा। यहां इमिग्रेशन व कस्टम की प्रक्रिया सभी को पूरी करनी होगी। दोनों प्रक्रिया में कहीं कोई दिक्कत नहीं हो, इसके लिए यहां विशेष प्रबंध किए गए हैं। टर्मिनल-3 पर एक सेरेमोनियल लाउंज है।

इमिग्रेशन लिए विशेष व्यवस्था : लाउंज में विशेष इमिग्रेशन काउंटर की व्यवस्था की गई है, ताकि अतिथियों को इमिग्रेशन की प्रक्रिया में दिक्कत नहीं हो। करीब आठ विशेष काउंटर यहां बनाए गए हैं। टर्मिनल-3 से अतिथियों को बाहर निकलने के दौरान कहीं कोई व्यवधान न हो, इसके लिए विशेष द्वार व यातायात कारिडोर बनाए गए हैं।

विशेष व्यवस्था

टर्मिनल-3 पर बने सेरेमोनियल लाउंज में बनाए गए विशेष इमिग्रेशन काउंटर

सेरेमोनियल लाउंज में बना विशेष इमिग्रेशन काउंटर। सौ- डायल

आठ से 11 बजे के बीच यात्रा पर करें विचार

इंडिगो, विस्तारा, एयर इंडिया सहित तमाम एयरलाइंस की तरफ से यात्रियों से अनुरोध किया जा रहा है कि जी-20 को देखते हुए दिल्ली की यात्रा से जुड़े यात्री यदि यात्रा की तिथि में बदलाव कर सकते हैं तो उनके पास कई विकल्प हैं।

जी-20 का संकल्प बता रहे स्वागत होर्डिंग्स

नेमिष हेमंत, नई दिल्ली

मोदी की तस्वीर और संदेशों के साथ आयोजन स्थल के आसपास की सड़कों पर लगाए गए हैं होर्डिंग्स

जलवायु परिवर्तन, साथ मिलकर निकालें निदान, शांति व सुरक्षा को दे बढ़ावा जैसे लिखे गए हैं स्लोगन

जी-20 सम्मेलन में आने वाले राष्ट्राध्यक्षों के स्वागत में आयोजन स्थल प्रगति मैदान के आसपास की सड़कों के साथ ही लुटियंस दिल्ली में होर्डिंग्स, कटआउट समेत अन्य प्रचार सामग्री लगाई गई हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तस्वीरों के साथ इन प्रचार सामग्री में लिखे स्लोगन से जी-20 सम्मेलन का संकल्प भी स्पष्ट किया जा रहा है। इनमें अन्य देशों के साथ आकर विश्व को बेहतर बनाने की दिशा में काम करने की आकांक्षा की जा रही है।

बहादुर शाह जफर मार्ग, विकास मार्ग, मथुरा रोड, मंडी हाउस, फिरोजशाह रोड, अशोक रोड व जनपथ रोड समेत लुटियंस दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर सड़क किनारे, डिवाइडर, बस स्टाप व पार्कों के किनारे भी इन प्रचार सामग्रियों को लगाया गया है। अधिकतर में भिन्न-भिन्न संदेश हैं। जैसे-पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सामूहिक प्रयास करने, जी-20 को वैश्विक बदलाव का वाहक बनाने, समस्याओं का साथ निदान निकालने, भावी पीढ़ी के लिए शांति व सुरक्षा को दें बढ़ावा जैसे संदेश लिखे गए हैं। इसी तरह उन्नत तकनीक का इस्तेमाल लोगों के विकास के लिए, एक विश्व-एक स्वास्थ्य और स्वस्थ विश्व का निर्माण व जी-20 से हो वैश्विक सोच का हो निर्माण व विविधता का न सिर्फ सम्मान करें, बल्कि इसका उत्सव भी मनाए, जैसे संदेश भी हैं।

सभी प्रचार सामग्री पर जी-20 आयोजन के ध्येय वाक्य वसुधैव कुटुम्बकम तथा एक धरती, एक परिवार व एक भविष्य लिखा हुआ है। कुछ होर्डिंग्स में अतिथि देवो भव भी लिखा गया है। साथ में हाथ जोड़े महिला-पुरूष की तस्वीर भी है। विशेष बात है कि अधिकतर होर्डिंग्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर है।

जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर बहादुर शाह जफर मार्ग पर जगह-जगह लगे जी-20 शिखर सम्मेलन से जुड़े के स्वागत वाले होर्डिंग। ध्रुव कुमार

शिखर सम्मेलन के दौरान भूकंप के झटकों पर भी रहेगी नजर

संजीव गुप्ता, नई दिल्ली : जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान भूकंप के झटकों पर भी विशेष नजर रहेगी। इसके लिए बाकायदा एक टीम गठित की गई है। दिन रात भूकंप के हर झटके की निगरानी की जाएगी और राष्ट्रीय राजधानी से जुड़ी सभी एजेंसियों को इसकी रिपोर्ट साझा की जाएगी।

जानकारी के मुताबिक, राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के 15 विज्ञानी-तकनीशियनों की एक खास टीम बनाई गई है। इस टीम को लोधी रोड स्थित केंद्र में आने-जाने की कोई असुविधा न हो, इसके लिए उन्हें विशेष अनुमति पत्र जारी किए गए हैं। उनकी गाड़ियों के लिए भी अनुमति दे दी गई है। बताया गया कि यह टीम आठ से 10 सितंबर के बीच अलग-अलग शिफ्ट में एनसीएस में कंट्रोल रूम के जरिये हर भूकंप पर निगाह रखेगी, जिस भी भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 1.5 या इससे अधिक होगी, उनकी जानकारी तत्काल दिल्ली और केंद्र सरकार, एनडीएमए, डीडीएमए व सभी संबंधित एजेंसियों को दी जाएगी।

खादी के बैग में मेहमानों को उपहार में दिए जाएंगे हस्तशिल्प उत्पाद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रदर्शित होने वाले उत्पादों के लिए आगे नए बाजार का खुलेगा दरवाजा

आगामी नौ-10 सितंबर को भारत मंडपम में राज्यों के प्रमुख उत्पादों की नुमाइश के लिए क्राफ्ट्स बाजार लगाया जाएगा ताकि जी-20 की बैठक में शामिल हो रहे देशों के प्रतिनिधि भारत के हस्तशिल्प कारीगरों के उत्पाद व उनकी खूबसूरती से रूबरू हो सकें। साथ ही उन उत्पादों की खरीदारी भी कर सकें। इसका यह भी फायदा होगा कि नुमाइश होने वाले उत्पादों की बिक्री क्षमता का भी पता चलेगा और उनके लिए नए बाजार का दरवाजा खुलेगा।

जी-20 बैठक के दौरान मेहमानों को खादी के बैग में उपहार दिए जाएंगे और हरेक उपहार पूरी तरह से भारत मे निर्मित होगा। इनमें उत्तर प्रदेश का चिकनकारी तो हिमाचल का चंबा रुमाल या फिर बिहार की मधुबनी पेंटिंग शामिल हो सकते हैं।

वन डिस्ट्रिक् वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) के माध्यम से भारत पहले ही हर जिले में विशेष रूप से चिह्नित एक उत्पाद को वैश्विक स्तर पर बिक्री के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। जी-20 के क्राफ्ट्स बाजार में 30 राज्यों के एक-एक या अधिकतम दो उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। उत्तर-पूर्व के राज्यों को क्राफ्ट्स बाजार में विशेष स्थान दिया गया है।

प्रमुख राज्यों के उत्पाद जिनकी प्रदर्शनी लगेगी	
पंजाब	फुलकारी
कश्मीर	पेपियर माचे
उत्तराखंड	नेटरफाइबर
हिमाचल प्रदेश	चंबा रुमाल
उत्तर प्रदेश	चिकनकारी, ब्रोकेडस (छपाकारी)
बिहार	मधुबनी पेंटिंग्स
झारखंड	ट्राइबल्स ज्वेलरी
महाराष्ट्र	कोल्हापुरी चप्पल
गुजरात	पाटन पटोला
राजस्थान	बंधेज, पिछवाई पेंटिंग
मध्य प्रदेश	चंदेरी विविंग, बाघ प्रिंटिंग

जो बाइडन कोविड संबंधी प्रोटोकाल का पालन करेंगे

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए गुरुवार को भारत आ रहे हैं। व्हाइट हाउस की ओर से कहा गया है कि अपनी यात्रा के दौरान वह कोविड प्रोटोकाल का पालन करेंगे। अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन कोरोना पाजिटिव पाई गई थीं, जिसके बाद जो बाइडन ने भी अपना टेस्ट कराया था। लेकिन उनकी जांच निगेटिव आई है। एहतियात के तौर पर उन्होंने यात्रा के दौरान कोरोना से जुड़ी गाइडलाइन का पालन करने का फैसला किया है।

व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम में मास्क पहने बाइडन। एपी

व्हाइट हाउस की ओर से इस संबंध में बयान जारी कर कहा गया है कि राष्ट्रपति की दो बार जांच की गई, जिसमें उनकी रिपोर्ट निगेटिव आई है। उनकी यात्रा कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं है।

कार्यक्रम

आसियान सम्मेलन के लिए देर शाम जकार्ता रवाना हुए प्रधानमंत्री मोदी, सिर्फ साढ़े आठ घंटे रुकेंगे, ईस्ट एशिया समिट में भी लेंगे हिस्सा, आठ सितंबर को बाइडन समेत तीन वैश्विक नेताओं से करेंगे दिल्ली में बैठकें, नौ-10 सितंबर को जी-20 शिखर सम्मेलन में लेंगे हिस्सा

भारी कूटनीतिक व्यस्तताओं वाले हैं पीएम के अगले कुछ दिन

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

पीएम नरेन्द्र मोदी अगले कुछ दिन कूटनीतिक रूप से काफी व्यस्त रहेंगे। बुधवार को वैसे भी उनका पूरा दिन कैबिनेट की बैठक और सरकार की दूसरी योजनाओं को लेकर समीक्षा बैठकों में गुजरा। देर शाम 7.30 बजे पीएम इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के लिए रवाना हुए, जहां वे आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और ईस्ट एशिया समिट में शामिल होंगे। रवाना होने से कुछ समय पहले तक उनकी अध्यक्षता में पीएमओ में बैठकों का सिलसिला जारी रहा। जकार्ता में वह गुरुवार को सिर्फ 8 घंटे 25 मिनट व्यतीत करेंगे। इंडोनेशिया सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय के आग्रह को स्वीकार करते हुए दूसरे देशों के साथ आसियान की बैठक को ना सिर्फ पीएम मोदी के कार्यक्रम के हिसाब से व्यवस्थित किया है बल्कि ईस्ट एशिया समिट के समय को भी परिवर्तित किया है ताकि भारतीय प्रधानमंत्री वहां से जल्द से स्वदेश के लिए रवाना हो सके।

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन तथा ईस्ट एशिया समिट के लिए बुधवार को पीएम मोदी नई दिल्ली से जकार्ता के लिए रवाना हुए। एएनआइ

आसियान नेताओं के साथ बातचीत को उत्सुक : मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार देर शाम जकार्ता रवाना होने से पहले कहा कि भारत और आसियान के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी ने भारत के साथ समूह के संबंधों में नई गतिशीलता ला दी है। एक बयान में मोदी ने कहा कि वह समूह के नेताओं के साथ अपनी बैठकों के दौरान आसियान देशों के साथ भारत की साझेदारी की भविष्य की रूपरेखा पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा कि आसियान के साथ जुड़ाव भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। पिछले साल की गई व्यापक रणनीतिक साझेदारी ने हमारे संबंधों में गतिशीलता का नया संचार किया है।

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन की शुरुआत सुबह नौ बजे होगी। इसके पहले समय मिलने पर पीएम मोदी की कुछ स्थानीय स्तर पर मुलाकात हो सकती है। यह सम्मेलन 10 बजे तक होगा जिसमें आसियान के सभी 10 देशों के प्रमुख हिस्सा लेंगे। इसके बाद 15 मिनट का ब्रेक और 10.15 बजे ईस्ट एशिया सम्मेलन की शुरुआत होगी। यह तकरीबन 12 बजे तक चलेगा। इसके बाद नेताओं के साथ पीएम मोदी दोपहर के भोज में हिस्सा लेंगे और एक बजे भारत के लिए रवाना हो जाएंगे। भारतीय समय के मुताबिक गुरुवार शाम 6.45 बजे नई दिल्ली पहुंचेंगे। उसके बाद वह जी-20 शिखर सम्मेलन की तैयारियों से जुड़ी एक बैठक में भी हिस्सा लेंगे जिसके देर रात तक चलने की संभावना है।

अगले दिन यानी आठ सितंबर को मोदी की तीन वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकों का समय अभी तक तय किया गया है। इसमें सबसे प्रमुख अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ शाम को बैठक होगी। इसी दिन सुबह बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना के साथ मोदी की द्विपक्षीय वार्ता होगी। भारत और बांग्लादेश के विदेश मंत्रालयों की तरफ से इस बैठक का भी काफी बड़ा एजेंडा तैयार किया गया है। फिर मारीशस के पीएम प्रविंद जगन्नाथ के साथ द्विपक्षीय बैठक होने वाली है। इस दिन कुछ और विदेशी मेहमानों के साथ भी पीएम की वार्ता संभावित है।

नौ सितंबर को जी-20 बैठक का आधिकारिक उद्घाटन होगा। देर शाम कार्यक्रम में मोदी भारत पहुंचे सभी विदेशी मेहमानों का स्वागत करेंगे।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

https://instadownload.app/ https://savefrom.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

2 बार चुनाव हारे थे नेताजी सुभाष चंद्र बोस के परपोते चंद्र कुमार बोस। चार साल बंगाल भाजपा में उपाध्यक्ष पद पर भी रहे।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 7 सितंबर, 2023

न्यूज गैलरी

गुजरात में आप के उपाध्यक्ष प्रो. राठवा ने छोड़ी पार्टी

अहमदाबाद: गुजरात विधानसभा चुनाव में पांच सीटें जीतकर उपस्थिति दर्ज कराने वाली आम आदमी पार्टी (आप) में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. अर्जुन राठवा ने संगठन महामंत्री को अपना इस्तीफा भेजकर पार्टी छोड़ने का एलान किया है। विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में आम आदमी पार्टी ने जोरदार माहौल बनाया। विभिन्न वर्ग के लोगों का पार्टी को समर्थन मिला तथा कई नामी लोग पार्टी से जुड़े। बीते कुछ दिनों से कच्छ, राजकोट, वडोदरा से लेकर अहमदाबाद के कार्यकर्ता पार्टी छोड़कर जहां कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं, वहीं प्रदेश उपाध्यक्ष एवं केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य प्रो. अर्जुन राठावा ने अपने पद से इस्तीफा देने के साथ ही पार्टी की प्राथमिक सदस्यता भी त्याग दी। राठवा ने बताया कि पार्टी को गुजरात में करीब 13 प्रतिशत मत मिले, लेकिन चुनाव के बाद पार्टी का कामकाज ठप है। (राब्यू)

राजस्थान के पूर्व मंत्री गुढ़ा शिवसेना में होंगे शामिल

जयपुर: राजस्थान में महिला उत्पीड़न और दुष्कर्म के बढ़ते मामलों को लेकर विधानसभा में अपनी ही सरकार पर निशाना साधने पर अशोक गहलोत मंत्रिमंडल से बर्खास्त किए गए राजेंद्र गुढ़ा अब शिवसेना (शिंदे) में शामिल होंगे। गुढ़ा के निर्वाचन क्षेत्र उदयपुरवाटी में नौ सितंबर को एक रैली आयोजित की गई है, जिसको महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और प्रदेश प्रभारी चंद्रराज सिंघवी संबोधित करेंगे। सिंघवी ने बताया कि गुढ़ा शिवसेना के टिकट पर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। पार्टी अन्य सीटों पर भी प्रत्याशी तय करने की तैयारी में जुटी है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की राजनीति में बवाल मचाने वाले लाल डायरी के मामले को गुढ़ा ने ही उठाया था। इस डायरी में विधायकों की खरीद-फरोख्त व लेन-देन का उल्लेख है। (जासं)

कांग्रेस नेता अराधना के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन

जयपुर: जयपुर संसदीय क्षेत्र की कांग्रेस पर्यवेक्षक अराधना तिवारी मिश्रा के बयान के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने इस दौरान भारत माता की जय के नारे लगाए। वहीं, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस के डीएनए और सोच दोनों गड़बड़ है। इन्हें भारत माता की जय बोलने से एतराज है, लेकिन गांधी परिवार की गुलामी से नहीं। दो दिन पहले जयपुर में अराधना ने बैठक ली थी, जिसमें कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भारत माता की जय के नारे लगाए थे। इस बीच अराधना ने कहा था कि यहां एक ही नारा लगेगा कांग्रेस की जय, कांग्रेस जिंदाबाद। (जासं)

रामपुर के बाद कर्नाटक में उदयनिधि के खिलाफ एफआइआर

बिगड़े बोल ▶ धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने को लेकर दर्ज किया गया केस

उदयनिधि ने कहा था, सनातन धर्म सामाजिक न्याय के खिलाफ

नई दिल्ली, एएनआइ: सनातन धर्म के खिलाफ विवादित बयान को लेकर मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन और कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में एफआइआर दर्ज हुई है। दोनों मंत्री अपने बयान से पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। इस मुद्दे को लेकर तमिलनाडु में भाजपा और द्रमुक के बीच पोस्टर वार शुरू हो गया है। वहीं, द्रमुक की ओर से भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय के खिलाफ तमिलनाडु की त्रिची पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। द्रमुक ने शिकायत में कहा कि अमित मालवीय ने उदयनिधि स्टालिन की ओर से सनातन धर्म के बारे में कही गई बात को तोड़-मरोड़कर पोस्ट किया है।

उदयनिधि। फाइल

उदयनिधि और प्रियांक खरगे पर धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप है। बीते दिनों उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से करते हुए इसे खत्म करने की बात कही थी। वहीं, प्रियांक खरगे ने कहा था कि कोई भी धर्म, जिसमें समानता का अधिकार नहीं है, वह धर्म नहीं है। इनके बयान से आहत भाजपा नेता और वकील नागराज नायक ने उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ कर्नाटक के कारवाड़ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। इससे पहले एक अधिवक्ता ने यूपी के रामपुर में सिविल लाइंस स्थित कोतवाली में उदयनिधि और प्रियांक खरगे के खिलाफ एफआइआर दर्ज कराई थी। इसके साथ ही तमिलनाडु के मदुरै, इरोड, कोयंबटूर, सलेम, कन्याकुमारी और चेन्नई जैसे शहरों में उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ और समर्थन में कई पोस्टर लगाए गए हैं। केरल कांग्रेस (बी) के विधायक केबी गणेश कुमार ने उदयनिधि के बयान को मूर्खतापूर्ण करार दिया है। इन तमाम विरोध के बीच उदयनिधि अपने बयान पर कायम हैं। उन्होंने बुधवार को कहा कि मैं हिंदू धर्म के खिलाफ नहीं हूं, बल्कि जातिगत भेदभाव जैसी सनातन प्रथाओं के खिलाफ हैं। राष्ट्रपति मुर्मु को संसद भवन के उद्घाटन अवसर पर आमंत्रित नहीं करना इसका एक उदाहरण है। एफआइआर पर खरगे ने कहा कि मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता। मेरा बयान बिल्कुल स्पष्ट है। यह किसी विशेष धर्म के खिलाफ नहीं है। संविधान मेरा धर्म है।

उन्होंने भाजपा नेता बीएल संतोष से पूछा कि आरएसएस में सरसंघचालक के रूप में कोई दलित या महिला कब होगी? उदयनिधि के बयान पर भाजपा नेता प्रकाश जावडेकर ने कहा कि उन्हें कैबिनेट से इस्तीफा भी देना चाहिए।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने भाजपा को बताया नीच

मधुगिरि, प्रेट्र: केंद्र सरकार पर गरीब विरोधी और पूंजीपतियों का समर्थक होने का आरोप लगाते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने बुधवार को लोगों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि अगले साल लोकसभा चुनाव में एक भी वोट भाजपा को न मिल सके। उन्होंने भाजपा को नीच बताते हुए कहा कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी मानवता विरोधी है, क्योंकि उसने राज्य सरकार की 'अन्न भाग्य योजना' के तहत प्रत्येक लाभार्थी को अतिरिक्त पांच किलोग्राम चावल की आपूर्ति करने के लिए कर्नाटक को चावल उपलब्ध कराने से इन्कार कर दिया।

सिद्दरमैया। फाइल

सिद्धरमैया ने तुमकुरु जिले के मधुगिरि में क्षीर भाग्य योजना के 10 साल पूरे होने के मौके पर कहा कि जब कांग्रेस सरकार सत्ता में आई, तो उसने अन्न भाग्य योजना के लिए चावल की आपूर्ति करने के लिए भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को पत्र लिखा, लेकिन केंद्र सरकार ने हमें चावल देने से इन्कार कर दिया।

अब कर्नाटक के गृह मंत्री का विवादित बयान

अब कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने हिंदू धर्म पर सवाल खड़ा किये हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के इतिहास में कई धर्म पैदा हुए हैं। जैन और बौद्ध धर्म का जन्म यहीं हुआ। इस्लाम और ईसाई धर्म बाहर से हमारे देश में आए। हिंदू धर्म का जन्म कब हुआ और इसकी शुरुआत किसने की? यह अब भी एक सवाल है। मंत्री के सवाल पर भाजपा ने कहा कि उन्हें हिंदू धर्म पसंद नहीं है तो उसे छोड़ दें।

मुस्लिमों को लुभाने के लिए दिया गया सनातन धर्म विरोधी बयान : विहिप

▶ सनातन धर्म के मुद्दे पर हिंदू संगठनों ने की राष्ट्रीय अभियान की घोषणा, नवंबर में तय होगी आगे की रणनीति

« अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती, उनके ठीक बगल में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महंत रवींद्र पुरी तथा विहिप के केंद्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार। जागरण

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के पुत्र और मंत्री उदयनिधि स्टालिन के सनातन धर्म विरोधी बयान से संत समाज में उबाल है। विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय संत समिति और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने इसके विरुद्ध राष्ट्रव्यापी अभियान चलाने की घोषणा की है, जो नवंबर तक चलेगा। वाराणसी में दो से पांच नवंबर तक होने वाली संस्कृति संसद में भी विस्तृत विमर्श कर आगे की रणनीति तय की जाएगी। अभियान में हिंदू समाज को सनातन विरोधी इस राजनीतिक मानसिकता के प्रति जागरूक किया जाएगा।

विहिप के केंद्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार, अखिल भारतीय संत समिति के राष्ट्रीय महामंत्री स्वामी जीतेंद्रानंद सरस्वती और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महंत रवींद्र पुरी ने एक मंच पर आकर कहा कि स्टालिन के बयान का जिस तरह से विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के घटक दलों द्वारा समर्थन और बचाव किया जा रहा है, उससे स्पष्ट है कि यह सनातन धर्म के प्रति घृणित बयान अनायास नहीं है, बल्कि अगले वर्ष होने वाले आम चुनाव में मुस्लिम वोट बैंक को लुभाने के लिए सोच-समझ कर दिया गया है।

झारखंड में आसान नहीं सीटों का बंटवारा, पुराने फार्मूले पर किचकिच होना तय

गठबंधन में गांठ

प्रदीप सिंह, रांची

▶ आइएनडीआइए के घटक दलों में खींचतान, सीटें कम और दावेदारों की संख्या ज्यादा

▶ पिछले चुनाव में सिर्फ चार सीटों पर संतोष करने वाले झामुमो का इस बार आठ पर दावा

झामुमो। फाइल कांग्रेस। फाइल

विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के लिए प्रमुख राज्यों में शुमार झारखंड में लोकसभा चुनाव से पूर्व सीटों का बंटवारा आसान नहीं होगा। अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक बैठक नहीं हुई है। मगर आइएनडीआइए के महत्वपूर्ण घटक झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के तेवर आक्रामक हैं। मोर्चा को वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में तालमेल के तहत सिर्फ चार सीटों पर संतोष करना पड़ा था। उस चुनाव में कांग्रेस को नौ सीटें मिली थीं, जबकि राजद के हिस्से एक सीट आई थी। वहीं, कांग्रेस ने बाबूलाल मरांडी की झारखंड विकास मोर्चा के लिए अपने कोटे से एक सीट छोड़ी थी। बदली राजनीतिक परिस्थिति में मरांडी अपने दल का विलय भाजपा में कर चुके हैं। उधर, राज्य में अपनी मजबूत स्थिति के आधार पर झामुमो बड़े भाई की भूमिका में रहना चाहता है। पिछली बार कांग्रेस इस भूमिका में थी। झामुमो, कांग्रेस और राजद अभी झारखंड में साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं।

झारखंड में वर्ष 2019 के दिसंबर माह में हुए विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 30 विधानसभा सीटों पर जीत हासिल की थी। इस प्रदर्शन के अनुरूप झामुमो कम से कम आठ सीटों पर दावा ठोंक रहा है। उधर, हाल ही में नई दिल्ली में संपन्न कांग्रेस आलाकमान की बैठक में कांग्रेस के प्रदेश नेतृत्व ने नौ सीटों पर दावेदारी की बात कही है। दूसरी ओर, वामदलों की चार और राजद की कम से कम दो-दो सीटों पर दावेदारी है। इस बार जदयू की भी एक सीट पर दावेदारी है। ऐसी परिस्थिति में सीटों की संख्या कम और दावेदार ज्यादा दिख रहे हैं। यह भी तय माना जा रहा है कि झामुमो पिछले लोकसभा चुनाव के फार्मूले के अनुरूप इस बार तालमेल करने को कतई तैयार नहीं होगा। इससे खींचतान तय है।

सीटों के लिए तर्क

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कांग्रेस को संदेश दिया है कि सिर्फ ज्यादा हिस्सेदारी का दावा नहीं करें, जीतने लायक प्रत्याशी भी सामने लाएं। इस संबंध में धनबाद का तर्क दिया जा रहा है, जहां से पिछली बार कांग्रेस ने क्रिकेटर कीर्ति आजाद को चुनाव लड़ाया था। मोर्चा का तर्क है कि बाहर से प्रत्याशी लाकर चुनाव लड़ाने का कोई मतलब नहीं था। फोकस सिर्फ उन्हीं सीटों पर हो, जहां जीत दर्ज की जा सके। सीटों को घेरने की बजाय जीतने वाले दल के लिए छोड़ा जाए।

बंगाल में कांग्रेस, तृणमूल व वामदलों में गठबंधन होने पर भाजपा को होगा फायदा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता: अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए बंगाल में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस व वामदलों में गठबंधन होने से अंततः भाजपा को ही इसका फायदा होगा। बंगाल कांग्रेस के एक वर्ग का यह मानना है। राज्य के वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रदीप भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा को हराना जरूरी है लेकिन हरेक राज्य की परिस्थिति एक जैसी नहीं है। बंगाल में अगर गठबंधन होता है तो कांग्रेस का जो तृणमूल विरोधी वोट है, वह भाजपा की झोली में जा सकता है। बंगाल कांग्रेस नेतृत्व तृणमूल के साथ गठबंधन करने के पक्ष में नहीं है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी साफ तौर पर कह चुके हैं कि बंगाल में तृणमूल व भाजपा के विरुद्ध कांग्रेस की लड़ाई जारी रहेगी। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस हाईकमान बंगाल में तृणमूल के साथ गठबंधन करके ही चुनाव लड़ने के पक्ष में है, हालांकि विचार-विमर्श के बाद ही अंतिम निर्णय लेगा। पार्टी के एक वर्ग का यह भी मानना है कि जिन सीटों को लेकर बात नहीं बन पाएगी, वहां कांग्रेस व तृणमूल में 'मैत्रीपूर्ण' लड़ाई हो सकती है। इसमें वामदल कांग्रेस का साथ देंगे।

पंजाब में गठबंधन को लेकर कांग्रेस में खींचतान तो आप ने दिखाए तेवर

▶ वड़िंग और बाजवा ने आप से गठबंधन का किया विरोध

▶ मान बोले, अकेले लड़ना और सरकार बनाना जानते हैं

आप नेता गुरतेज पन्नू को कांग्रेस में शामिल करवाते अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग। साथ में हैं गुरकीरत कोटली व सुखपाल भुल्लर। जागरण

जागरण टीम, चंडीगढ़

आगामी लोकसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर पंजाब कांग्रेस में खींचतान बढ़ रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग और नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने गठबंधन को लेकर असहमति जताई है तो प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिद्धू ने इसे समय की जरूरत बताते हुए नेताओं को निजी स्वार्थों से ऊपर उठने की सलाह दे दी। उधर, लुधियाना में मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि वह अकेले लड़ना भी जानते हैं और अकेले सरकार बनाना भी। इससे कुछ देर पूर्व मान कैबिनेट के मंत्री अनमोल गगन मान कहा कि राज्य की सभी सीटों पर आप अकेले चुनाव लड़ेगी। पार्टी कांग्रेस के साथ पंजाब में कोई गठबंधन नहीं करेगी।

विदित हो कि पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष वड़िंग ने मंगलवार को पार्टी के विधायकों व पूर्व प्रत्याशियों की बैठक बुलाई थी, जिसमें आप से गठबंधन का विरोध हुआ था। बुधवार को वड़िंग ने उम्मीद जताई कि गठबंधन पर फैसले से पहले हाईकमान प्रदेश इकाई को विश्वास में जरूर लेगा। नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने भी कहा कि पंजाब का कांग्रेस कार्यकर्ता आप से गठबंधन किए बिना लोकसभा चुनाव अकेले लड़ने के पक्ष में है। पार्टी चुनाव अपने दम पर लड़ेगी। वड़िंग ने मोहाली से आप के युवा नेता रहे गुरतेज सिंह पन्नू को पार्टी में शामिल कराया। इस दौरान उन्होंने कहा कि अभी तो शुरुआत है। आप के कई विधायक व नेता उनके संपर्क में हैं।

लोकसभा चुनाव : जदयू नेताओं के साथ जमीनी पड़ताल करेंगे नीतीश

राज्य ब्यूरो, पटना

▶ 11-12 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास में बुलायी गई महत्वपूर्ण बैठक

▶ सभी जिलाध्यक्षों, प्रखंड अध्यक्षों व विधानसभा प्रभारियों से लेंगे फीडबैक

केंद्र की मोदी सरकार के विरुद्ध विपक्षी एकता का बिगुल फूंकने वाले और आइएनडीआइए के गठन में अगुआ रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भी आगे हैं। आइएनडीआइए के लगभग पूर्ण स्वरूप लेते ही नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी (जदयू) के स्तर पर लोकसभा चुनाव की तैयारी तेज कर दी है।

दिसंबर तक केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा चुनाव कराए जाने की संभावना जता चुके नीतीश कुमार पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं, जिलाध्यक्षों, प्रखंड अध्यक्षों, प्रमंडल प्रभारियों और विधानसभा प्रभारियों के साथ बैठक करेंगे। 11-12 सितंबर को यह महत्वपूर्ण बैठक एक, अणे मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर बुलाई गई है। दो दिनों की बैठक में नीतीश कुमार लोकसभा चुनाव की तैयारियों के अलावा जदयू की सांगठनिक गतिविधियों और विभिन्न योजनाओं के प्रगति के बारे में जमीनी पड़ताल करेंगे।

इससे पहले नीतीश कुमार हाल ही में अपने सरकारी आवास पर जदयू के विधायकों, पूर्व विधायकों, सांसदों और पूर्व सांसदों के साथ मुलाकात कर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर संगठनात्मक तैयारियों और अन्य कार्यक्रमों के संदर्भ में फीडबैक ले चुके हैं।

जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ होने वाली बैठक लोकसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर महत्वपूर्ण होगी। 11 सितंबर को बैठक में जिलाध्यक्षों के अतिरिक्त प्रमंडल प्रभारी शामिल होंगे, जबकि 12 सितंबर को बैठक में प्रखंड अध्यक्षों के अलावा विधानसभा प्रभारी भी शामिल होंगे। बैठक में पार्टी को और मजबूत व धारदार बनाने पर भी चर्चा होगी। जदयू के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, मुख्यमंत्री लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बैठक करेंगे। उद्देश्य साफ है, संगठन को मजबूत करना।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के परपोते चंद्र बोस ने भाजपा से दिया इस्तीफा

राज्य ब्यूरो, कोलकाता: नेताजी सुभाष चंद्र बोस के परपोते चंद्र कुमार बोस ने आगामी लोकसभा चुनाव से पहले बुधवार को भाजपा से इस्तीफा दे दिया। पिछले कुछ साल से बोस को विभिन्न मुद्दों पर लगातार भाजपा की नीतियों व पार्टी राज्य नेतृत्व की आलोचना करते देखा जा रहा था। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को भेजे अपने त्यागपत्र में बोस ने लिखा कि अब पार्टी में रहना उनके लिए असंभव हो गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके उत्साही प्रयासों के बावजूद उन्हें बोस भाइयों-सुभाष चंद्र बोस और शरत चंद्र बोस की विचारधारा का प्रचार करने के लिए भाजपा से केंद्रीय या राज्य स्तर पर कोई समर्थन नहीं मिला, जिसका वादा किया गया था। चंद्र बोस 2016 में भाजपा में शामिल हुए थे और उन्होंने दो बार पार्टी के टिकट पर यहां 2016 का विधानसभा और 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था, लेकिन दोनों बार हार का सामना करना पड़ा था। बोस को वर्ष 2016 में बंगाल भाजपा का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। संगठनात्मक फेरबदल के दौरान वर्ष 2020 के पद से हटा दिया गया था।

भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा पर पथराव, छह गिरफ्तार

मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव

नईदुनिया, नीमच

मध्य प्रदेश में भाजपा द्वारा निकाली गई जन आशीर्वाद यात्रा पर मंगलवार रात को पथराव कर दिया गया। इस मामले में पुलिस ने 19 लोगों को नामजद किया है। इसमें छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना नीमच जिला मुख्यालय से 75 किलोमीटर दूर रामपुरा क्षेत्र के राउली कुड़ी गांव में हुई। यात्रा पर हमले की वजह चीता प्रोजेक्ट को लेकर विरोध भी बताया जा रहा है। चीतों का दूसरा ठौर गांधी सागर अभयारण्य को बनाया जाना है, जिसकी सीमा इस क्षेत्र से लगती है। वन विभाग यहां जंगल में फेंसिंग करा रहा है। मवेशियों को आने-जाने नहीं दिया जा रहा है। इससे ग्रामीण भड़के हुए हैं।

करीब 150 लोग मंगलवार रात को यात्रा के रथ के सामने आ गए। भाजपा नेताओं ने काफी देर तक लोगों को समझाने की कोशिश की। इसी दौरान पथराव शुरू हो गया। सूत्रों के अनुसार ग्रामीणों ने सड़क पर पत्थर जमा कर रखे थे। इस हमले में यात्रा में शामिल वाहनों के कांच टूट गए। बुधवार को गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ कई महीनों से उकसाने का काम कर रहे थे। वह कह चुके थे कि मणिपुर जैसा पथराव हो सकता है।

अच्छे घोड़े को नहीं है घास, गधे खा रहे च्यवनप्राश : गडकरी

नितिन गडकरी का मंगलवार को राजस्थान के गोगामेड़ी में दिए गए भाषण का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। राजस्थान में भाजपा की चौथी परिवर्तन यात्रा की शुरुआत के मौके पर सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा था- एक शायर बहुत बड़ी शायरी कहते थे। यह मैं नहीं कह रहा हूं, लेकिन वह वह कहते थे कि इधर गधे, उधर गधे, सब तरफ गधे ही गधे। अच्छे घोड़े को नहीं है घास, गधे खा रहे च्यवनप्राश। समझने वालों को इशारा ही काफी होता है। गडकरी का यह बयान इंटरनेट मीडिया पर काफी प्रसारित हो रहा है। बुधवार को राजस्थान में भी इस बयान की काफी चर्चा रही। एक तरफ भाजपा नेता और कार्यकर्ता गडकरी के बयान को अशोक गहलोत सरकार को लेकर बता रहे थे, वहीं कांग्रेस के नेताओं का कहना था कि उन्होंने अपनी ही पार्टी की तरफ इशारा किया है।

नितिन गडकरी

गडकरी ने दिखाई पांचवीं यात्रा को झंडी

नईदुनिया, खंडवा : खंडवा में पांचवीं जन आशीर्वाद यात्रा को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने झंडी दिखाई। इस अवसर पर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश बीमारू राज्य कहा जाता था, लेकिन अब विकास का पावर स्टेशन बनेगा। मध्य प्रदेश की सड़क कांग्रेस राज में कैसी थी, यह बताने की आवश्यकता नहीं है। इसका श्रेय न प्रधानमंत्री को जाता है न मुझे और न ही मुख्यमंत्री को बल्कि जनता को जाता है। जिसने हमें चुनकर सेवा का अवसर दिया। गडकरी का भाषण समाप्त होते ही जोरदार वर्षा शुरू हो गई। बरसते पानी में उन्होंने जनआशीर्वाद यात्रा के रथ को हरी झंडी दिखाई। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने भी संबोधित किया।

व्यापम के कई किरदार मप्र विस चुनाव में भाग्य आजमाने को तैयार

भोपाल, नईदुनिया: मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस बार भी व्यावसायिक परीक्षा मंडल (व्यापम) घोटाले के कई किरदार अपना भाग्य आजमाने की तैयारी कर रहे हैं। क्लीनचिट पा चुके संजीव सक्सेना कांग्रेस से जुड़े हैं और भोपाल दक्षिण-पश्चिम विधानसभा सीट से तीसरी बार चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। घोटाले के मुख्य सरगना रहे डा. जगदीश सगर भी बसपा से टिकट लेकर गोहद से चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। व्यापम घोटाले को सामने लाने और लड़ाई लड़ने वाले व्हिसल ब्लोअर पारस सकलेचा कांग्रेस और डा. आनंद राय भारत राष्ट्र समिति से राजनीति में सक्रिय हैं। सक्सेना ने 2008 और 2013 में दो बार चुनाव लड़ चुके हैं। वर्ष 2018 के चुनाव में व्यापम घोटाले में फंसे होने के कारण कांग्रेस ने टिकट नहीं दिया था। उधर, व्यापम घोटाले के सरगना रहे डा. जगदीश सगर भी वर्ष 2018 में बसपा के टिकट पर गोहद चुनाव लड़ा था।

कांग्रेस ने बनाईं आठ समितियां, वरिष्ठ नेताओं की भी कमेटी

राजस्थान विधानसभा चुनाव

जागरण संवाददाता, जयपुर

▶ वरिष्ठ नेताओं की कोर कमेटी में संयोजक प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को बनाया गया

▶ मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को समन्वय कमेटी का संयोजक बनाया गया, सचिन पायलट हैं सदस्य

अशोक गहलोत। फाइल

सचिन पायलट। फाइल

राजस्थान में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज करते हुए कांग्रेस ने बुधवार को चुनाव से जुड़ी आठ कमेटियों का गठन किया है। इनमें वरिष्ठ नेताओं की एक कोर कमेटी गठित की गई है। साथ ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को समन्वय कमेटी का संयोजक बनाया गया है। पायलट को इस कमेटी में सदस्य के तौर पर शामिल किया गया है। पहले यह माना जा रहा था कि पायलट को समन्वय कमेटी का संयोजक बनाया जाएगा। अन्य कमेटियों में पायलट को कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य के नाते शामिल किया गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की राजस्थान यात्रा के तत्काल बाद पार्टी ने आठ कमेटियां बनाई हैं। इनमें वरिष्ठ नेताओं की कोर कमेटी में संयोजक प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को बनाया गया है। इस कमेटी में गहलोत, पायलट, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राष्ट्रीय महासचिव जितेंद्र सिंह, हरीश चौधरी, प्रदेश के सिंचाई मंत्री महेंद्र जीत मालवीय, वरिष्ठ नेता मोहन प्रकाश, विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी और आपदा राहत मंत्री गोविंद राम मेघवाल शामिल हैं। इसी तरह समन्वय समिति का संयोजक गहलोत को बनाकर इसमें पायलट, जितेंद्र सिंह, डोटासरा, मोहन प्रकाश, गिरिजा व्यास, चंद्रभान, नारायण सिंह सहित 26 नेताओं को शामिल किया गया है। चुनाव अभियान समिति का अध्यक्ष गोविंद राम मेघवाल को बनाया गया है। इस कमेटी में गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत सहित राज्य मंत्रिमंडल के सदस्य और कांग्रेस विधायकों सहित 26 नेताओं को शामिल किया गया है। घोषणा-पत्र समिति का अध्यक्ष जोशी को बनाया गया है। इसमें प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव निरंजन आर्य सहित 20 नेताओं को शामिल किया गया है। आर्य सोजत सीट से कांग्रेस के टिकट के दावेदार हैं। रणनीति बनाने वाली समिति का अध्यक्ष हरीश चौधरी को बनाया गया है। इसमें 25 नेताओं को शामिल किया गया है। मीडिया समिति का अध्यक्ष प्रदेश की महिला एवं बाल विकास मंत्री ममता भूपेश को बनाया गया है। उनके साथ 21 नेताओं को समिति में शामिल किया गया है। पायलट के विश्वस्त व कृषि विपणन मंत्री मुरारी लाल मीणा के नेतृत्व में प्रचार-प्रसार समिति बनाई गई है। इसमें 20 नेताओं को सदस्य बनाया गया है। इसी तरह खनन मंत्री प्रमोद जैन भाया की अध्यक्षता में गठित प्रोटोकाल समिति में 20 सदस्य बनाए गए हैं।

हुड्डा की शिकायत लेकर खरगे के पास पहुंचे थे सुरजेवाला, सैलजा व किरण

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़: हरियाणा के कांग्रेसियों में छिड़ी जंग के बीच कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, कुमारी सैलजा और किरण चौधरी की तिकड़ी ने मंगलवार रात को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। कांग्रेस के इन तीनों वरिष्ठ नेताओं ने जिलाध्यक्षों व प्रदेश कमेटी के पदाधिकारियों के चयन के लिए जिलों में जा रहे पर्यवेक्षकों, प्रभारियों तथा समन्वयकों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। सुरजेवाला, सैलजा और किरण ने जिलों में कांग्रेसियों के बीच हो रहे झगड़ों के लिए पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा को जिम्मेदार ठहराया है। हालांकि स्पष्ट रूप से हुड्डा का नाम नहीं लिया, लेकिन खरगे से मिलकर लौटने के बाद जिस तरह की जानकारी दी, उसके आधार पर हुड्डा की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए हैं। खरगे से लगभग 45 मिनट तक मुलाकात हुई है।

कर्नाटक के गन्ना विकास मंत्री बोले, मुआवजे के लिए बढ़ीं किसान आत्महत्याएं

पाटिल ने कहा- आत्महत्या पर 2015 से पांच लाख दिया जाने लगा

हवेरी, प्रेट्र: कर्नाटक सरकार में कैबिनेट मंत्री शिवानंद पाटिल के किसानों की आत्महत्या को लेकर असंवेदनशील बयान से विवाद हो गया है। पाटिल ने कहा कि कुछ किसान नेता और संगठन किसानों की आत्महत्या से मौतें इसलिए अधिक बता रहे हैं ताकि वह मुआवजा वसूल सकें। इस विवादित बयान के बाद उन्होंने अपनी सफाई में कहा कि मैंने कभी नहीं कहा कि किसानों के आत्महत्या करने से उन्हें और मुआवजा मिलेगा।

राज्य के गन्ना विकास मंत्री पाटिल ने कहा कि जब से सरकार ने किसानों की आत्महत्या के मामले में उनके स्वजनों के लिए मुआवजा राशि को बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दिया है, तब से आत्महत्या की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। संवाददाताओं से बात करते हुए पाटिल ने दावा किया कि एक घटना में एक युवा जिसकी मौत शराब पीने से हुई थी उसे आत्महत्या का मामला बता दिया गया। मंत्री ने कहा कि कुछ राहत पाने के लिए कुछ किसान संगठनों के नेताओं ने गलत रिपोर्ट दे दी। उन्होंने संवाददाताओं से इस बात पर रोशनी डालने को कहा कि 2015 से पहले कितने किसानों ने आत्महत्या की और उसके बाद ऐसी कितनी घटनाएं हुई हैं। आपको निश्चित रूप से इस बारे में पता चलेगा। यह गरीब लोग हैं। अगर उन्हें स्वाभाविक रूप से कोई मुआवजा नहीं मिलता तो वह इसे किसान की आत्महत्या कहने लगते हैं। वर्ष 2015 से पहले ऐसे मामले बहुत कम होते थे।

https://instadownload.app/ https://saveig.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

भाजपा को इंडिया से तकलीफ : खरगे

किया हमला ▶ कांग्रेस अध्यक्ष ने राजस्थान के भीलवाड़ा में सत्ताधारी पार्टी पर साधा निशाना

मल्लिकार्जुन ने कहा-यह तो संविधान में ही लिखा है- इंडिया दैट इज भारत

संवाद सूत्र, उदयपुर

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा में आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा को इंडिया (आइएनडीआइए, इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) से तकलीफ है। विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन से उसके नेता घबराए हुए हैं। इसीलिए अब इंडिया की जगह भारत कह रहे हैं। यह तो संविधान में ही लिखा है- इंडिया दैट इज भारत। हम तो पहले ही 'भारत जोड़ो' की बात कह रहे हैं। किसान सम्मेलन में राजस्थान के पार्टी प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा और प्रदेश के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शामिल हुए। किसान सम्मेलन में 931.92 करोड़ के 409 कार्यों का लोकार्पण-शिलान्यास किया गया।

इस दौरान खरगे ने कहा कि भाजपाई लाल-पीली डायरी के नाम पर डराने का काम करते हैं। यदि कोई लाल-पीली डायरी है तो वह सामने लाएं। हम कोर्ट में लड़ेंगे। पार्टी की आंतरिक राजनीति को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस में हमेशा सब मिलकर लड़ते हैं, लेकिन कैप्टन एक ही होता है। आज राजस्थान में जो काम हो रहा है, वह मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में हो रहा है। इसके लिए हम सभी लोगों को उनकी मदद करनी चाहिए। लोगों के बीच हमें यही संदेश देना है कि अगर फिर से कांग्रेस की सरकार सत्ता में आती है तो सभी सुखी और समृद्ध होंगे। राजस्थान गरीब कल्याण और सामाजिक न्याय का बेहतरीन माडल है। इसको आपको सभी को दिखाना है। इस माडल के लिए काम करना है।

राजस्थान के भीलवाड़ा में बुधवार को किसान सम्मेलन के दौरान कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत। प्रेट्र

कट्टर स्वाभिमानी विधायकों ने बचाई गहलोत सरकार : उन्होंने कहा कि गोवा, कर्नाटक, महाराष्ट्र सहित जहां-जहां भी हमारी सरकारें बनी थीं, भाजपा ने पैसा देकर, झूठ बोलकर या प्रलोभन देकर तोड़ दीं। लोकतंत्र में जो चुनकर आते हैं, उन्हें तोड़फोड़ करके आप (भाजपा) सरकार बनाते हो। इसके बाद नीति की बात करते हो। यह तो गनीमत है कि राजस्थान के नेता, विधायक, हमारे कांग्रेस के कट्टर जितने स्वाभिमानी हैं, उन्होंने अपनी सरकार को बचा लिया। इसीलिए आज शानदार योजनाएं आ रही हैं।

कांग्रेस ने बनाया किसानों को जमीन का मालिक : उन्होंने कहा कि भाजपा वाले केवल कांग्रेस को गालियां देते रहेंगे। बार-बार हमसे पूछते हैं 70 साल में कांग्रेस ने क्या किया? कांग्रेस ने 53 साल ही राज किया है। इस दौरान राजस्थान में किसान को जमीन का मालिक बनाया। लैंड रिफार्म का काम कांग्रेस ने किया। इंदिरा गांधी ने राजा-महाराजाओं की तनख्वाह बंद कर दी। हम 'भारत जोड़ो' कहते हैं तो वे 'भारत तोड़ो' कहते हैं। किसान सम्मेलन के दौरान खरगे ने गायों की पूजा की। इस दौरान कामधेनु योजना भी लांच की गई।

भाजपा बताए-उनके कितने नेता जेल गए?

उन्होंने कहा कि हमारे लोगों को डराया जा रहा है। ईडी, सीबीआइ के छापे डाले जा रहे हैं। मुझे राजनीति में 57 साल हो गए। 52 साल से विधायक और सांसद हूं। 13 में से मैं केवल एक चुनाव ही हारा हूं। वह (भाजपा) कभी आरएसएस का उपयोग करते हैं, कभी धर्म का। भाजपा बताए कि उनकी पार्टी और आरएसएस के कितने लोग आजादी के लिए जेल गए, कोई हिसाब है।

मंत्री जाट ने सीएम को बताया 'लोकदेवता'

राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लोकदेवता बताया। जाट ने कहा कि गहलोत इस कलयुग में हर घर में सालभर में 70 हजार रुपये का फायदा दे रहे हैं।

शशि थरूर ने विपक्षी गठबंधन को सुझाया नया नाम 'भारत'

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में इन दिनों इंडिया और भारत नामों को लेकर बहस खूब चर्चा हो रही है। इसको लेकर नेताओं के नए-नए बयान सामने आ रहे हैं। वहीं बुधवार को कांग्रेस नेता शशि थरूर ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को अपना बदलने का सुझाव दिया और बोले कि शायद नाम बदलने से सरकार का घृणित खेल रुक जाए। थरूर ने इंटरनेट मीडिया एक्स पर सरकार पर कटाक्ष करते हुए पोस्ट किया कि विपक्षी गठबंधन अगर खुद को 'अलायंस फार बेटरमेंट, हार्मनी एंड रिस्पान्सबल एडवांसमेंट फार टुमारो' (बीएसएआरएटी) कहने लगे तो शायद सत्तारूढ़ पक्ष नाम बदलने का घटिया खेल बंद कर दे। उनकी यह टिप्पणी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु द्वारा जी20 रात्रिभोज के लिए भेजे गए निमंत्रण के बाद आई है, जिसमें राष्ट्रपति को प्रेसीडेंट आफ भारत कहकर संबोधित किया गया है। विपक्ष ने मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह इंडिया शब्द को हटाकर देश का नाम सिर्फ भारत करने की योजना बना रही है। कांग्रेस विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (आइएनडीआइए) का एक घटक है। थरूर ने मंगलवार को कहा था कि भारत को भारत कहने में कोई संवैधानिक आपत्ति नहीं है, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि सरकार इतनी मूर्ख नहीं होगी कि इंडिया नाम को पूरी तरह से खत्म कर दे, जो दुनिया भर में बहुमूल्य ब्रांड है। कांग्रेस सांसद ने यह भी दावा किया था कि पाकिस्तान के संस्थापक

कांग्रेस सांसद का दावा, जिन्ना ने भी इंडिया नाम पर जताई थी आपत्ति

शशि थरूर। फाइल

मोहम्मद अली जिन्ना ने इंडिया नाम पर आपत्ति जताई थी।

वहीं, शिवसेना (उद्धव गुट) के सांसद संजय राउत ने कहा कि इंडिया शब्द को बदलकर भारत करना डा बीआर अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का अपमान है। उन्होंने कहा कि देश के संविधान में इंडिया और भारत दोनों को शामिल किया गया है और इतने वर्षों तक इंडिया के इस्तेमाल से किसी को कोई परेशानी नहीं हुई, तो अब उन्हें नाम बदलने का अधिकार किसने दिया है। कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने कहा कि इंडिया-भारत नामकरण विवाद का उद्देश्य देश के सामने मौजूद वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाना है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने कहा कि देश का नाम इंडिया से भारत करने से कोई उद्देश्य पूरा नहीं होगा जब तक कि इससे लोगों को फायदा न हो।

इंडिया या भारत की बहस में पड़कर मूर्खता कर रहा विपक्ष : प्रकाश आंबेडकर

राज्य ब्यूरो, मुंबई : डा. भीमराव आंबेडकर के पौत्र प्रकाश आंबेडकर ने कहा है कि देश का नाम 'इंडिया' हो या 'भारत' इस बहस में फंसकर विपक्षी दलों का गठबंधन आइएनडीआइए मूर्खता कर रहा है। उसे इस मुद्दे को नजरंदाज करना चाहिए था। वंचित बहुजन आघाड़ी के अध्यक्ष एवं पेशे से वकील प्रकाश आंबेडकर ने अपने एक्स (पहले ट्वीटर) एकाउंट पर भारत के संविधान के पहले अनुच्छेद की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा है कि संविधान के अनुच्छेद-1 में कहा गया है कि इंडिया, यानी भारत राज्यों का एक संघ होगा। इस अनुच्छेद में इंडिया और भारत दोनों लिखे दिखाई दे रहे हैं। यानी इस अनुच्छेद के अनुसार, देश के नाम के लिए इंडिया और भारत दोनों शब्दों का इस्तेमाल हो सकता है। पहले इंडिया लिखा हुआ है। लेकिन, आइएनडीआइए गठबंधन भाजपा और संघ के जाल में फंसकर आलोचना करने लगा है।

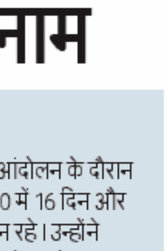

प्रकाश के अनुसार, विपक्षी दल कह सकते थे कि संविधान में इंडिया लिखा है, इसलिए उन्होंने गठबंधन का नाम आइएनडीआइए रखा है, लेकिन वे आलोचना करने में जुट गए। भाजपा कह सकती है कि गठबंधन के पास कोई विचार नहीं है। उन्होंने ऐसे ही अपना नाम आइएनडीआइए रख लिया है। भाजपा और संघ यही चाहते थे और आइएनडीआइए गठबंधन यहीं हार गया।

19 को नए संसद भवन में संसदीय कामकाज हो जाएगा स्थानांतरित

नई दिल्ली, एएनआइ : केंद्र सरकार ने 18 से 22 सितंबर के पांच दिनों के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया है। 18 सितंबर से शुरू होने वाला संसद का विशेष सत्र पुरानी इमारत में ही शुरू होगा। हालांकि 19 सितंबर को गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर संसदीय कामकाज नए संसद भवन में स्थानांतरित हो जाएगा।

नई संसद कई अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। यह त्रिकोण के आकार का है और इसे सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत बनाया गया है। 862 करोड़ की लागत में बना यह नया संसद भवन 64,500 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। मालूम हो कि नए संसद भवन का उद्घाटन इस साल 28 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। पीएम मोदी ने 10 दिसंबर 2020 को नए संसद भवन की आधारशिला रखी थी। इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक ट्वीट में कहा, 'संसद का विशेष सत्र (17वीं लोकसभा का 13वां सत्र और राज्यसभा का 261वां सत्र) 18 से 22 सितंबर तक पांच बैठकों के साथ बुलाया जा रहा है। अमृत काल के बीच संसद में सार्थक चर्चा और बहस की उम्मीद है।' सरकार का लक्ष्य संसद के आगामी सत्र में सार्थक चर्चा और बहस करना है। संसद का मानसून सत्र पुराने संसद भवन में आयोजित किया गया था।

गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर संसदीय कामकाज होगा शुरू

नया संसद भवन। फाइल

मदन मोहन मालवीय के नाम पर होगा यूजीसी के शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि शिक्षक प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए यूजीसी की ओर से संचालित मानव संसाधन विकास केंद्रों (एचआरडीसी) को मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के रूप में जाना जाएगा। यूजीसी के एचआरडीसी गैर तकनीकी उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

उन्होंने मालवीय मिशन, शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत पर कहा कि मदन मोहन मालवीय शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र 15 लाख से अधिक शिक्षकों की क्षमता निर्माण में योगदान देगा। केंद्रीय क्षेत्र की योजना पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन 2014 में प्रधानमंत्री द्वारा शुरू की गई थी। मालवीय मिशन के एक भाग के रूप में 110 संस्थानों की पहचान की गई है।

हमारी संस्कृति, इतिहास, परंपरा व गौरव है 'भारत' नाम

चंद्रशेखर द्विवेदी, अल्मोड़ा

भारत और इंडिया शब्द को लेकर देश की राजनीति गर्माई हुई है। विपक्षी दल नाम बदलने से बेचैन हैं तो भाजपा संविधान का हवाला दे रही है। संविधान सभा के सदस्य रहे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी हरगोविंद पंत भी भारत नाम रखने के प्रबल समर्थक थे। उनके स्वजन भी कहते हैं कि पंत हमेशा ही देश का नाम भारत या भारतवर्ष किए जाने के पक्षधर थे। यह तो आजादी के समय ही हो जाना चाहिए था। दुर्भाग्य है कि 75 वर्ष बाद भी आज हम इस पर बहस कर रहे हैं।

संविधान सभा के सदस्य रहे स्व. हरगोविंद पंत की पुत्र वधु लज्जा पंत, पौत्र आशुतोष पंत व पौत्रवधु डा. वसुधा पंत अल्मोड़ा स्थित क्रांति सदन में रहते हैं। उनका कहना है कि संविधान सभा में बहस के दौरान पंत जी इंडिया के बजाय भारत या भारतवर्ष के पक्ष में थे। उन्होंने कहा था कि मैं देश के नाम को लेकर एक प्रस्ताव रख रहा हूं। हमें इंडिया की जगह नाम भारत या भारतवर्ष किया जाए। पंत ने तर्क दिया था कि पौराणिक काल से ही हमारे देश को भारत या भारतवर्ष के नाम से संबोधित किया जाता रहा है। यह शब्द उत्साह और साहस को दर्शाता है।

इंडिया शब्द से गुलामी की आती थी बू : वधु लज्जा व पौत्रवधु डा. वसुधा ने कहा कि संविधान सभा में बहस के दौरान हरगोविंद पंत ने कहा था कि जहां तक इंडिया शब्द की बात है तो मुझे यह समझ में नहीं आ रहा है कि विदेशियों के दिए नाम से हमें इतना लगाव क्यों है। विदेशियों ने हमारी स्वतंत्रता छीन ली और देश की संपत्ति को हथिया लिया था। अगर इसके बाद भी हम इंडिया शब्द को चुनते हैं तो यह साबित होगा कि हमें जरा भी शर्म नहीं। उन्होंने साफ कर दिया था कि वह केवल भारतवर्ष नाम चाहते हैं। लेकिन लंबी चर्चा के बाद आखिर में इंडिया दैट इज भारत नाम को स्वीकृति दी गई। आज 75 वर्ष बाद फिर वहीं चर्चा हो रही है। डा. वसुधा ने कहा कि हरगोविंद पंत ने जिक्र किया था कि जम्बू द्वीपे भारतखंडे आर्यावृत्त देशांतर्गते...। अर्थात इस जम्बू द्वीप में भारत खंड अर्थात भारत का क्षेत्र भारतवर्ष स्थित है, जोकि आर्यावर्त कहलाता है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की पुत्रवधु, पौत्र व पौत्रवधु ने कहा-देश का नाम होना चाहिए भारत

देश का नाम भारत रखने के प्रबल समर्थक थे हरगोविंद पंत

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व संविधान सभा के सदस्य हरगोविंद पंत। सौ. स्वजन

स्वतंत्रता आंदोलन का प्रमुख चेहरा थे हरगोविंद पंत

उनका जन्म 19 मई 1885 को अल्मोड़ा जिले के चितई गांव में हुआ था। उन्होंने 1909 में इलाहबाद के स्कूल आफ ला से एलएलबी की डिग्री हासिल की। रानीखेत से वकालत शुरू की। इसी समय पूरे देश में गोरों से स्वतंत्रता की आग फैलने लगी थी। कुली बेगार आंदोलन में उनकी प्रमुख भूमिका रही। वर्ष 1925-29 तक वह अल्मोड़ा जिला परिषद के अध्यक्ष रहे। कुमाऊं क्षेत्र में ब्राह्मणों को हल न चलाने की प्रथा थी। वर्ष 1928 में उन्होंने स्वयं हल चलाकर इस प्रथा को तोड़ा। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अल्मोड़ा जेल में वर्ष 1930 में 16 दिन और वर्ष 1940 में वह 270 दिन रहे। उन्होंने नमक सत्याग्रह, भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया। आजादी के बाद संविधान सभा के सदस्य बने। उत्तर प्रदेश की प्रथम विधानसभा में विधायक रहे। उन्होंने रानीखेत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस की ओर से चुनाव लड़ा। वर्ष 1957 में वह लोकसभा के उप सभापति भी बने। इसी वर्ष उनका निधन हो गया।

एक देश-एक चुनाव पर तैयारियों में लगेगा तीन साल का समय

अरविंद पांडेय, नई दिल्ली

एक देश-एक चुनाव को लेकर इन दिनों राजनीतिक हलचल बढ़ी हुई है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि इस पर कब से अमल होगा, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसकी संभावनाओं को तलाशने के लिए हाल ही में एक उच्च स्तरीय कमेटी गठित की है। यदि एक साथ चुनाव कराने पर सहमति बन भी जाती है, तब भी इससे जुड़ी तैयारियों के लिए कम से कम तीन साल का समय लगेगा। यह इसलिए क्योंकि एक साथ चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग को 35 लाख से ज्यादा ईवीएम (इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन) व वीवीपैट (वोटर वेरीफाइड पेपर आडिट ट्रेल) की जरूरत होगी। रिपोर्ट के मुताबिक अभी आयोग के पास करीब 20 लाख ईवीएम व वीवीपैट ही मौजूद हैं। ऐसे में बाकी 15 लाख ईवीएम व वीवीपैट तैयार कराने में उसे समय लगेगा।

एक साथ चुनाव कराने की जब से चर्चा शुरू हुई है, तब से निर्वाचन आयोग भी अपने गुणा-गणित में जुटा हुआ है।

35 लाख से ज्यादा ईवीएम और वीवीपैट की पड़ेगी जरूरत

चुनाव आयोग। फाइल

सूत्रों के मुताबिक आयोग ऐसी स्थिति में अपनी जरूरतों को समझ रहा है। आयोग की चिंता ईवीएम व वीवीपैट मशीनों की उपलब्धता को लेकर है। इन मशीनों को तैयार करने वाली कंपनियों की क्षमता साल में सिर्फ पांच लाख मशीनें ही तैयार करने की है। ऐसे में 15 लाख मशीनों को तैयार करने में तीन साल का समय लगेगा। इन मशीनों को खरीदने के लिए आयोग को पांच हजार करोड़ से ज्यादा राशि की जरूरत पड़ेगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक ईवीएम की कीमत करीब 35 हजार रुपये पड़ती है। एक ईवीएम की औसत आयु 15 साल की होती है।

एक साथ चुनाव की जगह 'प्लान बी' भी अपना सकती है सरकार : चुनावों को एक साथ कराने में राजनीतिक अड़चन, भारी खर्च और ज्यादा समय लगने जैसी दिक्कतों को देखते हुए माना जा रहा है कि केंद्र इस पूरी योजना के 'प्लान बी' को अपना सकती है। इसमें एक साथ चुनाव को लेकर सहमति न बन पाने पर सभी चुनावों को दो चरणों में कराया जा सकता है। पहला चरण लोकसभा के साथ जबकि दूसरा चरण ढाई साल बाद यानी मिड टर्म में। ऐसे में देश में पांच वर्षों में सिर्फ दो बार चुनाव होंगे। सूत्रों की मानें, तो चुनावी खर्च और तैयारियों में ज्यादा समय लगने जैसी दिक्कतों को देखते हुए इस विकल्प को ज्यादा उपयुक्त माना जा रहा है। केंद्र की ओर से पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अगुआई में गठित कमेटी के एजेंडे में इस विषय को भी प्रमुखता से रखा गया है।

प्राप्तकर्ता को आश्वस्त किया जाना चाहिए कि चढ़ाया जा रहा रक्त साफ

नई दिल्ली, प्रेट्र : ट्रांसजेंडर, पुरुषों के साथ शारीरिक संबंध रखने वाले पुरुषों और महिला यौनकर्मियों को रक्तदाताओं से बाहर रखने वाले 2017 के दिशानिर्देशों को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि रक्त के प्राप्तकर्ता को आश्वस्त किया जाना चाहिए कि जो रक्त चढ़ाया जा रहा है, वह साफ है। जस्टिस संजय किशन कौल और सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि वह याचिका पर नोटिस जारी नहीं कर रही है और इसे इस मुद्दे को उठाने वाली एक अन्य लंबित याचिका के साथ नत्थी कर दिया।

शीर्ष अदालत ने मार्च 2021 में रक्त दाता के लिए 2017 के दिशानिर्देशों को चुनौती देने वाली एक अलग याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा था, जिसमें तीन श्रेणियों के लोगों को रक्त दाता से बाहर रखा गया था। बुधवार को याचिका पर सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र निवासी याचिकाकर्ता के वकील ने शीर्ष अदालत को बताया कि कुछ श्रेणियों के लोगों को रक्तदान से बाहर करने के दिशानिर्देशों ने उन पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।

के. कविता ने सोनिया गांधी से पूछा, महिला आरक्षण का उल्लेख क्यों नहीं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को विपक्षी खेमे की ओर से भी चुनौती मिलती दिख रही है। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता ने बुधवार को कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी से पूछा कि उन्होंने संसद के विशेष सत्र के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे अपने पत्र में महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने का उल्लेख क्यों नहीं किया है।

सोनिया गांधी से कविता का यह सवाल कांग्रेस को असहज कर सकता है, क्योंकि वह खुद तो इसके पक्ष में है, लेकिन आइएनडीआइए के कई अहम सदस्य महिला आरक्षण विधेयक के खिलाफ हैं। यह आधी आबादी से जुड़ा मुद्दा है, लेकिन कांग्रेस के सामने गठबंधन में फूट बचाने की मजबूरी भी है। कांग्रेस की चुप्पी के बाद तेलंगाना में बीआरएस यह मुद्दा उठा सकती है कि कांग्रेस को महिलाओं की फिक्र नहीं है।

महिला आरक्षण विधेयक को नजरअंदाज करने का लगाया आरोप

पीएम को सोनिया ने पत्र लिखकर नौ मुद्दों पर वहस की मांग की है

बीआरएस की नेता के कविता। फाइल

18 सितंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र के एजेंडे को लेकर अभी तक केंद्र सरकार की तरफ से स्पष्ट नहीं किया गया है, किंतु माना जा रहा है कि इस दौरान महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराया जा सकता है। अगर ऐसा हुआ तो कविता के रुख से स्पष्ट है कि सत्ता पक्ष को बीआरएस का समर्थन मिल सकता है। लोकसभा में बीआरएस के नौ सदस्य हैं।

सोनिया ने बुधवार को प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर जिन नौ मुद्दों पर चर्चा कराने का आग्रह किया है, उनमें देश की आर्थिक स्थिति, जातिवार गणना, सीमा पर चीन के साथ तनाव एवं अदाणी समूह से जुड़े मामलों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) गठित करने की मांग शामिल हैं। इनमें महिला आरक्षण की चर्चा नहीं है। सोनिया के पत्र के बाद कविता ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करके सवाल किया कि क्या महिलाओं का प्रतिनिधित्व राष्ट्रीय महत्व का विषय नहीं है? उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा की जरूरत को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है। यह विधेयक राज्यसभा से पास हो चुका है और लोकसभा में सत्ता पक्ष के पास पर्याप्त बहुमत है। ऐसे में माना जा रहा है कि कविता ने कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए सोनिया को महिला विरोधी साबित करने का प्रयास किया है।

मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन

जरांगे ने कहा आज बताएंगे कि वे अपना अनशन खत्म करेंगे या नहीं, मराठा समाज को कुनबी करार देने की मांग को लेकर कर रहे हैं अनशन

महाराष्ट्र में जरांगे की मांग के लिए बनी समिति

राज्य ब्यूरो, मुंबई

मराठा समाज को कुनबी करार देने की मांग कर रहे आंदोलनकारी मनोज जरांगे पाटिल की मांगों पर विचार करने के लिए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सेवानिवृत्त न्यायाधीश संदीप शिंदे की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति का गठन कर दिया है। यह समिति एक माह में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। उधर, अनशन पर बैठे मनोज जरांगे पाटिल ने कहा है कि वह गुरुवार को सुबह 11 बजे बताएंगे कि वे अपना अनशन खत्म करेंगे या नहीं।

मनोज जरांगे पाटिल 29 अगस्त से जालना में अपने कुछ साथियों के साथ अनशन कर रहे हैं। एक सितंबर को आंदोलनकारियों एवं पुलिस के बीच हिंसक झड़प भी हो चुकी है। मनोज जरांगे पाटिल की मांग मराठा समाज को कुनबी समाज का जाति प्रमाण पत्र दिए जाने की है। वह कहते हैं कि मेरे आंदोलन को अनायास मराठा आरक्षण से जोड़कर देखा जा रहा है। उन्होंने सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि मराठावाड़ा

मनोज जरांगे पाटिल। फाइल

सहित संपूर्ण महाराष्ट्र में मराठा समाज का मूल व्यवसाय कृषि है। 1960 से पहले मराठा समाज को कुनबी समाज का प्रमाणपत्र दिया जाता था। लेकिन, संयुक्त महाराष्ट्र का गठन होने के बाद यह प्रमाणपत्र मिलना बंद हो गया है। वह यह भी कहते हैं कि जब तक मराठवाड़ा निजाम हैदराबाद की रियासत का हिस्सा था, तब तक मराठों को आरक्षण मिलता था। उस समय के कई प्रमाण और दस्तावेज भी उपलब्ध हैं। वह सीधे कहते हैं कि हमारा मराठा समाज कुनबी में आता है, जोकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का हिस्सा है। इसलिए, हमें ओबीसी कोटा के तहत ही आरक्षण चाहिए। इसका सर्वोच्च न्यायालय में चल रहे मराठा आरक्षण विवाद से कोई मतलब नहीं है।

मनोज जरांगे के आंदोलन के कारण एक सितंबर को जालना में पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के बाद से राज्य सरकार दबाव में है। शरद पवार, उद्धव ठाकरे, उदयनराजे भोसले जैसे कई वरिष्ठ नेता मनोज जरांगे पाटिल से मिलने जा चुके हैं। इसलिए, जालना लाठीचार्ज के बाद पहली बार बुधवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मनोज जरांगे पाटिल की मांगो पर विचार हुआ और मुख्यमंत्री ने एक सेवानिवृत्त जज की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय समिति बनाने का निर्णय किया। सरकार नौ दिन से चल रहा उनका अनशन इसलिए भी खत्म करवाना चाहती है कि क्योंकि शुक्रवार को जालना में ही सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम में मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्रियों सहित कई मंत्री भी उपस्थित रहेंगे।

दल बदलते ही सुवेंदु के अपराधों की संख्या कैसे बढ़ गई : हाई कोर्ट

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : कलकत्ता हाई कोर्ट ने ममता सरकार से पूछा पार्टी बदलने के साथ ही विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी के अपराधों की संख्या बढ़ गई है? न्यायाधीश जय सेनगुप्ता ने बुधवार को ममता सरकार से सवाल किया कि क्या सुवेंदु ने आपके साथ रहते हुए कोई अपराध नहीं किया? पार्टी बदलने के बाद ही अपराध बढ़ा है? विभिन्न आरोपों में सुवेंदु के खिलाफ 27 एफआइआर दर्ज कराई जा चुकी हैं। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने कोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। मामले की अगली सुनवाई 13 सितंबर को होनी है।

मतांतरण पर रोक की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा-हम दखल क्यों दें?

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश में लगातार मतांतरण के मामले सामने आ रहे हैं। लेकिन, बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने धोखे से किए जा रहे मतांतरणों को रोकने की एक जनहित याचिका पर विचार करने से इन्कार कर इसे खारिज कर दिया। इस याचिका में केंद्र को देश में धोखाधड़ी से धर्मांतरण को रोकने के लिए कदम उठाने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पार्डीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका को खारिज करते हुए अपनी टिप्पणी में कहा कि अदालत को इस मामले में क्यों प्रवेश करना चाहिए? अदालत सरकार को परमादेश की रिट कैसे जारी कर सकती है? याचिकाकर्ता जेरोम एंटो की ओर से पेश वकील ने पीठ को तर्क दिया था कि हिंदुओं और नाबालिगों को लगातार निशाना बनाया जा रहा है और उनका 'धोखे से' धर्म परिवर्तन किया जा रहा है। इस पर पीठ ने जवाब देते हुए कहा,'अगर कोई लाइव चुनौती है और किसी को प्रताड़ित किया गया है तो हम उस पर विचार कर सकते हैं।' पीठ ने कहा, 'ये कैसी जनहित याचिका है? जनहित याचिका एक टूल बन गई है और हर कोई इस तरह की याचिकाएं लेकर आ रहा है।' याचिकाकर्ता द्वारा यह सवाल किए जाने पर कि उसे इस तरह की शिकायत लेकर कहां जाना चाहिए? इस बारे में पीठ ने कहा, 'हम सलाहकार क्षेत्राधिकार में नहीं हैं और इसलिए याचिका खारिज की जाती है।' ज्ञात हो कि देश के कई राज्यों में मतांतरण की घटनाएं देखने को मिल रही हैं। इसमें देश के गरीब वर्ग, आदिवासी और दलित समाज को निशाना बनाया जाता है। इसके लिए कई बार विदेश से फंडिंग होती है।

याचिका खारिज कर पूछा-यह कैसी जनहित याचिका है?

https://instadownload.app/ https://savelg.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

122 किमी की लद्दाख में सिल्क रूट अल्ट्रा मैराथन में हिस्सा लेने के लिए लेह के नोबरा देश-विदेश के धावक पहुंचे हैं। सात सितंबर से चार दिन तक चलने वाली लद्दाख मैराथन के तहत पांच प्रतिस्पर्धाओं में करीब छह हजार धावक हिस्सा ले रहे हैं।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 7 सितंबर, 2023

न्यूज गैलरी

आइएस त्रिचूर माड्यूल का फरार सरगना गिरफ्तार

नई दिल्ली: एनआइए ने बुधवार को चेन्नई में बड़ी कार्रवाई करते हुए आइएस त्रिचूर माड्यूल के फरार सरगना को गिरफ्तार कर लिया। वह देश से भागने की फिराक में था, इससे पहले ही एजेंसी ने उसे पकड़ लिया। पकड़े गए आरोपित का नाम सैयद नबील अहमद है जो त्रिचूर का रहने वाला है। एनआइए की टीम पिछले कुछ हफ्तों से अहमद की तलाश में थी। आरोपित पिछले कई हफ्तों से कर्नाटक और तमिलनाडु के विभिन्न स्थानों पर छिपा हुआ था। उसने नेपाल के जरिए जाली व धोखाधड़ी वाले दस्तावेजों का उपयोग करके विदेश भागने की योजना बनाई थी। (प्रेट्र)

लद्दाख में सबसे ऊंची मैराथन में आज दौड़ेंगे धावक

जम्मू : देश-विदेश के करीब 5800 धावक लद्दाख में दमखम दिखाने को तैयार हैं। पहले दिन गुरुवार को 47 धावक 122 किलोमीटर लंबी रेशम मार्ग अल्ट्रा मैराथान में 17,618 फीट पर विश्व के सबसे ऊंचे खरदुंग ला टाप को पार करेंगे। धावकों को नुब्रा से लेह तक की दौड़ को 22 घंटे के अंदर पूरा करना होगा। दौड़ की मुख्य चुनौती सामान्य से 50 प्रतिशत कम आक्सीजन वाला माहौल होगा। चार दिवसीय मैराथन के पहले दिन सात सितंबर को दौड़ शाम सात बजे 10,700 फीट की ऊंचाई पर स्थित नुब्रा के क्यागर गांव से शुरू होगी। (राब्यू)

रामलला का मंदिर बन रहा, अब कृष्ण जन्मभूमि की बारी

मथुरा : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट व श्री कृष्णभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास कान्हा के जन्मोत्सव के मौके पर बुधवार को यहां पहुंच गए। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बन रहा है। अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि का समय भी आ गया है। जल्द ही यहां भी कार्य संपन्न होगा। बुधवार सुबह पहुंचे महंत अध्यक्ष होने के नाते श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर गुरुवार रात लाला का अभिषेक करेंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या के बाद अब श्रीकृष्ण जन्मभूमि का समय आ गया है। जल्द ही यहां भी यह कार्य संपन्न होगा। (जास)

कुपवाड़ा के टीटवाल से निकलेगी मां शारदा की यात्रा

श्रीनगर : उत्तरी कश्मीर में एलओसी से सटे कुपवाड़ा जिले के टीटवाल में मां शारदा देवी का वार्षिकोत्सव 23 सितंबर को मनाया जाएगा। इस अवसर पर टीटवाल से गुलाम जम्मू कश्मीर में स्थित मां शारदा देवी के पौराणिक मंदिर के लिए छड़ी मुबारक यात्रा भी रवाना होगी। हालांकि, यात्रा सांकेतिक होगी और एलओसी के पार नहीं जाएगी, बल्कि यह किशनगंगा नदी पर बनी श्वेत रेखा पर संपन्न होगी। (राब्यू)

नासा ने विक्रम के लैंडिंग स्थल की ली तस्वीर

बेंगलुरु, प्रेट्र : अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने विक्रम के लैंडिंग स्थल की तस्वीर जारी की है। यह लूनर रिकोनिसेंस आर्बिटर कैमरे से ली गई है। नासा ने लैंडर की तस्वीर जारी करते हुए कहा है कि यह चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव से 600 किलोमीटर दूर स्थित है। इसरो ने 23 अगस्त को दक्षिणी ध्रुव पर साफ्टलैंडिंग कराकर बड़ी सफलता हासिल की थी। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर इस तरह की सफलता हासिल करने वाला भारत पहला देश बन गया है। वर्तमान में विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर स्लीप मोड में हैं। इनके 22 सितंबर 2023 के आसपास जागने की उम्मीद है।

नासा की ओर से जारी तस्वीर में लैंडर केंद्र में नजर आ रहा है और इसकी चमकती आभा नजर आ रही है। इसरो ने कहा कि नासा आर्बिटर से जुड़े कैमरे ने इसके उतरने के चार दिन बाद विक्रम लैंडर का 42 डिग्री के कोण से तस्वीर ली है।

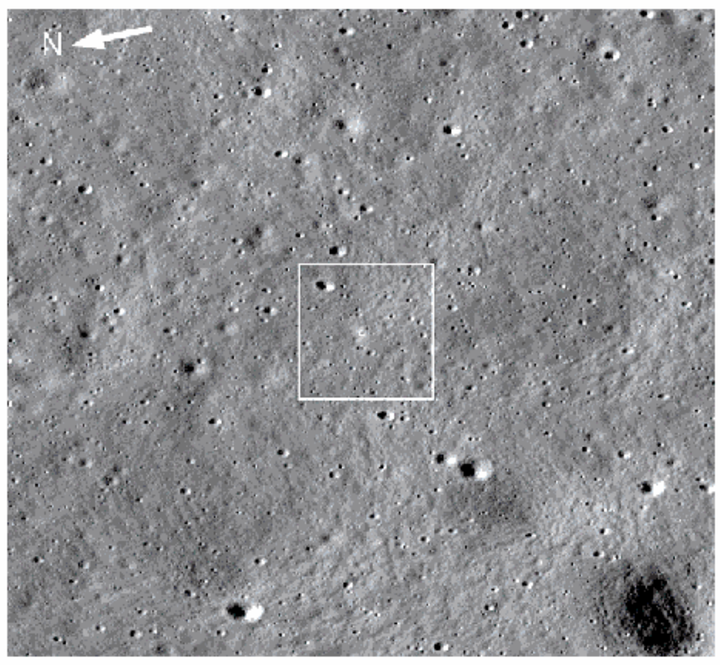

नासा के लूनर रिकोनिसेंस आर्बिटर (एलआरओ) ने चंद्रयान-3 के लैंडिंग स्थल का चित्र लिया है। चित्र के केंद्र में चंद्रयान-3 का लैंडर है। सौ. एट द रेट आफ नासा अंडरस्कोर मार्शल (एक्स)

इसरो अध्यक्ष को मिलेगा गोयल शांति पुरस्कार

जासं, कुरुक्षेत्र : चंद्रयान 3 की सफल लैंडिंग के बाद भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एम सोमनाथ को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय गोयल शांति पुरस्कार से सम्मानित करेगा। इसके तहत दो लाख रुपये, पदक और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा।

एस सोमनाथ। फाइल

विश्वविद्यालय की गोयल प्राइज अवार्ड कमेटी के अध्यक्ष एवं कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने बताया कि इसरो प्रमुख को यह पुरस्कार अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में योगदान के लिए दिया जाएगा। निकट भविष्य में विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले समारोह में इसरो अध्यक्ष को सम्मानित किया जाएगा। कमेटी के को-चेयरमैन प्रो. एसपी सिंह ने बताया कि अमेरिका के शिकागो में रह रहे अप्रवासी भारतीय व्यवसायी रामस्वरूप गोयल व कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के संयुक्त प्रयास से यह पुरस्कार शुरू किया था।

खिलौना बाजार में छाया चंद्रयान-3, बच्चे भी विक्रम लैंडर से हो रहे परिचित

धीरेंद्र सिन्हा, बिलासपुर

चंद्रमा पर सफल लैंडिंग के बाद अब खिलौना बाजार में चंद्रयान-3 उड़ानें भर रहा है। अंतरिक्ष की दुनिया बच्चों को खूब आकर्षित कर रही है। इन खिलौनों के माध्यम से तीन-चार वर्ष के बच्चे भी अब विक्रम लैंडर, रोवर प्रज्ञान जैसे नाम लेने लगे हैं। टी-शर्ट, घड़ी, स्कूल बैग, स्टीकर, पजल्स तक बाजार में आ चुके हैं। स्कूलों में क्राफ्ट हो या फिर लोकल कलाकार, सभी को काम मिलने लगा है। माहभर में 15 से 20 प्रतिशत तक की वृद्धि हो चुकी है।

छत्तीसगढ़ में बिलासपुर के हिंदुस्तान टायज के संचालक समीर मोटवानी ने कहा कि चंद्रयान-3 से संबंधित खिलौनों की मांग आने लगी है। मैंने सीमित संख्या में आर्डर किया था। एक सप्ताह में इससे संबंधित सभी पजल्स बिक गए। उम्मीद नहीं थी इतनी जल्दी स्टाक खत्म हो जाएगा। दोबारा आर्डर देना पड़ा है।

स्वदेशी खिलौना, आत्मनिर्भर भारत : महाराष्ट्र व तमिलनाडु के साथ उप्र, राजस्थान व आंध्र प्रदेश से भी त्योहारी सीजन में खिलौने आते हैं। वहीं छत्तीसगढ़ में लोकल स्तर पर भी खिलौने बनने लगे हैं। क्वालिटी और मजबूती की गारंटी होती है। आर्टिस्टर रवि पैकरा का कहना है कि रंगोली, पेंटिंग व वाल आर्ट में बड़ी डिमांड आने लगा है। स्पेस पर किताब भी लोग मांग रहे हैं।

-श्याम देवांगन, खिलौना के थोक विक्रेता, बिलासपुर

हाईवे से आउटलेट तक बने अवैध संपर्क मार्गों को बंद करें राज्य

वे साइड एमेनिटीज व अन्य सुविधाओं के लिए कुछ मानक शिथिल किए गए

हाईवे का उपयोग करने वाले लोगों को सुविधाएं प्रदान करना है उद्देश्य

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुविधाओं के विकास में जुटे सड़क परिवहन मंत्रालय ने फ्यूल पंप, वे साइड एमेनिटीज, संपर्क मार्ग, रेस्ट एरिया आदि को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण के दिशा-निर्देशों में कुछ बदलाव किए हैं, जिससे हाईवे का इस्तेमाल करने वाले लोगों को सुविधाएं प्रदान करने के साथ सड़क सुरक्षा के जोखिम को भी कम किया जा सके।

रेस्तरां, फूड कोर्ट, फ्यूल स्टेशन, विलेज हाट-बाजार, चार्जिंग प्वाइंट, शौचालय, ड्राइवरों के लिए विश्राम स्थल समेत कई सुविधाओं से युक्त ऐसे छह सौ से अधिक स्थल बनाए जाने हैं। इसके साथ ही मंत्रालय ने उन शिकायतों को भी गंभीरता से लिया है, जिनमें कहा गया है कि अनेक स्थानों पर हाईवे से आउटलेटों तक अवैध संपर्क मार्ग बना दिए गए हैं। कहीं-कहीं तो यह काम हाईवे के कैरिजवे और सर्विस लेन के बीच बनी ड्रेनेज को पाटकर किया गया है। मंत्रालय ने ऐसे सभी संपर्क मार्गों को ट्रैफिक तथा सड़क सुरक्षा के लिए खतरनाक बताते हुए तत्काल बंद करने के लिए कहा है।

मंत्रालय को कई राज्यों में वे साइड एमेनिटीज समेत दूसरी सुविधाओं के विकास में आ रही अड़चनों की जानकारी मिली है, जिसमें फ्यूल पंप के लिए जमीन, शौचालय के मानकों को पूरा करने में आ रही दिक्कतें शामिल हैं। मंत्रालय ने राज्यों को लिखी चिट्ठी में इससे संबंधित दिशा निर्देशों में बदलाव की जानकारी दी है। इसके अनुसार, शौचालयों जैसी सुविधाओं का प्रमुख उद्देश्य लोगों को दिक्कतों से निजात दिलाना है। यदि इसके लेआउट में परिवर्तन की जरूरत होती है तो यह किया जा सकता है। जगह के उचित इस्तेमाल के लिहाज से इसका खाका बनाया जा सकता है। हालांकि, इसके लिए न्यूनतम एरिया के नियम का पालन करना होगा। इसी तरह इन सुविधाओं के विकास के लिए कई जगह बार-बार लोगों से सुझाव मांगे जाने के मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि दस्तावेज, स्पष्टीकरण और प्रतिक्रियाएं एक बार ही मांगी जाएं। इसी तरह मंत्रालय ने उन शिकायतों को भी सड़क सुरक्षा के लिहाज से गंभीरता से लिया है, जिनमें कहा गया है कि कई आउटलेट मुख्य हाईवे से गलत तरीके से पहुंच मार्ग बनाकर निर्मित कर दिए गए हैं। इसके लिए मुख्य कैरिजवे और सर्विस रोड के बीच के ड्रेन तक को अवैध रूप से ढक दिया गया है। मंत्रालय ने इनको तत्काल बंद करने के लिए कहा है।

- **कई स्थानों पर हाईवे से आउटलेटों तक अवैध संपर्क मार्ग बनाए गए**

हाईवे के बीच में बने अवैध कट, जो दुर्घटना और जाम का कारण बनते हैं। फाइल

राम मंदिर के नृत्य मंडप का शिखर लेने लगा आकार

जागरण संवाददाता, अयोध्या

अयोध्या में अगले वर्ष 15 से 24 जनवरी के बीच नवनिर्मित मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का महोत्सव प्रस्तावित है। इसे लेकर तैयारियां तेजी से चल रही हैं। राम मंदिर के भूतल का निर्माण तीव्र गति से पूर्ण हो चुका है, अब यहां दरवाजे व खिड़की का काम चल रहा है। वहीं प्रथम तल का भी निर्माण शुरू हो गया है। इस तल पर पिलर लगाए जा रहे हैं। इसी क्रम में राम मंदिर के नृत्य मंडप का शिखर भी आकार लेने लगा है।

राम मंदिर में 161 फीट ऊंचे मुख्य शिखर के साथ पांच उप शिखरों का भी निर्माण होना है। शिखर और उप शिखर के नीचे मंडप निर्मित किया जा रहा है। मुख्य शिखर के नीचे गर्भगृह स्थापित होगा, जबकि मुख्य शिखर की सीध में सिंह द्वार की ओर बढ़ते हुए जो तीन उप शिखर होंगे, उसके नीचे क्रमशः गुण मंडप, रंग मंडप और नृत्य मंडप का निर्माण किया जा रहा है।

रंग मंडप के दाहिने और बाईं ओर भी भजन एवं कीर्तन मंडप के नाम से दो और मंडप बन रहे हैं और इन मंडपों के भी ऊपर उप शिखर निर्मित किया जाएगा। सिंहद्वार से मुख्य शिखर की ओर आगे बढ़ते हुए उप शिखर क्रमशः ऊंचे होते जाएंगे, जो उप शिखर सबसे कम ऊंचा होगा, वह नृत्य मंडप का उप शिखर होगा।

- **श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने जारी किए मंदिर निर्माण के नवीनतम चित्र**

राममंदिर में नृत्य मंडप का शिखर भी होने लगा निर्मित। सौ. रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट

घूस लेने में विदेश व्यापार के संयुक्त महानिदेशक समेत दो अन्य गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीबीआइ ने रिश्वत लेने में आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में तैनात विदेश व्यापार के संयुक्त महानिदेशक एन. रमेश समेत दो अन्य को गिरफ्तार किया है। एन. रमेश ने विदेश व्यापार निदेशालय में लंबित फाइलों के निस्तारण के लिए चार लाख रुपये की रिश्वत ली थी। सभी आरोपितों को बुधवार को विशाखापत्तनम की विशेष अदालत में पेश किया गया, जहां से सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सीबीआइ के अधिकारी ने बताया कि एन. रमेश के अतिरक्त अन्य दो गिरफ्तार लोगों में क्षेत्रीय प्राधिकरण विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) के अनुभाग प्रमुख श्रीभाष्यम वेंकट रंगनाथन और किरीटी इंडेंटिंग एंड एक्जिम सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पी. सीता राम राजू शामिल हैं। सीबीआइ को सूचना मिली थी कि रमेश और रंगनाथन नए आयात-निर्यात प्रमाणपत्र जारी करने, प्रमाणपत्रों के नवीनीकरण व अन्य लाइसेंस जारी करने के लिए सलाहकारों के माध्यम से रिश्वत लेते हैं। आरोप है कि राजू से रंगनाथन ने भी 50 हजार रिश्वत ली थी। राजू ने रंगनाथन को बताया था कि पट्टाभि एग्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड की सात फाइलें डीजीएफटी के विशाखापत्तनम कार्यालय में लंबित हैं। उसने बताया था कि वह कंपनियों से संबंधित फाइलों को मंजूरी देने के लिए रमेश द्वारा मांगी गई चार लाख की रिश्वत राशि देने विशाखापत्तनम पहुंचेगा। सूचना मिलने के बाद सीबीआइ ने कार्रवाई की।

बाहर से आकर नेपाल सीमा पर क्यों बसे, पूछेगी पुलिस

सतीश पांडेय, गोरखपुर

- **भारत में नेपाल सीमा से 10 किमी के दायरे में बाहर से आकर बसे लोगों का जुटाया जा रहा ब्योरा**

नेपाल सीमा से सटे भारतीय क्षेत्र में रहने वाले दूसरे जिले, राज्य या नेपाल के लोगों का पुलिस ब्योरा जुटा रही है। 10 किमी के दायरे में रहने वाले लोगों से यहां बसने का कारण, निवास की अवधि, आय का स्रोत, आपराधिक रिकार्ड सहित 17 बिंदुओं पर जानकारी जुटा रही है। यहां आने के बाद ये लोग क्या करते हैं, किससे मिलते हैं, क्या व्यवसाय है, स्वजन के मोबाइल नंबर के साथ पूरी रिपोर्ट शासन को भेजी जानी है। आपरेशन कवच के तहत चल रही इस कवायद का उद्देश्य सीमा क्षेत्र में देशविरोधी तत्वों की पहचान कर उन पर अंकुश लगाना है। बता दें, सीमा क्षेत्र की बदलती डेमोग्राफी (जनसांख्यिकी) सहित तस्करी, घुसपैठ व देशविरोधी तत्वों पर अंकुश लगाने के लिए गृह मंत्रालय के निर्देश के बाद आपरेशन कवच चलाया जा रहा है।

नेपाल की 570 किमी लंबी सीमा उप्र से लगती है। नेपाल से सटी महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, बहराइच, श्रावस्ती, लखीमपुर खीरी और पीलीभीत जिले की सीमा को सुरक्षा के लिहाज अतिसंवेदनशील माना जाता है। खुफिया एजेंसियों ने 10 साल के भीतर नेपाल सीमा के पास बने 250 मदरसों का सत्यापन कराया था। पता चला कि अधिकांश मदरसे न केवल बाहरी लोगों की मदद से बने हैं, बल्कि काफी बाहरी लोग यहां बसे हैं। इसमें से कई के पास भारत व नेपाल दोनों की नागरिकता है।

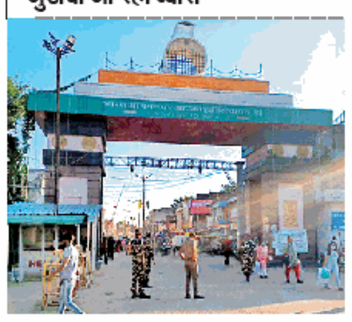

उप्र के महराजगंज के सोनौली में भारत-नेपाल सीमा का प्रवेश द्वार। जागरण

सोमैया वीडियो मामले में दो मीडियाकर्मियों के विरुद्ध केस दर्ज

राज्य ब्यूरो, मुंबई : भाजपा नेता किरीट सोमैया से जुड़े अश्लील वीडियो के मामले में एक समाचार चैनल के प्रधान संपादक एवं अन्य मीडियाकर्मी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मुंबई पुलिस के अनुसार, किरीट सोमैया की शिकायत के आधार पर लोकशाही चैनल के प्रधान संपादक कमलेश सुतार एवं एक अन्य मीडियाकर्मी अनिल थत्ते के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।

ये प्राथमिकी आइपीसी की धारा- 500 (मानहानि), सूचना प्रौद्योगिकी (आइटी) अधिनियम की धारा 66ई (गोपनीयता का उल्लंघन), 67ए (इलेक्ट्रानिक माध्यमों पर यौन कृत्यों वाली सामग्री का प्रसारण) आदि धाराओं में दर्ज की गई है। इस बीच, कमलेश सुतार ने कहा है कि वह पुलिस के साथ सहयोग कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। लेकिन, सवाल उठाने का काम भी जारी रखेंगे। स्वयं सुतार ने बुधवार को अपने एक्स (पहले ट्वीटर) एकाउंट पर जानकारी दी थी कि पुलिस ने किरीट सोमैया मामले में उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि वह वीडियो की जांच कर रही है।

पुंछ में एलओसी पर घुसपैठ का प्रयास विफल, दो आतंकी ढेर

जागरण संवाददाता, राजौरी

- **भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद भी बरामद**
- **एहतियात के तौर पर क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी**

भारतीय सेना ने जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले के साब्जियां सेक्टर में पाकिस्तान की एक और बड़ी साजिश को विफल कर दिया। नियंत्रण रेखा पार कर भारतीय क्षेत्र में दाखिल हो रहे दो आतंकियों को सेना ने मार गिराया। एक आतंकी का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि दूसरे शव की तलाश जारी है। मारे गए आतंकी से भारी मात्रा में गोलाबारूद व हथियार भी बरामद किए गए हैं। सेना व पुलिस के जवानों ने पूरे क्षेत्र को घेर कर तलाशी अभियान जारी रखा हुआ है, ताकि अगर कोई आतंकी भारतीय क्षेत्र में छिपा हो तो उसे भी ढेर किया जा सके।

जम्मू स्थित सेना के प्रवक्ता ने बताया कि मंगलवार देर रात साब्जियां के मंडी क्षेत्र में दो आतंकियों को नियंत्रण रेखा पार करते हुए देखा गया। आतंकियों को रोकने के लिए भारतीय सेना और पुलिस की ओर से तुरंत संयुक्त अभियान शुरू किया गया। इस पर आतंकियों ने सेना के जवानों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी कार्रवाई की। बुधवार तक दोनों तरफ से रुक रुककर गोलीबारी होती रही। इस जवाबी कार्रवाई में सेना ने दो आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया। मारे गए एक आतंकी के शव को सेना ने बरामद कर लिया है, जबकि दूसरे शव की तलाश जारी है।

इससे पहले पिछले सोमवार को जिला रियासी की चसाना तहसील में एक घर में छिपे आतंकियों से जारी मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराय, जबकि दूसरा आतंकी घेराबंदी तोड़कर भाग निकला। अगले दिन घर की तलाशी लेने पर एक एसाल्ट राइफल और कुछ दवाइयां व अन्य सामान भी बरामद हुआ है। वहीं, मुठभेड़ के दौरान गोलाबारी से स्थानीय निवासी अब्दुल लतीफ का मकान भी क्षतिग्रस्त हो गया था। इससे पहले तीन सितंबर को भी सेना ने एक आइईडी बरामद की थी।

कार्बेट में अवैध निर्माण की सीबीआइ जांच के आदेश, बढ़ेगी हरक की मुश्किलें

- **हाई कोर्ट ने कहा- मामला गंभीर, हम केवल तमाशबीन नहीं बने रह सकते**
- **राज्य की अन्य जांच एजेंसियां करें सहयोग, अधिकारियों पर भी कसेगा शिकंजा**

कार्बेट टाइगर रिजर्व के पाखरो रेंज में नियमों को दरकिनार कर बनाया गया बाघों का बाड़ा, जिसे लेकर पूरा विवाद है। फाइल

जागरण संवाददाता, नैनीताल

हाई कोर्ट ने कार्बेट टाइगर रिजर्व (सीटीआर) में हुए अवैध निर्माण व छह हजार पेड़ों के कटान मामले की जांच सीबीआइ से कराने के आदेश दिए हैं। इस मामले में दायर दो जनहित याचिकाओं पर निर्णय सुनाते हुए मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपिन सांघी व न्यायमूर्ति आलोक कुमार वर्मा की खंडपीठ ने कहा कि मामला गंभीर है, हम केवल तमाशबीन नहीं बने रह सकते। संविधान के तहत अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए कथित संज्ञेय अपराध की जांच करने के लिए सीबीआइ को आदेश दिया गया है। कोर्ट ने राज्य की अन्य जांच एजेंसियों से सीबीआइ को सहयोग करने को कहा है। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने पूछा था कि तत्कालीन वन मंत्री हरक सिंह रावत के विरुद्ध क्या कार्रवाई की गई। अब सीबीआइ जांच के निर्णय से हरक सिंह की मुश्किलें बढ़ना तय हैं। पिछले वर्ष विधानसभा चुनाव से पहले हरक सिंह रावत भाजपा छोड़कर वापस कांग्रेस में लौट गए थे।

कार्बेट टाइगर रिजर्व में बाघ बाड़े, जलाशय और इंटरप्रिटेशन सेंटर के अलावा मोरघट्टी और पाखरो रेंज में वन विश्राम गृह (एफआरएच) का पक्का निर्माण किया गया। साथ ही सड़क भी काटी गई। जबकि वन अनुसंधान संस्थान (एफआरआइ) देहरादून की ओर से रिमोट सेंसिंग से कराई गई जांच में छह हजार पेड़ काटे जाने की बात कही गई। देहरादून निवासी अनु पंत की जनहित याचिका तथा हाई कोर्ट की ओर से इस मामले में समाचार पत्र में अक्टूबर 2021 में प्रकाशित रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लेती जनहित याचिका पर बुधवार को महत्वपूर्ण आदेश पारित किया गया। मामले में पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता अनु पंत की ओर से कहा गया कि कोर्ट ने एक साल पहले पेड़ों के अवैध कटान के बारे में मुख्य सचिव को दोषियों पर कार्रवाई करने के आदेश दिए थे। मामले की पांच जांचें हो चुकी हैं, फिर भी दोषियों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की गई। इस मामले में मुख्य सचिव ने अपने शपथपत्र में कहा था कि समय-समय पर हाई कोर्ट को कार्रवाई के बारे में अवगत कराते रहेंगे, लेकिन एक वर्ष बीतने के बाद भी किसी भी तथ्य के बारे में कोर्ट को अवगत नहीं कराया गया। वन विभागाध्यक्ष की ओर से गठित विभागीय कमेटी की जांच रिपोर्ट में कई अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया गया है, लेकिन शीर्ष अधिकारियों पर कोई एक्शन नहीं लिया गया गया।

प्रशासनिक व वित्तीय नियमों का उल्लंघन: याचिकाकर्ता के अधिवक्ता के अनुसार तत्कालीन वन मंत्री हरक सिंह रावत की ओर से मनमाने तरीके से तबादले किए गए और नियमों का उल्लंघन किया गया। प्रमुख सचिव वन ने प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति प्रदान की। डीएफओ अखिलेश तिवारी के अलावा आइएफएस सुशांत पटनायक ने अवैध तरीके से निर्माण कराए। इसके अलावा तत्कालीन प्रमुख सचिव वन पर भी नियमों के उल्लंघन का आरोप जांच रिपोर्ट में लगाया गया है।

विवाद

सरकार और पूर्व राजपरिवार के अपने-अपने तर्क, याचिका पर राजस्थान हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस नरेंद्र सिंह की अदालत में सुनवाई हुई

पूर्व राजपरिवार ने मांगा राजस्थान विस का पुराना भवन

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर के पूर्व राजपरिवार ने पुराने विधानसभा भवन (सवाई मानसिंह टाउन हाल) और एक अन्य भवन का राज्य सरकार से कब्जा मांगा है। पूर्व राजपरिवार की सदस्य पद्मनी देवी एवं अन्य की ओर से इस बारे में दायर याचिका पर राजस्थान हाई कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस नरेंद्र सिंह की अदालत में सुनवाई हुई। न्यायालय ने फैसला सुरक्षित रख लिया है।

पूर्व राजपरिवार की अपील में कहा गया कि टाउन हाल और जलेब चौक परिसर में स्थित लेखाकार कार्यालय को कोवेनेंट (विधि या कानून की दृष्टि से कोई ऐसा समझौता, जो संबंधित पक्षों के लिए बाध्यकारी हो) में निजी संपत्ति माना गया था। यह सरकार को उपयोग के लिए लाइसेंस पर दिए गए थे। इसके अनुसार जब तक सरकार इसको उपयोग में लेगी और रखरखाव करेगी, तब तक उसके पास रहेंगे। पूर्व राजपरिवार की तरफ से तर्क दिया गया कि विधानसभा नए भवन में संचालित होने के बाद सरकार टाउन हाल में अंतरराष्ट्रीय स्तर का म्यूजियम बनाना चाहती है। जिस उद्देश्य के लिए यह भवन दिया गया था, वह पूरा होने के कारण पूर्व राजपरिवार को वापस दे दिया जाए। वहीं, सरकार की ओर से कहा गया कि कोवेनेंट में टाउन हाल और जलेब चौक का एक अन्य भवन राज्य सरकार को देने के बारे में लिखा गया है। सरकार को ये संपत्ति कोवेनेंट में मिली हैं। कोवेनेंट को किसी भी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है। सरकार टाउन हाल का कोई भी उपयोग करने के लिए स्वतंत्र है।

पुराना विस भवन (सवाई मानसिंह टाउन हाल)। फाइल

यह है इतिहास

जयपुर रियासत के तत्कालीन महाराजा सवाई रामसिंह द्वितीय ने महारानी चंद्रावती के लिए भवन निर्माण शुरू करवाया था। भवन निर्माण प्रारंभ होने के कुछ दिन बाद ही महारानी चंद्रावती की मृत्यु हो गई। इसके बाद महाराजा ने इसे रियासतकालीन कौंसिल का सभागार बना दिया। 1952 में राजस्थान विधानसभा के प्रथम चुनाव हुए। तब सवाई मानसिंह टाउन हाल में विधानसभा को स्थापित किया गया। 1952 से 2000 तक विधानसभा भवन के रूप में यह प्रदेश की राजनीति का केंद्र रहा। यह भवन करीब सात एकड़ में बना हुआ है। इसके बाद विधानसभा नए भवन में संचालित होने लगी। उल्लेखनीय है कि रियासत के एकीकरण के समय तत्कालीन राजपरिवारों की संपत्ति को सरकार को सौंपे जाने को लेकर करार हुआ था, जिसे कोवेनेंट नाम दिया गया था।

मानहानि मामले में गहलोत की व्यक्तिगत पेशी की मांग

जासं, नई दिल्ली : केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मानहानि मामले में अदालत से मांग की कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया जाए। अगली सुनवाई 14 सितंबर को होगी।

राउज एवेन्यू कोर्ट में बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान गहलोत वीडियो कान्फ्रेंसिंग से पेश हुए। एडिशनल मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट हरजीत सिंह जसपाल ने दिल्ली पुलिस को सभी दस्तावेज उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान शेखावत के अधिवक्ता की ओर से गहलोत के अधिवक्ता को 303 पन्नों के दस्तावेज की कापी दी गई। फरवरी, 2023 में गहलोत ने ट्वीट कर शेखावत को संजीवनी घोटाले का आरोपित बताया था। इस पर केंद्रीय मंत्री शेखावत ने गहलोत के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया था।

https://instadownload.app/ https://savefrom.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

न्यूज गैलरी

राजस्थान में बदमाशों ने थानेदार के सीने में गोली मारी

जयपुर : राजस्थान के भरतपुर में पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक थानेदार को जान से मारने की कोशिश की गई। दोनों तरफ से हुई फायरिंग में थानेदार मुकेश के सीने में गोली मारी गई। हालांकि, बुलेटप्रूफ जैकेट से उनकी जान बच गई। वहीं, पुलिस की फायरिंग में तीन आरोपितों के पैरों में गोली लगी है। पुलिस के अनुसार 27 अगस्त की शाम को भरतपुर में 23 वर्षीय युवक अजय झामरी की हत्या कर दी गई थी। हत्यारोपित तेजवीर, युवराज और बंटी खुशाल फरार हो गए थे। पुलिस को मंगलवार देर रात सूचना मिली कि तीनों भरतपुर में आए हैं। इस पर पुलिस ने तीनों को घेर लिया। पुलिस को देख उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी थी। (जासं)

कंटेनर में आग से जिंदा जला चालक, कई बाइक स्वाह

जयपुर : अजमेर के मांगलियावास थाना अंतर्गत नेशनल हाईवे-8 पर तबीजी गैस प्लांट के पास बुधवार सुबह छह बजे चलते कंटेनर में भीषण आग लगने से कंटेनर चालक जिंदा जल गया। सूचना पर मांगलियावास थाने की पुलिस के साथ अग्निशमन विभाग की गाड़ी मौके पर पहुंचीं और आग को कड़ी मशक्कत के बाद काबू पाया गया। कंटेनर में आग लगने से कई मोटरसाइकिल भी जल गईं। (जासं)

प्रेमी से मिलने राजस्थान पहुंची बांग्लादेश की हबीबा

जयपुर : बांग्लादेश की राजधानी ढाका से एक युवती अपने शादीशुदा प्रेमी से मिलने के लिए राजस्थान के अनूपगढ़ पहुंच गई। करीब छह महीने पहले दोनों की इंटरनेट मीडिया के माध्यम से बातचीत शुरू हुई थी। युवती ने प्रेमी से मिलने के लिए करीब 2200 किमी. का सफर तय किया। रावला पुलिस थानाधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि उम्मे हबीबा उर्फ (30) के पास टूरिस्ट वीजा मिला है। उसके पास से दो हजार बांग्लादेशी मुद्रा (टका) भी मिली है। उम्मे अनूपगढ़ के रावला गांव के रोशन सिंह से मिलने आई थी। (जासं)

प्रेम विवाह से नाराज चार ने खाया जहर, दो की मौत

अहमदाबाद: अहमदाबाद में बेटी के प्रेम विवाह से नाराज माता-पिता सहित उसके दो बेटों ने जहर खा लिया। जिसमें पिता और उसके एक बेटे की मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, किरण राठौड़, पत्नी नीताबेन, उनके दो बेटों हर्ष और हर्षिल ने मंगलवार रात जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्होंने बताया कि किरण और उसके बड़े बेटे की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और छोटा बेटा बच गए। दोनों का इलाज चल रहा है। (प्रेट्र)

हिमालयी क्षेत्र में भयभीत करने लगीं एक के बाद एक प्राकृतिक आपदाएं

हिमालय आज अनेक झंझावत से जूझ रहा है। बढ़ते तापक्रम और जलवायु परिवर्तन का सीधा असर कहीं पड़ रहा तो वह हिमालयी क्षेत्र ही है। यहां अतिवृष्टि, भूस्खलन, भूधंसाव जैसी आपदाओं ने चिंता अधिक बढ़ा दी है। अनपेक्षित वर्षा का क्रम तबाही का कारण बन रहा है। इसके बावजूद हम आपदा के संकेतों को समझने का प्रयास नहीं कर रहे हैं। हिमालयी क्षेत्र वैसे भी बेहद संवेदनशील है। हर साल वर्षाकाल में अतिवृष्टि, बाढ़ और भूस्खलन से दो-चार हो रहे उत्तराखंड समेत हिमालयी राज्य -हिमालय के संदर्भ में आपदाओं के संकेत को समझने में भूल की तो भविष्य में घातक परिणाम आएंगे। नौ सितंबर को हिमालय दिवस पर इन्हीं विषयों पर चिंतन-मनन होगा। इसी कड़ी में हिमालय से जुड़े तमाम विषयों को लेकर यह श्रृंखला शुरू की जा रही है।

केदार दत्त, देहरादून

वर्षाकाल में अमृत रूपी बूंदें जब धरा पर गिरती हैं तो समूची प्रकृति निखर उठती है। चारों तरफ पसरने वाली हरियाली हर किसी को मोह लेती है। हर कोई वर्षा ऋतु के स्वागत को आतुर हो उठता था, लेकिन अब ऐसा नहीं है। न वर्षाकाल का स्वागत हो रहा और न लोक में समाए इसके रंग बिखर पा रहे। कारण यह है कि वर्षाकाल अब नींद उड़ाने लगा है। विशेषकर, हिमालयी क्षेत्र में मानसून के दौरान एक के बाद एक आ रही आपदाएं भयभीत करने लगी हैं।

मध्य हिमालयी राज्य उत्तराखंड भी इससे अछूता नहीं है। साफ है कि हम कहीं न कहीं हिमालय के संदर्भ में आपदाओं के संकेत को समझने में भूल कर रहे हैं या फिर जानबूझकर खतरे को न्योता दे रहे हैं। यह किसी से छिपा नहीं है कि समूचा हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील है, फिर भी इसकी अनदेखी हो रही है। नतीजा, संकटों से घिरे हिमालय में प्राकृतिक आपदाएं अब बड़े खतरे का सबब बन गई हैं। जून 2013 की केदारनाथ आपदा से लेकर इस वर्ष हिमाचल प्रदेश व उत्तराखंड में आई आपदाएं इसका प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। हर साल ही वर्षाकाल में उत्तराखंड समेत सभी हिमालयी राज्य अतिवृष्टि, बाढ़, भूस्खलन जैसी आपदाओं से दो-चार हो रहे हैं। जिस हिमाचल प्रदेश को हिमालयी राज्यों के विकास का माडल कहा जाता था, वहां इस बार वर्षा का कहर जमकर टूटा है। बड़े पैमाने पर हुई जान-माल की क्षति ने अब हर किसी को सोचने पर विवश कर दिया है। उत्तराखंड में इस साल अतिवृष्टि के कारण 1300 करोड़ रुपये से अधिक की क्षति हुई। न केवल इस बार, बल्कि हर साल ही उत्तराखंड को आपदा का दंश झेलना पड़ रहा है। अतीत के आइने में झांकें तो वर्ष 1857 में अतिवृष्टि के कारण बिरही नदी में बना ताल टूटने से अलकनंदा घाटी में भारी तबाही हुई थी। वर्ष 1951 में नयार नदी में आई बाढ़ से सतपुली कस्बे में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ था। वर्ष 1959 में कौंधा में हुए भूस्खलन से इसकी चपेट में आकर दर्जनों लोग मारे गए थे। वर्ष 2004 में बदरीनाथ क्षेत्र और वर्ष 2012 में रुद्रप्रयाग जिले में बादल फटने से लगभग 60 व्यक्तियों की जान चली गई थी। जून 2013 की केदारनाथ में आई भीषणतम जलप्रलय में हजारों यात्रियों को जान गंवानी पड़ी थी। इसके बाद भी वर्षाकाल में आपदा से क्षति का क्रम बदस्तूर बना हुआ है। इसी वर्ष 15 जून से अब तक आई आपदा में 93 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई, जबकि 16 लापता हैं। न केवल उत्तराखंड, बल्कि अन्य हिमालयी राज्यों की तस्वीर भी इससे अलग नहीं है। ऐसे में हिमालय की पुकार को यदि अब भी अनसुना किया गया तो भविष्य में इसके और घातक परिणाम सामने आएंगे।

जिस हिसाब से आपदाएं आ रही हैं, उसे देखते हुए हिमालय को लेकर अधिक सजग व सतर्क होने की जरूरत

उत्तराखंड में इस साल अतिवृष्टि के कारण 1300 करोड़ रुपये की हुई क्षति

उत्तराखंड में भारी बारिश और भूस्खलन से आई तबाही। फाइल

विश्वभर में आ रही प्राकृतिक आपदाएं संकेत हैं कि हम प्रकृति को लेकर अपनी सीमाएं लांघते जा रहे हैं। इस दृष्टि से देखें तो हिमालय अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह प्रकृति का गढ़ है। इसकी अपनी विशिष्टता है, जिसे समझने की जरूरत है। इसे केंद्र में रखकर हम अपनी आवश्यकता तय करें और विलासिता को त्याग हिमालय के संरक्षण को आगे आएं।

-पद्मभूषण डा. अनिल प्रकाश जोशी, संस्थापक, हिमालयी पर्यावरण अध्ययन एवं संरक्षण संगठन।

सेवानिवृत्त जज के लिए कूलिंग आफ पीरियड से जुड़ी याचिका खारिज

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को शीर्ष कोर्ट और हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीशों के लिए राजनीतिक नियुक्तियां स्वीकार करने से पहले दो साल की कूलिंग आफ पीरियड की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी।

जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की पीठ ने कहा कि एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश को अपनी रिटायरमेंट के तुरंत बाद कोई पद स्वीकार करना चाहिए या नहीं, इसे संबंधित न्यायाधीश के विवेक पर ही छोड़ दिया जाना चाहिए। यह संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत निर्देश का विषय नहीं बन सकता है। पीठ ने कहा कि वह इस मुद्दे पर नहीं जा सकती कि क्या कोई पूर्व न्यायाधीश लोकसभा के लिए निर्वाचित या राज्यसभा के लिए मनोनीत हो सकता है। याचिकाकर्ता बांबे लायर्स एसोसिएशन की ओर से पेश वकील मनीष गुप्ता ने कहा कि इस तरह के प्रविधान की कमी से जनता के मन में गलत धारणा पैदा हो रही है। इस पर पीठ ने कहा कि यह संबंधित न्यायाधीश पर निर्भर है कि वह पद स्वीकार करने से इन्कार करना चाहते हैं या नहीं।

मणिपुर में प्रदर्शनकारियों ने तोड़े सेना के बैरिकेड्स, 30 से अधिक लोग घायल

दस कुकी विधायकों ने मिजोरम के मुख्यमंत्री ज़ोरमथांगा से की मुलाकात

इंफाल, प्रेट्र : मणिपुर के बिष्णुपुर जिले के फौगाकचाओ इखाई में बुधवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने टोरबंग में अपने वीरान घरों में पहुंचने की कोशिश में सेना के बैरिकेड्स तोड़ने का प्रयास किया। हालात पर काबू पाने के लिए आरएएफ, असम राइफल्स और मणिपुर पुलिस समेत सुरक्षा बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े। इस दौरान महिलाओं समेत 30 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हो गए। वहीं मणिपुर के दस कुकी विधायकों ने बुधवार को मिजोरम के मुख्यमंत्री से मुलाकात की।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारी घटनास्थल पर ही डटे हुए हैं और जिले के टोरबंग क्षेत्र में में जाने की अनुमति की मांग कर रहे हैं, जहां से वे मई में जातीय हिंसा के बाद विस्थापित हो गए थे। मंगलवार शाम से ही एहतियात के तौर पर मणिपुर के पांचों घाटीय जिलों में कर्फ्यू लगा दिया गया था। मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति (सीओसीओएमआइ) के आह्वान पर बिष्णुपुर, काकचिंग, थौबल, इंफाल पश्चिम और इंफाल पूर्व में कर्फ्यू में छूट के घंटों को रद्द किया गया है और इसकी महिला शाखा ने ही घाटी के सभी जिलों के लोगों से सेना बैरिकेड्स हटाने को कहा था। इधर, मणिपुर के दस कुकी विधायकों, सिविल सोसाइटी आर्गेनाइजेशन (सीएसओ) और मणिपुर के पहाड़ी इलाकों के सस्पेंशन आफ आपरेशंस (एसओओ) समूहों ने बुधवार को मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरमथांगा से मुलाकात की। इस दौरान जोरमथांगा ने कहा कि मणिपुर में हिंसा के कारण लोगों को हो रही परेशानी से वह दुखी हो चुके हैं। जातीय हिंसा के बाद से ही कुकी विधायक अलग प्रशासन की मांग कर रहे हैं।

मणिपुर के बिष्णुपुर जिले में बुधवार को फौगाकचाओ इखाई में लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रेट्र

हथियारों की बरामदगी पर सुप्रीम कोर्ट ने मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मणिपुर सरकार और कानून प्रवर्तन एजेंसियों से जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य में सभी स्रोतों से बने हथियारों की बरामदगी पर स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने मणिपुर के मुख्य सचिव के हलफनामे पर भी गौर किया कि आर्थिक नाकेबंदी का सामना कर रहे लोगों के लिए भोजन और दवाओं जैसी बुनियादी वस्तुओं की आपूर्ति में कोई कमी नहीं है।

एडिटर्स गिल्ड के चार सदस्यों को दंडात्मक कार्रवाई से राहत : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एडिटर्स गिल्ड आफ इंडिया के चार सदस्यों को दो समुदायों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देने सहित अन्य अपराधों के लिए राज्य में उनके खिलाफ दर्ज दो प्राथमिकियों के संबंध में सोमवार तक किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा प्रदान की।

पैकेट में एक बिस्कुट कम होने पर कंपनी को देना होगा एक लाख रुपये मुआवजा

तिरुवल्लुर, प्रेट्र : बिस्किट पैकेट पर लिखी संख्या से एक बिस्किट कम होने पर आइटीसी को अब उपभोक्ता को एक लाख रुपये का मुआवजा देना पड़ेगा। कंपनी अपने 16 बिस्किट वाले पैक सन फीस्ट मैरी लाइट में एक बिस्किट कम पैक करना भारी पड़ गया। आइटीसी लिमिटेड को एक उपभोक्ता कोर्ट ने ग्राहक को मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

दरअसल, तमिलनाडु के चेन्नई निवासी पी दिलीबाबू ने मनाली की एक दुकान से सड़क पर घूम रहे आवारा कुत्तों को खिलाने के लिए 'सन फीस्ट मैरी लाइट' का एक बिस्किट का पैकेट खरीदा। इस पैकेज में कुल 16 बिस्किट होते है, लेकिन इस व्यक्ति को एक बिस्किट कम मिला। दिलीबाबू ने कंपनी से पूछताछ की। उन्हें सही जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने उपभोक्ता फोरम में शिकायत दर्ज कराई।

दिलीबाबू ने उपभोक्ता फोरम में दलील रखते हुए कहा कि आइटीसी कंपनी हर दिन 75 पैसे के बिस्किट अपने पैकेट में कम डालती है। हर दिन कंपनी द्वारा 50 लाख बिस्किट पैकेट का उत्पादन किया जाता है। ऐसे में हर दिन कंपनी 29 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर रही है। इस मामले में कंपनी ने सफाई देते हुए कहा कि वह अपने माल को वजन के आधार पर देती है। कंपनी ने अपने पैकेट में बिस्किट का वजन 76 ग्राम लिखा हुआ था, लेकिन इसकी जांच करने पर 15 बिस्किट वाले पैकेट में केवल 74 ग्राम बिस्किट मिले।

सुनवाई में आइटीसी के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि साल 2011 के कानूनी माप विज्ञान नियमों के अनुसार पैक किए सामान में अधिकतम 4.5 ग्राम प्रति पैकेट के हिसाब से गलती की गुंजाइश को अनुमति मिली है। मगर फोरम इस दलील से सहमत नहीं था। फोरम ने कहा कि यह नियम केवल अस्थिर प्रकृति के चीजों के लिए है। बिस्किट इस कैटेगरी में नहीं है। ऐसे में कंपनी ने वजन और बिस्किट की संख्या दोनों के संदर्भ में गलती की है।

सन फीस्ट मैरी लाइट के पैकेट में एक बिस्किट कम होने पर ग्राहक ने उपभोक्ता फोरम में की थी शिकायत

प्रतीकात्मक फोटो

बिहार में जाति आधारित गणना के आंकड़ों पर रोक की मांग सुप्रीम कोर्ट ने नहीं मानी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई तीन अक्टूबर तक टाली

राज्य ने एक हफ्ते के लिए मांगा था सुनवाई से स्थगन

प्रतीकात्मक फोटो

सुप्रीम कोर्ट में बिहार में जाति आधारित गणना मामले की सुनवाई अक्टूबर तक टल गई है। कोर्ट ने बुधवार को बिहार सरकार की सुनवाई टालने की मांग स्वीकारते हुए मामले को तीन अक्टूबर के बाद सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया। इसके अलावा कोर्ट ने किसी तरह का अंतरिम आदेश जारी करने से इन्कार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की जाति आधारित गणना के आंकड़े प्रकाशित करने पर रोक लगाने की मांग नहीं मानी।

पटना हाई कोर्ट ने बिहार में जाति आधारित गणना को हरी झंडी देकर उसको चुनौती देने वाली याचिकाएं खारिज कर दी थीं। हाई कोर्ट के इस आदेश को गैर सरकारी संगठन 'एक सोच एक प्रयास' और कई अन्य संगठनों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही दिन सात अगस्त को हुई सुनवाई में कहा था कि वह मामले पर विस्तृत सुनवाई किए बगैर कोई अंतरिम आदेश पारित नहीं करेगा। पिछली बार केंद्र सरकार ने हलफनामा दाखिल करने के लिए समय ले लिया था जिसके कारण सुनवाई टल गई थी। इस बीच केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर दिया है जिसमें कहा गया है कि संवैधानिक प्रविधानों और कानून के मुताबिक जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र सरकार को है। बिहार सरकार कोर्ट को पहले ही बता चुकी है कि जाति आधारित गणना का काम छह अगस्त को ही पूरा हो गया था और अभी आंकड़ों का विश्लेषण चल रहा है।

बुधवार को मामला जस्टिस संजीव खन्ना व एसवीएन भट्टी की पीठ के समक्ष सुनवाई पर लगा था। राज्य सरकार की ओर से एक सप्ताह के लिए सुनवाई स्थगित करने का आग्रह किया गया जिस पर कोर्ट ने मामले की सुनवाई अक्टूबर तक टालते हुए कहा कि केस को तीन अक्टूबर के बाद सुनवाई पर लगाया जाए। तभी याचिकाकर्ता संगठनों के वकील ने कोर्ट से आग्रह किया कि कोर्ट आंकड़ों के प्रकाशन पर फिलहाल रोक लगा दे। वकील ने कहा कि बिहार सरकार ने पिछली सुनवाई पर आश्वासन दिया था कि आंकड़ों का प्रकाशन नहीं किया जाएगा। पीठ ने मांग नहीं मानी। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही कह चुकी है कि सर्वे का काम पूरा हो चुका है। डाटा अपलोड हो चुका है, उसका विश्लेषण चल रहा है। कोर्ट ने किसी भी तरह का अंतरिम आदेश नहीं दिया और मामले की सुनवाई स्थगित कर दी।

ज्ञात हो कि जाति आधारित गणना के तहत 17 बिंदुओं पर अलग-अलग जानकारियां जुटाई गई है। इसके तहत जाति, आर्थिक, सामाजिक स्थिति व अन्य जानकारी भी ली गई है।

संत समिति के अध्यक्ष पद से स्वामीनारायण संत को हटाया

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद : स्वामीनारायण मंदिर में हनुमानजी प्रकरण को लेकर पहली गाज संप्रदाय के संत नौतम स्वामी पर गिरी है। अखिल भारतीय संत समिति के गुजरात अध्यक्ष पद से नौतम स्वामी को हटाकर उनकी जगह जगन्नाथ मंदिर अहमदाबाद के महंत दिलीप दास महाराज को अध्यक्ष बनाया गया है।

राज्य के बोटाद जिले के सालंगपुर मंदिर में हनुमानजी को स्वामी नारायण संत सहजानंद स्वामी के सामने हाथ जोड़कर बैठा दिखाने से शुरू हुआ सनातनी संत व स्वामी नारायण संतों के बीच विवाद लंबा खिंचता जा रहा है। हालांकि मंदिर में लगे विवादास्पद भित्ति चित्र हटा दिए गए हैं, लेकिन दोनों पक्षों के संत एक-दूसरे पर जुबानी तीर चला रहे हैं। संत समिति गुजरात के अध्यक्ष नौतम स्वामी ने अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद कहा कि वह पद के लिए काम नहीं करते। धर्म की सेवा के लिए आए हैं। इसके जवाब में ऋषी भारती बापू ने कहा कि वह हर बार सेवा का दावा करते हैं, लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है। मोहन दास महाराज व राजेंद्र गिर महाराज को कार्यकारी अध्यक्ष का पद सौंपा गया है।

ओंकारेश्वर में स्थापित हो रही आदि शंकराचार्य की 108 फीट ऊंची प्रतिमा...

मध्य प्रदेश के ओंकारेश्वर में स्थापित की जा रही आदि शंकराचार्य की प्रतिमा। आदिगुरु की यह प्रतिमा बाल स्वरूप की तथा 108 फीट ऊंची होगी। ओंकारेश्वर में दीक्षा लेने के बाद उन्होंने विश्व को अद्वैत का संदेश दिया था। प्रतिमा की स्थापना का कार्य अंतिम चरण में है। इसका अनावरण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से करवाने की तैयारी है। प्रेट्र

जागरण विशेष

गलत दिशा में ड्राइविंग और ओवरलोडिंग पर खुद रोक लगाएगी सड़क

सेंसरयुक्त सड़क पर आइआइटी बीएचयू में शोध, वाहन स्वामी को चेतावनी देने संग संबंधित विभाग को भेजेगी जानकारी

शैलेश अस्थाना ● वाराणसी

भारत में ओवरस्पीडिंग के बाद गलत दिशा में ड्राइविंग सड़क दुर्घटनाओं में मौत का दूसरा बड़ा कारण है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017 से 2021 के बीच गलत दिशा में ड्राइविंग से 43,000 लोग काल कवलित हो गए। वाहनों की ओवरलोडिंग से भी सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, लेकिन भविष्य में सड़क गलत दिशा में ड्राइविंग और ओवरलोडिंग पर खुद ही रोक लगा सकेगी। ऐसा सेंसरयुक्त सड़क से संभव होगा जिसके निर्माण की तकनीक पर आइआइटी-बीएचयू में विज्ञानी शोध में जुटे हैं।

ऐसे कार्य करेगी तकनीक: यदि कोई ओवरलोड वाहन लेकर निकला या गलत दिशा में गाड़ी चलाई तो सड़क ही शिकायत करेगी। पहले बीप या वाहन के डैशबोर्ड पर संदेश भेजकर चेतावनी देगी। नहीं मानने पर कार्रवाई करेगी। संदेश के बावजूद चालक नहीं चेता तो परिवहन और यातायात विभाग को संदेश भेजकर वाहन का चालान भी कटवा देगी। इस 'भविष्य की सड़क' पर आइआइटी-बीएचयू के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के विज्ञानी प्रो. बृंद कुमार व उनकी टीम काम कर रही है।

वाहनों में भी लगेंगे सेंसर: प्रो. बृंद कुमार के अनुसार इस योजना को मूर्त रूप देने के लिए वाहनों में भी बदलाव करना होगा। सेंसरयुक्त सड़क के अनुकूल बनाने के लिए वाहनों में जीपीएस व सेंसर कैचर लगाने होंगे। ये परिवहन विभाग, यातायात पुलिस व वाहन स्वामी के मोबाइल फोन से जुड़े होंगे ताकि जब नियम भंग हो, तत्काल तीनों स्थानों पर संदेश पहुंच जाए।

ब्रेक भी लगाएगी: सड़क के सेंसर वाहन के ब्रेकिंग सिस्टम से भी जुड़े होंगे। ओवरलोडिंग पर संदेश मिलने के बाद भी यदि चालक ने किनारे वाहन लगाकर वजन कम नहीं किया तो सेंसर चेतावनी की निर्धारित संख्या पूर्ण होते ही ब्रेक लगाना आरंभ कर देंगे। प्रो. बृंद कुमार बताते हैं कि परियोजना का प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया है।

भविष्य में बढ़ती जनसंख्या से सड़क पर दबाव बढ़ेगा। भूमि कम होने से सड़कों की चौड़ाई भी एक सीमा तक ही बढ़ाई जा सकेगी। इसी कारण सेंसरयुक्त सड़क की तकनीक पर शोध किया जा रहा है।

प्रो बृंद कुमार, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आइआइटी-बीएचयू

बनारस के रिंग रोड का दृश्य।

आइआइटी-बीएचयू के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की प्रयोगशाला में शोध कार्य में जुटे विज्ञानी ● संस्थान

पूर्णत: स्वदेशी तकनीक और संसाधन का होगा प्रयोग

सेंसरयुक्त सड़क परियोजना का निर्देशन कर रहे आइआइटी-बीएचयू के प्रो बृंद कुमार बताते हैं कि विदेश में मिलने वाले सेंसर काफी महंगे हैं। उनसे सड़क बनाने में काफी खर्च आएगा, ऐसे में तकनीकी संस्थान की एक अन्य टीम सस्ते किंतु उत्तम कोटि के सेंसर के निर्माण में जुटी हुई है। ऐसे सेंसर बन जाने से यह परियोजना काफी सस्ती हो जाएगी।

अतिरिक्त समग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

इसरो ने जेयू में रैगिंग रोकने को एआइ के इस्तेमाल का दिया सुझाव

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

राज्यपाल बोस ने छात्र की मौत के बाद इसरो के चेयरमैन को पत्र लिखकर मांगी थी मदद

इसरो के विशेषज्ञों का एक दल दो दिनों से जेयू का कर रहा है दौरा

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने जादवपुर यूनिवर्सिटी (जेयू) में रैगिंग की घटनाएं रोकने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के इस्तेमाल का सुझाव दिया है। इसरो के विशेषज्ञों का एक दल दो दिनों से जेयू का दौरा कर रहा है। इस दल ने सुझाव दिया है कि रैगिंग की घटनाएं रोकने के लिए एआइ आदर्श माध्यम हो सकता है।

जादवपुर यूनिवर्सिटी के अंतरिम कुलपति बुद्धदेव साव ने कहा कि इसरो के प्रतिनिधियों ने आरंभिक सुझाव के तौर पर एआइ के इस्तेमाल की बात कहीं है।

उन्होंने मंगलवार को जेयू के विशाल परिसर के विभिन्न कोनों की जांच की है। बुधवार को भी उन्होंने जेयू परिसर से लेकर छात्रावास तक का दौरा किया। वह इस पर विस्तृत रूप से अंतिम सुझाव देंगे कि परिसर में रैगिंग रोकने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे किया जा सकता है।

उल्लेखनीय है कि बंगाल के राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस ने जेयू के छात्रावास की बालकनी से संदिग्ध हालात में गिरकर स्वपनदीप कुंडु नामक प्रथम वर्ष के छात्र की मौत के बाद इसरो के चेयरमैन को पत्र लिखकर रैगिंग रोकने में तकनीकी मदद मांगी थी।

https://instadownload.app/ https://savefrom.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
गुरुवार 7 सितंबर, 2023

दैनिक जागरण

आत्मसंतुष्टि कई विकृतियों को पनपने से रोक देती है

रैगिंग का रोग

यह अच्छा हुआ कि आइआइटी मंडी में रैगिंग करने वाले 10 छात्रों को निलंबित किया गया और 72 पर जुर्माना लगाया गया। रैगिंग के इस मामले की न केवल गहन जांच होनी चाहिए, ताकि कोई दोषी बचने न पाए, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि भविष्य में ऐसा न हो। रैगिंग के एक मामले में इतने अधिक छात्रों के खिलाफ कार्रवाई यही बताती है कि सीनियर छात्रों का पूरा एक समूह रैगिंग में लिप्त था। यह रैगिंग नए छात्रों से मेल-मिलाप के नाम पर की गई। रैगिंग करने के आरोपित छात्रों का तर्क है कि वे तो बस हास-परिहास कर रहे थे। ऐसे बहाने नए नहीं हैं। आम तौर पर विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में नए छात्रों को मेल-मिलाप की आड़ में ही प्रताड़ित और अपमानित किया जाता है। कई बार प्रताड़ना और अपमान के शिकार छात्र अवसाद से ग्रस्त हो जाते हैं या फिर अपना आत्मविश्वास खो देते हैं। कुछ तो पढ़ाई छोड़ने के लिए बाध्य होते हैं। यह भी एक सच्चाई है कि कभी-कभार रैगिंग के दौरान हुई प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर या फिर शर्मिंदगी के चलते छात्र आत्महत्या तक कर लेते हैं। कुछ दिनों पहले बंगाल के जादवपुर विश्वविद्यालय के छात्रावास में एक छात्र स्वप्नदीप कुंडू का शव मिला। अभी यह पता नहीं कि स्वप्नदीप की मौत कैसे हुई, लेकिन इतना तय है कि उसकी रैगिंग की जा रही थी। स्वप्नदीप के स्वजनों का कहना है कि सीनियर छात्र उसे समलैंगिक कहकर चिढ़ा रहे थे। इस मामले में कुछ छात्रों को गिरफ्तार भी किया गया है। रैगिंग के ये मामले अपवाद नहीं हैं।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के अनुसार रैगिंग की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। यूजीसी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2021 में रैगिंग के 511 मामले सामने आए, जबकि 2020 में 219 मामले दर्ज किए गए थे। कोई भी समझ सकता है कि कई मामले दबे ही रहते होंगे, क्योंकि आम तौर पर नए छात्र अपने सीनियर छात्रों के खिलाफ शिकायत करने का साहस नहीं जुटा पाते। यह एक विडंबना ही है कि रैगिंग वही छात्र करते हैं, जो खुद उससे पीड़ित हो चुके होते हैं। आखिर यह कौन सी मनोवृत्ति है कि जो छात्र रैगिंग का शिकार होते हैं, वही सीनियर बनते ही नए छात्रों की रैगिंग करने लगते हैं? यह चिंताजनक है कि यूजीसी के रैगिंग विरोधी दिशानिर्देशों के बाद भी उच्च शिक्षा संस्थानों में रैगिंग थमने का नाम नहीं ले रही है। छात्रावास वाले शिक्षा संस्थानों में रैगिंग का रोग कुछ ज्यादा ही फैल गया है। रैगिंग का रोग किस तरह बढ़ता जा रहा है, इसका पता इससे चलता है कि पिछले दिनों धनबाद के जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्रावास में आठवीं कक्षा के छात्रों की रैगिंग 12वीं के छात्रों ने की। रैगिंग के रोग से मुक्ति मिले, इसके लिए शिक्षा संस्थानों के साथ अभिभावकों को भी सजगता दिखानी होगी।

कुप्रथा पर लगे रोक

झारखंड हाई कोर्ट ने डायन बिसाही के नाम पर हो रही महिलाओं की हत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार से इसके लिए उठाए जा रहे निरोधात्मक कार्रवाई की जानकारी मांगी है। ऐसे अपराध में सजा दिलाने के लिए चार्जशीट दाखिल किए जाने से लेकर अधिकारियों के पर्यवेक्षण रिपोर्ट तक की जानकारी कोर्ट ने मांगी है। राज्य के कई जिलों में यह अमानवीय कृत्य अक्सर दोहराया जाता है। किसी कमजोर और अकेली महिला को डायन बताकर उसकी हत्या कर दी जाती है। ज्यादातर मामलों में अपराधी परिवार या समाज के लोग ही होते हैं। यह कानून व्यवस्था के साथ सामाजिक अपराध का भी मामला है। समाज में एक दूसरे के भरोसे रहने की परंपरा रही है, लेकिन कोई सिरफिरा किसी अंधविश्वास की चपेट में आकर अपने किसी स्वजन की हत्या कर देता है। गुमला, सिमडेगा, खूंटी जैसे जिलों में इस तरह के मामले ज्यादा आते हैं। सच्चाई यह है कि कई बार संपत्ति विवाद में भी किसी महिला को डायन बताकर उसकी हत्या कर दी जाती है। ग्रामीण समाज में झाड़फूंक करने वाले ओझा-गुणी की दुकानदारी इन्हीं अंधविश्वासों के भरोसे टिकी हुई है। राज्य सरकार इसके लिए जागरूकता अभियान भी चला रही है, लेकिन यह अपराध रुकने का नाम नहीं ले रहा है। अब कोर्ट ने इस मुद्दे पर राज्य सरकार से सख्त कानूनी प्रक्रिया अपनाने को कहा है। कानून लागू करने वाले लोग, राज्य सरकार और समाज के लोगों की आपसी सहभागिता से ही इस कुप्रथा पर रोक लगाई जा सकती है। आज 21वीं सदी में इस तरह की सामाजिक बुराई का होना दुखद है।

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से डायन बिसाही के नाम पर महिलाओं की हत्या रोकने को लेकर उठाए गए कदमों की जानकारी मांगी है, अब यह कुप्रथा खत्म होनी चाहिए

बेहतर दुनिया की ओर बढ़ते कदम

नरेन्द्र मोदी

हमारी भावना एक ऐसी दुनिया के निर्माण की है, जहां एकता हर मतभेद से ऊपर हो और जहां साझा लक्ष्य अलगाव का सोच खत्म कर दे

अवधेश राजपूत

भारतीय संस्कृति के इन दो शब्दों- 'वसुधैव कुटुंबकम्' में एक गहरा दार्शनिक विचार समाहित है। इसका अर्थ है, 'पूरी दुनिया एक परिवार है।' यह ऐसा सर्वव्यापी दृष्टिकोण है, जो हमें एक सार्वभौमिक परिवार के रूप में प्रगति करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक ऐसा परिवार जिसमें सीमा, भाषा और विचारधारा का कोई बंधन नहीं। जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान यह विचार मानव-केंद्रित प्रगति के आह्वान के रूप में प्रकट हुआ है। हम एक धरती के रूप में, मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं। हम एक परिवार के रूप में विकास के लिए एक-दूसरे के सहयोगी बन रहे और समान एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए एक साथ आगे बढ़ रहे हैं।

कोविड महामारी के बाद की विश्व व्यवस्था पहले से बहुत अलग है। कई अन्य बातों के अलावा, तीन महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। पहला, इसका अहसास बढ़ रहा कि दुनिया के जीडीपी-केंद्रित दृष्टिकोण से हटकर मानव-केंद्रित दृष्टिकोण की ओर बढ़ने की आवश्यकता है। दूसरा, दुनिया ग्लोबल सप्लाई चेन में सुदृढ़ता और विश्वसनीयता के महत्व को पहचान रही है। तीसरा, वैश्विक संस्थानों में सुधार के माध्यम से बहुपक्षवाद को बढ़ावा देने का सामूहिक आह्वान सामने है। जी-20 की हमारी अध्यक्षता ने इन बदलावों में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है। दिसंबर 2022 में जब हमने इंडोनेशिया से अध्यक्षता का भार संभाला था, तब मैंने कहा था कि जी-20 को मानसिकता में आमूल-चूल परिवर्तन का वाहक बनना चाहिए। विकासशील, ग्लोबल साउथ और अफ्रीकी देशों की हाशिए पर पड़ी आकांक्षाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए इसकी विशेष आवश्यकता है। इसी सोच के साथ भारत ने 'वायस आफ ग्लोबल साउथ समिट' का आयोजन किया। इसमें 125 देश भागीदार बने। यह भारत की अध्यक्षता के तहत की गई सबसे महत्वपूर्ण पहलों में से एक रही। हमारी अध्यक्षता के तहत न केवल अफ्रीकी देशों की अब तक की सबसे बड़ी भागीदारी देखी गई, बल्कि जी-20 के एक स्थायी सदस्य के रूप में अफ्रीकन यूनियन को शामिल करने पर भी जोर दिया गया। चूंकि दुनिया परस्पर जुड़ी हुई है इसलिए विभिन्न क्षेत्रों में हमारी चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। यह 2030 के एजेंडे के मध्य काल का वर्ष है और कई लोग चिंता जता रहे हैं कि सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के मुद्दे पर प्रगति पटरी से उतर गई है। एसडीजी के मोर्चे पर तेजी लाने से संबंधित जी-20 का 2023 एक्शन प्लान भविष्य की दिशा निर्धारित करेगा। इससे एसडीजी हासिल करने का रास्ता तैयार होगा।

भारत में प्राचीन काल से प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर आगे बढ़ना हमारा आदर्श रहा है। हमारा मानना है कि जलवायु परिवर्तन की समस्या से निपटने के लिए पाबंदियों वाले रवैये को बदलना चाहिए। 'क्या नहीं किया जाना चाहिए' से हटकर 'क्या किया जा सकता है' वाले सोच के साथ आगे बढ़ना होगा। हमें एक रचनात्मक कार्यसंस्कृति पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। ग्रीन हाइड्रोजन इनोवेशन सेंटर के साथ हमारी अध्यक्षता में स्वच्छ एवं ग्रीन हाइड्रोजन से संबंधित एक ग्लोबल इकोसिस्टम तैयार होगा। 2015 में हमने इंटरनेशनल सोलर अलायंस का शुभारंभ किया। अब ग्लोबल बायोफ्यूल्स अलायंस के माध्यम से हम दुनिया को एनर्जी ट्रांजिशन के योग्य बनाने में सहयोग करेंगे।

जिस प्रकार लोग अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर रोजमर्रा के निर्णय लेते हैं, उसी प्रकार वे धरती की सेहत पर होने वाले असर को ध्यान में रखकर अपनी जीवनशैली तय कर सकते हैं। जैसे योग वैश्विक जन आंदोलन बन गया है, उसी तरह हम 'लाइफस्टाइल फार सस्टेनेबल एनवायरमेंट' को भी प्रोत्साहित कर रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती होगी। इससे निपटने में मोटे अनाज से बड़ी मदद मिल सकती है। हमारी श्रीअन्न योजना क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर को भी बढ़ावा दे रही है।

तकनीक परिवर्तनकारी है, लेकिन इसे समावेशी बनाने की जरूरत है। अतीत में, तकनीकी प्रगति का लाभ सभी वर्गों को समान रूप से नहीं मिला। भारत ने दिखाया है कि कैसे तकनीक का लाभ उठाकर असमानता को कम किया जा सकता है। दुनिया के अरबों लोग, जिनके पास बैंकिंग सुविधा या डिजिटल पहचान नहीं, उन्हें डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआइ) के माध्यम से साथ लिया जा सकता है। डीपीआइ का उपयोग कर हमने जो परिणाम प्राप्त किए, उन्हें पूरी दुनिया देख रही और उसके महत्व को स्वीकार भी कर रही है। अब जी-20 के माध्यम से हम विकासशील देशों को डीपीआइ अपनाने में मदद करेंगे, ताकि वे समावेशी विकास की ताकत हासिल कर सकें।

भारत का सबसे तेज गति से बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाना कोई आकस्मिक घटना नहीं। हमारे सरल, व्यावहारिक और सस्टेनेबल तरीकों ने कमजोर और वंचित लोगों को हमारी विकास यात्रा का नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाया है। अंतरिक्ष से लेकर खेल, अर्थव्यवस्था से लेकर उद्यमिता तक भारतीय महिलाएं आगे बढ़ रही हैं। आज भारत महिलाओं के विकास से आगे बढ़कर महिलाओं के नेतृत्व में विकास के मंत्र पर आगे बढ़ रहा है। हमारी जी-20 अध्यक्षता जेंडर डिजिटल डिवाइड को पाटने, लेबर फोर्स में भागीदारी के अंतर को कम करने और निर्णय लेने में महिलाओं की बड़ी भूमिका को सक्षम बनाने पर काम कर रही है।

भारत के लिए जी-20 की अध्यक्षता केवल उच्चस्तरीय कूटनीतिक प्रयास नहीं है। मदर आफ डेमोक्रेसी और माडल आफ डाइवर्सिटी के रूप में हमने इस अनुभव के दरवाजे दुनिया के लिए खोल दिए हैं। आज किसी काम को बड़े स्तर पर करने की बात आती है तो सहज ही भारत का नाम आता है। जी-20 की अध्यक्षता भी इसका अपवाद नहीं है। जी-20 की अध्यक्षता का हमारा कार्यकाल खत्म होने तक भारत के 60 शहरों में 200 से अधिक बैठकें आयोजित की जा चुकी होंगी। इस दौरान हम 125 देशों के लगभग एक लाख प्रतिनिधियों की मेजबानी कर चुके होंगे।

भारत की डेमोग्राफी, डेमोक्रेसी, डाइवर्सिटी और डेवलपमेंट के बारे में किसी और से सुनना एक बात है और उसे प्रत्यक्ष रूप से अनुभव करना अलग बात। मुझे विश्वास है कि हमारे जी-20 प्रतिनिधि इसे स्वयं महसूस करेंगे। हमारी जी-20 अध्यक्षता विभाजन को पाटने, बाधाओं को दूर करने और सहयोग को गहरा करने का प्रयास है। हमारी भावना एक ऐसी दुनिया के निर्माण की है, जहां एकता हर मतभेद से ऊपर हो, जहां साझा लक्ष्य अलगाव का सोच खत्म कर दे। जी-20 अध्यक्ष के रूप में हमने यह सुनिश्चित किया कि हर आवाज सुनी जाए और हर देश अपना योगदान दे।

response@jagran.com

कश्मीर का हितैषी नहीं पाकिस्तान

दिनकर पी. श्रीवास्तव

जो पाकिस्तान कश्मीर में जनमत संग्रह का मुद्दा उठाता है, वह स्वयं इसे तीन बार ठुकरा चुका है

पाकिस्तान की लगाई आग में झुलसता कश्मीर। फाइल

अनुच्छेद-370 को हटाए जाने के विरुद्ध दाखिल याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी हो गई और अब फैसले की प्रतीक्षा है। इस विषय पर हुई बहस को कश्मीर के ऐतिहासिक संदर्भ में देखना होगा। महाराजा हरि सिंह ने भारत के साथ विलय में कोई शर्त नहीं थोपी थी। राज्य में जनमत संग्रह करने का सुझाव लार्ड माउंटबेटन की ओर से आया था। वह उनका व्यक्तिगत सुझाव था। अनुच्छेद 370 का भारतीय संविधान में प्रविधान कोई अंतरराष्ट्रीय समझौता नहीं था। यह केंद्र सरकार और राज्य के बीच कोई अनुबंध भी नहीं था। जनमत संग्रह और आत्मनिर्णय के अधिकार को लेकर कई भ्रांतियां हैं। जनमत संग्रह दो देशों के बीच एक का चुनाव था। आत्मनिर्णय मानवाधिकार का अंग है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर में आत्मनिर्णय के अधिकार की बड़ी हल्की झलक मिलती है, क्योंकि उस समय इंग्लैंड और फ्रांस के नियंत्रण में दुनिया का बड़ा हिस्सा था और उन्हें उपनिवेशों की स्वतंत्रता में कोई रुचि नहीं थी।

भारत 1948 में कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में ले गया, उसी वर्ष यूनिवर्सल डिक्लेरेशन आफ ह्यूमन राइट्स की घोषणा हुई। यह मानवाधिकारों का सबसे मूल दस्तावेज समझा जाता है। इसमें आत्मनिर्णय के अधिकार की कोई बात नहीं की गई। जब कश्मीर रियासत का भारत में विलय हो गया तो वहां की जनता को भारतीय संविधान के तहत सारे अधिकार मिल गए। जब अनुच्छेद 370 भारतीय संविधान का हिस्सा बना, तब सीमा पार की स्थिति को भी समझना होगा और इसके लिए हमें 1947 में जाना पड़ेगा। मुस्लिम कांफ्रेंस के कार्यकर्ता यूसुफ सर्राफ ने दो भागों में कश्मीर का इतिहास लिखा है। उन्हें सरदार इब्राहिम ने, जो गुलाम कश्मीर के पहले राष्ट्रपति थे, बताया था कि उन्होंने अपनी अंतरिम सरकार की घोषणा रावलपिंडी से आने वाले दो फोन काल्स के आधार पर की थी। एक फोन रावलपिंडी के कमिश्नर ख्वाजा रहीम ने और दूसरा कर्नल अकबर खान की बेगम नसीम ने किया। कर्नल अकबर ने न केवल कबायली हमले का खाका बनाया, बल्कि उस हमले का नेतृत्व भी किया। इस हमले की अनुमति प्रधानमंत्री लियाकत अली खान ने दी थी। इसकी तैयारी कश्मीर रियासत के भारत में विलय के पहले ही कर ली गई थी।

यह भी रोचक है कि जो पाकिस्तान कश्मीर में जनमत संग्रह का मुद्दा हर जगह उठाता है, उसने स्वयं इसे तीन बार ठुकराया। पहली बार जनमत संग्रह का सुझाव माउंटबेटन ने जिन्ना को 2 नवंबर, 1947 को दिया। जिन्ना ने उसमें कोई रुचि नहीं ली यानी पाकिस्तान की कश्मीर पर मूल नीति को पाकिस्तान के निर्माता ने ही ठुकरा दिया। इसकी वजह यह थी कि जिस समय माउंटबेटन ने यह सुझाव दिया, उस समय कबायली हमला चल रहा था। कबायलियों ने हिंदुओं, बौद्धों, ईसाइयों के संग मुसलमानों के साथ भी लूट-मार की और उनकी महिलाओं का अपहरण किया। जिन्ना जानते थे कि ऐसी अवस्था में जनमत संग्रह का नतीजा उनके पक्ष में नहीं आएगा। दूसरी बार जनमत संग्रह का सुझाव संयुक्त राष्ट्र के प्रतिनधि ओवेन डिक्सन ने 1950 में दिया। उन्होंने कहा कि यह जनमत संग्रह क्षेत्रीय स्तर पर होना चाहिए। एकल जनमत के नतीजे में कई जगह अल्पमत समुदाय के छोटे-छोटे समूह बचे रहेंगे, जिन्हें बाद में विस्थापित होना पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत इसके लिए तैयार था, लेकिन पाकिस्तान ने मना कर दिया। वास्तव में पाकिस्तान इस कोशिश में था कि उसे कश्मीर घाटी बिना जनमत संग्रह के मिल जाए।

तीसरी बार 1953 में शेख अब्दुल्ला की गिरफ्तारी के बाद जनमत संग्रह की बात उठी। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री मोहम्मद अली बोगरा दिल्ली आए और नेहरू से बात की। दोनों ने जनमत संग्रह पर हामी भरी, किंतु पाकिस्तान लौटने के बाद बोगरा ने नेहरू को पत्र लिखकर इसके लिए मना कर दिया। नेहरू ने इसके बाद 1954 में जनमत संग्रह से मना कर दिया, क्योंकि पाकिस्तान ने इस विकल्प को स्वयं रद कर दिया था। इसका कारण यह था कि पाकिस्तान ने गुलाम कश्मीर के राष्ट्रपति सरदार इब्राहिम खान को बर्खास्त कर दिया था। इसकी प्रतिक्रिया में सरदार इब्राहिम के कबीले ने बगावत कर दी। शीघ्र ही यह बगावत गुलाम कश्मीर के बड़े हिस्से में फैल गई। इसे दबाने के लिए पाकिस्तानी फौज ने बड़े पैमाने पर लोगों का दमन किया। मुस्लिम कांफ्रेंस ने इसके विरोध में पाकिस्तान को एक ज्ञापन दिया। उसमें लिखा था कि पाकिस्तानी फौज ने गुलाम कश्मीर की जनता पर गोलाबारी की और वहां की महिलाओं से दुष्कर्म किए। यह ज्ञापन बाद में भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में पेश किया।

वर्ष 2018 में गुलाम कश्मीर के संविधान के 13वें संशोधन के जरिये पाकिस्तान ने वहां के 32 विषयों पर कानून बनाने का अधिकार हासिल कर लिया। उसी वर्ष पाकिस्तान ने गिलगित-बाल्टिस्तान अधिशासन जारी किया। इसके तहत इस क्षेत्र की सभी विधिक शक्तियां पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अपने में निहित कर लीं। ये दो बड़े परिवर्तन पाकिस्तान ने अनुच्छेद 370 के उन्मूलन के एक वर्ष पहले ही कर दिए थे। इस पर हैरानी नहीं कि आज जहां भारतीय कश्मीर में अमन-चैन है, वहीं पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में गहरा असंतोष है। इसका कारण यह है कि पाकिस्तान कभी भी कश्मीर के लोगों का हितैषी नहीं रहा।

(स्तंभकार पूर्व राजदूत एवं 'फोरगाटेन कश्मीरः द अदर साइड आफ द लाइन आफ कंट्रोल' के लेखक हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

कृष्णावतार

संपूर्ण कलाओं से युक्त श्रीकृष्ण ने अधर्म के नाश के लिए अवतार लिया और कर्मयोग की व्याख्या गीता के माध्यम से संसार को दी। इस जीवन का उद्देश्य क्या है, जीवन का मार्ग क्या है, जीवन का लक्ष्य क्या है? इन प्रश्नों का उत्तर स्वयं भगवान ने प्रकट स्वरूप में समझाया। मानव के जीवन का सबसे सरल और सहज मार्ग उन्होंने दिखाया। उद्धार और मोक्ष का पथ भी प्रशस्त किया। भौतिक तथा आधिभौतिक सफलताओं का दिग्दर्शन किया। प्रेम और भक्ति की धाराएं पवित्र कीं। योग का दर्शन संत, महात्माओं एवं साधुजनों के लिए सृजित किया। ज्ञान की परंपरा को प्रवर्तित किया। मनुष्य के आचरण की संहिता को नवीनीकृत किया। फिर दुष्टों को दंड देने का कर्तव्य पुनः निरूपित किया। शत्रुदमन की मीमांसा रची। राजधर्म को राजयोग से सीधे जोड़ दिया। दैवीय तत्व को कसौटी पर परखने का पक्ष स्पष्ट किया। अवतार के उद्देश्य को सिद्ध करके धरती पर जीवन से आत्मसाक्षात्कार कराया। नीति की प्रयोगशाला स्थापित की।

योगेश्वर श्रीकृष्ण ने पृथ्वी पर वात्सल्य की गंगा को अवतरित किया। प्रेम तत्व को सिखाया। संघर्षों से राह खोजना आसान कर दिखाया। संपूर्ण जीवन के सभी अंगों में नई ऊर्जा का स्फुरण किया। सुख-दुख में समभाव की अनिभूति का मंत्र दिया। पग-पग पर कल्याण एवं लोकहित का पाठ पढ़ाया। आत्मा के समक्ष मानव का समर्पण कराया। श्रीकृष्ण ने सब कुछ सकारात्मक भाव दे दिए, कुछ भी शेष नहीं रहा। इससे विवेक का अध्यास योग का बौद्धिक कारण प्रत्यक्ष हुआ। केवल एक प्रेम तत्व से संसार को जीतने वाला दृष्टिकोण भी व्यापक हुआ। इनसे संसार समृद्ध हुआ। श्रीकृष्ण की लीलाओं में जीवन जीने की कला का भेद है। यही कृष्णावतार का रहस्य है।

डा. राघवेंद्र शुक्ल

बाल विवाह पर सख्ती आवश्यक

सुनीता मिश्रा

असम सरकार का बाल विवाह के खिलाफ उठाया गया कदम सराहनीय है। यह देश हित के लिए बहुत जरूरी है

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा है कि वर्ष 2026 तक राज्य से बाल विवाह का संकट जड़ से खत्म हो जाएगा। इस माह के अंत में बाल विवाह पर कार्रवाई का अगला अभियान चलेगा। ध्यान दें कि असम सरकार ने इस वर्ष फरवरी में बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 के तहत बाल विवाह के खिलाफ राज्यव्यापी कार्रवाई शुरू की थी। इसके तहत एक महीने के भीतर 3,000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया था और 4,300 से अधिक मामले दर्ज किए गए थे। आंकड़ों के मुताबिक असम में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर के अधिक होने की सबसे बड़ी वजह बाल विवाह है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 की रिपोर्ट के अनुसार असम में बाल विवाह का औसत 31 प्रतिशत है। यानी वहां 20 से 24 उम्र की 31 प्रतिशत से अधिक ऐसी महिलाएं हैं, जिनकी शादी 18 साल की उम्र से पहले हो गई थी। बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 का उद्देश्य बाल विवाह की रोकथाम, बाल विवाह में शामिल बच्चों की सुरक्षा और अपराधियों पर मुकदमा चलाना है। इस कानून में लड़कों के लिए शादी की उम्र 21 वर्ष और लड़कियों के लिए 18 वर्ष तय की गई है। इसका उल्लंघन करने पर दो वर्ष जेल और एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रविधान है।

बाल विवाह का सीधा असर न केवल लड़कियों पर, बल्कि उनके परिवार और समाज पर भी पड़ता है। भारत के ग्रामीण इलाकों में आज भी हर चार में से एक लड़की का बाल विवाह कर दिया जाता है। बाल विवाह होने से लड़कियां कम उम्र में मां बन जाती हैं। इसके कारण अक्सर नाबालिग लड़कियों की गर्भावस्था और प्रसव के दौरान गंभीर समस्याओं के कारण मृत्यु भी हो जाती है। छोटी उम्र में मां बनने के कारण गर्भ में उनके बच्चों का भी पूर्ण रूप से विकास नहीं हो पाता है। इससे कुपोषित बच्चे पैदा होते हैं या फिर गर्भ में ही किसी गंभीर बीमारी का शिकार हो जाते हैं। इसके अलावा बाल विवाह होने के कारण लड़कियों को स्कूल जाने और पढ़ने का मौका भी नहीं मिल पाता। अशिक्षित होने की वजह से वे समाज में हो रही घटनाओं को ठीक से समझने में असक्षम रह जाती हैं। उन्हें ताउम्र जीवनयापन के लिए घर के पुरुषों पर ही निर्भर रहना पड़ता है। इस दौरान उन पर घरेलू हिंसा भी होती है।

बाल विवाह कुप्रथा समाज के लिए अभिशाप है। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है और यह आने वाली पीढ़ी को भी गरीबी की ओर धकेलती है। ऐसे में असम सरकार का बच्चों के बेहतर भविष्य को लेकर बाल विवाह के खिलाफ उठाया गया कदम सराहनीय है, क्योंकि यह न सिर्फ आज के समय की जरूरत है, बल्कि देश हित के लिए भी बहुत जरूरी है।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

हिंदुओं के विरोध की आदत

'मोहब्बत की दुकान पर नफरत का माल' शीर्षक से लिखे आलेख में राजीव सचान ने विपक्षी दलों के सनातन विरोधी एजेंडे को सामने रखा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के पुत्र और प्रदेश सरकार में मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया और कोरोना बताते हुए इसके समूल नाश का आह्वान किया है, यह बयान अपने आप में अत्यंत ही घटिया, पीड़ादायक और मन को उद्वेलित करने वाला है। इस पर बहुसंख्यक हिंदुओं की तरफ से कोई जनांदोलन और विद्रोह का न होना यह दर्शाता है कि उन्होंने जिस धर्म के खात्मे का एलान किया है, वास्तव में वह धर्म कितना सहिष्णु और महान है। उदयनिधि स्टालिन के वक्तव्य के खिलाफ एक भी विपक्षी नेता का न बोलना यह बताने के लिए काफी है कि देश के तथाकथित सेक्युलर नेताओं का सेक्युलरिज्म सिर्फ हिंदू विरोध में ही निहित है। सारे नफरती बयान सिर्फ हिंदुओं पर ही लागू होते हैं। भारत भर में मोहब्बत की दुकान सजाकर घूमने का दावा करने वाले राहुल गांधी का कहीं पता नहीं चल रहा, बल्कि उनकी पार्टी के कई बड़े नेताओं ने उदयनिधि स्टालिन का समर्थन कर यह साबित कर दिया है कि कांग्रेस पार्टी की मंशा क्या है। दरअसल विपक्षी दलों के नवनिर्मित गठबंधन आइएनडीआइए का एकमेव लक्ष्य है मोदी का विरोध। और इस विरोध के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उन्हें चाहे देश अथवा धर्म, किसी का भी विरोध करना पड़े, उन्हें उससे कोई गुरेज नहीं रह गया है। देश के राजनीतिक दलों से अनुरोध है कि वे अपने राजनीतिक युद्ध में सनातन से जुड़ी भावनाओं पर आघात करने से बाज आएं। अन्यथा यह उनके, देश और समाज किसी के भी हित में नहीं होगा।

वेदप्रकाश पांडेय, अंबेडकर नगर, उप्र

एक साथ चुनाव अपरिहार्य

'समय की मांग हैं एक साथ चुनाव' शीर्षक से लिखे आलेख में विवेक देवराय और आदित्य सिन्हा ने एक देश-एक चुनाव के जुड़ीं उन सभी आशंकाओं का जवाब दिया है, जिनको लेकर निराधार सवाल अक्सर विपक्षी दल उठाते रहते हैं। 1999 में विधि आयोग की चुनाव सुधार संबंधी विस्तृत रिपोर्ट से लेकर 17 दिसंबर, 2015 को कार्मिक, लोक शिकायत, विधि एवं न्याय मामलों से जुड़ी संसद की स्थायी समिति द्वारा राज्यसभा में प्रस्तुत सुझाव में इस मुद्दे पर गंभीरता पूर्वक विचार करने की सलाह दी गई थी। विचार-विनिमय, क्रिया-प्रतिक्रिया भी सामने आ चुके हैं जिससे लगता है कि अब समय आ गया है, इस दिशा में आवश्यक पहल करने की। संघीय ढांचे पर आक्रमण सहित अन्य आशंकाओं का जवाब तो दिल्ली एवं ओडिशा विधानसभा चुनाव सहित अन्य राज्यों के चुनाव से मिल जाते हैं, जहां लोकसभा, विधानसभा के चुनाव साथ हुए थे। वर्ष 1967 तक किसी संघीय ढांचे का उल्लंघन नहीं हुआ था। कुछ आशंकाएं विधानसभा एवं लोकसभा में किसी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने एवं अन्य वजहों से उपजी अस्थिरता के समाधान को लेकर जरूर हैं, जिनका उचित समाधान निकाल कर एक देश-एक चुनाव के लाभ ही लाभ हैं। धारा 356 भी एक महत्वपूर्ण अवरोधक है, जिसका प्रयोग अब बमुश्किल ही केंद्र में किसी पार्टी की सरकार करेगी? आखिर सुधार की दिशा में आगे बढ़ा जाएगा, तब इसका भी समाधान खोजा जाएगा, लेकिन आशंकाओं के डर मात्र से जिन सुधारों से ढेर सारे फायदे हैं उसे क्यों छोड़ जाए? दरअसल जिस चरण में लोकसभा के चुनाव जिस राज्य में होंगे, उसी चरण में संबंधित राज्य के विधानसभा के चुनाव होने से हर मामले में दोहराव की स्थिति से बचना आसान होगा। मतदाता उत्साहपूर्वक दूर-दराज से आकर अपनी भागीदारी इस नाते सुनिश्चित करेगा कि चलो एक साथ राज्य एवं केंद्र की सरकार पांच साल के लिए चुन लें। कुल मिलाकर अच्छा कदम है, पर इतनी देर क्यों हुई? जबकि 16वीं लोकसभा के छह महीने बाद ही संसद की लोक शिकायत, कार्मिक समिति की रिपोर्ट आई थी। आखिर 17वीं लोकसभा के समय इसके कार्यान्वयन पर जोर क्यों नहीं दिया गया?

mukeshkr.m7542@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त. पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन.संपादकीय निदेशक-महेन्द्र मोहन गुप्त. प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग,रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूर भाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

https://instadownload.app/ https://savefrom.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

570 से अधिक फ्रांसीसी कंपनियां भारत में कार्यरत हैं, लिहाजा इनमें कार्य करने के दृष्टिकोण से फ्रांस से अपेक्षित योग्यता प्राप्त करने के बाद भारतीय छात्रों के लिए रोजगार के अवसरों में पर्याप्त वृद्धि की उम्मीद है।

विजय कपूर
वरिष्ठ पत्रकार

आजकल

देश की सांस्कृतिक चेतना में है भारत

नई दिल्ली में आयोजित जी-20 सम्मेलन के दौरान नौ सितंबर को भारत के राष्ट्रपति की ओर से रात्रिभोज का कार्यक्रम रखा गया है, जिसके लिए प्रकाशित निमंत्रण पत्र में 'प्रेसिडेंट आफ इंडिया' के स्थान पर 'प्रेसिडेंट आफ भारत' लिखा गया है। इसके बाद से इंडिया बनाम भारत पर तमाम विपक्षी दलों ने हंगामा शुरू कर दिया है। फिलहाल तो यही कहा जाएगा कि विपक्ष इस मसले पर व्यर्थ विवाद उत्पन्न कर रहा है, क्योंकि भारत शब्द देश की सांस्कृतिक चेतना में है

देश के नागरिकों और सरकार समेत विपक्ष को सदैव ऐसे कार्य-विचार प्रोत्साहित करने चाहिए जो अपनी भाषा-संस्कृति से जुड़े हों। प्रतीकात्मक

विपक्ष संभवतः सुर्खियों में बने रहने के मोह के कारण या अपनी अतिरिक्त राजनीतिक सजगता के चलते भाजपा और उसके समर्थकों को एक ऐसा मुद्दा थमा रहा है, जो शायद इतनी मजबूती के साथ, पहले उनके दिमाग में भी नहीं था। वस्तुतः देश में होने जा रहे पहले जी-20 सम्मेलन के दौरान नौ सितंबर 2023 का रात्रिभोज प्रगति मैदान के जिस नए बने 'इंटरनेशनल एग्जिबिशन कम कन्वेंशन सेंटर' उर्फ 'भारत मंडपम' में रखा गया है, उसके लिए भेजे गए निमंत्रण पत्र में भारत के राष्ट्रपति के लिए 'प्रेसिडेंट आफ इंडिया' के बजाय 'प्रेसिडेंट आफ भारत' लिखा गया है। इसके बाद से तो इंटरनेट मीडिया में पक्ष और विपक्ष के बयानवीरों के बीच जबर्दस्त जंग छिड़ गई है, जबकि तह में कोई ठोस बात ही नहीं है, जिसके लिए निर्मम हुआ जा सके। परंतु दोनों ही तरफ के लोग इस पर धरती आसमान एक किए हुए हैं।

विपक्ष का आरोप है कि केंद्र सरकार देश का नाम बदलकर 'भारत' कर रही है, जबकि न तो यह बात केंद्र सरकार की तरफ से कही गई है और न ही राष्ट्रपति भवन के द्वारा इस संबंध में कुछ कहा गया है। इसके बावजूद हर तरफ हंगामा पसरा। शायद ही कोई ऐसा नेता हो जो बढ़ चढ़कर इस बहती गंगा में हाथ न धोना चाह रहा हो। विपक्ष के हर नेता के दिलोदिमाग में अचानक 'इंडिया' शब्द के लिए इतना प्रेम उमड़ आया है कि वह इसे लेकर हल्ला मचाने से लेकर आरपार की लड़ाई लड़ने तक की दबी जुबान बात कर रहा है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश से शुरू हुआ विपक्षी हमला तेजस्वी यादव तक तक पहुंच गया है, जिन्हें वास्तव में शायद ही इस शब्द से कुछ लेना देना हो। जबकि संविधान के पहले अनुच्छेद में ही लिखा है 'इंडिया दैट इज भारत, इज ए यूनियन आफ स्टेट्स' यानी इंडिया जो कि भारत है, वह राज्यों का एक संघ है। आजादी के इतने वर्षों से जब हमेशा 'प्रेसिडेंट आफ इंडिया' लिखा जाता रहा, तब तो किसी ने हंगामा नहीं खड़ा किया कि जब संविधान के अनुसार भारत के दोनों नाम हैं, तो फिर कभी कभी 'प्रेसिडेंट आफ भारत' क्यों नहीं हो सकता। यदि महज एक बार ऐसा लिखने से यह सवाल खड़ा हो सकता है, तो हजारों लाखों बार वैसा लिखने पर भी तो यह सवाल किया जा सकता था।

जबकि बहुत सारे लोगों का मानना यह है कि इंडिया भारत का मूल नाम नहीं हो सकता, मूल तो भारत ही है तो 'भारत' लिखने से इतना उछलना क्यों?

अंग्रेजों के पहले तो भारत को इंडिया नहीं कहा जाता था। भले कुछ लोग भारत को इंडिया मानते रहे हों, भले कुछ लोग आज बहस करें कि यह तो सिंधु नदी के कारण है, लेकिन अंग्रेजों के पहले भारत के दस्तावेजों में भारत को इंडिया तो नहीं लिखा जाता था। इसलिए संविधान के इस अनुच्छेद में होना तो चाहिए था, भारत दैट इज इंडिया। लेकिन अब तो कुछ लोगों को भारत शब्द ही भड़का रहा है। वस्तुतः सुर्खियों में बने रहने के लिए अनावश्यक मुद्दे को विपक्ष देश का राजनीतिक मुद्दा बना रहा है। शायद उसे इस बात का अंदाजा नहीं है कि इससे उसे कुछ लाभ नहीं होने वाला है, बल्कि हानि ही होगी, क्योंकि देश के विशाल मध्यवर्ग का बहुसंख्यक हिस्सा इस बहस से यह संदेश ग्रहण करेगा कि विपक्ष को भारत के 'मूल' और उसकी संस्कृति से ही चिढ़ है। ऐसा अनुमान लगा लेना कम से कम तथ्यों के आईने में गलत भी नहीं होगा, क्योंकि भले निमंत्रण पत्र की यह घटना एक दुर्घटना के तौर पर प्रस्तुत की जा रही है, परंतु देश में लाखों के मन में आजादी के बाद से ही यह दबी इच्छा रही है कि अब भारत का नाम 'इंडिया' नहीं होना चाहिए, क्योंकि इंडिया शब्द में अपने आपमें एक गुलामी की बू है।

पिछले 76 वर्षों में हजारों आम लोग ही नहीं, सैकड़ों बुद्धिजीवी भी इंडिया का नाम स्थायी रूप से भारत किए जाने की मांग करते रहे हैं। यदि संविधान निर्माण के क्रम में भी इस निर्णय पर पहुंचने में लगभग एक साल की बहस हुई थी कि भारत का नाम अधिकृत रूप से क्या रखा जाए तो इस बात को समझा जा सकता है कि आजादी की लड़ाई के दौरान भी लाखों-करोड़ों लोगों के मन में यह संकल्पना थी कि आजादी के बाद देश का स्थायी नाम भारत हो, जो राजनीतिक और राजनयिक दस्तावेजों में मान्य हो।

लेकिन अंग्रेजी राज से लड़ते हुए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का भी एक तबका भारत की जगह देश के नाम को 'इंडिया' ज्यादा बेहतर समझता था। इसलिए यह बहस एक साल तक चली और अंत में संविधान में 'इंडिया दैट इज भारत' लिखा गया। अगर इसकी जगह 'भारत दैट इज इंडिया' लिखा जाता तो माना जाता कि वे लोग बहस में इक्कीस रहे जो आजादी के बाद देश के नाम को मूलतः 'भारत' से ध्वनित होते सुनना चाहते थे। लेकिन यदि वर्तमान हंगामे को देखें तो यह बेमतलब है। विपक्ष को शायद लगता है कि वह इस हंगामे के जरिये भाजपा को संकीर्ण राष्ट्रवादी पार्टी साबित कर देगा। उन्हें यह भी लगता है कि यह हंगामा खड़ा करके वे ऐसा माहौल बना लेंगे, जिससे भाजपा और उसके पीछे चलने वाले सहयोगी दल बैकफुट पर चले जाएंगे। लेकिन यह विपक्ष का सरलीकरण है।

देश की पारंपरिक संस्कृति : आज जयराम रमेश से लेकर विपक्षी दलों के तमाम नेता चाहे जितना लच्छेदार ढंग से यह कहने का माहौल बना रहे हों कि भारतीय जनता पार्टी देश का नाम भारत के रूप में बदलने जा रही है, परंतु जब यह बहस शुरू होगी, तो लोग इसकी तह में तो जाएंगे ही और तब पाएंगे तो 'भारत' शब्द तो इस देश की मूल सांस्कृतिक अवचेतना में है। पुराणों में एक श्लोक है- उत्तरं यत्समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम। वर्षं तद्भारतं नाम भारती यत्र संततिः यानी जो समुद्र के उत्तर में और हिमालय के दक्षिण में स्थित है, वह भारतवर्ष है और उसमें भारत की संतानें बसी हुई हैं। क्या इस अतीत से इस देश की सांस्कृतिक अवचेतना को दूर किया जा सकता है? क्या भारत के अतीत में कहीं 'इंडिया' शब्द का उल्लेख है? अंग्रेजी सरकार के दस्तावेजों या विदेशियों द्वारा भारत की पहचान के लिए उल्लेख किए जाने वाले शब्दों व वाक्यांशों को छोड़ दें। विदेशी भले हमें कुछ कहते रहे हों। लेकिन देश के गहरे सांस्कृतिक अतीत में भारत शब्द बार बार आता है और उसकी मौजूदगी बार बार दर्ज होती है। इसलिए विपक्ष को अपने पक्ष में राजनीतिक माहौल बनाने के लिए इस बेमतलब की चतुराई से बाज आना चाहिए। (ईआरसी)

औपनिवेशिक विरासत के प्रतीकों से मिले मुक्ति

रमेश ठाकुर

भारत शब्द हमारी संस्कृति, देशी रीति-रिवाजों और परंपराओं का हिस्सा है, तभी उसे भारत माता कहकर पुकारते आए हैं। परंतु हमारे देश में जब अंग्रेजों की घुसपैठ हुई, तो उन्होंने अपनी सुविधानुसार नया नाम 'इंडिया' गढ़ दिया जिसे भारतीयों को न चाहते हुए भी अपनाना पड़ा। सदियों तक यह नाम कायम रहने से हमारे देश का यही नाम सर्वत्र प्रचलित होता गया। परंतु हमें यह विचार करना होगा कि कब तक हम इस शब्द को ढोएंगे। भारत के राष्ट्रपति की ओर से जी-20 के मेहमानों के रात्रि भोज के लिए जो निमंत्रण पत्र प्रकाशित किया गया है और उसमें इंडिया शब्द के स्थान पर भारत का उल्लेख किया गया है, जिससे कम से कम यह तो हुआ ही है कि इंडिया शब्द से पीछा छुड़ाने के लिए एक विचार पैदा हुआ। परंतु इसके बाद से अधिकांश विपक्षी दलों के नेता केंद्र सरकार पर हमलावर हो चुके हैं। इस क्रम में वे बहुत कुछ ऐसा भी बोल रहे हैं, जो संवैधानिक दृष्टि से भी उचित नहीं है। वैसे भी देश के अधिकांश नागरिकों की लंबे समय से यह अपेक्षा थी कि गुलामी के प्रतीकों से देश को मुक्ति मिलनी ही चाहिए। इस दिशा में देश यदि आगे बढ़ रहा है तो फिर इसमें किसी को कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए।

क्या इतिहास में ईस्ट इंडिया कंपनी के देश में आने से पहले कहीं पर भी देश का नाम इंडिया लिखा हुआ है? यह खोज का विषय है। जो विपक्षी दल यह कह रहे हैं कि क्या देश का नाम बदल गया? वह यह बताएं कि अंग्रेजों के आने से पहले देश को किस नाम से पुकारा जाता था। बहरहाल, 'इंडिया' को 'भारत' कर देना, यह संवैधानिक रूप से सभी सियासी दलों के साथ मंत्रणा करने वाला मुद्दा है। वैसे इस दिशा में अभी केंद्र सरकार की ओर से कोई पहल नहीं की गई है। राजनीतिक गलियारों में ही अभी चर्चाएं हैं। वैसे केंद्र सरकार की ओर से ऐसा कोई भी बयान नहीं आया है कि वह इंडिया नाम को बदलकर भारत करने जा रही है। फिर भी अधिकांश विपक्षी दलों को इस बात की भी नाराजगी है कि सरकार इस तरह के किसी निर्णय के क्रम में उन्हें शामिल नहीं करती है।

भारत-इंडिया की लड़ाई के इतर यदि बात करें तो केंद्र में मोदी सरकार के बीते लगभग साढ़े नौ वर्षों के कार्यकाल में बहुत कुछ ऐसा हुआ है जिनके बारे में देश के आम जनमानस ने सोचा भी नहीं था। विशेष रूप से नाम बदले जाने के संदर्भ में। देखा जाए तो हमारे देश में अनेक पुराने भवनों से लेकर शहरों और रेलवे स्टेशनों आदि का नाम बदला गया है, जिन्हें मुगलों और अंग्रेजों के नाम पर रखा गया था। उनके द्वारा रखे गए नामों को हटाने का कार्य बीते कई वर्षों से जारी है। इसके अलावा ब्रिटिश शासन के समय से चले आ रहे डेढ़ हजार से अधिक पुराने कानूनों को समाप्त कर दिया गया है। अब जब हमारा देश आर्थिक रूप से भी समृद्ध होते हुए विश्व शक्ति बनने की ओर अग्रसर है, ऐसे में धीरे धीरे ही सही, औपनिवेशिक विरासत के प्रतीकों को समाप्त किया जाना चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

खरी-खरी

मन बहलाने की कला

राजेंद्र बज

हाल ही में मेरी नातिन मेरे पुश्तैनी घर में पहली बार आई। हमारा रहन-सहन कुल मिलाकर मध्यम से जरा नीचे और निम्न से थोड़ा ऊपर था, जो उसे रास नहीं आ रहा था। लिहाजा वह मचल गई और नया घर लेने की जिद करने लगी। मेरे लिए उसे मनाना कतई आसान नहीं लग रहा था। खैर, जैसे-तैसे उसका मन बहलाया गया। इस घटनाक्रम से मुझे यह सोचने की दिशा मिली कि आखिर स्थानीय से लेकर ठेठ राष्ट्रीय स्तर तक के नेता सैकड़ों, हजारों, लाखों और यहां तक कि करोड़ों लोगों का मन कैसे बहला दिया करते होंगे। जो काम मेरे लिए दुष्कर सिद्ध हुआ, उसे ये नेता लोग कैसे अंजाम दे दिया करते हैं, सचमुच यह तो शोध का विषय है।

एक तरफ मचलती नातिन को संभालना मेरे लिए मुश्किल हो रहा था और उधर जनता जनार्दन का मन बहलाने में ये छोटे-बड़े तमाम नेता कितने सिद्धहस्त हुआ करते हैं, इस बात का मुझे ज्ञान हुआ। वैसे व्यवहार में देखा गया है कि संयुक्त परिवार की अवधारणाएं छिन्न-भिन्न होती जा रही हैं। मैं और मेरी घरवाली और एक-दो बच्चे, इसे ही परिवार माना जाता है। उनके बीच भी आए दिन खटपट हुआ करती है। कभी दिल नहीं मिलते, तो कभी विचार नहीं मिलते। कहीं किसी की कोई अच्छी-बुरी आदत पर ऐतराज किया जाता है। छोटे से छोटे परिवार में भी अपना अहम आए दिन टकरा जाता है। ऐसे में एकल परिवार को भी बांधकर रखना काफी जटिल होता जा रहा है। लेकिन नेता लोग तो कमाल के हुआ करते हैं। घिसे-पिटे नारों और वादों को लेकर ये ऐसा कमाल दिखाते हैं कि देखते ही देखते लखपति से करोड़पति और करोड़पति से अरबपति बनने का मार्ग प्रशस्त हो जाया करता है।

मुझे यह तो पता नहीं कि लोकतंत्र की खूबसूरती किसे कहते हैं। लेकिन जो भी हो, यही बात मुझे तथाकथित खूबसूरती में नजर आती है कि चुने गए लोग बहुत ही खूबसूरती के साथ जन भावनाओं से खिलवाड़ कर बैठते हैं। हर बार चोट पर चोट खाने के उपरांत भी नेता लोगों के झांसे में जनता जनार्दन को आना ही होता है। चाहे इनको चुने या उनको चुने, चूना लगाने से कोई बाज नहीं आता।

पोस्ट

उदयनिधि स्टालिन के सनातन पर बयान ने भाजपा को आइएनडीआइए के खिलाफ हथियार दे दिया है, लेकिन उदयनिधि यूं ही इतनी बड़ी बात थोड़े ही बोल जाएंगे। महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी के लिए बने विपक्षी गठबंधन की लड़ाई भी अब धर्म पर ही लड़ी जाएगी, इसका संदेश स्पष्ट है।
मीनाक्षी कंडवाल@MinakshiKandwal

उदयनिधि से जब पूछा गया कि सनातन में भेदभाव की कोई मिसाल बताएं तो उन्होंने संसद के नए भवन के उद्घाटन पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की उसमें अनुपस्थिति गिनाई कि उनकी आदिवासी पृष्ठभूमि के कारण उन्हें इससे दूर रखा गया। जबकि उनकी पार्टी द्रमुक ने राष्ट्रपति चुनाव में उच्च जाति वाले यशवंत सिन्हा का समर्थन किया था।
दिव्य कुमार सोती@DivyaSoti

जब संविधान में भारत लिखा है तब राष्ट्रपति के निमंत्रण में भारत के उल्लेख पर हायतौबा क्यों? सरकार की ओर से कोई बयान भी नहीं आया कि इंडिया नाम हटाया जा रहा है। फिर भी विपक्षी दल हंगामा मचाए हुए हैं। यह 'कौआ कान ले गया' वाली मिसाल ही है कि कोई कान नहीं देख रहा, सभी कौए के पीछे दौड़ रहे हैं।
रोमाना ईसार खान@romanaisarkhan

जागरण जनमत

कल का परिणाम

जी-20 के दौरान राष्ट्रपति द्वारा आयोजित भोज के निमंत्रण पत्र में 'प्रेसिडेंट आफ भारत' लिखने पर विपक्ष की आपत्ति सही है?

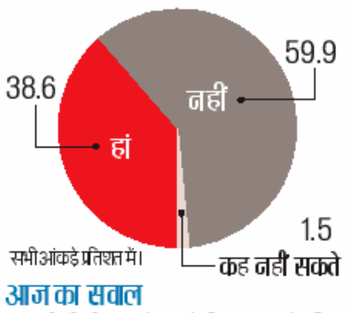

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या बीसीसीआइ ने वनडे विश्व कप के लिए सही टीम का चयन किया है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

'भारत माता' बोलकर करते हम जयकार,
भला 'इंडिया' शब्द पर उमड़ रहा क्यों प्यार?
उमड़ रहा क्यों प्यार गलतियां चलो सुधारें,
कहकर 'भारत' देशगर्व से इसे पुकारें।
अंग्रेजों के काल बहुत हो चुकी शरारत,
'हम भारत के लोग' कहें अब इसको 'भारत'!
- ओमप्रकाश तिवारी

हिमाचल प्रदेश डायरी

धूप आ गई पर बादलों का मौसम याद रखना

नवनीत शर्मा
राज्य संपादक, हिमाचल प्रदेश

घरों के बहने-ढहने के वीडियो बहुत हुए, दिल दहलाने वाली चीत्कार के बाद कुछ दिनों से हिमाचल प्रदेश में धूप चमक रही है। बादलों से घिरे पहाड़ उन बच्चों की तरह लगते हैं, जिन्हें वर्षा के दौरान उनकी माताएं शाल ओढ़ा कर एक स्थान पर बैठे रहने को कहती हैं। धूप में पहाड़ नहला-धुला कर बैठाए गए बच्चों की तरह दिखते हैं। कल जो हुआ, उससे निर्लिप्त और जो आगे होगा उससे भी कहीं ऊपर। हिमाचल की सांझ और रातों में इन दिनों सर्दी को अनुभव किया जा सकता है। दिन एक से नहीं रहते, इसलिए मौसम भी बदलेगा। यह सब इसलिए लिखा जा रहा है, क्योंकि यह जानकारी दैनंदिन अनुभव का अर्जन है।

मुख्यमंत्री हर क्षेत्र में जा रहे हैं और आवश्यक निर्देश दे रहे हैं, पर राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की वेबसाइट के लिए अब भी कोविड ही आपदा है। वहां अब भी महामारी के आंकड़े चमक रहे हैं। जिसे हम राष्ट्रीय आपदा घोषित किए जाने का अनुरोध कर रहे हैं, उसका कोई जिक्र इस आधिकारिक वेबसाइट में नहीं है। वहां, 1905 का भूकंप, कोटरोपी या परवाणू टिंबर ट्रेल में लोगों के फंसने जैसी घटनाएं दर्ज हैं। यानी कोई आपदा की जानकारी लेना चाहे तो उसे वह सब दिखेगा जो इस समय उसके किसी काम का नहीं। इंटरनेट मीडिया पर क्या सच है, क्या झूठ, यह पता नहीं। इसीलिए लोग आधिकारिक वेबसाइट देखते हैं।

जो हो, आपदा ने बहुत हानि पहुंचाई है। पर इतना तो इस आपदा ने किया ही है कि शासितों से लेकर शासकों तक एक संदेश भेजा है कि बस अब बहुत हो गया। आपदा के बाद मुख्य सचिव ने एक बैठक ले कर घोषणा कर दी है कि भूगर्भीय सर्वेक्षण के बिना किसी को निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी। आपदा के बाद यह तय हुआ है कि नदियों और नालों के किनारे निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। आपदा के बाद ही यह भी सहमति बनी है कि पानी का रास्ता नहीं रोका जाएगा। आपदा के बाद ही मुख्यमंत्री ने बताया है कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और आपदा से निपटने के लिए फ्रांसीसी एजेंसी के सहयोग से 890 रुपये का कार्यक्रम तैयार किया जा रहा है। आपदा के बाद ही एक बार फिर स्पष्ट हुआ है कि आपदा प्रबंधन अधिनियम के अनुसार, आपदा राष्ट्रीय या राज्य नहीं होती, केवल आपदा होती है, वास्तविक उद्देश्य तो केंद्र से अधिकाधिक सहायता लेना है। मान लीजिए कि केंद्र राष्ट्रीय आपदा घोषित कर दे और एक चवन्नी न दे तो किसे लाभ होगा। आपदा के पश्चात ही कृषि एवं पशुपालन मंत्री चंद्र कुमार ने इस रहस्य का उद्घाटन किया है कि मैक्लोडगंज और धर्मशाला में बहुमंजिला भवनों के नक्शे आंखें मूंद कर पास किए गए हैं। आपदा के बाद काफी कुछ हुआ, पर नारकंडा का एक पटवारी नहीं बदला। वह 20 हजार रुपये की रिश्वत लेता धरा गया। हुआ यूं कि एक व्यक्ति को घर गिरने पर सरकार से मुआवजा मिलना था 1.20 लाख रुपये। पटवारी ने 20 हजार रुपये पर आंख रख ली और विजिलेंस के हत्थे चढ़ गया। समझा जा सकता है कि इतनी आपदा के बावजूद जो पटवारी घूस के कृत्य के लिए आतुर था, वह किस मिट्टी का बना होगा।

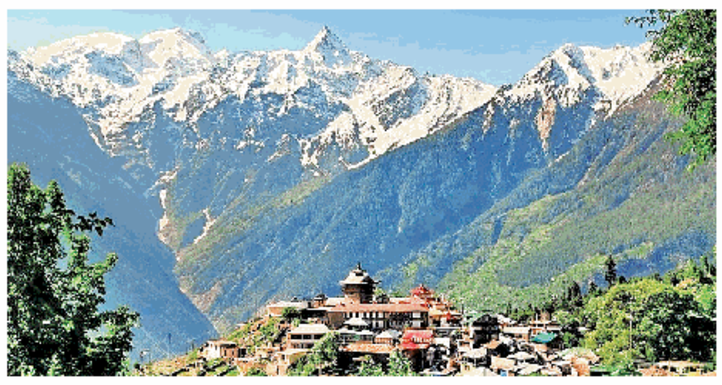

प्रदेश में बारिश ने भारी तबाही मचाई है, लिहाजा अनियमित निर्माण गतिविधियों को रोकना होगा। फाइल

सरकार ने घोषणा कर दी है कि शाल, टोपी की संस्कृति बंद होनी चाहिए। वित्तीय तंगी से जूझ रहे प्रदेश में ऐसे कदम सराहे जाने चाहिए। प्रतीक यह है कि सादगी आए और धन बचे। क्योंकि सरकार की मंशा है कि अनावश्यक खर्च न हो, इसलिए सरकार चाहे तो इससे बड़े निर्णय भी ले सकती है। टोपी, शाल आदि की अधिकाधिक बिक्री से प्रदेश की हस्तकरघा कला को ही प्रोत्साहन मिलेगा। ऐसा भी नहीं है कि टोपी, शाल खरीदने से प्रदेश पर सवा दो लाख रुपये मासिक एवं अन्य खर्चों का बोझ पड़ेगा। खर्च तो जहां कम हो सकता है करना ही चाहिए... चाहे गैर जरूरी नियुक्तियों में ही क्यों न हो। संदर्भवश याद आया कि पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने भी घोषणा की थी कि शाल, टोपी देने की कोई आवश्यकता नहीं है, चाहें तो एक अधखिला गुलाब दे दें। पर यह कुछ दिन लागू होने के बाद बंद हो गया।

अब बात आगे की। मुख्यमंत्री का प्रण है कि नया हिमाचल बनाएंगे, उसके घावों पर मरहम लगाएंगे। इस प्रण के साथ सबको अपने-अपने स्तर पर संलग्न होना चाहिए। इसमें जनता की भूमिका अधिक है, क्योंकि आम आदमी उस समय खास हो जाता है जब वह चाहता है कि उसके नक्शे या अन्य स्वीकृतियों के लिए नियम टूट जाएं तो शासक अच्छे हैं, अन्यथा नहीं। आपदा के पैर इन्हीं सुराखों से रास्ता बनाते हैं। इसलिए धूप बेशक आ गई है, मगर बादलों को याद रखना होगा।

मंथन

छात्रों के लिए फ्रांस में अवसर

भारतीय छात्रों के लिए फ्रांस में उच्च शिक्षा प्राप्त करना आसान बनाया जा रहा है। इससे उनके लिए रोजगार प्राप्त करने की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं

इमैनुएल लेनैन
भारत में फ्रांस के राजदूत

भारत और फ्रांस के बीच कूटनीतिक साझेदारी दोनों देशों के नागरिकों के आपसी संबंधों की मजबूती पर टिकी हुई है, जिनके बीच पहले से ही मित्रता रही है। 14 जुलाई के बाद से इन संबंधों में तब और मजबूती आई है, जब फ्रांस में आयोजित सैन्य परेड में शामिल भारतीय सशस्त्र बलों का वहीं की जनता ने भव्य स्वागत किया। वस्तुतः फ्रांस के राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर आयोजित इस परेड में भारत को गेस्ट आफ आनर का दर्जा दिया गया था। इस प्रकार के क्षण अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मजबूती प्रदान करते हैं। भारत और फ्रांस के बीच भी आपसी साझेदारी और सहयोग का भाव बढ़ा है जिसने हमारे मित्रता के धागे को और मजबूत किया है। यही कारण है कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत-फ्रांस रोडमैप 2047 को अपनाते हुए नागरिकों के आपसी संबंधों के महत्व को रेखांकित किया है, जो हमारी साझेदारी के तीन प्रमुख स्तंभों में से एक है। इसमें कुछ नई घोषणाएं भी की गई हैं जिनसे छात्रों को व्यापक लाभ होने की उम्मीद है।

फ्रांस के राष्ट्रपति ने वर्ष 2030 तक 30 हजार भारतीय छात्रों को फ्रांस बुलाए जाने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य की घोषणा की है। शिक्षा में परिवर्तनकारी प्रभाव लाए जाने के यह हमारे निर्णय को दर्शाता है। भारतीय मनो-मस्तिष्क में एकेडमिक संस्थानों की शुरुआत करते हुए हम न केवल विविध संदर्भों में कक्षा संबंधी गतिविधियों को सुदृढ़ कर रहे हैं, बल्कि दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक समझ और मित्रता कायम रखने की नींव भी तैयार कर रहे हैं। भारतीय एल्युमनाई के लिए पांच साल का शार्ट-स्टे शेंजेन सर्कुलेशन वीजा प्रभावी होने से एकेडमिक यात्राओं के दौरान संबंधों को मजबूती प्रदान करेगा। फ्रांस में उनके अनुभव और रिश्ते हमारे लिए अहमियम रखते हैं और अब यह वीजा इन्हें अपने करियर को आगे बढ़ाने में सहायक होगा। यह विशेष प्रविधान दोनों देशों के बीच स्थायी संबंधों को प्रोत्साहित करने और भारतीय एल्यूमनाई को फ्रांस के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने के लिए सशक्त बनाने की फ्रांस की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

अंतरराष्ट्रीय कक्षाओं का सृजन : हमारा लक्ष्य यह है कि अधिक से अधिक भारतीय छात्र फ्रेंच भाषा में पढ़ें, ताकि भविष्य में उनके लिए अवसरों के विकल्प बढ़ सकें। यही कारण है कि हम 'इंटरनेशनल क्लास' का सृजन करने जा रहे हैं। फ्रेंच भाषा और विभिन्न शैक्षणिक विषयों में व्यापक प्रशिक्षण प्रदान करने वाले ये विशेष कार्यक्रम इन सभी विद्यार्थियों के लिए एक सुचारु परिवर्तन की सुविधा प्रदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। हमारी यह इच्छा है कि फ्रांस में सभी भारतीय अपने घर जैसा महसूस करें, ताकि वे अपनी पढ़ाई में आगे बढ़ें और दोनों देशों के शैक्षणिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

भारत में फ्रांस के राजदूत के रूप में जबसे मेरी नियुक्ति हुई है, तबसे ही मैंने भारतीय छात्रों के लिए फ्रांस में नए अवसरों को सृजित किए जाने को शीर्ष वरीयता में रखा है। छात्रों, एलुमनाई और विश्वविद्यालय प्रतिनिधियों से बातचीत के दौरान मैंने अक्सर यह रेखांकित किया है कि एक समावेशी और विविधतापूर्ण राष्ट्र के रूप में फ्रांस अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शैक्षिक अवसरों को साझा करने का इच्छुक रहा है। भारत की नई युवा पीढ़ी को मैं यह संदेश देना चाहूंगा कि फ्रांस सदैव आपका मित्र रहेगा, और अपने देश में आपकी एकादमिक यात्रा सुनिश्चित करने की दिशा में हम अपने सामर्थ्य के अनुसार सबकुछ करेंगे।

अध्ययन के लिए फ्रांस जाने के कई कारण हैं। फ्रांस के संस्थान अपनी अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान के लिए वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त हैं, जो विभिन्न छात्रों के हितों की पूर्ति की दिशा में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग से लेकर सामाजिक विज्ञान तक व्यापक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। हमारी शिक्षा प्रणाली को सरकार द्वारा काफी सब्सिडी दी जाती है, जिसका लाभ यहां पढ़ने वाले छात्रों को कम ट्यूशन फी और रहने के खर्च में प्राप्त होता है। उल्लेखनीय है कि फ्रांसीसी योग्यता अर्जित करना विश्व स्तर पर एक स्वीकृत डिग्री को सुनिश्चित करता है। साथ ही इससे रोजगार प्राप्त करने के अवसर भी बढ़ाते हैं। कई संबंधित रैंकिंग के माध्यम से भी इसे समझा जा सकता है।

वर्ष 2018 में भारत और फ्रांस के मध्य हुए पारस्परिक मान्यता पर आधारित एक समझौता भारत में फ्रांसीसी योग्यता के मूल्य को और बढ़ाता है। भारत में संचालित लगभग 570 फ्रांसीसी कंपनियों में इन लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध हैं, जिनमें चार लाख कर्मचारी कार्यरत हैं।

फ्रांस टूर 2023 : आगामी फ्रांस टूर 2023 की घोषणा करते हुए मुझे काफी प्रसन्नता हो रही है। फ्रांस सरकार और कैंपस फ्रांस द्वारा आयोजित इस शैक्षिक टूर के तहत भारतीय छात्रों और अभिभावकों को फ्रांस के 40 से अधिक प्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों से जुड़ने के लिए उनके प्रतिनिधियों से मिलने का मौका मिलेगा। आठ से 15 अक्टूबर के दौरान यह टूर देश के चार प्रमुख महानगरों- चेन्नई, दिल्ली, कोलकाता और मुंबई में आयोजित किया जाएगा।

चूंकि हम अपनी साझेदारी के इस नए अध्याय का आरंभ कर रहे हैं, ऐसे में मुझे इस बात का पूरा भरोसा है कि आज हम जो संबंध विकसित कर रहे हैं, वे हमारे दोनों देशों के लिए एक उज्जवल भविष्य को आकार देंगे।

फ्रांस में उच्च शिक्षा की डिग्री प्राप्त करना वैश्विक स्तर पर एक स्वीकृत डिग्री सुनिश्चित करता है। फाइल

https://instadownload.app/ https://savefrom.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

राष्ट्रीय संस्करण
गुरुवार 7 सितंबर, 2023
दैनिक जागरण
बिजनेस
www.jagran.com

बायोगैस संयंत्र के लिए सुजुकी का एनडीडीबी से करार

नई दिल्ली: सुजुकी मोटर कारपोरेशन ने गुजरात में लगभग 230 करोड़ रुपये से चार बायोगैस संयंत्र स्थापित करने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) और गुजरात की बनास डेयरी के साथ करार किया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि इस परियोजना का उद्देश्य गाय के गोबर से बनने वाली बायोगैस से मीथेन को परिष्कृत करके वाहन ईंधन बनाना है। बनासकांठा जिले में स्थापित होने वाले चारों बायोगैस संयंत्रों में परिचालन 2025 से शुरू हो जाएगा। (प्रेट्र)

भारत की आर्थिक वृद्धि और वैश्विक प्रभाव के लिए जी20 देशों में अवसरों का लाभ उठाना महत्वपूर्ण है।

– संजय बुधिया, एमडी, पैटन समूह

सेंसेक्स	निफ्टी	सोना प्रति दस ग्राम	चांदी प्रति किलोग्राम	डालर	क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल
65,880.52	19,611.05	₹ 60,200	₹74,800	₹ 83.13	$ 89.41
100.26	36.15	₹100	₹700	₹0.09	

एक नजर में

बीएसई की कंपनियों का मार्केट कैप 317 लाख करोड़

नई दिल्ली: बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप बुधवार को बढ़कर 317.33 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। बाजार की चार दिनों की तेजी के चलते निवेशकों की संपत्ति भी 7,74,665.67 करोड़ रुपये बढ़ गई। विशेषज्ञों के मुताबिक कच्चे तेल में बढ़ोतरी की गूंज दुनिया भर में सुनाई दी, जिससे मुद्रास्फीति के बारे में चिंताएं फिर से बढ़ गई हैं। (प्रेट्र)

परियोजनाओं को पूरा करने में रेरा ने की काफी मदद

नई दिल्ली: रियल एस्टेट कानून रेरा के तहत कड़े नियमों की मदद से सात प्रमुख शहरों में जुलाई, 2017 और दिसंबर, 2018 के बीच शुरू की गई कुल 1,642 आवासीय परियोजनाओं में से कम से कम 86 प्रतिशत पूरी हो चुकी है। संपत्ति सलाहकार एनाराक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा कि रियल एस्टेट परियोजनाओं को समय पर पूरा करने में रेरा ने मदद की है। (प्रेट्र)

एथर एनर्जी ने राइट्स इश्यू से 900 करोड़ रुपये जुटाए

नई दिल्ली: इलेक्ट्रिक वाहन बनाने वाली कंपनी एथर एनर्जी ने राइट्स इश्यू के जरिये मौजूदा शेयरधारकों हीरो मोटोकार्प और वैश्विक निवेश फर्म जीआइसी से 900 करोड़ रुपये जुटाए हैं। कंपनी इस पैसे का इस्तेमाल नए उत्पादों की लांचिंग, चार्जिंग बुनियादी ढांचे और खुदरा नेटवर्क के विस्तार में करेगी। 2021-22 में कंपनी का राजस्व 408 करोड़ था जो 2022-23 में 4.4 गुना बढ़कर 1,783 करोड़ हो गया। (प्रेट्र)

कैशलेस दावों के निपटान के लिए कर रहे काम: इरडा

मुंबई: भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) चेयरमैन देबाशीष पांडा ने बुधवार को कहा कि स्वास्थ्य संबंधी दावों के शत-प्रतिशत नकदी रहित (कैशलेस) निपटान के लिए वह बीमा कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। फिलहाल नकदी-रहित दावा प्रक्रिया लेती है और बीमा कंपनियां उपभोग्य सामग्रियों और अन्य मदों के नाम पर कुल बिल से 10 प्रतिशत या उससे अधिक की कटौती करती हैं। (प्रेट्र)

गरीब और विकासशील देशों की आवाज बना भारत

इन देशों के विकास से जुड़े कई मुद्दों पर जी-20 में सहमति दिखी, अंतिम फैसला शिखर सम्मेलन में

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : जी-20 समूह की वित्तीय बैठकों में भारत ने गरीब और विकासशील देशों की आवाज को बुलंद करने में अहम भूमिका निभाई है। भारत ने अपनी अध्यक्षता में इन देशों में डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के जरिये वित्तीय समावेश और उनके सतत विकास का रोडमैप तैयार किया है। भारत की अध्यक्षता में कई ऐसे मुद्दों पर लगभग सहमति बन चुकी है, जिससे गरीब व विकासशील देशों के आर्थिक विकास के साथ आने वाले समय में उन्हें वैश्विक एजेंसियों से वित्तीय मदद भी आसानी से मिल सकेगी। हालांकि सभी मुद्दों पर अंतिम फैसला नौ और दस सितंबर को जी-20 देशों के शीर्ष नेताओं की बैठक में किया जाएगा। अध्यक्ष होने के नाते भारत को ही जी-20 देशों के वित्त मंत्री व केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठकों का एजेंडा तय करना था।

- वर्ष 2024-26 के दौरान सतत विकास के लिए भारत के तय एजेंडे पर होगा काम
- अध्यक्ष के नाते भारत को ही केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की बैठक का तय करना था एजेंडा

इन मुद्दों पर बनी सहमति

क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करने के लिए वैश्विक फ्रेमवर्क, डिजिटल पब्लिक इन्फ्रा के विकास से लेकर जलवायु परिवर्तन से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने के लिए एमडीबी के फ्रेमवर्क में बदलाव, शहरों को भविष्य के लायक बनाने के लिए उनकी वित्तीय व्यवस्था, कर्ज में डूबे गरीब देशों को उबारने की कवायद व इंटरनेशनल टैक्स व्यवस्था।

जरूरतें पूरा करेगा एमडीबी

वित्त मंत्रियों की पूर्व की बैठक में एमडीबी (मल्टीलैटरल डेवलपमेंट बैंक) का दायरा बढ़ाने के लिए कमेटी बनाई गई थी, जिसकी सिफारिश को जी-20 देशों ने स्वीकार्य योग्य बताया है। एमडीबी जलवायु परिवर्तन व डिजिटल पब्लिक इन्फ्रा से जुड़ी जरूरतों की पूर्ति के लिए वित्तीय मदद देगा।

आत्मनिर्भर बनेंगे शहर

शहरों को भविष्य के लायक बनाने के लिए स्थानीय निकाय की प्रशासनिक क्षमता का विस्तार किया जाएगा। उनके लिए वित्तीय मॉडल तैयार किया जाएगा ताकि शहर अपने विकास को लगातार जारी रख सकें। इसके लिए कुछ शहरों का चयन कर वहां पायलट प्रोजेक्ट चलाया जाएगा।

डीपीआइ से किया जाएगा वित्तीय समावेश

भारत ने जिस तरह खुद डीपीआइ (डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर) की मदद से अपना वित्तीय समावेश किया है, वैसे ही अन्य विकासशील और गरीब देशों का वित्तीय समावेश किया जा सकता है। भारत के इस प्रस्ताव को भी स्वीकार योग्य माना गया है।

क्रिप्टोकरेंसी पर तैयार किया गया फ्रेमवर्क

जी-20 देशों के शीर्ष नेताओं की बैठक में यह फैसला किया जा सकता है कि क्रिप्टोकरेंसी को वैश्विक स्तर पर कैसे रेगुलेट किया जाए, उसका तरीका क्या हो। वित्त मंत्रियों की बैठक में बनाई गई कमेटी ने इसका फ्रेमवर्क तैयार कर दिया है। अब अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष व अन्य वैश्विक वित्तीय एजेंसियां इसे रेगुलेट करने की रूपरेखा तय करेंगी। क्रिप्टो के पूरी तरह से टेक्नोलाजी से जुड़े होने के नाते इसे एक अकेला देश इसे रेगुलेट नहीं कर सकता है।

नई वित्तीय व्यवस्था की जरूरत

जलवायु परिवर्तन से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए परंपरागत आर्थिक व्यवस्था की जगह नई व्यवस्था को अपनाने की जरूरत है। लेकिन गरीब व विकासशील देशों में यह तभी संभव हो सकता है जब वित्तीय व्यवस्था हो।

मसूर दाल के अघोषित स्टाक को जमाखोरी माना जाएगा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : मानसून की कमजोर बारिश से खाद्य पदार्थों की महंगाई की आशंका बढ़ा दी है। हालांकि इसे नियंत्रित करने के लिए विभिन्न स्तर पर उपाय किए जा रहे हैं। इसी क्रम में केंद्र सरकार ने कारोबारियों को मसूर दाल के स्टाक को तत्काल प्रभाव से घोषित करने का निर्देश दिया है। स्टाक का ब्योरा प्रत्येक शुक्रवार को अनिवार्य रूप से पोर्टल पर अपलोड करना होगा। ऐसा नहीं करने वाले आयातकों एवं कारोबारियों को कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। उपभोक्ता मंत्रालय को सबसे ज्यादा आशंका दाल की कीमतों को लेकर है, जिसकी बोआई के रकबे में इस वर्ष लगभग 11 लाख हेक्टेयर की कमी आई है। बाजार में दाल के बढ़ते मूल्य को देखते हुए कई कारोबारी मुनाफा कमाने के लिए मसूर दाल का भंडारण करने लगे हैं। इससे बाजार में दालों की कमी की आशंका बढ़ गई है, जिससे कीमतों में आगे चलकर तेज उछाल हो सकता है।

दूसरे देशों से मसूर और तुअर दाल का आयात बढ़ाया जा रहा है। फिर भी कुछ कारोबारी राष्ट्रहित की अनदेखी करते हुए मुनाफा कमाने के लिए हेरफेर करने की कोशिश कर रहे हैं। दाल की कीमतों पर नियंत्रण के लिए केंद्र सरकार पहले से ही खुले बाजार में चना दाल 60 रुपये प्रति किलो की दर से बेच रही है। प्याज भी 25 रुपये प्रति किलो की दर से उपलब्ध कराया जा रहा है।

– रोहित कुमार सिंह, सचिव, उपभोक्ता मामले

'हल्दीराम' में हिस्सेदारी खरीदने के लिए नहीं कर रहे बात: टाटा

नई दिल्ली, प्रेट्र: टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (टीसीपीएल) ने कहा है कि वह 'हल्दीराम' में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए कोई बातचीत नहीं कर रही है। कुछ खबरों के अनुसार, टाटा समूह की एफएमसीजी इकाई हल्दीराम में हिस्सेदारी खरीदने के लिए उसके साथ बातचीत कर रही है। हालांकि, मीडिया रिपोर्टों में यह भी कहा गया था कि ऊंचे वैल्यूएशन की वजह से अभी कोई डील नहीं बन पाई है। हल्दीराम स्नैक्स, नमकीन बनाने के साथ-साथ रेस्तरां क्षेत्र की अग्रणी कंपनी है। कंपनी की ओर से यह स्पष्टीकरण इन खबरों के आने के बाद एनएसई और बीएसई द्वारा जवाब मांगने के बाद दिया गया है। कंपनी के प्रवक्ता ने बुधवार को कहा था, 'टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट बाजार में चल रहीं अटकलों पर टिप्पणी नहीं करती है।' संपर्क करने पर हल्दीराम के प्रबंधन ने इस संबंध में कुछ भी कहने से इन्कार किया।

क्रूड 90 डालर पर, पेट्रोल-डीजल के सस्ता होने की उम्मीद घटी

नई दिल्ली, प्रेट्र: सऊदी अरब और रूस द्वारा कच्चा तेल उत्पादन और निर्यात में स्वैच्छिक कटौती को वर्ष के अंत तक बढ़ाए जाने से कच्चे तेल की कीमतें 10 महीने के उच्चतम स्तर लगभग 90 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गई हैं। भारत अपनी कच्चे तेल की 85 प्रतिशत जरूरत आयात से पूरा करता है। ऐसे में इसके दाम चढ़ने का मतलब है कि भारत को इसके लिए अधिक खर्च करना होगा। ऐसे में आने वाले दिनों में पेट्रोल, डीजल की बाजार आधारित कीमत की ओर लौटने की संभावना और कम हो गई है।

रूस के साथ सऊदी अरब की अगुआई वाले ओपेक प्लस द्वारा दिसंबर के अंत तक वैश्विक बाजार में आपूर्ति में 10 लाख बैरल प्रतिदिन की कटौती जारी रखने का निर्णय लेने के बाद पिछले सप्ताह ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके साथ ही, रूस ने हाल के महीनों में अपने निर्यात में स्वैच्छिक कटौती की है। इस कदम से मंगलवार को ब्रेंट इस साल पहली बार 90 डालर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया। बुधवार को यह 89.67 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल का औसत मूल्य इस महीने 89.81 डालर प्रति बैरल है, जबकि अगस्त में यह 86.43 डालर था।

ओपेक प्लस की ओर से कच्चे तेल के उत्पादन में कटौती के एलान से बढ़ीं कीमतें, 85 प्रतिशत क्रूड आयात करता है भारत

यूपीआइ पर बोलकर कर सकेंगे भुगतान

मुंबई, प्रेट्र: आरबीआइ गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को मुंबई में आयोजित ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल के दौरान यूपीआइ पर नए भुगतान विकल्प पेश किए। इनमें बोलकर भुगतान करने की सुविधा भी शामिल है। 'हेलो यूपीआइ' नाम की इस सुविधा में एप, फोन काल और आइओटी (इंटरनेट आफ थिंग्स) उपकरणों के माध्यम से हिंदी और अंग्रेजी में आवाज से यूपीआइ भुगतान किया जा सकता है। इसके एक अन्य उत्पाद 'लाइट एक्स' का उपयोग कर रुपये का लेनदेन आफलाइन भी कर सकेंगे। दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक फ्रिक्शनलेस क्रेडिट प्लेटफार्म का परिचालन निजी कंपनी को सौंपने के बारे में भी विचार कर रहा है। हम इसे एक खुला मंच बनाना चाहते हैं। हम धीरे-धीरे अलग हो जाएंगे और इसे एक निजी कंपनी को सुपुर्द कर देंगे। आरबीआइ ने भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआइ) के मामले में भी यही किया था।

मनी लांड्रिंग नियमों में सख्ती, 10% हिस्सेदारी पर भी निगरानी होगी

नई दिल्ली, प्रेट्र: वित्त मंत्रालय ने मनी लांड्रिंग रोधी प्रावधानों को और अधिक सख्त बनाते हुए किसी कंपनी में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले साझेदारों को लाभकारी मालिकों की परिभाषा में शामिल कर दिया है। मंत्रालय ने मनी लांड्रिंग रोधी नियम, 2005 को संशोधित करते हुए यह प्रविधान किया है जबकि पहले लाभकारी मालिक की परिभाषा में आने के लिए 15 प्रतिशत हिस्सेदारी की सीमा निर्धारित थी।

इस संशोधन के मुताबिक, ट्रस्ट के मामले में रिपोर्टिंग इकाई यह सुनिश्चित करेंगी कि ट्रस्टी खाता-आधारित संबंध शुरू होने या निर्दिष्ट लेनदेन करते समय अपनी स्थिति को स्पष्ट करें। सरकार ने आतंकवाद के वित्तपोषण और मनी लांड्रिंग पर गठित निगरानी संस्था 'वित्तीय कार्रवाई कार्यबल' (एफएटीएफ) के मूल्यांकन से पहले मनी लांड्रिंग पर लगाम संबंधी विभिन्न प्रविधानों को हाल के महीनों में सख्त कर दिया है। एफएटीएफ इस साल के अंत में भारत में मनी लांड्रिंग रोधी एवं आतंकी वित्तपोषण रोधी गतिविधियों के वित्तपोषण पर लगाम संबंधी मानकों के क्रियान्वयन का आकलन करने वाला है। इससे पहले वित्त मंत्रालय ने मई में एक नोटिफिकेशन जारी कर अपने क्लाइंट के लिए वित्तीय सौदे करने वाले सीए, सीएस और कास्ट अकाउंटेंट के लिए नियम सख्त किया था। अब सभी मनी लांड्रिंग रोधी कानून यानी पीएमएलए के दायरे में आएंगे। दरअसल, हाल के बरसों में जांच एजेंसियों की कार्रवाई में कई मामलों में इस तरह के प्रोफेशनल्स की भूमिका सामने आई थी, जिसके बाद सरकार ने यह कदम उठाया है।

इससे पहले लाभकारी मालिक की परिभाषा में आने के लिए 15 प्रतिशत हिस्सेदारी की सीमा सरकार ने की थी निर्धारित

बैटरी स्टोरेज बनाने वाली कंपनियों को 3700 करोड़ की मदद का एलान

जासं, नई दिल्ली : सरकार ने बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम से जुड़ी कंपनियों के लिए सब्सिडी का एलान किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में देश में बैटरी स्टोरेज क्षमता स्थापित करने के लिए 3760 करोड़ रुपये की योजना का एलान किया गया है। इस राशि से देश में तकरीबन 4000 मेगावाट क्षमता की बैटरी लगाए जाने की उम्मीद है। कंपनियों की तरफ से इस क्षमता को लगाने में जितना निवेश किया जाएगा, उसमें से 40 प्रतिशत हिस्सा केंद्र की तरफ से दिया जाएगा। बैटरी स्टोरेज क्षमता के निर्माण पर जोर देना इसलिए भी जरूरी है कि भारत 2030 तक कुल बिजली उत्पादन क्षमता का 50 प्रतिशत नवीकरणीय सेक्टर से प्राप्त करना चाहता है। इसमें एक बड़ा हिस्सा पवन और सौर ऊर्जा का होगा। अभी देश में सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापित क्षमता 71 हजार मेगावाट है।

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

मन्नत नहीं हुई पूरी तो चुरा लिया शिवलिंग, भेजा गया जेल

कौशांबी : उप्र के कौशांबी में स्थित भैरो बाबा मंदिर से एक सिरफिरे युवक ने मन्नत न पूरी होने पर शिवलिंग चोरी कर लिया। पुलिस ने करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद शिवलिंग बरामद कर लिया। मामले में पुलिस ने आरोपित के खिलाफ केस दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। छोटू की शादी नहीं हो रही थी। इस पर उसने पूरे सावन भर भैरो बाबा मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करते हुए मन्नत मांगी कि उसकी शादी हो जाए। पूरा माह बीत जाने के बाद भी मन्नत पूरी होने की आस दूर-दूर तक छोटू को नजर नहीं आ रही थी। इससे लेकर वह काफी आहत था। (जासं)

तमिलनाडु में हादसे में परिवार के छह सदस्यों की मौत

सेलम : सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराने से वैन में सवार एक वर्ष की मासूम समेत एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत हो गई। वहीं दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा संकगिरि में बुधवार तड़के हुआ। चालक समेत वैन सवार आठ लोग कोडलमपट्टी से वेल्लोर स्थित जोलारपेट जा रहे थे। महिला व चालक को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। (प्रेट्र)

असम में सड़क हादसे में सात लोगों की मौत

तिनसुकिया: असम के तिनसुकिया जिले में सड़क हादसे में सात लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। काकोपथार के निकट बोर्डिंग तिनियाली के निकट मंगलवार शाम एक वाहन तेज गति से आ रहे ट्रक से टकरा गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि ट्रक चालक नशे की हालत में था। (प्रेट्र)

बेटे की मौत की सूचना सुन महिला ने की खुदकुशी

तिरुअनंतपुरम : शहर के बाहरी इलाके नेदुमंगाड में सरकारी स्कूल में अध्यापिका बीजा बेगम ने बेटे की मौत की खबर सुनकर कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली। उसका बेटा ए. सजिन वायनाड में पशु चिकित्सा का छात्र था। मंगलवार शाम हादसे में उसकी मौत हो गई थी। (आइएएनएस)

देश को मिलेंगी 90 सुरक्षा परियोजनाएं, 12 को उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, जम्मू

परियोजनाओं में से 11 जम्मू कश्मीर में, 26 लद्दाख में व 36 अरुणाचल में

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह 12 सितंबर को जम्मू संभाग के सांबा जिले से 11 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में 2,941 करोड़ रुपये की लागत वाली सुरक्षा संबंधी बुनियादी ढांचे की 90 परियोजनाएं देश को समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं में 22 सड़कें, 63 पुल, अरुणाचल प्रदेश में नेचिफु टनल, दो एयरफील्ड व दो टनल शामिल हैं। इन परियोजनाओं को सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने रिकार्ड समय में पूरा किया है। इन परियोजनाओं में से 11 जम्मू कश्मीर में, 26 लद्दाख में और 36 अरुणाचल प्रदेश में हैं। इसके अलावा मिजोरम में पांच, हिमाचल प्रदेश में तीन, सिक्किम, उत्तराखंड व बंगाल में दो-दो व नगालैंड, राजस्थान, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में एक-एक है। इनमें सांबा में बिश्नाह-कौलपुर-फूलपुर सड़क पर देवक पुल का उद्घाटन और पूर्वी लद्दाख के न्योमा में लड़ाकू विमान उतारने के लिए एयरफील्ड के विस्तार का ई-शिलान्यास भी शामिल है। रक्षामंत्री बिश्नाह-कौलपुर-फूलपुर रोड पर 422.9 मीटर लंबे, क्लास 70 आरसीसी देवक पुल का उद्घाटन करेंगे। यह पुल सेना व सुरक्षाबलों की रणनीतिक जरूरतों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा। क्लास 70 होने के कारण इस पुल से सेना के बड़े टैंकों, वाहनों, भारी उपकरणों व मशीनों को जल्द से जल्द अग्रिम इलाकों तक पहुंचाना संभव होगा। सेना व सुरक्षाबलों की जरूरतों को पूरा करने के साथ ही यह पुल जम्मू के सीमांत क्षेत्रों के सामाजिक-आर्थिक विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं पूर्वी लद्दाख में न्योमा एयरफील्ड भी स्वदेश सेनाओं की रणनीतिक जरूरतों को पूरा करेगा। इस एयरफील्ड को 218 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा।

बाडी बैग खरीद घोटाले में मुंबई की पूर्व महापौर की गिरफ्तारी पर रोक

राज्य ब्यूरो, मुंबई : कोरोना काल में हुए बाडी बैग खरीद घोटाले में बांबे हाई कोर्ट ने मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडणेकर की गिरफ्तारी पर चार सप्ताह के लिए रोक लगा दी है। लेकिन, पूछताछ के लिए उन्हें 11, 13 और 16 सितंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक पूछताछ के लिए पुलिस के सामने हाजिर होने का निर्देश भी कोर्ट ने दिया है।

गौरतलब है कि भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कोरोना काल में बाडी बैग खरीद में हुए बड़े घोटाले की शिकायत दर्ज कराई है। आर्थिक अपराध शाखा इस मामले में किशोरी पेडणेकर से पूछताछ करना चाह रही है। किशोरी ने अपने वकील राहुल अरोटे के माध्यम से दायर अग्रिम जमानत की अर्जी में कहा था कि उन्हें इस मामले में एक साजिश के तहत फंसाया जा रहा है। उन्होंने किरीट सोमैया को आदतन शिकायतकर्ता भी बताया है। वह गिरफ्तारी के डर से पुलिस के सामने हाजिर होने से बच रही थीं। अब उनकी गिरफ्तारी पर चार सप्ताह की रोक लगाकर उन्हें पुलिस के सामने हाजिर होने के निर्देश कोर्ट ने दिए हैं।

हिमाचल, उत्तराखंड की औद्योगिक योजना के लिए अतिरिक्त कोष मंजूर

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए औद्योगिक विकास योजना-2017 के लिए 1,164.53 करोड़ रुपये के अतिरिक्त आवंटन को मंजूरी दी।

यह अतिरिक्त कोष वर्ष 2028-29 तक योजना के तहत प्रतिबद्ध देनदारियों को पूरा करने के लिए है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि इस योजना के तहत कुल वित्तीय परिव्यय 131.90 करोड़ रुपये है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस संबंध में फैसला किया गया। मंत्रिमंडल ने 2028-29 तक योजना के तहत प्रतिबद्ध देनदारियों को पूरा करने को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए केंद्रीय क्षेत्र औद्योगिक विकास योजना-2017 (आइडीएस-2017) को मंजूरी दे दी है। वर्ष 2028-2029 तक प्रतिबद्ध देनदारियों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त 1,164.53 करोड़ रुपये के कोष की आवश्यकता है। ठाकुर ने कहा कि योजना के तहत 774 इकाइयां पंजीकृत की गई और अतिरिक्त धनराशि उन्हें मिलेगी। सरकार इन दोनों राज्यों में निवेश के लिए कंपनियों को योजना के तहत प्रोत्साहन प्रदान करती है। इन प्रोत्साहनों में ऋण और बीमा तक पहुंच शामिल है।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के लिए आइडीएस-2017 का वित्तीय परिव्यय केवल 131.90 करोड़ रुपये था। यह 2021-2022 के दौरान जारी किया गया था। दोनों राज्यों में अतिवृष्टि व भूस्खलन के कारण भारी नुकसान हुआ है।

दोनों राज्यों में निवेश के लिए कंपनियों को योजना के तहत प्रोत्साहन दे रहा केंद्र

अनुराग ठाकुर। फाइल

नाबालिग खिलाड़ी से यौन उत्पीड़न मामले में छह अक्टूबर को फैसला

जासं, नई दिल्ली : भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ नाबालिग महिला खिलाड़ी की ओर से लगाए गए यौन शोषण मामले में फैसला आगामी छह अक्टूबर को आएगा।

पटियाला हाउस कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अभी निर्णय तैयार नहीं है। इसलिए, अब छह अक्टूबर को फैसला सुनाया जाएगा। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने कैंसिलेशन रिपोर्ट दाखिल की थी। नाबालिग पीड़िता और उसके पिता ने पुलिस की क्लोजर रिपोर्ट का विरोध नहीं किया था और अदालत में कहा था कि वह पुलिस की जांच से संतुष्ट हैं।

बजरंग के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई टली : पटियाला हाउस कोर्ट में कुश्ती कोच नरेश दहिया की ओर से पहलवान बजरंग पूनिया के खिलाफ दायर मानहानि मामले में सुनवाई टल गई। पूनिया ने बुखार से पीड़ित होने के आधार पर पेशी से छूट मांगी थी। अदालत ने पूनिया को पेशी से छूट देते हुए सुनवाई 14 सितंबर के लिए टाल दी।

21 हजार करोड़ के जीएसटी नोटिस को रद करने के आदेश पर रोक

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कर्नाटक हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसने एक आनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म से 21 हजार करोड़ रुपये की मांग करने वाले जीएसटी विभाग के नोटिस को रद कर दिया था।

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला व मनोज मिश्रा की पीठ ने जीएसटी खुफिया महानिदेशालय की याचिका पर नोटिस जारी किया और कर्नाटक स्थित आनलाइन गेमिंग प्लेटफार्म-गेम्सक्राफ्ट से जवाब मांगा। शीर्ष अदालत ने तीन सप्ताह बाद सूचीबद्ध किया। जीएसटी खुफिया महानिदेशालय ने हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें कहा गया कि 'रमी' चाहे दांव के साथ खेला जाए या दांव के बिना, यह जुआ नहीं है।

जानकारी के अभाव में देश में 50 प्रतिशत लोग झेलते हैं दवाओं के साइड इफेक्ट

हाल ही में एंटासिड डाइजीन जेल जैसे लोकप्रिय दवा के खिलाफ डीसीजीआइ ने एडवाइजरी अलर्ट जारी की है। साथ ही डाक्टरों से इसके होने वाले साइड इफेक्ट पर विशेष ध्यान रखने को कहा है। ऐसा पहली बार नहीं है। कुछ महीने पहले ही डब्ल्यूएचओ ने भारत में बने कई कफ सिरप को लाल झंडी दिखा दी थी। दवाओं के साइड इफेक्ट को लेकर सर्वे एजेंसी लोकल सर्किल ने राष्ट्रीय सर्वेक्षण के आधार पर चौंकाने वाली जानकारी दी है। इस सर्वेक्षण में शामिल 50 प्रतिशत से अधिक लोगों ने माना कि पिछले पांच वर्षों से दवा लेने के बाद उन्होंने ऐसे साइड इफेक्ट महसूस किए जिनकी जानकारी उन्हें डाक्टरों द्वारा नहीं दी गई थी। यह सर्वेक्षण भारत के 341 जिलों में किया गया।

दवाओं के साथ मिले दुष्प्रभावों की भी जानकारी

85% ने कहा अनिवार्य रूप से मिलना चाहिए दवाओं के साथ साइड इफेक्ट की भी जानकारी

11 प्रतिशत उपभोक्ताओं को लगा एक उपाय व्यावहारिक नहीं है

4 प्रतिशत ने महसूस किया कि इसकी आवश्यकता नहीं

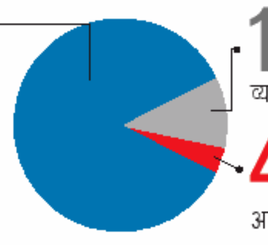

बिना जानकारी दवाओं के साइड इफेक्ट महसूस करने वाले लोगों की दर (पिछले पांच वर्षों में)

- **52** प्रतिशत उत्तरदाताओं ने ऐसे साइड इफेक्ट अनुभव किए
- **34** प्रतिशत ने कहा उन्होंने एक से दो बार ऐसे अनुभव हुए
- **6** प्रतिशत ने साझा किया कि उनके साथ ऐसी घटनाएं 10 से अधिक बार हुई हैं
- **3** प्रतिशत ने कहा 6-9 बार महसूस किए ऐसे साइड इफेक्ट
- **9** प्रतिशत ने 3-5 बार से ऐसे साइड इफेक्ट झेलने की बात स्वीकार की
- **30** प्रतिशत ने कहा उन्हें इस तरह के अनुभव से नहीं गुजरना पड़ा
- **18** प्रतिशत ने कहा वे इस मामले में अनिश्चित हैं

जागरण रिसर्च

'भारत-बांग्लादेश पर पड़ेगा चीन की मेगा बिजली परियोजना का दुष्प्रभाव'

ईटानगर, प्रेट्र: अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने बुधवार को तिब्बत में सियांग नदी पर चीन द्वारा प्रस्तावित जलविद्युत परियोजना को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में भारत और बांग्लादेश पर इस परियोजना का दुष्प्रभाव पड़ेगा। यह बात उन्होंने विधानसभा में शून्यकाल की चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायक लोम्बो तायेंग द्वारा सियांग घाटी में बार-बार आने वाली बाढ़ को प्राकृतिक आपदा घोषित किए जाने की मांग उठाए जाने पर कही।

मुख्यमंत्री खांडू ने कहा कि 14वीं पंचवर्षीय योजना के तहत चीन की तिब्बत में सांगपो नदी पर 60,000 मेगावाट का जलविद्युत संयंत्र बनाने की योजना है। कहा कि हम भविष्य में परियोजना के प्रभाव को लेकर चिंतित हैं।

पेमा खांडू ने कहा, केंद्र ने सियांग नदी पर बैराज बनाने का प्रस्ताव दिया है

इसी के तहत हाल ही में ब्रह्मपुत्र बोर्ड की उच्च स्तरीय बैठक बुलाई गई थी। केंद्र ने सियांग नदी पर बैराज बनाने का प्रस्ताव दिया है, जिससे चीनी गतिविधियों का नदी पर कोई प्रभाव न हो। वहीं उन्होंने कहा असम और अरुणाचल के बीच सीमा विवाद को लेकर समझौता ज्ञापन (एमओयू) को सही तरीके से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कांग्रेस सदस्य वांगलिन लोवांगडोंग के पूछे गए प्रश्न के लिखित जवाब में यह जानकारी दी है।

https://instadownload.app/ https://savefrom.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

20 लाख अफगान नागरिकों को उपलब्ध कराए जाने वाले भोजन की मात्रा में कटौती करने के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) को मजबूर होना पड़ा है। डब्ल्यूएफपी का कहना है कि वित्तीय संसाधनों की भारी कमी के कारण राहत खाद्य सामग्री का वितरण बंद हो जाएगा।

'आतंकियों को काली सूची में डालने से रोकना दोहरापन'

संयुक्त राष्ट्र में भारतीय प्रतिनिधि ने चीन-पाकिस्तान पर साधा निशाना

कहा, इससे सुरक्षा परिषद की कार्यप्रणाली व उसकी विश्वसनीयता हुई प्रभावित

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज। एएनआइ

संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र: भारत ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि साक्ष्यों के बावजूद वैश्विक आतंकियों को काली सूची में डालने के प्रस्तावों में अड़ंगा लगाना अनुचित है। भारतीय प्रतिनिधि ने चीन और पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि बिना कोई औचित्य बताए प्रस्ताव को रोकने से दोहरेपन की बू आती है। इससे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कार्यप्रणाली व उसकी विश्वसनीयता पर आंच आती है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने मंगलवार को सुरक्षा परिषद की खुली बहस में कहा कि वैश्विक आतंकियों को काली सूची में डालने से रोकना इस अंतरराष्ट्रीय संगठन की आतंकवाद की चुनौती से लड़ने की प्रतिबद्धता पर सवाल खड़े करते हैं। उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद की प्रतिबंध समितियों की कार्यप्रणाली पारदर्शी और सूची में नाम डालने और हटाने की कार्यवाही राजनीति से परे होनी चाहिए। भारतीय प्रतिनिधि की यह टिप्पणी चीन और उसके सदाबहार मित्र पाकिस्तान को लेकर थी। पाकिस्तान स्थित आतंकियों को काली सूची में डालने के भारत और उसके सहयोगियों के प्रस्ताव में चीन लगातार अड़ंगा डालता रहा है। इसका ताजा उदाहरण इस साल जून में भारत और अमेरिका द्वारा प्रस्तावित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी साजिद मीर को काली सूची में डालने से रोकना है। साजिद मीर की 26/11 के मुंबई आतंकी हमले में भूमिका को लेकर तलाश है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय अब महासभा में अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) की आड़ में छिप नहीं सकता है और न ही ऐसी प्रक्रिया में बयान जारी करके दिखावा जारी रख सकता है जिसमें कोई समय सीमा नहीं है, कोई पाठ नहीं है और प्राप्त करने के लिए कोई निर्धारित लक्ष्य नहीं है। उन्होंने कहा, कि अगर देश वास्तव में परिषद को अधिक जवाबदेह और अधिक विश्वसनीय बनाने में रुचि रखते हैं, तो हम उनसे खुलकर सामने आने और संयुक्त राष्ट्र में एकमात्र स्थापित प्रक्रिया के माध्यम से समयबद्ध तरीके से इस सुधार के लिए एक स्पष्ट मार्ग का समर्थन करने का आह्वान करते हैं, न कि एक-दूसरे पर बोलने या एक-दूसरे को अतीत की बातें बताते रहने के माध्यम से होना चाहिए, जैसा कि हमने पिछले तीन दशकों से देख रहे हैं।

सुरक्षा परिषद में सुधार को लेकर भारत ने उठाई आवाज

सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता को लेकर दावेदारी पेश करते हुए भारतीय प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा यूएन में सुधार की जरूरत है। इसमें भौगोलिक और विकासात्मक विविधता का बेहतर प्रतिबिंब दिखना चाहिए। कहा, आज एक ऐसे सुरक्षा परिषद की जरूरत है जिसमें विकासशील देशों और प्रतिनिधित्व से वंचित क्षेत्रों की आवाज सुनाई पड़े, जिसमें अफ्रीका, दक्षिण अमेरिका, विशाल एशिया का बहुमत और प्रशांत शामिल हो।

जापानी पीएम पर हमला मामले में आरोपित पर चलेगा हत्या के प्रयास का मुकदमा

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा। फाइल

टोक्यो, एपी: जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा पर अप्रैल में हुए हमले के मामले में बुधवार को 24 वर्षीय युवक पर अभियोजन पक्ष ने हत्या के प्रयास का आरोप लगाया गया है। कोर्ट ने मामले को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया है। हालांकि, अभी इसे लेकर कोई तारीख तय नहीं की गई है।

किशिदा पश्चिमी जापान के वाकायामा में एक चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे थे। उसी दौरान उनपर पाइप बम से हमला किया गया था। हमले में वह बाल-बाल बच गए थे। इस दौरान दो लोग घायल हुए थे। संदिग्ध रयुजी किमुरा को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया था। वाकायामा जिला अदालत की ओर से कहा गया है कि मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से संदिग्ध किमुरा पर हत्या के प्रयास सहित चार आरोप लगाए गए हैं। इसमें हथियार और विस्फोटक नियंत्रण कानून के उल्लंघन का मामला भी शामिल है। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि संदिग्ध ने प्रधानमंत्री की हत्या के उद्देश्य से यह हमला किया था। जांच में पाया गया कि किमुरा ने बम बनाने के लिए नवंबर में विस्फोटक खरीदे थे।

वैगनर समूह पर आतंकी संगठन के रूप में प्रतिबंध लगाएगा ब्रिटेन

लंदन, प्रेट्र: ब्रिटेन सरकार रूस के भाड़े के सैनिकों वाले वैगनर समूह पर आतंकवादी संगठन के रूप में प्रतिबंध लगाएगी। इसको लेकर हाउस आफ कामंस में निषेधाज्ञा आदेश का मसौदा पेश किया जाएगा। गृह मंत्रालय ने कहा कि प्रतिबंध आदेश से ब्रिटेन में रूसी समूह का सदस्य बनना या उसका समर्थन करना अवैध हो जाएगा। इस पर क्रेमलिन ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा है कि वैगनर समूह वैधानिक रूप से अस्तित्व में नहीं है। प्रस्तावित मसौदे के तहत ब्रिटेन में प्रतिबंधित आतंकी संगठनों से संबंधित कुछ अपराधों के लिए 14 साल की कैद हो सकती है। वैगनर समूह के सदस्यों की संपत्तियों को आतंकियों की संपत्ति घोषित करते हुए सीज कर लिया जाएगा। ब्रिटेन की गृह मंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने कहा कि वैगनर एक हिंसक और विनाशकारी संगठन है जिसने विदेश में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के एक सैन्य उपकरण के रूप में काम किया है। इसके यूक्रेन, मध्य एशिया और अफ्रीका के अभियान वैश्विक समुदाय के लिए खतरा है। उल्लेखनीय है कि वैगनर समूह के प्रमुख येवगेनी प्रिगोजिन के नेतृत्व में रूसी सैनिकों के विरुद्ध विद्रोह और उसके बाद हाल ही में प्रिगोजिन कथित हेलीकाप्टर हादसे में मौत हो गई। इस पर अमेरिका व पश्चिमी देशों ने पुतिन पर षड्यंत्र का आरोप लगाया।

- हाउस आफ कामंस में पेश किया जाएगा मसौदा, संगठन की संपत्तियां होंगी सीज
- रूस ने प्रतिक्रिया में कहा, वैगनर समूह वैधानिक रूप से अस्तित्व में नहीं

ब्लिंकन की यूक्रेन यात्रा के बीच रूस के हमले में 16 की मौत

कीव, रायटर: रूस ने बुधवार को भी यूक्रेन पर हमला जारी रखा। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की यात्रा के बीच पूर्वी यूक्रेन के कोस्टियानटिनिवका में कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक बच्चा भी शामिल है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने कहा, एक मार्केट पर घातक हमले में कई दुकानें व एक फार्मेसी नष्ट हो गई। उधर, डेन्यूब नदी के पास यूक्रेन के इजमाइल क्षेत्र में रूसी ड्रोन हमले में अनाज भंडारण केंद्रों को निशाना बनाया गया है। रूसी हमले में घायल लोगों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूसी हमले की निंदा की है।

पूर्वी यूक्रेन के कोस्टियानटिनिवका में बुधवार को रूसी हमले के बाद भवन में लगी आग को बुझाते अग्निशमनकर्मी। एपी

एक अरब डालर की सैन्य सहायता का एलान कर सकते हैं एंटनी

उम्मीद की जा रही है कि अमेरिकी विदेश मंत्री अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान जेलेंस्की से मुलाकात के समय एक अरब डालर की सैन्य सहायता की घोषणा कर सकते हैं। ब्लिंकन की यात्रा यूक्रेन को मजबूत अमेरिकी समर्थन के रूप में देखी जा रही है। उधर, यूक्रेन की संसद ने बुधवार को नए रक्षा मंत्री के रूप में रस्तेम उमरोव के नाम को मंजूरी दे दी।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से मिलते यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की। रायटर

पाकिस्तान और अफगान सैनिकों के बीच सीमा पर फायरिंग, बार्डर सील

पेशावर, प्रेट्र: अफगानिस्तान-पाकिस्तान के गार्डों के बीच बुधवार को सीमा पर फायरिंग की घटना सामने आई है। इसके बाद पाकिस्तान अथारिटी ने बार्डर के मुख्य आवाजाही वाले स्थानों को बंद कर दिया। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तोरखाम कस्बे में तैनात एक कर्मचारी नसुरुल्ला खान ने बताया कि दोनों देशों के गार्डों के बीच फायरिंग में किसी की जान नहीं गई है। अफगान तालिबान की ओर से आंतरिक सुरक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने भी सीमा पर दोनों ओर से फायरिंग की पुष्टि की है। दूसरी ओर, अफगानिस्तान सीमा के पास खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बुधवार को मोर्टार हमले में पांच लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक ही परिवार के चार बच्चे और महिला शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि दक्षिणी वजीरिस्तान के लड्ढा तहसील के शक्टोई शाहीखेल क्षेत्र में बुधवार को मोर्टार शेल एक घर पर आ गिरा। घटना में पांच लोगों की मौत के साथ ही इसमें रहने वाले दो लोग घायल भी हुए हैं।

चीनी नक्शे के विरोध में भारत को जापान का साथ

बीजिंग, प्रेट्र : चीन के नए मानचित्र के विरोध में भारत को जापान का मजबूत साथ मिला है। चीन के मानचित्र को लेकर फिलीपींस, मलेशिया, वियतनाम और ताइवान पहले ही विरोध जता चुके हैं। नए नक्शे में पूर्व चीन सागर में स्थित शेंकाकू द्वीप समूह को चीन का क्षेत्र बताया गया है जबकि वास्तव में वह जापान की सीमा के भीतर है। जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव हीरोकाजू मात्सुनो ने बताया है कि उनके देश ने कूटनीतिक माध्यम से इस हरकत के लिए चीन से कड़ा विरोध जता दिया है।

जापान ने चीन से कहा है कि वह अपने नक्शे में अविलंब सुधार करे जिससे एकतरफा दावे से पैदा हुई गलतफहमी दूर हो सके। मात्सुनो ने मीडिया को शेंकाकू द्वीप समूह की स्थिति और उसके जापान से जुड़ाव के संबंध में विस्तृत जानकारी दी है। चीन शेंकाकू द्वीप समूह को डायोयू द्वीप समूह कहता है। अपने नए नक्शे में उसने इसी नाम से इस समुद्री भूभाग का उल्लेख किया है। द्वीप समूह को लेकर जापान के विरोध को चीन ने खारिज कर दिया है। चीन के विदेश विभाग की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा है कि चीन ने अपने मानचित्र में उचित तरीके से उल्लेखित द्वीप समूह को शामिल किया है। इसलिए हम जापान के बयान को अस्वीकार करते हैं।

- अमेरिका भी बोला- दक्षिण चीन सागर पर ड्रैगन का दावा गैरकानूनी
- फिलीपींस, मलेशिया, वियतनाम और ताइवान भी जता चुके विरोध

जापान के मुख्य कैबिनेट सचिव हीरोकाजू मात्सुनो। फाइल/एपी

फिलीपींस, मलेशिया, वियतनाम और ताइवान ने भी किया विरोध: इससे पहले भारत ने चीन के नए मानचित्र को अस्वीकार करते हुए उसे अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता के उल्लंघन का प्रयास बताया था। बाद में फिलीपींस, मलेशिया, वियतनाम और ताइवान ने भारत का समर्थन करते हुए चीन के मानचित्र को अस्वीकार करने की घोषणा की थी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने चीन के नए नक्शे में अरुणाचल प्रदेश और अक्साई चिन दर्शाए जाने को आधारहीन कहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, इस तरह की असभ्य हरकत से किसी देश की जमीन चीन की नहीं हो जाएगी।

अमेरिका ने भी चीनी नक्शे को किया खारिज

अमेरिका ने भी चीन के नए मानचित्र को पूरी तरह से अस्वीकार कर दिया है। कहा है कि इसके जरिये चीन ने समुद्र पर गैरकानूनी तरीके से दावा पेश किया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रमुख उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि दक्षिण चीन सागर को लेकर चीन लगातार अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन कर रहा है। हाल में जारी किए मानचित्र में चीन ने पड़ोसी देशों की संप्रभुता के उल्लंघन का प्रयास किया है। (एएनआइ)

शीतयुद्ध की आहट से घबराया ड्रैगन

जकार्ता, रायटर : ड्रैगन को अब विश्व में शीतयुद्ध छिड़ने का भय सता रहा है। दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के संगठन आसियान के सम्मेलन में पहुंचे चीन के प्रधानमंत्री ली क्यांग ने शीतयुद्ध छिड़ने की आशंका को टालने की जरूरत बताई। इंडोनेशिया में उन्होंने यह स्थिति हिंद-प्रशांत महासागर क्षेत्र में बन रही टकराव की स्थिति के मद्देनजर कही। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद अमेरिका और सोवियत संघ के बीच कई दशकों तक शीतयुद्ध की स्थिति रही थी। उस दौरान दोनों देश समूह बनाकर एक-दूसरे को घेरने और नुकसान पहुंचाने का कोई मौका हाथ से नहीं जाने देते थे।

'हमें अपने मतभेदों व विवादों को उचित तरीके से सुलझाने की जरूरत है': आसियान देशों के साथ वार्षिक सम्मेलन में चीनी प्रधानमंत्री ने जापान और दक्षिण कोरिया की ओर इशारा करते हुए कहा, हमें अपने मतभेदों और विवादों को उचित तरीके से सुलझाने की जरूरत है। अगर हम इन मतभेदों और विवादों को लेकर किसी समूह के साथ जुड़ेंगे तो यह सामूहिक टकराव का रूप ले लेगा और विश्व में नया शीतयुद्ध शुरू हो जाएगा। ली ने यह बात तब कही है जब सम्मेलन में अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस, भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित जापान, दक्षिण कोरिया और आस्ट्रेलिया के नेता भाग ले रहे हैं। इन देशों से चीन का वैचारिक और नीतिगत टकराव चल रहा है। चीन षड्यंत्र के तहत इन सभी देशों को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। सम्मेलन में दक्षिण चीन सागर में चीन के बढ़ते दखल पर विशेष चर्चा होगी। सम्मेलन में अमेरिका की उप राष्ट्रपति हैरिस ने कहा, अमेरिका दक्षिण-पूर्व एशिया और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिति सामान्य रखने के लिए अपने प्रयास जारी रखने के लिए कृत संकल्पित है। वह अपना यह रुख बनाए रखेगा।

- चीनी पीएम क्यांग बोले, आपसी मतभेदों और विवादों को उचित ढंग से सुलझाएं पड़ोसी
- प्रधानमंत्री मोदी, उप राष्ट्रपति हैरिस सहित कई बड़े नेता आसियान सम्मेलन में भाग लेंगे

मिस्र में चार मंजिला इमारत ढही, हादसे में चार लोगों की मौत

काइरो, एपी: मिस्र की राजधानी में बुधवार को एक अपार्टमेंट की चार मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। बचाव दल मलबे में घायलों को खोज रहे हैं। काइरो के गवर्नर ने एक बयान में कहा कि इमारत ढहने की घटना शहर के केंद्र से लगभग दो मील (तकरीबन 3.2 किमी) दूर हदाक-अल-कुब्बा के निकट हुई। हादसे में कम से कम तीन लोग घायल हुए। हालांकि इमारत ढहने का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है।

मिस्र के लोक अभियोजक घटना की जांच कर रहे हैं। वहीं एक अन्य बयान में मिस्र के सामाजिक एकजुटता मंत्रालय ने कहा कि प्रत्येक मृतक के परिवार को 60 हजार मिस्र पाउंड (1941 डालर) प्रदान किए जाएंगे। मिस्र में इमारतों का ढहना आम बात है। गत जुलाई में हदाक-अल-कुब्बा क्षेत्र में पांच मंजिला इमारत के ढह जाने से कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई थी।

ब्राजील में तूफान से 27 की मौत, 1600 लोग बेघर

रियो डी जनेरियो, एपी: ब्राजील में आए उष्णकटिबंधीय चक्रवात के कारण 27 लोगों की मौत हो गई और 1600 लोग बेघर हो गए। चक्रवात के कारण दक्षिणी ब्राजील के कई शहरों में बाढ़ आ गई। बचाव दल राहत कार्य में जुटे हैं।

रियो ग्रांडे डो सुल के गवर्नर एडुआर्डो लेइट ने कहा कि इस आपदा के कारण देश में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई है। बचाव के प्रयास बुधवार को पश्चिम की ओर बढ़ाए गए और हेलीकाप्टर रियो पार्डो घाटी की ओर बढ़ गए। खोज एवं बचाव दल का ध्यान दक्षिणी राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे के उत्तर पश्चिम में स्थित तक्वारी घाटी पर केंद्रित है। यहां सबसे अधिक नुकसान हुआ है। राज्य के मध्य और दक्षिण क्षेत्र में और अधिक भारी बारिश की संभावना है। टीवी फुटेज में दिख रहा है कि नदियां अपने किनारों पर उफान पर हैं और परिवार घरों की छत पर चढ़कर मदद की गुहार लगा रहे हैं। लेइट ने बताया कि 50 हजार की आबादी वाले मौकम शहर के एक घर में 15 लोगों की मौत हो गई। कई पीड़ितों की करंट लगने से मौत हो गई।

विश्वभर में अगस्त महीने ने तोड़ा गर्मी का रिकार्ड

जिनेवा, एपी: वर्ष 2023 में अगस्त का तापमान अबतक का सर्वाधिक है। यह जुलाई के बाद लगातार दूसरा सबसे गर्म महीना रहा। सितंबर का दैनिक तापमान भी साल के इस समय में इससे पहले दर्ज तापमान से अधिक है। यह घोषणा वर्ल्ड मेट्रोलाजिकल आर्गेनाइजेशन और यूरोपियन क्लाइमेट सर्विस कोपरनिकस ने की है। कापरनिकस संस्थान से जुड़े कार्लो बूनटेम्पो ने कहा कि गर्मी के नए रिकार्ड और इसकी निरंतरता जलवायु प्रणाली के गर्म होने का स्पष्ट परिणाम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगस्त का महीना पूर्व औद्योगिक काल के औसत (13.5) से 1.5 डिग्री अधिक गर्म रहा है।

ब्रिटेन के बर्मिंघम ने खुद को दिवालिया घोषित किया

लंदन, प्रेट्र: ब्रिटेन के दूसरे सबसे बड़े शहर बर्मिंघम ने खुद को प्रभावी रूप से दिवालिया घोषित कर दिया है। इस घोषणा के बाद स्थानीय निकाय ने सिर्फ महत्वपूर्ण सेवाओं पर अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है।

लेबर पार्टी द्वारा संचालित बर्मिंघम सिटी काउंसिल की ओर से मंगलवार को धारा 114 नोटिस जारी कर कहा गया है कि कमजोर लोगों से संबंधित सेवा और वैधानिक सेवाओं को छोड़कर सभी नए खर्च बंद कर दिए जाएंगे। काउंसिल ने कहा कि गंभीर वित्तीय स्थिति पैदा हो गई है। समान वेतन देनदारी के लिए फंड देना होगा। उसके पास ऐसा करने के लिए संसाधन नहीं हैं। अधिकारी फियोना ग्रीनवे ने रिपोर्ट जारी करते हुए कहा है कि परिषद पहले से मौजूद खर्च नियंत्रण को और कड़े करेगी। परिषद के नेता जान काटन ने कहा कि बर्मिंघम सिटी काउंसिल को अभूतपूर्व वित्तीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। हमारे सामने आने वाली चुनौतियों के बावजूद हम उन मुख्य सेवाओं को प्राथमिकता देंगे जिन पर हमारे लोग भरोसा करते हैं।

चीन ने सरकारी अधिकारियों के आइफोन इस्तेमाल पर रोक लगाई

बीजिंग, रायटर: चीन ने सरकारी अफसरों को आदेश दिया है कि वे अपने कार्य में आइफोन या विदेशी ब्रांड के उपकरणों का उपयोग न करें। साथ ही कहा है कि वह इन्हें लेकर कार्यस्थल पर न आएं। हाल के हफ्तों में इसे लेकर वरिष्ठों की ओर से बैठकों और चैट ग्रुप में कर्मचारियों को ये निर्देश दिए जा रहे थे। एप्पल के उपयोग पर यह प्रतिबंध उस समय आया है, जब अगले हफ्ते कंपनी की ओर से एक कार्यक्रम आयोजित होना है। चीन और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच आया यह आदेश अन्य विदेशी कंपनियों की चिंता बढ़ा सकता है। हालांकि, इस आदेश में एप्पल छोड़कर किसी कंपनी का नाम सामने नहीं आया है। आदेश को लेकर एप्पल और चीन के स्टेट काउंसिल इन्फार्मेशन आफिस की ओर से अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

सूचना के सामने आने के बाद एप्पल का शेयर 1.5 प्रतिशत तक गिर गया था। पिछले एक दशक से चीन का प्रयास रहा है कि वह विदेशी तकनीक पर अपनी निर्भरता कम करे। वह लगातार अपने फर्मों से कहता आ रहा है कि वह स्थानीय स्तर पर विकसित साफ्टवेयर की मदद से कार्य करे। साथ ही स्थानीय सेमीकंडक्टर चिप को बढ़ावा दे।

चीन ने अमेरिका के साथ बढ़ते मतभेदों के बीच प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने के अपने अभियान में उद्यमों से महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए कहा है। आइफोन के उपयोग पर रोक के बाद विश्लेषकों का कहना है कि इस कदम से पता चलता है कि बीजिंग अमेरिकी प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता कम करने के प्रयास में किसी भी अमेरिकी कंपनी को बख्शने को तैयार नहीं है। यहां तक कि एप्पल भी अछूता नहीं है।

- कर्मचारियों को आदेश, इसका उपयोग अपने कार्यों में न करें
- कहा, कार्यस्थल पर लेकर न आएं विदेशी ब्रांड के उपकरण

ग्लेशियरों की मानिटरिंग

स्विट्जरलैंड के क्रान्स-मोंटाना में मोर्टे ग्लेशियर पर जलवायु परिवर्तन के कारण लगातार पिघल रही है। ग्लेशियर मानिटरिंग टीम के सदस्य नियमित रूप से इसकी मानटरिंग कर रहे हैं। मानटरिंग के प्रमुख मैथियास हस का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण यहां का तापमान बढ़ रहा है, जिससे ग्लेशियरों के पिघलने की दर भी बढ़ रही है। इसे रोकने के लिए उपाय भी किए जा रहे हैं। रायटर

अमेरिका में साढ़े 10 लाख भारतीय कर रहे ग्रीन कार्ड का इंतजार

वाशिंगटन, प्रेट्र: अमेरिका में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीयों को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 10.5 लाख से अधिक भारतीय रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड की प्रतीक्षा कर रहे हैं। कहा गया है कि अगर इंतजार की यही स्थिति रही तो इसमें से चार लाख लोग जीवनपर्यंत यह दस्तावेज हासिल नहीं कर पाएंगे।

अमेरिकी ग्रीन कार्ड को आधिकारिक रूप से स्थायी निवास कार्ड के रूप में जाना जाता है। यह प्रवासियों को जारी होने वाला ऐसा दस्तावेज है जो उन्हें अमेरिका में स्थायी रूप से रहने का अधिकार देता है। हर देश के नागरिकों के लिए ग्रीन कार्ड जारी करने की एक संख्या निर्धारित की गई है। कैटो इंस्टीट्यूट के अमेरिकी उदारवादी थिंक टैंक डेविड जे बीयर के अध्ययन के अनुसार, रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड की प्रतीक्षा सूची इस साल 18 लाख के नए रिकार्ड पर पहुंच गई। इसमें करीब 11 लाख (63 प्रतिशत) भारतीय और ढाई लाख (14 प्रतिशत) चीन के थे। ग्रीन कार्ड की लंबी प्रतीक्षा सूची का प्रारंभिक कारण लोग इसकी निर्धारित संख्या का कम होना मानते हैं। मौजूदा नियम के अनुसार, किसी भी देश को सात प्रतिशत से अधिक ग्रीन कार्ड जारी नहीं किया जा सकता। रिपोर्ट के अनुसार, करीब 11 लाख भारतीय आवेदकों की प्रतीक्षा सूची सिस्टम पर बोझ बन गई है। लंबी प्रतीक्षा सूची के चलते चार लाख भारतीयों की इस जन्म में ग्रीन कार्ड पाने की हसरत पूरी नहीं हो सकेगी।

- रिपोर्ट में दावा, इसमें से चार लाख लोग जीवनपर्यंत नहीं हासिल कर पाएंगे यह दस्तावेज

प्रतीकात्मक।

मोटे अनाज की खेती-खपत बढ़ाने में भारत की मदद करेगा नेपाल

सुपरफूड मिलेट से दुनिया को स्वस्थ खान-पान की राह दिखा रहा भारत

काठमांडू, प्रेट्र: नेपाल के कृषि और पशुधन मंत्री बेदूराम भुशाल ने कहा कि नेपाल मुख्य भोजन के रूप में उच्च पोषण वाले मोटे अनाज की खेती और खपत बढ़ाने में भारत का सहयोग करने के लिए तैयार है। इस दौरान उन्होंने मोटे अनाज को मुख्य भोजन के रूप में बढ़ावा देने से होने वाले स्वास्थ्य लाभों पर जोर दिया और इसके उच्च पोषण मूल्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने मोटा अनाज अभियान में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए भारत को बधाई भी दी।

बेदूराम भुशाल।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भुशाल ने बताया कि भारत की पहल पर संयुक्त राष्ट्र ने मोटे अनाज की खपत को बढ़ाने के लिए अभियान शुरू किया है। 2021 में भारत ने संयुक्त राष्ट्र को 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित करने का प्रस्ताव दिया था। प्रस्ताव को 72 देशों का समर्थन मिला और संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष घोषित कर दिया।

नई दिल्ली, नेशनल डेस्क

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर मोटा अनाज को हर घर की पसंद बनाने के लिए सरकार ने कमर कस ली है। ज्वार, बाजरा, रागी, सावां, कंगनी, चीना, कोदो, कुटकी और कुट्टू को मोटा अनाज कहा जाता है। गत वर्ष प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में मोटे अनाज की महत्ता से लोगों को अवगत कराया था। गत वर्ष 20 दिसंबर को संसद में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सांसदों और अन्य नेताओं के साथ मोटे अनाज का लंच किया था। इसके पूर्व 15 दिसंबर 2022 को विदेश मंत्री एस जयशंकर की ओर से आयोजित लंच में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस सहित यूएन सुरक्षा परिषद के सदस्यों को मोटे अनाज के लंच बाजरे की खिचड़ी, पकौड़े जैसे व्यंजन परोसे गए थे।

मोटा अनाज। फाइल

बाजरा : कम सिंचाई वाले इलाकों के लिए बाजरा की फसल वरदान है। प्रोटीन, फाइबर, अमीनो एसिड समेत कई न्यूट्रिएंट से भरपूर इस मिलेट से ब्रेड, दलिया, कुकीज समेत कई व्यंजन बनाए जाते हैं। बाजरे के फसल अवशेषों से जैव ईंधन बनाया जाता है।

रागी : रागी की फसल के लिए अधिक पानी की जरूरत नहीं पड़ती है। यह अनाज प्रोटीन, विटामिन, आयरन, कैल्शियम और विटामिन-बी जैसे गुणों से भरपूर होता है। इसके नियमित सेवन से डायबिटीज व ब्लडप्रेशर जैसी बीमारियों को नियंत्रित कर सकते हैं।

कंगनी : कंगनी को कई एशियाई देशों में उगाया जाता है। इस अनाज से दलिया से लेकर पुलाव जैसे कई व्यंजन बनाए जाते हैं। कम बारिश वाले इलाकों में उगने वाली कंगनी प्रोटीन, फाइबर, आयरन, पोटेशियम और मैग्नीशियम से भरपूर होती है।

सांवा : सांवा में मौजूद पोषक तत्व-फाइबर, प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और विटामिन-बी आदि शरीर को खास एनर्जी देते हैं। इसके नियमित सेवन से सूजन, हृदय रोग और मधुमेह का खतरा भी कम होता है।

चेना : चेना से भारत के साथ-साथ यूरोप, चीन और अमेरिका में इससे सूप, दलिया और नूडल बनाए जाते हैं। यह मिलेट मोटापे से बचाव करता है और कोलेस्ट्राल से मुक्त होता है। चेना प्रोटीन, फाइबर, विटामिन-बी, आयरन और जिंक समेत कई विटामिन और खनिजों का मुख्य स्रोत है।

कोदो : औषधीय गुणों से भरपूर कोदो के दानों में कैंसर, मधुमेह, पेट के रोग दूर करने की शक्ति है। इसमें मौजूद प्रोटीन, फाइबर व कार्बोहाइड्रेट स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं।

ज्वार : मिनरल, प्रोटीन, विटामिन-बी काम्प्लेक्स, कैल्शियम और आयरन समेत कई पोषक तत्वों से भरपूर ज्वार के दानों को लोग भूनकर खाते हैं। खांसी-जुकाम होने पर ज्वार के दानों को गुड़ में मिलाकर खाया जाता है।

कुटकी : कैंसर जैसी बीमारियों से लेकर डायबिटीज को कंट्रोल करने में कुटकी असरदार है। इसमें कार्बोहाइड्रेट व प्रोटीन की मात्रा भी अधिक होती है।

https://instadownload.app/ https://savefrom.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

> हमारा लक्ष्य हमेशा गेंदबाजी इकाई के रूप में एक दूसरे का समर्थन करने का होता है, इससे चीजें आसान हो जाती हैं। लाहौर की पिच ऐसी होती है जहां आपको तेजी से गेंद डालनी होती है और यही विकेट निकालने का एकमात्र तरीका है। तेज गेंदबाजी आक्रमण नई गेंद से अच्छी शुरुआत दिला रहा है जिससे मेरा मनोबल बढ़ा है। - **हारिस रऊफ, तेज गेंदबाज पाकिस्तान**

एक नजर में

भारतीय पुरुष टेटे टीम को कांस्य से करना पड़ा संतोष

प्योंगयांग: भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम एशियाई चैंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच सकी और उसे कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। अनुभवी अचंत शरत कमल और जी साथियान ऊंची रैंकिंग वाले प्रतिद्वंद्वियों से हार गए, जबकि हरमीत देसाई ने कुछ जुझारूपन दिखाया। शरत को 26वीं रैंकिंग वाले चुआंग चिन युआन ने 11-6, 11-6, 11-9 से हराया। वहीं, साथियान दुनिया के सातवें नंबर के खिलाड़ी लिन युन जू से 5-11, 6-11, 10-12 से हार गए। हरमीत को दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी काओ चेंग जुइ ने 11-6, 11-7, 7-11, 11-9 से हराया। (प्रेट्र)

सात्विक-चिराग हारे, चीन ओपन में चुनौती समाप्त

चांग्झू: सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के पहले दौर में हारने के साथ ही चीन ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। दूसरी रैंकिंग वाली भारतीय जोड़ी को दुनिया की 13वें नंबर की इंडोनेशियाई जोड़ी मोहम्मद शोहिबुल फिकरी और मौलाना बागास ने 21-17, 11-21, 21-17 से हराया। मिक्स्ड डबल्स में एन सिक्की रेड्डी और रोहन कपूर भी पहले दौर में मलेशिया के चेन तांग जी और तोह ई वेइ से 15-21, 16-21 से हार गए। भारत का कोई भी खिलाड़ी दूसरे दौर में नहीं पहुंच सका। एशियाई खेलों से ठीक पहले इस प्रदर्शन से सात्विक और चिराग को निराशा हुई होगी जिन्होंने इस साल में स्विस ओपन सुपर 300, कोरिया ओपन और इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया था। (प्रेट्र)

भारत में तीन स्पिनर नहीं उतार सकते : मुरलीधरन

मुंबई: श्रीलंका के पूर्व स्पिनर मुथैया मुरलीधरन का मानना है कि आगामी वनडे विश्व कप में भारत की अंतिम एकादश में दो स्पिनरों को रखना पर्याप्त होगा तथा वह जबरदस्ती तीसरे विशेषज्ञ स्पिनर को रखने के सख्त खिलाफ हैं। भारत ने विश्व कप की टीम में बाएं हाथ के तीन स्पिनर रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को रखा है। मुरलीधरन ने कहा, केवल विविधता की खातिर आप तीन स्पिनरों को नहीं खिला सकते हैं। आप केवल दो स्पिनरों को ही उतार सकते हैं। जडेजा आलराउंडर के रूप में खेलेगा और उनके साथ एक अन्य स्पिनर को रखा जाएगा। (प्रेट्र)

एशियाड में चुने खिलाड़ियों को रिलीज करने की अपील

नई दिल्ली : अखिल भारतीय फुटबाल महासंघ (एआइएफएफ) ने 10 इंडियन सुपर लीग फ्रेंचाइजी से अपील की है कि वे राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए आगामी एशियाई खेलों की टीम में चुने गए खिलाड़ियों को रिलीज करें। भारत की 22 सदस्यीय पुरुष टीम में बेंगलुरु एफसी के छह, मुंबई सिटी एफसी के तीन जबकि एफसी गोवा, मोहन बागान, ईस्ट बंगाल, ओडिशा एफसी, और केरल ब्लास्टर्स के दो-दो खिलाड़ी शामिल हैं। पंजाब एफसी, चेन्नईयिन एफसी और हैदराबाद के एक-एक खिलाड़ी को टीम में जगह मिली है। (प्रेट्र)

क्रिकेट विश्व कप प्रश्नोत्तरी पुस्तक का विमोचन

नई दिल्ली : पिछले 12 वनडे विश्वकप से जुड़े प्रश्न और उनके जवाब से संबंधित पुस्तक 'क्रिकेट विश्व कप प्रश्नोत्तरी' का बुधवार को यहां विमोचन किया गया। इस पुस्तक में 1975 से लेकर 2019 तक के वनडे विश्वकप से जुड़े कई रोचक सवाल और उनके जवाब दिए गए हैं। इस पुस्तक के लेखक हिंदी के मशहूर क्रिकेट लेखक और आंकड़ेबाज विकास लूथरा हैं। (प्रेट्र)

राहुल आए, कौन देगा बलिदान

कोलंबो में टीम से जुड़े केएल, पाक के विरुद्ध टीम बनाने में कप्तान रोहित को आएगा पसीना

एशिया कप
अभिषेक त्रिपाठी
कैंडी से

चोट के कारण लंबे समय से बाहर चल रहे विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल बुधवार को कोलंबो में भारतीय टीम के साथ जुड़ गए। उन्होंने बुधवार को जिम में एक्सरसाइज की। भारतीय क्रिकेट टीम ने राहुल का वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'मैदान में उतरने के लिए तैयार'। एशिया कप में भारत को अगला मैच सुपर-4 चरण में चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के विरुद्ध खेलना है। अब सवाल यह है कि राहुल के आने के बाद कौन बलिदान देगा। पाकिस्तान के विरुद्ध लीग मैच में कठिन समय में अर्धशतक जमाने वाले विकेटकीपर इशान किशन, चोट के बाद वापसी करने वाले श्रेयस अय्यर और नेपाल के विरुद्ध पिछले मैच में नाबाद अर्धशतक लगाने वाले ओपनर शुभमन गिल में से किसी एक की जगह अब खतरे में है क्योंकि पुराना रिकार्ड कहता है कि कोच राहुल द्रविड़ अपने नाम राशि खिलाड़ी को खिलाने के लिए कोई न कोई जगह निकाल ही लेते हैं।

कोच और कप्तान राहुल पर कितना भरोसा करते हैं ये किसी से छिपा नहीं है। टीम प्रबंधन को ऐसा लगता है कि वह मध्यक्रम पर भी खेल सकते हैं, ओपनिंग तो वह कर ही लेते हैं, साथ में विकेटकीपिंग भी करते हैं। चोटिल होने के बावजूद उन्हें एशिया कप की टीम में शामिल किया गया, जबकि कोच व कप्तान दोनों को ही पता था कि राहुल शुरुआती मुकाबले नहीं खेलेंगे। इतना ही नहीं, कर्नाटक के इस विकेटकीपर-बल्लेबाज को एक दिन पहले घोषित हुई विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। विकेटकीपर के तौर पर राहुल टीम प्रबंधन की पहली पसंद हैं। ऐसे में पाक के विरुद्ध पिछले मैच में 82 रनों की पारी खेलने वाले इशान किशन को बल्लेबाज के तौर पर खिलाया जा सकता है। अब अगर इशान और राहुल दोनों ही खेलते हैं तो फिर श्रेयस अय्यर को बाहर बिठाया जा सकता है। इस वर्ष आइपीएल के दौरान राहुल को हैमस्ट्रिंग हुई थी, जिसके बाद उन्हें चार महीने से अधिक समय तक मैदान से बाहर रहना पड़ा था। लंदन में उनका आपरेशन हुआ, जिसके बाद उन्होंने बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना रिहैबिलिटेशन से पहले कुछ समय आराम किया। एशिया कप की टीम चुने जाने से पहले राहुल नेट्स पर वापस आ गए थे और बल्लेबाजी अभ्यास कर रहे थे। हालांकि जिस दिन भारत को श्रीलंका में टूर्नामेंट के लिए रवाना होना था तो मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बताया कि राहुल अभी भी एनसीए में रहेंगे और मेडिकल टीम की मंजूरी के बाद ही वह श्रीलंका में भारत के साथ जुड़ेंगे।

अब राहुल टीम से जुड़ गए हैं और प्रशंसकों के साथ टीम को भी उनके बल्ले से रन निकलने की आशा होगी।

केएल राहुल • एक्स

जिम में कसरत करते राहुल • एक्स

बिन्नी और शुक्ला भारत लौटे

अमृतसर, प्रेट्र : बीसीसीआइ के अध्यक्ष रोजर बिन्नी और उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला बुधवार को पाकिस्तान का दो दिवसीय दौरा कर भारत लौट आए। वाघा-अटारी बार्डर से भारत पहुंचे राजीव शुक्ला ने कहा, हमारा दौरा काफी अच्छा रहा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट शुरू करने की मांग की, लेकिन इस पर निर्णय केंद्र सरकार को लेना है। बीसीसीआइ इस पर निर्णय नहीं कर सकता। यह सरकार से जुड़ा मसला है और उन्हें इस पर फैसला करना होगा। उम्मीद है ऐसा होगा क्योंकि वनडे विश्व कप होने वाला है और पाकिस्तान की टीम भारत में मैच खेलेगी।

100 लोगों की टीम पिच तैयार करने में जुटी

कोलंबो : अगले सप्ताह की भविष्यवाणी के बावजूद श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) के अधिकारी बुधवार को एशिया कप के सुपर चार मुकाबलों और फाइनल के लिए आर प्रेमदासा स्टेडियम को तैयार करने को लेकर आश्वस्त दिखे। कोलंबो में 10 सितंबर से सुपर-4 के मैच खेले जाएंगे, जबकि फाइनल 17 सितंबर को होगा। एसएलसी के राष्ट्रीय क्यूरेटर गोडफ्रे डाबरेरा ने कहा, 'हां, वर्षा की भविष्यवाणी है। आज सुबह भी यहां बारिश हुई और इसके आसपास के हिस्से थोड़े गीले हो गए। आउटफील्ड पर भी काफी मात्रा में पानी गिरा है। लेकिन हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और हमें समय पर मुकाबलों के लिए मैदान तैयार करने का भरोसा है।' गोडफ्रे ने भरोसा जताया कि उनकी टीम किसी भी मैदान पर स्थिति को संभाल सकती है। कोलंबो, पल्लेकेले व हंबनटोटा में बारिश हो रही है लेकिन हमने लगभग 100 लोगों की टीम बनाई है जो तीनों स्थलों पर पिच तैयार कर रहे हैं। हमें बताया गया है कि मैच यहीं होंगे इसलिए हम इसी के अनुसार तैयारी कर रहे हैं। लेकिन मैं कह सकता हूं कि अगर आवश्यकता पड़ी तो तीनों स्थल मुकाबलों की मेजबानी कर सकते हैं। गोडफ्रे ने कहा कि तैयारियों का जायजा लेने के लिए उन्होंने निजी तौर पर तीनों स्थलों का दौरा किया है।

कोलंबो का प्रेमदासा स्टेडियम • प्रेट्र

सुपर-4 के पहले मैच में पाक ने बांग्लादेश को सात विकेट से हराया

रऊफ-नसीम के आगे बांग्लादेश ढेर

लाहौर, प्रेट्र : बांग्लादेशी बल्लेबाजों के लिए हारिस रऊफ काफी तेज साबित हुए और नसीम शाह की स्विंग ने भी बांग्लादेशी बल्लेबाजों को खूब परेशान किया। परिणाम यह रहा कि एशिया कप सुपर-4 चरण के पहले मैच में बांग्लादेशी टीम बुधवार को 40 ओवर के भीतर केवल 193 रन पर ढेर हो गई। वहीं, पाकिस्तानी टीम ने इमाम उल हक (78) और मोहम्मद रिजवान (63) के अर्धशतकों से आसानी से लक्ष्य प्राप्त कर लिया। पाकिस्तान में एशिया कप का यह अंतिम मैच था। अब सभी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे।

कप्तान शाकिब (53) और पूर्व कप्तान मुशफिकुर रहीम (64) की अर्धशतकीय पारियों और पांचवें विकेट के लिए दोनों के बीच 100 रनों की साझेदारी के अलावा बांग्लादेश के लिए कुछ भी अच्छा नहीं रहा। पहले पावरप्ले में उसने 47 रन पर ही चार विकेट गंवा दिए और 30 से 37 ओवर में भी 47 रन के भीतर छह विकेट गंवाए। मैच में चार विकेट चटकाने वाले हारिस रऊफ के सामने अपनी तेजी से बांग्लादेशी बल्लेबाजों को डराया तो नसीम शाह ने तेजी के साथ विकेट के दोनों ओर स्विंग कराकर उनके पैर जमने ही नहीं दिए। नसीम ने दूसरे ही ओवर में पिछले मैच में शानदार शतक जड़ने वाले मेहदी हसन मिराज को शून्य पर आउट कर विरोधी टीम के लिए मुश्किलों की शुरुआत कर दी। मोहम्मद नईम और लिटन दास ने कुछ आकर्षक शाट जरूर लगाए, लेकिन गेंदबाजी में बदलाव के बाद रऊफ के आते ही गेंद ज्यादा तेजी से आने लगी। रऊफ की गेंद पर पुल मारने के चक्कर में नईम उन्हें ही आसान सा कैच दे बैठे। इसके बाद बल्लेबाजी पर आए तौहीद हृदोय अपना बल्ला जब तक नीचे लाते, रऊफ की दनदनाती गेंद स्टंप को उड़ा चुकी थी। इसके बाद शाकिब और मुशफिकुर ने अपना अनुभव दिखाया और संभलकर खेलते हुए टीम को आगे बढ़ाया। फहीम अशरफ के शाकिब को आउट करने के साथ ही बांग्लादेश ने अंतिम पांच विकेट सिर्फ 19 रन पर गंवा दिए।

विकेट लेने के बाद हारिस रऊफ • एएफपी

फ्लडलाइट 20 मिनट तक बंद रहने से पीसीबी की किरकिरी

मैच के दौरान एक फ्लडलाइट के खराब होने के कारण खेल लगभग 20 मिनट रुका रहा, जिससे पीसीबी की काफी किरकिरी हुई। ये घटना पाकिस्तानी पारी के पांचवें ओवर में हुई। बत्ती गुल होने के असल कारण का पता नहीं चल पाया लेकिन लगभग 20 मिनट तक फ्लडलाइट बंद रही। इस दौरान पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाजों इमाम उल हक और फखर जमां को अंपायरों से बात करते हुए देखा गया। फ्लडलाइट दोबारा जलने पर खिलाड़ी मैदान पर पहुंचे और मैच आगे बढ़ा।

मैच के दौरान बंद फ्लडलाइट • एक्स

स्कोर बोर्ड

बांग्लादेश : 193 (38.4 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
नईम का. एवं बो. रऊफ	20	25	4/0
मिराज का. जमां बो. नसीम	00	01	0/0
लिटन का. रिजवान बो. शाहीन	16	13	4/0
शाकिब का. जमां बो. अशरफ	53	57	7/0
तौहिद हृदोय बो. रऊफ	02	09	0/0
मुशफिकुर का. रिजवान बो. रऊफ	64	87	5/0
शमीम का. इमाम बो. इफ्तिखार	16	23	0/1
हुसैन का. फहीम बो. नसीम	12	11	0/1
अहमद का. रिजवान बो. रऊफ	00	01	0/0
शारिफुल इस्लाम बो. नसीम	01	03	0/0
हसन महमूद नाबाद	01	02	0/0

अतिरिक्त : (लेबा-5, वा-3) 08, कुल : 38.4 ओवर में 193 रन पर सभी आउट, विकेट पतन : 1-0 (मेहदी, 1.1), 2-31 (लिटन, 4.5), 3-45 (नईम, 7.3), 4-47 (तौहिद, 9.1), 5-147 (शाकिब, 29.1), 6-174 (शमीम, 34.4), 7-190 (मुशफिकुर, 37.2), 8-190 (तस्कीन, 37.3), 9-192 (अफीफ, 38.1)

गेंदबाजी : शाहीन अफरीदी 7-1-42-1, नसीम शाह 5.4-0-34-3, हारिस रऊफ 6-0-19-4, फहीम अशरफ 7-0-27-1, शादाब खान 7-0-35-0, आगा सलमान 1-0-11-0, इफ्तिखार अहमद 5-0-20-1

पाकिस्तान : 194/3 (39.3 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
फखर एलबीडब्ल्यू बो. शारिफुल	20	31	3/0
इमाम उल हक बो. मेहदी	78	84	5/4
बाबर आजम बो. तस्कीन	17	22	1/0
मोहम्मद रिजवान नाबाद	63	79	7/1
आगा सलमान नाबाद	12	21	1/0

अतिरिक्त : (लेबा-2, वा-2) 04, कुल : 39.3 ओवर में तीन विकेट पर 194 रन, विकेट पतन : 1-35 (जमां, 9.1), 2-74 (बाबर, 15.3), 3-159 (इमाम, 32.5), गेंदबाजी : तस्कीन अहमद 8-1-32-1, शारिफुल इस्लाम 8-1-24-1, हसन महमूद 7-0-46-0, मेहदी हसन मिराज 10-0-51-1, शाकिब अल हसन 5.3-0-31-0, शमीम हुसैन 1-0-8-0

स्ट्राइक रेट के मामले में मोहम्मद शमी से आगे कोई नहीं

वनडे विश्व कप 28 दिन शेष

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपने करियर में अब तक दो वनडे विश्व कप में हिस्सा लिया है, लेकिन बेहतर स्ट्राइक रेट के मामले में उनसे आगे दुनिया का कोई तेज गेंदबाज नहीं है। शमी इस मामले में सबसे आगे हैं और उनके करीब सक्रिय खिलाड़ियों में आस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क ही हैं।

वनडे विश्व कप में सबसे बेहतर गेंदबाजी स्ट्राइक रेट

गेंदबाज	देश	स्ट्राइक रेट	मैच	विकेट	ओवर	वर्ष
मोहम्मद शमी	भारत	18.6	11	31	96.1	2015-2019
मिशेल स्टार्क	आस्ट्रेलिया	19.1	18	49	156.1	2015-2019
मुस्तफिजुर रहमान	बांग्लादेश	21.6	8	20	72.1	2019
ब्रेट ली	आस्ट्रेलिया	23.5	17	35	137.3	2003-2011
लाकी फर्ग्यूसन	न्यूजीलैंड	23.9	9	21	83.4	2019

मोहम्मद शमी और स्टार्क के बीच रहेगी प्रतिस्पर्धा

मोहम्मद शमी और मिशेल स्टार्क दोनों ही इस वर्ष भारत में होने वाले विश्व कप के लिए अपनी-अपनी टीम में शामिल हैं और इन दोनों के बीच स्ट्राइक रेट के मामले में एक दूसरे को पीछे छोड़ने को लेकर प्रतिस्पर्धा रहेगी।

शमी के नाम है हैट्रिक लेने की उपलब्धि : मोहम्मद शमी चेतन शर्मा के बाद ऐसे दूसरे भारतीय गेंदबाज हैं जिन्होंने वनडे विश्व कप में हैट्रिक ली है। शमी ने 2019 विश्व कप में अफगानिस्तान के विरुद्ध ग्रुप चरण मैच में हैट्रिक ली थी और वह दुनिया के उन चुनिंदा गेंदबाजों में शामिल हो गए थे जिन्होंने इस वैश्विक टूर्नामेंट में यह उपलब्धि प्राप्त की है।

बीसीसीआइ अगले चरण में चार लाख टिकट जारी करेगा

नई दिल्ली, प्रेट्र: वनडे विश्व कप मुकाबलों के टिकटों की भारी मांग को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट के लगभग चार लाख टिकट जारी करेगा। बीसीसीआइ की ओर से बुधवार को यह जानकारी दी गई। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इन चार लाख टिकटों में भारत के मैचों के कितने प्रतिशत टिकट होंगे। बीसीसीआइ ने कहा, अधिक से अधिक प्रशंसकों तक टिकटों की पहुंच बनाने के लिए यह कदम उठाया जा रहा है। दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमी सबसे बड़ी क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए अपनी जगह पक्की कर सकते हैं। आठ सितंबर 2023 को रात आठ बजे से सभी मैचों के टिकटों की बिक्री शुरू होगी।

शुभमन और इशान वनडे में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर

- आइसीसी रैंकिंग में गिल तीसरे, किशन 24वें स्थान पर पहुंचे
- आलराउंडरों की सूची में हार्दिक पांड्या एकमात्र भारतीय

दुबई, प्रेट्र : भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और इशान किशन मौजूदा एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के बाद बुधवार को जारी आइसीसी वनडे रैंकिंग में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गए। गिल ने नेपाल के विरुद्ध सोमवार को अविजित 67 रन की पारी खेली थी, जिसके बाद वह 750 रेटिंग अंकों के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। दूसरी तरफ किशन ने 12 पायदान की लंबी छलांग लगाकर 624 रेटिंग अंकों के साथ 24वां स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने पाकिस्तान के विरुद्ध 82 रन की शानदार पारी खेली थी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 882 अंकों के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

गेंदबाजों में भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 652 रेटिंग अंकों के साथ आठवें स्थान पर हैं। वह भारत के सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले गेंदबाज हैं। उनके बाद कुलदीप यादव 12वें और जसप्रीत बुमराह 35वें स्थान पर हैं। गेंदबाजों की सूची में आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड शीर्ष पर हैं। आलराउंडरों की सूची में हार्दिक पांड्या शीर्ष-20 में शामिल एकमात्र भारतीय हैं। वह 220 रेटिंग अंकों के साथ दसवें स्थान पर हैं। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन इस सूची में शीर्ष पर काबिज हैं।

चोटिल कमिंस, मैक्सवेल आस्ट्रेलियाई टीम में

क्रिकेट डायरी

मेलबर्न, प्रेट्र: पैट कमिंस, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क और ग्लेन मैक्सवेल को चोट के बावजूद वनडे विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। इनके अलावा तेज गेंदबाजी आलराउंडर सीन एबट को भी टीम में जगह दी गई है। कमिंस और स्मिथ जहां कलाई में चोट से उबर रहे हैं, वहीं स्टार्क को ग्रोइन इंजुरी है व मैक्सवेल को टखने में चोट लगी है। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध गुरुवार से शुरू हो रही वनडे सीरीज के लिए कमिंस को आस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है, लेकिन उनका खेलना फिलहाल संदिग्ध है।

आस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जार्ज बेली ने बुधवार को कहा, आने वाले एक-दो सप्ताह में ये सभी खिलाड़ी फिट हो जाएंगे और विश्व कप से पहले भारत के विरुद्ध आगामी सीरीज में उपलब्ध रहेंगे। विश्व कप से पहले टीम को कुल आठ वनडे मैच खेलने हैं। अंतिम टीम की घोषणा से पहले अभी हमारे पास समय है।

पैट कमिंस •

पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर सेनानायके मैच फिक्सिंग में गिरफ्तार

कोलंबो : श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर सचित्रा सेनानायके को बुधवार को मैच फिक्सिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। खेल की भ्रष्टाचार जांच इकाई ने उन्हें गिरफ्तार किया जब सुबह उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया। तीन सप्ताह पहले अदालत ने उनके विदेश जाने पर रोक लगा दी थी। सेनानायके पर लंका प्रीमियर लीग 2020 के मैचों में फिक्सिंग का आरोप है जिसमें उन्होंने कथित तौर पर दो खिलाड़ियों को मैच फिक्स करने के लिये उकसाया।

भारतीय ओलिंपिक संघ ने चारों दल उप प्रमुखों को बदला

एशियन गेम्स

नई दिल्ली, प्रेट्र : भारतीय ओलिंपिक संघ ने हांगझू एशियाई खेलों के लिए नरिंदर बत्रा की अध्यक्षता वाले पूर्व आइओए द्वारा नियुक्त दल उप प्रमुखों की जगह दूसरे पदाधिकारी नियुक्त कर दिए हैं।

भारतीय वुशू संघ के अध्यक्ष भूपेंदर सिंह बाजवा को हालांकि दल प्रमुख बरकरार रखा गया है जिनकी नियुक्ति भी जनवरी 2022 में बत्रा ने की थी। बत्रा ने अजय कुमार सिंघानिया (महासचिव, भारतीय बैडमिंटन संघ), स्वप्ना बनर्जी (अध्यक्ष, बंगाल ओलिंपिक संघ), गुरूदत्त भाटका (महासचिव, गोवा ओलिंपिक संघ) और हरिओम कौशिक (कार्यकारी बोर्ड सदस्य, नेटबाल महासंघ) को उप दल प्रमुख बनाया था। 23 सितंबर से शुरू होने वाले खेलों में रविंदर चौधरी (महासचिव, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ), राष्ट्रमंडल खेल स्वर्ण पदक विजेता तीरंदाज डोला बनर्जी, एमएम सोमैया (पूर्व हाकी खिलाड़ी) और पी रामचंद्रन (पूर्व फर्राटा धावक) को नियुक्त किया है। बत्रा ने कहा कि आइओए को बदलाव करने का अधिकार है। उन्होंने कहा, 'नए पदाधिकारियों को यह फैसला लेने का अधिकार है। इसमें कोई दिक्कत नहीं है।' भारत का अब तक का सबसे बड़ा 634 सदस्यीय दल एशियाड मे भाग लेगा।

सुखजीत की नजरें ओलिंपिक कोटा दिलाने पर

नई दिल्ली, प्रेट्र : आगामी एशियाई खेल भारतीय पुरुष हाकी टीम के सुखजीत सिंह का पहला बहु खेल आयोजन होगा और इस युवा स्ट्राइकर का लक्ष्य भारत को महाद्वीपीय खिताब जीतने में मदद करके अगले साल के पेरिस ओलिंपिक के लिए सीधे कोटा हासिल करना है। एशियाई खेलों के विजेता को पेरिस के लिए सीधे क्वालीफिकेशन मिलेगा। सुखजीत ने कहा, 'हमारा लक्ष्य केवल स्वर्ण पदक पर है। हम जानते हैं कि यहां क्या दांव पर लगा है और हम किसी चीज को हल्के में नहीं लेंगे।

तूर को स्वर्ण के बचाव का भरोसा

नई दिल्ली, प्रेट्र : एथलेटिक्स की व्यक्तिगत स्पर्धा में एकमात्र एशियाई रिकार्डधारक तेजिंदरपाल सिंह तूर का कहना है कि जुलाई में लगी ग्रोइन की चोट के बाद वह पूरी तरह फिट होने के करीब हैं और उन्हें उम्मीद है कि वह एशियाई खेलों में गोला फेंक के अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने में सफल रहेंगे। तूर ने कहा, 'मैं एशियाई खेलों के लिए तैयार हूं और मुझे विश्वास है कि मैं 2018 खेलों में जीते गए स्वर्ण पदक का बचाव करूंगा। मैं 95 प्रतिशत फिट हूं। मैं एशियाई खेल शुरू होने तक शत प्रतिशत फिटनेस हासिल कर लूंगा।'

गुकेश तीसरे स्थान पर खिसके, आर प्रगनानंद की दूसरी हार

कोलकाता, प्रेट्र : भारतीय खिलाड़ियों के लिए बुधवार को यहां टाटा स्टील शतरंज इंडिया में निराशाजनक दिन रहा जब रेपिड ओपन वर्ग में शीर्ष पर चल रहे डी गुकेश का अजेय अभियान थम गया और वह हमवतन विदित गुजराती के खिलाफ शिकस्त से तीसरे स्थान पर खिसक गए। वहीं, युवा खिलाड़ी आर प्रगनानंद को रेपिड वर्ग में एक और हार का सामना करना पड़ा। रेपिड वर्ग के अंतिम दिन अब तीन दौर के मुकाबले और खेले जाने बाकी है। दूसरे दिन के खेल के बाद कोई भारतीय खिलाड़ी शीर्ष पर नहीं है।

गुकेश, प्रगनानंद और गुजराती तीनों एकल बढ़त बनाने वाले फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव से डेढ़ अंक पीछे हैं। विश्व ब्लिट्ज चैंपियन 2021 वाचियेर लाग्रेव 4.5 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। विश्व कप 2019 विजेता अजरबेजान के तैमूर रादजाबोव के चार अंक हैं। वाचियेर लाग्रेव ने चौथे दौर में जर्मनी के 18 साल के विन्सेंट केमर को हराया, जबकि अगले दौर में गुकेश से ड्रा खेला। उन्होंने दिन का अंत विश्व रेपिड चैंपियन 2021 उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसतारोव के खिलाफ जीत के साथ किया। विश्व कप के रजत पदक विजेता प्रगनानंद को अपनी दूसरी हार का सामना करना पड़ा। उन्हें पांचवें दौर में पी हरिकृष्णा ने हराया। प्रगनानंद ने दिन की शुरुआत नोदिरबेक के खिलाफ जीत के साथ की थी। दिन की अंतिम बाजी में उन्होंने एलेक्जेंडर ग्रिश्चुक से ड्रा खेला।

भारतीय फुटबाल टीम के सामने इराक की चुनौती

चिआंग मई, प्रेट्र : भारत दो महीने के बाद गुरुवार को चार टीम के किंग्स कप फुटबाल टूर्नामेंट में जब अपने से बेहतर रैंकिंग वाले इराक से भिड़ेगा तो उसे अपने करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री की कमी खलेगी। इंटरकांटिनेंटल कप और सैफ चैंपियनशिप में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाने वाले छेत्री ने अपने बेटे के जन्म के बाद पत्नी के साथ समय बिताने के लिए ब्रेक लिया है। मार्च में इम्फाल में तीन देशों के टूर्नामेंट सहित खिताबी हैट्रिक के बाद इगोर स्टिमक की टीम इस टूर्नामेंट में उतर रही है। फीफा रैंकिंग में भारत से 29 स्थान बेहतर इराक ने हाल में अरेबियन गल्फ कप का खिताब जीता और वह चार देशों के टूर्नामेंट में खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगा।

जोकोविक 13वीं बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे

जाकोविक • एपी

न्यूयार्क, एपी : सर्बिया के नोवाक जोकोविक ने गर्मी से पार पाते हुए अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज को 6-1, 6-4, 6-4 से हराकर 13वीं बार वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस तरह यहां क्वार्टर फाइनल में सर्बियाई खिलाड़ी का रिकार्ड 13-0 का हो गया है। जोकोविक का सामना अब बेन शेल्टन से होगा।

आर्थर एस स्टेडियम में 34 डिग्री तापमान में चुनौती पेश कर रहे जोकोविक फ्रिट्ज के विरुद्ध अपना रिकार्ड बरकरार रखने में सफल रहे। जोकोविक का इस अमेरिकी खिलाड़ी के विरुद्ध रिकार्ड 8-0 का हो गया है। विश्व में नौवें स्थान पर मौजूद फ्रिट्ज सिर्फ एक बार सर्विस गंवाकर यूएस ओपन के अपने पहले क्वार्टर फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन जोकोविक ने इस मैच में छह बार उनकी सर्विस तोड़ी। जोकोविक इस तरह 47वीं बार ग्रैंडस्लैम के अंतिम चार में पहुंचने में सफल रहे और उन्होंने रोजर फेडरर को पीछे छोड़ा जो 46 बार ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। वहीं, अमेरिका के शेल्टन ने फ्रांसिस टियाफो को 6-2, 3-6, 7-6, 6-2 से हराया।

गोल्फ में दम दिखाएंगे नोवाक

नोवाक जोकोविक टेनिस के बाद अब गोल्फ में भी हाथ आजमाने जा रहे हैं। वह आगामी राइडर कप से पहले आल-स्टार मुकाबले में गोल्फ खेलते नजर आएंगे। राइडर कप यूरोप द्वारा 27 सितंबर को आयोजित प्रतियोगिता में जोकोविक के साथ फार्मूला वन चालक कार्लोस सैन्ज, फुटबाल खिलाड़ी गैरेथ बेल और एंड्री शेवचेंको भी भाग लेंगे। जोकोविक ने कहा, 'मैं रोम में खेलने और राइडर कप के माहौल का अनुभव करने के लिए उत्सुक हूं।'

बोपन्ना-एबडेन आगे बढ़े

न्यूयार्क, प्रेट्र : भारत के रोहन बोपन्ना और आस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन की जोड़ी ने पहले सेट में सात सेट प्वाइंट बचाते हुए नाथनिएल लैमोंस और जैकसन विथ्रो को हराकर पुरुष डबल्स सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। उन्होंने अमेरिकी जोड़ी को 7-6, 6-1 से हराया। 43 वर्ष के बोपन्ना के पास अपने करियर में दूसरी बार इस वर्ग के फाइनल में जगह बनाने का मौका है। वह 2010 में यूएस ओपन फाइनल में पहुंचे थे। अब उनका सामना फ्रांस के पियरे हुगुएस हर्बर्ट और निकोलस माहुत से होगा जिन्होंने अमेरिका के राबर्ट गालोवे और अलबानो ओलिवेट्टी को हराया।

https://instadownload.app/ https://saveig.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

दैनिक जागरण
सप्तरंग
तकनीक की दुनिया का
गुरुवार, 7 सितंबर, 2023

तकनीकी सहभागिता से समृद्धि की राह

जी-20 समूह के देश अपनी तकनीकी उपलब्धियों से पूरी दुनिया को दिशा दे रहे हैं। अकेले भारत की बात करें, तो डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआइ) के मामले में अग्रणी है। आधार, यूपीआइ जैसे डीपीआइ के जरिये भारत ने पब्लिक गवर्नेंस और सर्विस डिलिवरी का एक व्यापक ढांचा खड़ा कर दिया है, जो अन्य देशों के लिए मिसाल है। भारत ने वन फ्यूचर एलायंस (ओएफए) का विचार दिया है, जिसके तहत समान विचार वाले देश तकनीकों की मदद से आमजन के जीवन में परिवर्तन ला सकते हैं।

वर्चुअल डिजिटल लैब और लाइब्रेरी

सदस्य देशों के बीच शोध एवं विकास कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से साझा बी20 (बिजनेस-20) इंडिया टास्क फोर्स ने वर्चुअल डिजिटल लैब एवं लाइब्रेरी के गठन का सुझाव दिया है। इस प्लेटफार्म से साझा तौर पर चुनौतियों का समाधान किया जा सकेगा।

सभी के लिए इंटरनेट : बी-20 टास्क फोर्स ने डिजिटल टेक्नोलाजी के अलावा, डीप और एमर्जिंग टेक, ग्रीन टेक्नोलाजी के आपसी सहयोग से विस्तार का प्रस्ताव दिया है। सूचनाओं के आदान-प्रदान को सहज बनाने के उद्देश्य से 'इंटरनेट फार आल' की कवायद चल रही है।

इन दिनों

वेब 3 नए दौर का इंटरनेट

नैस्काम की एक रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका और चीन के बाद भारत के पास वेब3 का सबसे बड़ा टैलेंट पूल है। वेब3 जैसी तकनीक डिजिटल परिदृश्य में तीव्र बदलाव के साथ नवाचार को गति दे सकती है। इसके अनुप्रयोगों के बारे में बता रहे हैं ब्रह्मानंद मिश्र...

वेब3 में एप अधिक स्मार्ट और यूजर के लिए सुविधाजनक होंगे ● फोटो : फ्रीपिक

वर्ल्ड वाइड वेब यानी इंटरनेट, जिसने हमें न केवल जानकारियों और सूचनाओं के अथाह संसार से जोड़ा, बल्कि लर्निंग, शापिंग, एंटरटेनमेंट से लेकर पेशेवर कार्यों को इतना सहज और सुगम बना दिया, जो कल्पना से परे था। वेब3 के रूप में इंटरनेट एक बार फिर बड़े परिवर्तन का रुख कर रहा है। यह एक ऐसा बदलाव है, जहां कोई सेंट्रलाइज (केंद्रीकृत) सिस्टम यानी कोई नियंत्रक नहीं है, यूजर का ही अपने डाटा पर पूर्ण नियंत्रण है। यहां इंसान के साथ कंप्यूटर का जुड़ाव और कम्युनिकेशन का पूरा का पूरा तरीका बदल रहा है।

क्या है वेब3 : वेब3 इंटरनेट पर मौजूद एक ऐसा बगीचा है, जहां हर कोई अपना पौधा रोप और उसकी निगरानी कर सकता है। गार्डनिंग टूल्स की तरह वेब3 पर आपके लिए स्पेशल टूल्स का सेट मौजूद है। हालांकि, वेब3 अपने विकास के अभी आरंभिक चरण में है। इस डिसेंट्रलाइज (विकेंद्रीकृत) सिस्टम को विविध स्तरों पर अभी अपनाया जाना बाकी है। इसका बड़े पैमाने पर वित्त, स्वास्थ्य देखभाल, सप्लाई चेन मैनेजमेंट, डिजिटल कंटेंट तैयार करने और ई-गवर्नेंस जैसे अनेक कार्यों में अनुप्रयोग किया जा सकता है।

वेब3 के मुख्य फीचर : डिसेंट्रलाइज कांसेप्ट पर आधारित ब्लाकचेन का दुनियाभर में बड़े स्तर पर प्रयोग शुरू हो चुका है। अन्य तकनीकों का विकास अभी शुरुआती चरण में है।

डिसेंट्रलाइज और ब्लाकचेन तकनीक : ब्लाकचेन तकनीक पारदर्शी और किसी तरह की सेंधमारी से मुक्त है। डिसेंट्रलाइज सिस्टम होने से डाटा और एप्लीकेशन किसी सिंगल सिस्टम द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता है। दुनियाभर में ब्लाकचेन तकनीक आधारित डिजिटल करेंसी प्रोजेक्ट पर काम हो रहा है। डी-एप्स को इसी आधार पर विकसित किया जा रहा है, जो सिंगल सर्वर के बजाय कंप्यूटरों के एक नेटवर्क द्वारा मेंटेन किया जाता है। डिसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस (डेफी) यूजर को निवेश और बचत की सुविधा दे रहा है। यह पारंपरिक वित्तीय संस्थानों के नियंत्रण से भी मुक्त व्यवस्था है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग : वेब3 के दौर में एआइ जटिल समस्याओं को बेहतर व सहज ढंग से सुलझाने में सक्षम होगा। मेटावर्स तकनीक का विकास इसी दिशा में प्रयास है। साथ ही, भविष्य में इंटेलिजेंट चैटबाट एक साथ और अधिक एक्यूरेसी से कस्टमर सपोर्ट को संभव बना सकते हैं।

वेब3 के कुछ उदाहरण : वर्तमान में अधिकांश वेब3 एप क्रिप्टोकरेंसी और फाइनेंस से संबंधित हैं। भविष्य में सभी प्रकार के एप इससे स्मार्ट और यूजर केंद्रित बनाए जा सकेंगे।

वेब1 से वेब3 तक

वेब1 टेक्स्ट आधारित व्यवस्था थी, जहां आप केवल जानकारी प्राप्त कर सकते थे, इसमें स्टेटिक टेक्स्ट और इमेज होते थे। वहीं वेब2 ने सहभागिता का विकल्प दिया, जो इंटरैक्शन और इंटरनेट मीडिया के रूप में सामने आया। अब वेब3 ओपन, डिसेंट्रलाइज और इमर्सिव वेब के रूप में सामने आ रहा है। ओपन सिस्टम यानी ब्लाकचेन टेक्नोलाजी और मेटावर्स जैसे इमर्सिव अनुभव अब वेब3 के कारण संभव हो रहे हैं।

चुनौतियां व खतरे भी

- सेंट्रलाइज सिस्टम नहीं होने से वेब3 यूजर के लिए जोखिम भरा हो सकता है। क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज एफटीएक्स का पतन इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।
- डिसेंट्रलाइजेशन के कारण वर्चुअली वेब3 का नियमन असंभव है।
- डाटा मैनिपुलेशन और गलत जानकारियों जैसी साइबर सुरक्षा से जुड़ी बिल्कुल नई चुनौतियां आ सकती हैं।

- ब्लाकचेन तकनीक पर निर्भरता के चलते ऊर्जा संसाधनों का दोहन बढ़ेगा।

वर्ग पहेली – 2393

बाएं से दाएं
1. दोष, जुर्म, पाप (4)। 3. दयालु (4)। 5. आनंदित होना, प्रसन्न होना (4)। 7. रग, नब्ज, नाड़ी (2)। 9. सहन करना (3)। 11. ढहे हुए मकान आदि का अवशेष आदि (3)। 12. भूचाल (3)। 13. तैयार करना, सृजन करना (3)। 15. प्रतिष्ठा, नासिका (2)। 18. मृत और घायल (4)। 19. गायब, लुप्त (4)। 20. लड़ने वाली स्त्री (4)।

ऊपर से नीचे
1. बेईज्जती, तिरस्कार (4)। 2. पृथ्वी, जमीन (3)। 3. अक्षय कुमार की एक फिल्म है – दे ... दन (2)। 4. इनकार कर देना, मना करना (4)। 6. अनुभवी तथा बुद्धिमान (3)। 8. किसी चीज का गुण-दोष जानना (4)। 10. निगल जाना (4)। 13. धातु या मिट्टी का बना पात्र (4)। 14. जिसे चुकाना हो (3)। 16. कतरने से बने टुकड़े (4)। 17. धूप में ..... भी सोना लगता है (3)। 18. सीमा, लक्ष्मण रेखा (2)।

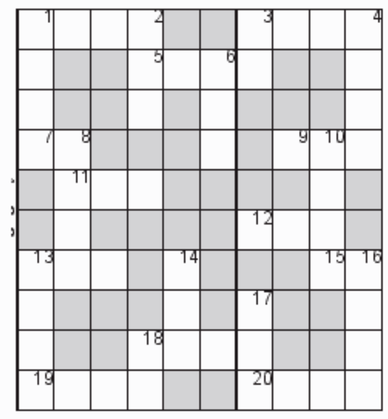

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

	वि	रा	ग			आ	चा	र	
उ			ल			त्म			या
पे			ती	र	दा	ज			च
क्षा	रि	का		ग			म	जा	क
		दं		रं	गि	स्ता	न		
		ब	न	ज	ना		चा		
श	ह	री			चु		हां	कि	म
ह			हे	म	ना	म			यू
द			वे			हं			र
	प	हे	ली			त	र	स	

जागरण सुडोकू – 2393

1		2		9		3		4
	4	9			6			
	8		4		7		2	1
4			7			6		8
	6	3			9		4	
7				4				9
	2		5				9	
5		4		6		1	7	2
9			3		4		5	

कल का हल

6	9	5	4	2	1	3	8	7
1	2	8	7	3	9	4	6	5
7	3	4	6	8	5	2	1	9
3	5	2	8	7	6	9	4	1
4	7	9	3	1	2	8	5	6
8	6	1	9	5	4	7	3	2
2	4	7	1	6	8	5	9	3
5	8	6	2	9	3	1	7	4
9	1	3	5	4	7	6	2	8

आज का भविष्यफल – 07 सितंबर, 2023 गुरुवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष अष्टमी।
आज का राहुकाल : दोपहर 01:30 बजे से 03:00 बजे तक।
आज का दिशाशूल : दक्षिण। आज का पर्व एवं त्योहार : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (वैष्णव)।

कल 08 सितंबर 2023 का पंचांग
कल का दिशाशूल : पूर्व।
कल का पर्व एवं त्योहार : गोगा नवमी।
विक्रम संवत 2080 शके 1945 दक्षिणायण, उत्तरगोल, वर्षा ऋतु भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष की नवमी तत्पश्चात् दशमी मृगसिरा नक्षत्र तत्पश्चात् आर्द्रा नक्षत्र सिद्धि योग तत्पश्चात् व्यतिपात योग मिथुन में चंद्रमा।

- मेष : किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।
- वृष : व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि लेंगे।
- मिथुन : जीविका के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- कर्क : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक मामलों में जोखिम न उठाएं।
- सिंह : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
- कन्या : महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
- तुला : समस्या का समाधान होगा। यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।
- वृश्चिक : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। भागदौड़ रहेगी।
- धनु : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। उत्सव में हिस्सेदारी रहेगी।
- मकर : दांपत्य जीवन में तनाव आ सकता है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
- कुंभ : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
- मीन : तनाव मिल सकता है। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा।

सबसे बड़े टेक शो में दिखे अनोखे गैजेट्स

आइएफए 2023

आइएफए (इंटरनेशनल फनकास्टेलुंग) 2023 इलेक्ट्रानिक्स और होम अप्लायंसेज टेक शो का आयोजन एक से पांच सितंबर के बीच जर्मनी के बर्लिन शहर में किया गया। इस इवेंट में दुनिया की कई बड़ी कंपनियों ने अपने अनोखे प्रोडक्ट को शोकेस किया। आइए जानते हैं इस टेक शो में प्रदर्शित कुछ विशेष प्रोडक्ट के बारे में...

इंटरनेशनल फनकास्टेलुंग (आइएफए) यूरोप का सबसे बड़ा टेक शो माना जाता है। इसमें दुनिया की बड़ी-बड़ी टेक कंपनियां लेटेस्ट और कांसेप्ट प्रोडक्ट को प्रदर्शित करती हैं। इस बार भी इवेंट में ऐसे कई प्रोडक्ट पेश किए गए जो अनूठे हैं।

लेनोवो लीजन 9आइ गेमिंग लैपटाप

लेनोवो ने अपना नया लैपटाप लेनोवो लीजन 9आइ लांच किया है। लैपटाप को सेल्फ लिक्विड कूलिंग सिस्टम, कार्बन कवर, 16:10 मिनी एलईडी डिस्प्ले का सपोर्ट मिलता है। यह लैपटाप एनविडिया जीफोर्स आरटीएक्स4090 ग्राफिक्स और इंटेल कोर आइ9-13980एचएक्स प्रोसेसर के साथ आता है।

आनर मैजिक वी2 फोल्डेबल फोन

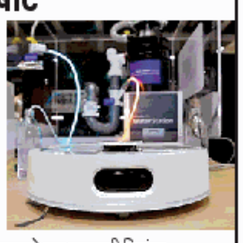

आनर ने मैजिक वी2 फोल्डेबल फोन पेश किया है। यह अब तक का सबसे हल्का और सबसे पतला फोल्डेबल स्मार्टफोन है। मैजिक वी2 फोल्ड होने पर केवल 9.92एमएम मोटा है और इसका वजन 231 ग्राम है। फोन में 50 एमपी प्राइमरी, 50 एमपी अल्ट्रा-वाइड और 20 एमपी टेलीफोटो कैमरा मिलता है। साथ ही 5000 एमएएच की सिलिकान-कार्बन डुअल बैटरी, टाइटेनियम हिंज और ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप है।

अर्बनिस्टा मालिबू सोलर स्पीकर

यह दुनिया का पहला सोलर चार्जिंग वायरलेस स्पीकर है। यह वाटरप्रूफ और डस्टप्रूफ है। इसे रिसाइकल सामग्री से बनाया गया है। इसमें मोबाइल एप के माध्यम से साउंड और बैटरी लेवल को मानिटर करने की सुविधा है। साथ ही, स्टीरियो लिंक फंक्शन भी है, जो दो स्पीकर को एक साथ जोड़ता है। अर्बनिस्टा मालिबू एक टिकाऊ और पोर्टेबल स्पीकर है।

लेनोवो लीजन गो विंडोज गेमिंग डिवाइस

कंपनियां गेमिंग हैंड्हेल्ड लांच कर रही हैं। लेनोवो भी इस दौड़ में शामिल हो गया है। यह विंडोज पर चलता है और इसमें डिटैचेबल कंट्रोलर है। डिवाइस में हाइ-रिजाल्यूशन डिस्प्ले और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी भी है। लेनोवो ने इमर्सिव गेमिंग के लिए लीजन ग्लासेज और लीजन ई510 हेडफोन को भी पेश किया है।

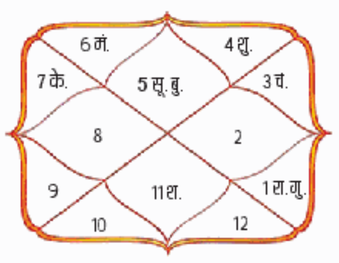

आनर वी पर्स

आनर वी पर्स कांसेप्ट फोन है, जो फैशन और टेक्नोलाजी का अच्छा मिश्रण है। इस फोन को कंपनी ने इवेंट के दौरान शोकेस किया है। फोन में एक आउटर डिस्प्ले मिलता है, जो अलग-अलग पर्स डिजाइन को दिखाता है। स्मार्टफोन को पर्स की तरह कैरी करने के लिए चेन भी मिलती है। फिलहाल यह कांसेप्ट फोन है। फोन का डिस्प्ले खोलने के लिए एक बटन है। इस पर क्लिक करने के बाद फोन को खोल सकते हैं।

स्विचबाट 10 रोबोट

आइएफए 2023 में स्मार्ट होम रोबोटिक्स कंपनी स्विचबाट ने नया स्विचबाट 10 रोबोट वैक्यूम एमओपी पेश किया है। इस डिवाइस की खास बात है कि यह हैंड्स फ्री सफाई और पोंछा लगाने का एक्सपीरियंस प्रदान करता है। यह बैटरी सपोर्ट के साथ आता है और वाटर स्टेशन का उपयोग करके खुद ही पानी की टंकियों को भरता और साफ करता है।

– संतोष आनंद

राष्ट्रीय फलक

न्यूज गैलरी

चार धाम यात्रा की 43 फर्जी वेबसाइट बंद

देहरादून : चार धाम यात्रा के लिए हेली सेवा के टिकट बुकिंग के नाम पर चल रहीं फर्जी वेबसाइट पर पुलिस की कार्रवाई जारी है। उत्तराखंड पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गृह मंत्रालय के सहयोग से अब तक ऐसी 43 फर्जी वेबसाइट बंद करा दी हैं। इन मामलों में अब तक तीन आरोपित गिरफ्तार किए गए हैं और दो को नोटिस भेजे गए हैं। इसके अलावा 12 से अधिक बैंक खातों व बड़ी संख्या में मोबाइल नंबर बंद कराए हैं। एसटीएफ ने स्पष्ट किया है कि चारधाम यात्रा की हेली सेवा बुकिंग के लिए सिर्फ आइआरसीटीसी (इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कार्पोरेशन) की वेबसाइट ही अधिकृत है। इसके अलावा कोई अन्य वेबसाइट नहीं है। (जासं)

युवती ने पिल्ले को जबरन पिलाई बीयर, मुकदमा दर्ज

देहरादून : नेहरू कालोनी क्षेत्र में एक युवती ने कुत्ते के पिल्ले को जबरन बीयर पिलाई और फिर रील बनाकर इंस्टाग्राम पर अपलोड कर दिया। वीडियो प्रसारित होने पर पुलिस ने आरोपित युवती के विरुद्ध पशु क्रूरता अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया है। फव्वारा चौक पुलिस चौकी के दारोगा विकसित पंवार ने नेहरू कालोनी थाने में शिकायत दी है। बताया कि बीते मंगलवार को उन्हें वाट्सएप पर दून पुलिस को टैग करते हुए इंस्टाग्राम का एक लिंक प्राप्त हुआ। जिसको खोलकर देखा तो उक्त लिंक खुश आरडर नाम के प्रोफाइल से पोस्ट की गई रील थी। (जासं)

ईडी ने एक और बांग्ला फिल्म अभिनेत्री को किया तलब

कोलकाता : अभिनेत्री व तृणमूल सांसद नुसरत जहां के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक और बांग्ला फिल्म अभिनेत्री रूपलेखा मित्रा को फ्लैट बिक्री घोटाले में तलब किया है। रूपलेखा पर भी उसी कंपनी से जुड़े होने का आरोप है, जिसने वरिष्ठ नागरिकों को उचित दरों पर आवासीय फ्लैट देने का वादा करके उनसे करोड़ों रुपये की ठगी की थी। सेवन सेंस इंफ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड नामक उक्त कंपनी के कागजात से ईडी को पता चला है कि नुसरत की तरह रूपलेखा भी उसकी पूर्व निदेशक थी। रूपलेखा को 12 सितंबर को सुबह 11 बजे तक कोलकाता के साल्टलेक इलाके में सीजीओ कांप्लेक्स में स्थित ईडी के कार्यालय में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। (राब्यू)

केशव देव मंदिर में जन्मे कन्हाई, ब्रज में खुशियां छाईं

जागरण संवाददाता, मथुरा

मथुरा स्थित प्राचीन मंदिर ठाकुर श्रीकेशव देव महाराज में प्रतीक्षा मध्य रात्रि पूर्ण हुई। कन्हाई का जन्म होते ही घंटे-घड़ियाल बज उठे। राधे-राधे और हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की, के उद्घोष से परिसर गुंजायमान हो उठा। मुरली मनोहर के जन्म पर खुशियां छा गईं। बधाइयां शुरू हो गईं। ब्रज में चहुंओर आनंद हो गया।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव से पूर्व बुधवार को प्राचीन केशव देव मंदिर फूलों से महक उठा और विद्युत सज्जा से जगमग था। मंदिर की भव्यता ठाकुरजी का गुणगान कर रही थी। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालु उमड़ना शुरू हो गए। सांझ होने के साथ ही जन्मोत्सव का उत्साह बढ़ने लगा। श्री कृष्णा सामूहिक संकीर्तन मंडल ने भजनों से ठाकुरजी को रिझाया। भजनों पर भक्त झूमने लगे। रात्रि 10 बजे सेवायतों ने 351 किलोग्राम दूध, दही, शहद, घी, बूरा, केसर और इत्र से भगवान का अभिषेक किया। मंदिर प्रांगण भगवान कृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। रात्रि 11 बजे तक भगवान का अभिषेक चला रहा। आराध्य का रत्नों से श्रृंगार किया गया। ठाकुरजी को राजकोट से मंगाई गई केसरिया-पीले रंग की पोशाक धारण कराई गई। रात्रि एक बजे पट बंद हुए। श्रद्धालुओं को पंचामृत, पंजीरी, पाग और फलों का प्रसाद वितरित किया गया। मंदिर परिसर में देर रात्रि तक शहनाई वादन होता रहा।

गोकुल में हुआ छठ पूजन, आज मनाया जाएगा जन्मोत्सव : नंदभवन नंदकिला मंदिर, गोकुल में बुधवार शाम छठ पूजन किया गया। गुरुवार को जन्मोत्सव मनाया जाएगा। छठ पूजन के साथ ही जन्मोत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम शुरू हो गए। मंदिर को सजाया गया है। गोकुल की गलियों में भक्ति की बयार बह रही है। नंद भवन, नंद किला मंदिर में शाम सात बजे छठ पूजन किया गया। पंडितों द्वारा मंत्रोच्चारण कर छठ पूजन कराया। पुजारी मथुरा दास ने छठ पूजन किया। पूड़ी, हलवा का भोग लगाया गया। मान्यता है कि छठ पूजन करने से संतान प्राप्ति होती है।

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में सजाया गया प्राचीन केशव देव मंदिर। यहां बुधवार को ही कान्हा का जन्मोत्सव मनाया गया। जागरण

दरगाह पर लंबी चादरें न चढ़ाएं, गरीबों के कपड़े बनवा दें : सज्जादानशीन

जागरण संवाददाता, बरेली

अकीदतमंद (श्रद्धालु) दरगाह पर लंबी चादरें चढ़ाने से बचें। चादरों के लिए खरीदे गए कपड़ों को गरीबों में बांट दें। जिन लोगों ने चादरें खरीदने के लिए रुपये एकत्र किए हैं, वे जरूरतमंदों को बांट दें। उन्हें दवा दिला दें। छात्रों को पुस्तकें भेंट कर दें। नए कपड़े दिला दें। लंगर लगवा दें। उर्स के दृष्टिगत दरगाह आला हजरत के सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी ने यह पहल की है। उन्होंने अपील की कि उर्स के दौरान लंबी चादरों के स्थान पर टोकरी में फूल लेकर आएं। इन्हें दरगाह पर चढ़ाकर अकीदत पेश कर सकते हैं।

कोलकाता से आए अकीदतमंद मोहम्मद दाऊद और मुंबई के हाजी सईद नूरी ने पहल पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि इससे जरूरतमंदों की मदद का नया रास्ता मिलेगा। हम सभी इसका पालन करेंगे और अपने क्षेत्रों तक सज्जादानशीन का संदेश पहुंचाएंगे।

10 सितंबर से आला हजरत का तीन दिवसीय उर्स शुरू हो रहा है। बरेलवी सुन्नी मसलक (केंद्र) को मानने वाले देश-विदेश के मुस्लिम इसमें शामिल होने आते हैं। दरगाह कमेटी अनुमान लगा रही कि तीन लाख से अधिक अकीदतमंद हाजिरी देने आएंगे। इसी आधार पर तैयारियां की जा रही हैं। तीनों दिन इस्लामिया इंटर कालेज के मैदान में कान्फ्रेंस होंगी। बिहारीपुर स्थित दरगाह पर हाजिरी भी दी जाएगी।

सज्जादानशीन ने कहा कि लंबी चादरों का जुलूस होने से सड़कों पर जाम लग जाता है। इसे भी ध्यान में रखते हुए ऐसे जुलूस न लेकर आएं। चादरों के स्थान पर अकीदतमंदों का फूल पेश करना भी पर्याप्त है। चादरों की अनिवार्यता नहीं होती है। उन्होंने आसपास जिले के मुस्लिमों से अपील की कि 10 सितंबर से पहले हाजिरी देकर घरों को लौट जाएं।

बरेली स्थित दरगाह आला हजरत। जागरण

स्कूल में मटकी फोड़ प्रतियोगिता के दौरान पिलर गिरा, दो छात्राओं की मौत

संवाद सूत्र, उदयपुर : राजस्थान में उदयपुर शहर के नजदीक जोगी का तालाब स्थित सरकारी स्कूल में जन्माष्टमी उत्सव मनाने के दौरान लोहे का पोल पिलर सहित गिरने से दो छात्राओं की मौत हो गई। तीन छात्रा घायल हो गईं।

जानकारी के अनुसार हादसा उदयपुर के गिर्वा पंचायत समिति क्षेत्र के जोगी का तालाब स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में हुआ है। स्कूल में बुधवार सुबह जन्माष्टमी पर्व मनाया जा रहा था। इसके लिए स्कूल के पोर्च में छात्र-छात्राएं एकत्रित हुए थे। लगभग सवा बारह बजे स्कूल की छत पर ध्वजारोहण के लिए लगा लोहे का पोल ईंट-सीमेंट के पिलर सहित उखड़ कर नीचे बैठी पांच छात्राओं पर आ गिरा। इस हादसे से स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में पांच छात्राएं घायल हो गईं, जिन्हें नजदीकी गीतांजली मेडिकल कालेज के अस्पताल में ले जाया गया। वहां डाक्टरों ने नारायणी और राधा को मृत घोषित कर दिया गया। वंदना, बसंती और केसर का इलाज चल रहा है। नारायणी सातवीं और राधा आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के परिजन भी मौजूद थे।

पति की जमानत को बेचा बेटा, ननद ने हड़पी रकम

जासं, मुरादाबाद : पति चोरी का आरोपित है। फिर भी वह पति धर्म निभा रही है। सुहाग को जेल से निकालने के लिए जिगर के टुकड़े को बेचने का भी 'अपराध' कर डाला। बेटे की कीमत के मिले 40 हजार रुपये ननद के पास रख दिए। ननद की नीयत बिगड़ गई। उसने रुपये देने से इन्कार कर दिया। मामला मुरादाबाद का है। महिला ने पुलिस ने कार्रवाई की गुहार लगाई है। एक युवक एक साल से चोरी के आरोप में जेल में है। पति जिस समय जेल गया, महिला गर्भवती थी। पति के जेल जाने के करीब छह माह बाद एक बेटे को जन्म दिया। वह किसी तरह अपना और बेटे का खर्च चला रही थी। पति की जमानत के लिए अधिक रुपयों की जरूरत थी। महिला ने बताया कि एक माह पहले उसने अपने बेटे को 40 हजार रुपये में कांठ के एक परिवार को बेच दिया। इन रुपयों को उसने ननद के पास रख दिया। मुकदमे की पैरवी के लिए जब उसने रुपये मांगे तो ननद ने मना कर दिया। लिहाजा महिला ने पुलिस से शिकायत की है।

सवर्ण परिवार पर एससी-एसटी एक्ट के 12 केस

अंकित गुप्ता, बदायूं

> बदायूं में एक्ट का दुरुपयोग कर समझौते के नाम पर 20 लाख रुपये वसूलने का आरोप

बदायूं में वरवारा गांव के अकेले सवर्ण परिवार पर 11 वर्षों में एससी-एसटी एक्ट की 12 प्राथमिकी दर्ज कराई गईं। छह मामलों में समझौता हुआ, लेकिन इसके लिए 20 लाख रुपये खर्च करने पड़े। उनका आरोप है कि गांव में कुछ लोग रंजिशन एक्ट का दुरुपयोग कर ब्लैकमेलिंग भी करते हैं। पैरवी करने पर उन्हीं लोगों की शह पर हमला भी किया गया। इसीलिए गांव से पलायन को मजबूर हैं। पीड़ित की शिकायत पर एसएसपी डा. ओपी सिंह ने प्राथमिकी दर्ज करा दी है।

वरवारा गांव में अनुसूचित जाति के लोगों की बहुलता है। अकेले सवर्ण परिवार के संतोष सिंह ने बताया कि 2012 से अनुसूचित जाति के आठ-दस लोगों ने उनके खिलाफ प्राथमिकी लिखानी शुरू कर दीं। मारपीट, छेड़छाड़, लूट, अपहरण और अपमानित करने के आरोप लगाए गए। शुरुआत में पुलिस ने आरोपों को सच मानकर कार्रवाई की। लगातार शिकायतों के बाद पुलिस ने निगरानी शुरू की तो अनुसूचित जाति के लोग कोर्ट के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज कराने लगे। पिछले 11 सालों में उनके खिलाफ 12 प्राथमिकी हो चुकीं हैं। संतोष का कहना है कि चचेरे-तहेरे भाइयों समेत कई लोग मुकदमों में फंसे तो समझौते के प्रयास शुरू हुए। छह मुकदमे समझौते के बाद वापस हो गए, मगर माहौल देखकर खानदान के सभी लोग बिल्सी और बरेली रहने लगे।

संतोष की पत्नी ग्राम प्रधान रेखा सिंह ने बताया कि शेष मुकदमों की पैरवी करने और रुपये देने से इन्कार करने पर दूसरे पक्ष के लोग दबाव बना रहे। उनके इशारे पर चार दिन पहले घर में घुसकर मारपीट-पथराव किया गया। मंगलवार को एसएसपी डा. ओपी सिंह को घटनाक्रम बताया तो उन्होंने हमला करने के आरोपित धर्मेंद्र समेत 10 के विरुद्ध बलवा और मारपीट आदि धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों में चुनावी रंजिश भी है। एक्ट के दुरुपयोग व ब्लैकमेलिंग के साक्ष्य मिले तो कार्रवाई और रिकवरी के प्रयास भी किए जाएंगे।

ऐसे शुरू हुआ प्राथमिकी का सिलसिला : रेखा ने बताया कि 2012 में अनुसूचित जाति की एक लड़की सजातीय युवक के साथ चली गई थी। उस प्रकरण में पुलिस ने उनके यहां दोनों पक्षों को बैठाकर समझौता करा दिया था। इसके बाद से अनुसूचित जाति के कुछ लोग रंजिश मानने लगे। पहला मुकदमा मारपीट का दर्ज कराया गया था। पिछली बार चक्रानुक्रम में गांव की सीट सामान्य महिला के लिए आरक्षित होने पर चुनाव लड़ा। गांव के अधिकतर लोग मददगार हैं, उन्हीं के बूते जीत हुई। उसके बाद से दूसरा पक्ष घेराबंदी के बहाने ढूंढने लगा। आठ-दस लोगों को छोड़कर पूरा गांव सहयोग करता है।

दूसरा पक्ष बोला, दबंगई दिखाते हैं : धर्मेंद्र का कहना है कि झूठी प्राथमिकी लिखाई गई है। उनके भाई राजू ने बताया कि संतोष-रेखा का परिवार दबंगई दिखाता है।

अनुसूचित जाति की युवती से मुस्लिम युवकों ने किया दुष्कर्म, गोमांस खिलाया

जागरण संवाददाता, बरेली

> एक मुस्लिम युवती भी षड्यंत्र में शामिल, वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग

बरेली में अनुसूचित जाति की युवती से दो मुस्लिम युवकों ने बेहोश कर सामूहिक दुष्कर्म किया। इसमें एक मुस्लिम युवती की भूमिका है। उसने पहले पीड़िता से दोस्ती और फिर होटल बुलाया। उस पर भरोसा कर होटल पहुंची तो वहां मौजूद दो मुस्लिम युवकों ने बेहोश कर सामूहिक दुष्कर्म किया। जबरन गोमांस खिलाया। मुस्लिम युवती ने इसका वीडियो भी बना लिया। इसके सहारे तीनों ब्लैकमेलिंग करने लगे। पीड़ित से पांच लाख रुपये मांगे। वह इंतजाम नहीं कर सकी तो वीडियो उसके मंगेतर को भेज दिया। तीनों आरोपित कुछ अन्य मुस्लिम लड़कों से संबंध बनाने का दबाव बना रहे थे। बुधवार को पुलिस ने आरोपित शिफत, शोएब और नदीम के विरुद्ध प्राथमिकी लिखकर हिरासत में ले लिया।

पुलिस के अनुसार, आरोपितों के विरुद्ध सामूहिक दुष्कर्म, एससी-एसटी एक्ट, धमकी, रंगदारी की धाराओं में प्राथमिकी लिख ली है। शोएब बीफार्मा कर रहा जबकि नदीम उर्फ विक्की हेयर ड्रेसर है। वीडियो प्रसारित करने के बाद दोनों आरोपित कश्मीर भागने की फिराक में थे। वहां नदीम की दुकान है। पीड़ित युवती ने बताया कि मित्रता के कारण शिफत अंसारी को 30 हजार रुपये उधार दिए थे। गत एक सितंबर को उधारी वापस मांगी तो उसने दो सितंबर को एक कैफे में बुलाया। वहां शिफत के साथ शोएब और नदीम भी बैठे थे। शिफत ने कहा कि सेटेलाइट चौराहा के पास रजानी होटल में कुछ काम है। वहीं रुपये मिलेंगे। उसके कहने पर दो घंटे बाद होटल के रिशेप्शन पर पहुंची तो कर्मचारी ने कहा कि शिफत कमरे में इंतजार कर रही है। कमरे में पहुंचते ही उसके साथ बैठे शोएब और नदीम ने दबाव बनाकर मिलावटी कोल्ड ड्रिंक पिलाई। इसे पीने के बाद बेहोशी छाने लगी।

https://instadownload.app/ https://saveig.net/ https://instastoryviewer.net/

https://snapfrom.com/ https://instagramvideodownloader.net/ https://instadl.app/

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
आजकल
गुरुवार 7 सितंबर, 2023
14
www.jagran.com

पहली बार अमेरिका में किया गया शिशु इनक्यूबेटर का इस्तेमाल

1888 में आज ही के दिन अमेरिका की एडिथ एलेनोर मैकलीन इनक्यूबेटर में रखी जाने वाली पहली शिशु बनी थी। जन्म के समय एडिथ का वजन सिर्फ एक किग्रा था। इनक्यूबेटर तीन फीट वर्गाकार और चार फीट ऊंचा था। इससे समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं की जीवन दर बढ़ाने में मदद मिली।

मकई पीसने के लिए किया गया पहली बार ट्रेडमिल का इस्तेमाल

1822 में आज ही के दिन अमेरिका में न्यूयार्क के एक जेल में मकई पीसने के लिए पहली बार ट्रेडमिल का इस्तेमाल किया गया था। साइकिल के पहिए की तरह दिखने वाले ट्रेडमिल पर एक समय में आठ से 16 कैदियों को चलाया जाता था। इसी तकनीक के आधार पर आधुनिक ट्रेडमिल को तैयार किया गया है।

गोपीनाथ को दिया जाता है तंत्र शास्त्र को पहचान दिलाने का श्रेय

संस्कृत विद्वान पंडित गोपीनाथ कविराज का जन्म 1887 में आज ही अविभाजित भारत के ढाका (अब बांग्लादेश में) में हुआ था। वर्ष 1914 में वाराणसी के संस्कृत कालेज में लाइब्रेरियन के रूप में नौकरी शुरू की। इस दौरान तंत्र अनुसंधान में रुचि लेने लगे। वर्ष 1923 में संस्कृत कालेज के प्राचार्य बन गए। वर्ष 1964 में कालेज में तंत्रागम विभाग की स्थापना कर पूरी दुनिया में तंत्रशास्त्र को पहचान दिलाई। उन्होंने योग क्रिया पर भारतीय संस्कृति और साधना, साधु दर्शन एवं सत्प्रसंग जैसी कई पुस्तकें भी लिखीं।

इधर-उधर की

महिला ने बकरी के लिए खरीदा ट्रेन टिकट

नई दिल्ली, जेएनएन : एक ट्रेन में अपनी बकरी के साथ सफर कर रही एक महिला यात्री की ईमानदारी ने हर किसी का दिल जीत लिया है। इस महिला का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित किया जा रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला बकरी और एक अन्य व्यक्ति के साथ खड़े होकर यात्रा कर रही थी। इसी बीच टीटीई ने महिला से टिकट मांगा। इस पर महिला के साथ खड़े शख्स ने टिकट दिखाया। टीटीई ने पूछा कि बकरी का टिकट नहीं लिया है? महिला ने मुस्कुराते हुए टिकट दिखा दिया। भाषा से अनुमान लगाया जा रहा है कि वीडियो बंगाल से गुजरने वाली किसी ट्रेन में शूट किया गया है।

नेटिजन कर रहे हैं महिला की ईमानदारी की चर्चा ● इंटरनेट मीडिया

'शुकपा' से हरे-भरे होंगे स्पीति की घाटियां व लद्दाख के पहाड़

बड़ी सफलता ▶ 20 वर्षों के शोध के बाद विज्ञानियों की कसौटी पर खरा उतरा जुनिपरस पोलिकार्पोस, दूर होगी आक्सीजन की कमी

शीत मरुस्थल में 70 से 80 प्रतिशत दर्ज हुई पौधे के जीवित रहने की दर

हंसराज सैनी, मंडी

हिमाचल प्रदेश के दुर्गम जिले लाहुल स्पीति के स्पीति घाटी व केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के पहाड़ शीघ्र हरे-भरे नजर आएंगे। इससे पर्यावरण को संबल मिलेगा। आक्सीजन की कमी दूर होगी। शीत मरुस्थल को हरा-भरा बनाने के हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान (एचएफआरआइ) के विज्ञानियों के प्रयास रंग लाए हैं। करीब 20 वर्षों के शोध के बाद जुनिपरस पोलिकार्पोस (शुकपा) के पौधे शीत मरुस्थल की पहाड़ियों पर जीवित रहने के योग्य विकसित हुए हैं।

आंतरिक शुष्क एवं शीत मरुस्थल क्षेत्रों में पाया जाता है शुकपा : शुकपा हिमालयीन क्षेत्र के आंतरिक शुष्क एवं शीत मरुस्थल क्षेत्रों में समुद्र तल से 3000 से 4500 मीटर की ऊंचाई पर होता है। आमतौर पर यह हिमाचल प्रदेश के किन्नौर, लाहुल स्पीति, जम्मू-कश्मीर की गुरेज घाटी, लद्दाख, कारगिल व उत्तराखंड के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाया जाता है। इसमें बड़ी मात्रा में हरे रंग का गोलाकार बेर लगते हैं, जो पकने पर नीले व काले रंग के हो जाते हैं।

2003 में लुप्तप्राय: प्रजाति में शामिल : 2003 में जुनिपरस पोलिकार्पोस पर खतरे की स्थिति का मूल्यांकन करते हुए इसे उत्तर-पश्चिमी हिमालयीन क्षेत्र के लिए लुप्तप्रायः प्रजाति के रूप में वर्गीकृत किया था। इसके बीजों की सुप्तावस्था को तोड़ने की विधि और नर्सरी एवं पौधरोपण तकनीक विकसित करने के लिए शोध की सिफारिश की गई थी।

प्रयोगशाला में तैयार किए गए शुकपा के पौधे। सौ. संस्थान

पौधशाला में पौधे उगाने का रास्ता साफ

हिमालयीन वन अनुसंधान संस्थान शिमला के विज्ञानी पीतांबर सिंह नेगी के 15 वर्षों के अथक प्रयास एवं शोध से बीज प्रौद्योगिकी, नर्सरी व पौधरोपण की तकनीक विकसित की गई। संस्थान ने 17,000 से ज्यादा जुनिपरस पोलिकार्पोस के पौधे विभिन्न पौधशाला में उगाए। तत्पश्चात इन पौधों को हिमाचल प्रदेश व केंद्रशासित लद्दाख के शुष्क शीतोष्ण एवं शीत मरुस्थल क्षेत्रों में पौधरोपण के लिए वन विभाग, स्थानीय लोगों व गैर सरकारी संस्थाओं को वितरित किए गए, ताकि इस पौधे को संरक्षित किया जा सके।

देश के वानिकी इतिहास में पहली बार किया गया इस तरह का पौधारोपण

देश के वानिकी इतिहास में पहली बार स्पीति घाटी के ताबों व लेह में शुकपा का पौधरोपण किया गया। ऐतिहासिक ताबों मठ के परिसर में भी इस पौधे को रोपण कर इसे संरक्षित किया जा रहा है। पौधे की जीवित रहने की दर 70 से 80 प्रतिशत दर्ज की गई है। इससे विज्ञानियों के प्रयासों को और बल मिला है।

सूखी टहनियों व पत्तों का उपयोग धार्मिक अनुष्ठान एवं पूजा में

हिमाचल के किन्नौर, लाहुल स्पीति व केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में इसकी लकड़ी का उपयोग घरों में जलाने के लिए किया जाता है। सूखे टहनियों व पत्तों का उपयोग घरों, मंदिरों व मठों में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान व पूजा के दौरान किया जाता है। स्थानीय लोग शुकपा को पवित्र पौधा मानते हैं।

विभिन्न रोगों के उपचार में उपयोग

पाचन से जुड़ी समस्याओं, मूत्र पथ के संक्रमण, जोड़ों व मांसपेशियों में दर्द के इलाज में इसका उपयोग होता है। इसका इस्तेमाल खाद्य पदार्थों के रूप में भी होता है, बेर का इस्तेमाल मसाले के रूप होता है। इसके अर्क, तेल का उपयोग भी खाद्य व पेय पदार्थों में स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है।

शुकपा के बीज प्रौद्योगिकी, नर्सरी व पौधरोपण तकनीक विकसित होने से शीत मरुस्थल में शीघ्र हरियाली का आवरण नजर आएगा। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक बड़ा बदलाव होगा। - **पीतांबर सिंह नेगी, विज्ञानी एचएफआरआइ**

शुकपा की जीवित दर 70 से 80 प्रतिशत तक होने से लाहुल स्पीति व लद्दाख के पहाड़ हरे-भरे होने का रास्ता साफ हो गया है। इस शोध को धरातल पर उतारने वाले संस्थान के विज्ञानी बधाई के पात्र हैं। - **डा. संदीप शर्मा, निदेशक एचएफआरआइ, शिमला**

चौदह लाख वर्ष पहले इंसान ने पत्थरों को बनाया था गोलाकार

उबेदिया पाषाण युग के पुरातात्विक स्थल से मिले गोलाकार चूना पत्थरों की यह तस्वीर इजरायल के यरुशलम में स्थित हिब्रू विश्वविद्यालय ने जारी की हैं। पुरातत्वविदों में इन पत्थरों को लेकर बहस हो रही है कि यह पत्थर कोई उपकरण बनाने की वजह से एक पत्थर से दूसरे पत्थर पर प्रहार करने की वजह से गोलाकार हुए या ज्यामितीय आकार देने के लिए इन्हें इस आकार में काटा गया। हाल में हुए एक नए अध्ययन में बताया गया है कि चौदह लाख वर्ष पहले इंसानों ने जानबूझकर इन्हें गोलाकार किया, लेकिन इनका क्या उपयोग किया गया, यह पता नहीं चल सका है। एएफपी

इजराइल पुरातन प्राधिकरण (आइएए) और एरियल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी में जूडियन रेगिस्तान की गुफा में पाए गए लकड़ी और चमड़े की म्यान में संरक्षित लगभग 1,900 साल पुरानी चार तलवारों के पमल्स (तलवार के हत्थे पर बना गोलाकार हिस्सा) दर्शाया है। इससे उस युग की जानकारी मिलती है। एएफपी

गर्दन के कैंसर के मरीजों के इलाज में सहायक होंगे नए जीन

लंदन, आइएएनएस : लंदन की क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी की एक टीम ने दो नए जीनों की पहचान की है, जो सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों को कीमोथेरेपी के प्रति प्रतिरोधी बनाते हैं। विश्व में ऐसे बहुत से लोग हैं, जो कीमोथेरेपी या विकिरण के प्रति प्रतिरोधी होते हैं, यानी उन पर कीमोथेरेपी असर नहीं करती है। शोध के मुख्य लेखक मुय-टेक तेह ने कहा अध्ययन से यह भी पता चला है कि सिर और गर्दन के कैंसर में ये दो विशेष जीन हैं,जो केमोरेसिस्टेंस (कीमोथेरेपी प्रतिरोधी) के खिलाफ लड़ने में सक्षम है।

हर साल सिर और गर्दन के कैंसर के 12,422 नए मामले सामने आते हैं। रोगियों की कुल 5 साल की जीवित रहने की दर 25 प्रतिशत से भी कम है। चूंकि इन पर कीमोथेरेपी काम नहीं करता है, ऐसे में दवा का कोई विकल्प भी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में यह जीन चिकित्सा के प्रति ट्यूमर की प्रतिक्रियाशीलता को प्रभावित कर सकते हैं।

अभी इन मरीजों में कारगर नहीं है कीमोथेरेपी, जागी उम्मीद

सिर और गर्दन के कैंसर के मरीजों के इलाज के लिए मिलेगा विकल्प। फाइल

चार महत्वपूर्ण जीन में से खोजे दो: विज्ञानियों के अनुसार उन्होंने कीमो-प्रतिरोधी कैंसर कोशिका रेखाओं के 12 उपभेदों पर 28 जीनों का परीक्षण किया। खोज के दौरान चार 'महत्वपूर्ण' जीन पाए गए, जो विशेष रूप से प्रतिक्रियाशील थे। इसके बाद उन्होंने आगे की जांच की और परीक्षण किया। ये नतीजे 'पर्सनलाइज्ड ट्रीटमेंट', के लिए एक आशाजनक कदम है।

पचास से कम उम्र के कैंसर मरीजों की संख्या 79 % बढ़ी

नई दिल्ली, प्रेट्र : कैंसर से बचाव के लिए कई शोध किए जा रहे हैं, फिर भी इसका खतरा कम नहीं हो रहा है। 30 वर्षों के दौरान पचास वर्ष से कम उम्र के कैंसर मरीजों की संख्या 79 प्रतिशत बढ़ी है। बीएमजे ओनकोलाजी जर्नल में प्रकाशित शोध में कहा गया है कि सबसे अधिक तेजी श्वांस नली और प्रोस्टेट कैंसर से जुड़े मामलों में देखी गई है। सबसे अधिक मौतें ब्रेस्ट, श्वांस नली, फेफड़ा आदि से जुड़े कैंसर से हो रही हैं। स्काटलैंड के एडिनबर्ग विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं ने 204 देशों के 29 कैंसर से जुड़े 1990 से 2019 तक के आंकड़ों का अध्ययन किया। इसमें पाया गया कि 50 से कम उम्र वालों में ब्रेस्ट कैंसर सबसे पहले दिखने वाला कैंसर है। साथ ही यह भी पाया गया कि श्वांस नली और प्रोस्टेट कैंसर में 1990 के बाद तेजी आई है।

गंभीर मानसिक समस्या है एडीएचडी

अनुसंधान

एक नए अध्ययन में पाया गया है कि एडीएचडी के रूप में प्रचलित अतिसक्रियता विकार कई सामान्य और गंभीर मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का कारण हो सकता है।

अटेंशन-डेफिसिट/हाइपरएक्टिविटी डिसआर्डर (एडीएचडी) बच्चों और किशोरों में पाई जाने वाली न्यूरोडेवलपमेंटल दशा है, जो दो तिहाई वयस्कों में आगे भी बनी रहती है। वैश्विक रूप से पांच प्रतिशत बच्चे व किशोर और ढाई प्रतिशत वयस्क इस विकार से पीड़ित हैं। एडीएचडी को अब तक मनोदशा और चिंता के विकार के रूप में विश्लेषित किया जाता रहा है, इसे मानसिक बीमारी से जोड़कर नहीं देखा गया। जर्मनी के आग्जबर्ग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने इस विकार में एनोरेक्सिया नर्वोसा का 28 प्रतिशत उच्च जोखिम पाया और नौ प्रतिशत लोगों में दोनों जोखिम देखे गए। इसके कारण इनमें से 76 प्रतिशत लोग अवसाद के शिकार हो गए। परिणाम स्वरूप 30 प्रतिशत लोगों में आत्महत्या का प्रयास और 18 प्रतिशत में पोस्ट ट्रामेटिक स्ट्रेस डिसआर्डर (पीटीएसडी) का जोखिम देखा गया। शोधकर्ताओं का यह निष्कर्ष बीएमजे मेंटल हेल्थ जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

शोध टीम ने अध्ययन में मेंडेलियन रैंडोमिसेशन तकनीक का इस्तेमाल किया। इस दौरान सात समस्याओं के साक्ष्य मिले। इनमें अवसाद, बाइपोलर डिसआर्डर, एंजाइटी डिसआर्डर, सिजोफ्रेनिया, पीटीएसडी, एनोरेक्सिया नर्वोसा और एक बार आत्महत्या का प्रयास शामिल हैं। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

आखिरकार रणबीर संग बनेगी किशोर कुमार की बायोपिक

लंबे समय से निर्देशक अनुराग बसु दिवंगत गायक और अभिनेता किशोर कुमार की बायोपिक बनाना चाहते हैं। रणबीर कपूर की फिल्म बर्फी की रिलीज के बाद ही अनुराग ने उनके साथ किशोर कुमार की बायोपिक बनाने को लेकर घोषणा की थी। लेकिन उनकी जिंदगानी पर फिल्म बनाने को लेकर उनके परिवार की तरफ से हरी झंडी नहीं मिली। तब से फिल्म को लेकर समय-समय पर खबरें आती रहीं, लेकिन फिल्म नहीं बन पाई। अब खबरें हैं कि कापी राइट्स को लेकर आ रही दिक्कतों को निर्माता भूषण कुमार ने किशोर कुमार के परिवार संग बात करके सुलझा लिया है। फिल्म का निर्माण भूषण कुमार के प्रोडक्शन हाउस तले किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि किशोर कुमार के बेटे अमित कुमार कई वर्षों से इस फिल्म को बनाने को लेकर तैयार नहीं थे, लेकिन अब वह तैयार हैं। खबरें हैं कि कहानी पर नए सिरे से काम शुरू होगा, तो वह किशोर कुमार से जुड़ी अहम जानकारियां भी साझा करेंगे। इस फिल्म की कहानी एक साल पहले ही लिख ली गई थी, अब अमित कुमार जो जानकारियां देंगे, उसे भी इसमें शामिल किया जाएगा। अनुराग इस फिल्म को लेकर अब और प्रतीक्षा नहीं करना चाहते हैं। रणबीर भी किशोर कुमार की भूमिका में उतरने के लिए उत्सुक हैं। फिलहाल अनुराग अपनी फिल्म मेट्रो... इन दिनों की शूटिंग में व्यस्त हैं। इसके बाद वह कार्तिक आर्यन संग आशिकी 3 की शूटिंग शुरू करेंगे। इन दो फिल्मों की शूटिंग पूरी होने के बाद वह रणबीर के साथ किशोर कुमार की बायोपिक पर काम शुरू कर देंगे।

रणबीर कपूर होंगे किशोर कुमार की भूमिका में। फाइल

अभिनेत्री कृति सैनन अब अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी दिलचस्पी लेने लगीं हैं। वह अपने प्रोडक्शन हाउस के तले पत्ती फिल्म का सहनिर्माण कर रही हैं।

खुद को सीमित नहीं करना चाहती

अभिनय के साथ अगर इसी क्षेत्र से जुड़े दूसरे कामों को भी करने का मौका मिले, तो भला वह काम क्यों न किया जाए। कई कलाकार हैं, जो अभिनय के साथ फिल्मों का निर्देशन और निर्माण भी कर रहे हैं। हाल ही में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित अभिनेत्री कृति सैनन भी निर्माता बनीं हैं। उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू किया है, जिसके तहत वह दो पत्ती फिल्म का सहनिर्माण करने के साथ उस फिल्म में अभिनय भी कर रही हैं। निर्माता बनने को लेकर वह कहती हैं, 'जब मुझसे यह पूछा जाता है कि आपने अपना प्रोडक्शन हाउस क्यों शुरू किया, तो मैं यही कहती हूं कि क्यों नहीं। मैं अपने आप को कभी भी सीमित नहीं करना चाहती हूं। बचपन में लोग पूछते हैं न कि आपको बड़े होकर क्या बनना है। आप एक चीज बताते हैं, मैं सोचती हूं कि एक ही चीज क्यों, जब आप बहुत सारी चीजें कर सकते हैं। आगे बढ़ते रहने के लिए आपको अपना गियर शिफ्ट करना होगा। कुछ अलग करना होगा।' कृति टाइगर श्राफ के साथ फिल्म गणपत, शाहिद कपूर के साथ एक अनाम फिल्म और दो पत्ती में नजर आएंगी।

फिल्म मिमी के लिए कृति को हाल ही में मिला है राष्ट्रीय पुरस्कार ● मिडडे आर्काइव >>

तो इसलिए गैंगस्टर फिल्में नहीं बना रहे हैं अपूर्व लखिया

समय के साथ फिल्मों में दिखाए जाने वाले विषयों में भी बदलाव दिखता है। फिल्मकार अपूर्व लखिया ने शूटआउट एट लोखंडवाला और हसीना पारकर फिल्मों में मुंबई के गैंगस्टर्स की दुनिया को दर्शाया था। हालांकि, अब वह गैंगस्टर्स से जुड़े विषयों में रुचि नहीं ले रहे हैं। इसका कारण दैनिक जागरण से बातचीत में वह बताते हैं, 'मैं गैंगस्टर फिल्में अब नहीं करूंगा, क्योंकि अब समय बदल गया है। गैंगस्टर बचे ही नहीं है। अब अगर मैं हाजी मस्तान के बारे में फिल्म बनाऊं, और उसमें बताऊं कि हाजी मस्तान टेपरिकार्डर और कैसेटों की तस्करी करता था, तो नई पीढ़ी जुड़ ही नहीं पाएगी। नई पीढ़ी को इन चीजों की तस्करी मजाक लगेगी। अब गैंगस्टर्स या गुंडागर्दी देश के कुछ अंदरुनी क्षेत्रों में ही बची है। (हंसते हुए) वहां भी अब तो योगी जी (उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ) ने खत्म कर दिया है। अब व्हाइट कालर अपराध है। बतौर फिल्मकार कहानी मैं वही दिखाऊंगा, जो आजकल चल रहा है। इसके अलावा बाकी जानर की फिल्मों में जो नया और दिलचस्प है मैं फिल्मों में वो विषय उठाता हूं।' बता दें कि अपूर्व गलवान घाटी में हुई भारतीय और चीनी सैनिकों की झड़प की घटना पर आधारित फिल्म बना रहे हैं।

फिल्म शूटआउट एट लोखंडवाला का निर्देशन कर चुके हैं अपूर्व। (इंस्टाग्राम) @lakhiaapoorva

आशुतोष गोवारिकर की फिल्म पर काम करेंगे ऋषभ शेट्टी

'जोधा अकबर' और 'पानीपत' जैसी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्में बना चुके फिल्मकार आशुतोष गोवारिकर एक बार फिर ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर आधारित फिल्म बनाने जा रहे हैं। हालांकि, इस बार उनकी तैयारी अपनी फिल्म के माध्यम से दक्षिण भारतीय इतिहास को बड़े पर्दे पर लाने की है। इसलिए उन्होंने यह फिल्म 'कांतारा' फेम अभिनेता और फिल्मकार ऋषभ शेट्टी के साथ बनाने का निर्णय लिया है। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म को 83 और थलाइवी फिल्मों के निर्माता विष्णु वर्धन इंदुरी प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म की शूटिंग कांतारा 2 की शूटिंग पूरी होने के बाद अगले साल शुरू होगी, क्योंकि ऋषभ फिलहाल कांतारा 2 को लेकर काफी व्यस्त हैं। इस फिल्म में वह अभिनय के साथ निर्देशन की बागडोर भी संभाल रहे हैं। ऐसे में वह कातांरा 2 को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। तब तक आशुतोष इस फिल्म की पटकथा और रिसर्च पर काम करेंगे। फिल्म को भव्य स्तर पर बनाने की योजना है, इसके लिए निर्माता विष्णु वर्धन ने भी आशुतोष को अपने मनमुताबिक पटकथा लिखने की छूट दे दी है। अगर सब कुछ सही रहा तो इस फिल्म को साल 2025 में प्रदर्शित करने की योजना है।

फिल्म कांतारा से ऋषभ को मिली बड़ी लोकप्रियता। (इंस्टाग्राम)@rishabshettyofficial

द रेलवे मैन में वास्तविक व्यक्ति से प्रेरित होगी सनी की भूमिका

फिल्म प्रोडक्शन कंपनी यशराज फिल्म्स (वाइआरएफ) साल 1984 में हुई भोपाल गैस त्रासदी पर वेब सीरीज द रेलवे मैन बना रही है। वाईआरएफ की इस पहली वेब सीरीज में अभिनेता के के मेनन, आर माधवन, दिव्येंदु शर्मा, बाबिल खान और सनी हिंदुजा अहम भूमिकाओं में हैं। इस शो की शूटिंग पूरी हो चुकी है। शो में अपनी भूमिका को लेकर दैनिक जागरण से बातचीत में सनी कहते हैं, 'इस शो के अधिकतर हिस्सों की शूटिंग भोपाल और मुंबई में हुई है। इसमें मेरी भूमिका एक वास्तविक व्यक्ति के जीवन पर आधारित है। मैंने उनको देखा, उनसे मिला और उनकी चीजें समझीं। ऐसे में मेरे लिए इस शो की तैयारी का अनुभव बहुत अच्छा था। रही बात भोपाल की भाषा शैली पकड़ने की तो मैं इंदौरी हूं, मेरे लिए भोपाल की भाषा शैली पकड़ना कोई बड़ी समस्या नहीं थी। हालांकि, निर्माताओं के निर्देशानुसार मैंने उसको अपनी भूमिका में ज्यादा रखा भी नहीं है। शूटिंग के लिए उस दौर के भोपाल स्टेशन का सेट स्थापित किया गया था।'

वेब सीरीज एस्पिरेंट्स से सनी को मिली लोकप्रियता ● इंस्टाग्राम

पटरी पर लौटी फिल्म हंसमुख पिघल गया

हंसमुख पिघल गया फिल्म में बिग बी ने गाना भी गाया है ● मिडडे आर्काइव

फिल्में तरह-तरह के मोड़ से होते हुए दर्शकों तक पहुंचती है। अब हिंदी सिनेमा के महानायक अमिताभ बच्चन, अभिनेता संजय दत्त और जैकी श्राफ अभिनीत फिल्म हंसमुख पिघल गया को ही देख लें। करीब आठ साल पहले संजय दत्त ने अपनी पत्नी मान्यता दत्त के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस करने की घोषणा की थी। हालांकि, उसके बाद संजय को पांच वर्ष के लिए जेल जाना पड़ा और फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई। अब खबरें हैं कि यह कामेडी ड्रामा फिल्म दोबारा पटरी पर लौट चुकी है। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म की निर्देशक सेजल शाह ने एक अन्य निर्माता के साथ मिलकर कुछ दिनों पहले ही इस फिल्म की शूटिंग खत्म कर ली है। व्यस्तता और खराब स्वास्थ्य के पश्चात भी बिग बी ने पिछले महीने इस फिल्म की डबिंग के लिए दो दिनों का वक्त दिया था। अभी संजय और जैकी के हिस्सों की डबिंग बाकी है। फिलहाल फिल्म के पोस्ट प्रोडक्शन पर काम चल रहा है। खास बात यह है कि इस फिल्म में बिग बी के अभिनय के साथ एक बार फिर उनकी गायन कला भी देखने को मिलेगी।

सुपर स्टारडम से दूर हूं और दूर ही रहना चाहता हूं: साहिल

कैमरा के आगे रहना पसंद करते हैं साहिल। इंटरनेट मीडिया

अभिनय के क्षेत्र में कलाकार की कौन सी भूमिका दर्शकों को पसंद आ जाए, कहा नहीं जा सकता है। यूट्यूबर और टीवी पर होस्टिंग कर चुके साहिल खट्टर को कबीर खान निर्देशित फिल्म 83 में बड़ा मौका मिला था। साहिल ने फिल्म में पूर्व क्रिकेटर सैयद किरमानी की भूमिका निभाई थी। हाल ही में वह वेब सीरीज बजाओ में नजर आए हैं। साहिल ने कहा था कि वह काम के मामले में हर दायरों को तोड़ चुके हैं। क्या यह सही है? इस पर साहिल कहते हैं कि मैं उससे तो बहुत दूर हूं। हालांकि मैं उसके पास भी पहुंच जाऊंगा, तो लगेगा कि अभी बहुत दूर हूं। मेरा मानना है कि कलाकार कभी अकेले दायरों को तोड़ नहीं सकता है। मैंने कैमरे के पीछे से काम करना शुरू किया था। फिर मौका मिला तो कैमरा के आगे आया। इंटरनेट मीडिया, यूट्यूब के लिए कंटेंट बनाने के साथ ही एंकरिंग करने का मौका भी मिला। कई बार प्रतिकूल परिस्थिति के बावजूद आगे बढ़ना पड़ता है। मैंने यह सोच लिया है कि अब पीछे मुड़कर देखना नहीं है। थ्री इडियट्स का डायलाग है कि इतनी मुश्किल से तो ये एटीट्यूड आया है। मैं ये एटीट्यूड छोड़ दूं। यह कैसे हो सकता है? मेरी प्रेरणा राजू रस्तोगी वाला पात्र है।

अपनी दोस्तों के साथ समय बिताना पसंद करती हैं अनन्या ● मिडडे आर्काइव

सुहाना-शनाया मुझे बहुत प्रेरित करती हैं: अनन्या

फिल्म इंडस्ट्री में कई स्टार किड्स आपस में करीबी दोस्त भी हैं। अभिनेता चंकी पांडेय की बेटी अनन्या, शाह रुख खान की बेटी सुहाना और संजय कपूर की बेटी शनाया के बीच की दोस्ती काफी मशहूर है। अनन्या छह फिल्में कर चुकी हैं। वहीं सुहाना फिल्म द आर्चीज और शनाया साउथ फिल्म से अभिनय सफर की शुरुआत करेंगी। ऐसे में तीनों के बीच प्रतिस्पर्धा को लेकर दैनिक जागरण साथ बातचीत में अनन्या कहती हैं, 'जब हम तीनों छोटे थे तब अभिनेत्री बनना हम तीनों का ही सपना था। बचपन में हम आपस में बहुत सारे एक्टिंग गेम साथ में खेलते थे। अब यह देखना अच्छा लग रहा है कि हम सब काम कर रहे हैं। हम अपने सपनों को पूरा कर रहे हैं। हम जब मिलते हैं तो सिर्फ काम के बारे में बात नहीं करते हैं। पर हां काम को लेकर चर्चा होती है कि आज क्या सीन शूट किया? आज सेट पर क्या हुआ? अभी हम तीनों ही काम कर रहे हैं तो ज्यादातर सेट के बारे में भी बात होती है। जहां तक प्रतिस्पर्धा की बात है यह अच्छी बात है कि हमारे बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा हो। मुझे वो दोनों बहुत प्रेरित करती है कि मुझे हमेशा बेहतर करना है। मैं यह भी चाहती हूं कि उनके सभी सपने साकार हो। बाकी हमारे बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा होना सामान्य बात है।' अनन्या आगामी दिनों में फिल्म खो गए हम कहां में नजर आएंगी।

https://instadownload.app/ https://savefrom.net/ https://instastoryviewer.net/